शिक्षा निदेशालय

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली सरकार

सहायक सामग्री

2022-23

कक्षा : नौवीं

सामाजिक विज्ञान

मार्गदर्शन:

श्री अशोक कुमार

सचिव (शिक्षा)

श्री हिमांशु गुप्ता

निदेशक (शिक्षा)

डा0 रीता शर्मा

अतिरिक्त शिक्षा निदेशक (स्कूल एवं परीक्षा)

समन्वयक:

श्री संजय सुभाष कुमार
उप शिक्षा निदेशक (परीक्षा)

श्रीमती सुनीता दुआ
विशेष कार्याधिकारी (परीक्षा)

श्री राज कुमार
विशेष कार्याधिकारी (परीक्षा)

श्री कृष्ण कुमार
विशेष कार्याधिकारी (परीक्षा)

उत्पादन मंडल

अनिल कुमार शर्मा

दिल्ली पाठ्य पुस्तक ब्यूरो में **राजेश कुमार**, सचिव, दिल्ली पाठ्य पुस्तक ब्यूरो, 25/2, पंखा रोड, संस्थानीय क्षेत्र, नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित तथा **मुद्रक :** सुप्रीम ऑफसेट प्रेस, 133, उद्योग केन्द्र, EXT.-1, ग्रेटर नोएडा, उ.प.

ASHOK KUMAR
IAS

सत्यमेव जयते

सचिव (शिक्षा)
राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र
दिल्ली सरकार
पुराना सचिवालय, दिल्ली-110054
दूरभाष : 23890187 टेलीफैक्स : 23890119

Secretary (Education)
Government of National Capital Territory of Delhi
Old Secretariat, Delhi-110054
Phone : 23890187 Telefax : 23890119
e-mail : secyedu@nic.in

MESSAGE

Remembering the words of John Deway, "Education is not preparation for life, education is life itself, I highly commend the sincere efforts of the officials and subject experts from Directorate of Education involved in the development of Support Material for classes IX to XII for the session 2022-23.

The Support Material is a comprehensive, yet concise learning support tool to strengthen the subject competencies of the students. I am sure that this will help our students in performing to the best of their abilities.

I am sure that the Heads of School and teachers will motivate the students to utilise this material and the students will make optimum use of this Support Material to enrich themselves.

I would like to congratulate the team of the Examination Branch along with all the Subject Experts for their incessant and diligent efforts in making this material so useful for students.

I extend my Best Wishes to all the students for success in their future endeavours.

(Ashok Kumar)

HIMANSHU GUPTA, IAS
Director, Education & Sports

सत्यमेव जयते

Directorate of Education
Govt. of NCT of Delhi
Room No. 12, Civil Lines
Near Vidhan Sabha,
Delhi-110054
Ph.: 011-23890172
E-mail: diredu@nic.in

MESSAGE

"A good education is a foundation for a better future."
- Elizabeth Warren

Believing in this quote, Directorate of Education, GNCT of Delhi tries to fulfill its objective of providing quality education to all its students.

Keeping this aim in mind, every year support material is developed for the students of classes IX to XII. Our expert faculty members undertake the responsibility to review and update the Support Material incorporating thelatest changes made by CBSE. This helps the students become familiar with the new approaches and methods, enabling them to become good at problem solving and critical thinking. This year too, I am positive that it will help our students to excel in academics.

The support material is the outcome of persistent and sincere efforts of our dedicated team of subject experts from the Directorate of Education. This Support Material has been especially prepared for the students. I believe its thoughtful and intelligent use will definitely lead to learning enhancement.

Lastly, I would like to applaud the entire team for their valuable contribution in making this Support Material so beneficial and practical for our students.

Best wishes to all the students for a bright future.

(HIMANSHU GUPTA)

Dr. RITA SHARMA
Additional Director of Education
(School/Exam)

सत्यमेव जयते

Govt. of NCT of Delhi
Directorate of Education
Old Secretariat, Delhi-110054
Ph. : 23890185

D.O. No. PS/Addl.DE/Sch/2022/131
Dated: 01 सितम्बर, 2022

संदेश

शिक्षा निदेशालय, दिल्ली सरकार का महत्वपूर्ण लक्ष्य अपने विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास करना है। इस उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए शिक्षा निदेशालय ने अपने विद्यार्थियों को उच्च कोटि के शैक्षणिक मानकों के अनुरूप विद्यार्थियों के स्तरानुकूल सहायक सामग्री कराने का प्रयास किया है। कोरोना काल के कठिनतम समय में भी शिक्षण अधिगम की प्रक्रिया को निर्बाध रूप से संचालित करने के लिए संबंधित समस्त अकादमि समूहों और क्रियान्वित करने वाले शिक्षकों को हार्दिक बधाई देती हूँ।

प्रत्येक वर्ष की भाँति इस वर्ष भी कक्षा 9वीं से कक्षा 12वीं तक की सहायक सामग्रियों में सी.बी.एस.ई के नवीनतम दिशा–निर्देशों के अनुसार पाठयक्रम में आवश्यक संशोधन किए गए हैं। साथ ही साथ मूल्यांकन से संबंधित आवश्यक निर्देश भी दिए गए हैं। इन सहायक सामग्रियों में कठिन से कठिन सामग्री को भी सरलतम रूप में प्रस्तुत किया गया है ताकि शिक्षा निदेशालय के विद्यार्थियों को इसका भरपूर लाभ मिल सके।

मुझे आशा है कि इन सहायक सामग्रियों के गहन और निरंतर अध्ययन के फलस्वरूप विद्यार्थियों में गुणात्मक शैक्षणिक संवर्धन का विस्तार उनके प्रदर्शनो में भी परिलक्षित होगा। इस उत्कृष्ट सहायक सामग्री को तैयार करने में शामिल सभी अधिकारियों तथा शिक्षकों को हार्दिक बधाई देती हूँ तथा सभी विद्यार्थियों को उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं देती हूँ।

रीता शर्मा

(रीता शर्मा)

शिक्षा निदेशालय

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली सरकार

सहायक सामग्री

(2022-2023)

सामाजिक विज्ञान

कक्षा : नौवीं

निःशुल्क वितरण हेतु

दिल्ली पाठ्य-पुस्तक ब्यूरो द्वारा प्रकाशित

भारत का संविधान

भाग 4क

नागरिकों के मूल कर्तव्य

अनुच्छेद 51 क

मूल कर्तव्य – भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह –

(क) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;

(ख) स्वतंत्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आंदोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;

(ग) भारत की संप्रभुता, एकता और अखंडता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण बनाए रखे;

(घ) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;

(ङ) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभावों से परे हो, ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो महिलाओं के सम्मान के विरुद्ध हों;

(च) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परंपरा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;

(छ) प्राकृतिक पर्यावरण की, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;

(ज) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;

(झ) सार्वजनिक संपत्ति को सुरक्षित रखे और हिंसा से दूर रहे;

(ञ) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत् प्रयास करे, जिससे राष्ट्र निरंतर बढ़ते हुए प्रयत्न और उपलब्धि की नई ऊँचाइयों को छू सके; और

(ट) यदि माता-पिता या संरक्षक है, छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बालक या प्रतिपाल्य को शिक्षा के अवसर प्रदान करे।

Constitution of India

Part IV A (Article 51 A)

Fundamental Duties

It shall be the duty of every citizen of India —

(a) to abide by the Constitution and respect its ideals and institutions, the National Flag and the National Anthem;

(b) to cherish and follow the noble ideals which inspired our national struggle for freedom;

(c) to uphold and protect the sovereignty, unity and integrity of India;

(d) to defend the country and render national service when called upon to do so;

(e) to promote harmony and the spirit of common brotherhood amongst all the people of India transcending religious, linguistic and regional or sectional diversities; to renounce practices derogatory to the dignity of women;

(f) to value and preserve the rich heritage of our composite culture;

(g) to protect and improve the natural environment including forests, lakes, rivers, wildlife and to have compassion for living creatures;

(h) to develop the scientific temper, humanism and the spirit of inquiry and reform;

(i) to safeguard public property and to abjure violence;

(j) to strive towards excellence in all spheres of individual and collective activity so that the nation constantly rises to higher levels of endeavour and achievement;

*(k) who is a parent or guardian, to provide opportunities for education to his child or, as the case may be, ward between the age of six and fourteen years.

Note: The Article 51A containing Fundamental Duties was inserted by the Constitution (42nd Amendment) Act, 1976 (with effect from 3 January 1977).

*(k) was inserted by the Constitution (86th Amendment) Act, 2002 (with effect from 1 April 2010).

भारत का संविधान

उद्देशिका

हम, भारत के लोग, भारत को एक [1][**संपूर्ण प्रभुत्व-संपन्न समाजवादी पंथनिरपेक्ष लोकतंत्रात्मक गणराज्य**] बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को :

सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक **न्याय,**

विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म

और उपासना की **स्वतंत्रता,**

प्रतिष्ठा और अवसर की **समता**

प्राप्त कराने के लिए,

तथा उन **सब में**

व्यक्ति की गरिमा और [2][**राष्ट्र की एकता और अखंडता**] सुनिश्चित करने वाली **बंधुता**

बढ़ाने के लिए

दृढ़संकल्प होकर **अपनी इस संविधान सभा में** आज तारीख 26 नवंबर, 1949 ई. को **एतद्द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।**

---

1. संविधान (बयालीसवां संशोधन) अधिनियम, 1976 की धारा 2 द्वारा (3.1.1977 से) ''प्रभुत्व-संपन्न लोकतंत्रात्मक गणराज्य'' के स्थान पर प्रतिस्थापित।
2. संविधान (बयालीसवां संशोधन) अधिनियम, 1976 की धारा 2 द्वारा (3.1.1977 से) ''राष्ट्र की एकता'' के स्थान पर प्रतिस्थापित।

THE CONSTITUTION OF INDIA

PREAMBLE

WE, THE PEOPLE OF INDIA, having solemnly resolved to constitute India into a [1]**[SOVEREIGN SOCIALIST SECULAR DEMOCRATIC REPUBLIC]** and to secure to all its citizens :

JUSTICE, social, economic and political;

LIBERTY of thought, expression, belief, faith and worship;

EQUALITY of status and of opportunity; and to promote among them all

FRATERNITY assuring the dignity of the individual and the [2][unity and integrity of the Nation];

IN OUR CONSTITUENT ASSEMBLY this twenty-sixth day of November, 1949 do **HEREBY ADOPT, ENACT AND GIVE TO OURSELVES THIS CONSTITUTION.**

---

1. Subs. by the Constitution (Forty-second Amendment) Act, 1976, Sec.2, for "Sovereign Democratic Republic" (w.e.f. 3.1.1977)
2. Subs. by the Constitution (Forty-second Amendment) Act, 1976, Sec.2, for "Unity of the Nation" (w.e.f. 3.1.1977)

सहायक सामग्री - सामाजिक विज्ञान
कक्षा नौवीं
सत्र - 2022-23

टीम लीडर :

नाम	विद्यालय का नाम
डॉ. संजीव कुमार गौड (विद्यालय प्रमुख)	जी.बी.एस.एस.एस. राजौरी गार्डन एक्सटैंशन

टीम सदस्य :

नाम	विद्यालय का नाम
श्री विकास बंसल (टी.जी.टी)	कोर अकैडेमिक यूनिट, शिक्षा विभाग, सर्वोदय विद्यालय, ईस्ट पंजाबी बाग, दिल्ली
श्री आदित्य दयानन्द कृष्ण (टी.जी.टी)	कोर अकैडेमिक यूनिट, शिक्षा विभाग, पुराना सचिवालय, जी.बी.एस.एस.ई-ब्लॉक, कमला नगर
श्री इमरान खान (टी.जी.टी)	रा.प्र. विकास विद्यालय, नंद नगरी, दिल्ली
श्री नन्द किशोर (पी.जी.टी)	एस.बी.वी, दल्लूपुरा, दिल्ली
श्रीमती आस्था ढींगरा (टी.जी.टी)	राजकीय सर्वोदय कन्या विद्यालय न. 1 मॉडल टॉउन
श्री खलीक अहमद (टी.जी.टी)	सर्वोदय बाल विद्यालय न. 1 (जामा मस्जिद)

वार्षिक पाठ्यक्रम संरचना कक्षा : IX (2022-2023)
विषय: सामाजिक विज्ञान
(सी. बी. एस. ई. विषय कोड संख्या 087)

क्रम संख्या	विषय	अंक
I	इतिहास: भारत व समकालीन विश्व-1	20
II	भूगोल: समकालीन भारत-1	20
III	लोकतान्त्रिक राजनीति-1	20
IV	अर्थशास्त्र	20
	कुल	80
	आंतरिक मूल्यांकन	20
	पूर्णांक	100

पाठ्य पुस्तक	विषय वस्तु	अधिगम उद्देश्य
इतिहास: भारत व समकालीन विश्व-1	**खण्ड 1 घटनाएँ और प्रक्रियाएँ (सभी अध्याय-1 फ्रांसीसी क्रांति)** • अठारहवीं सदी के उत्तरार्द्ध में फांसीसी समाज • क्रांति की शुरुआत • फ्रांस में राजतंत्र का उन्मूलन और गणराज्य की स्थापना • क्या महिलाओं के लिए भी क्रांति हुई? • दास प्रथा का उन्मूलन • क्रांति और रोजाना की जिंदगी • मानचित्र कार्य	• क्रांति से संबन्धित लोगों के नामों, विभिन्न विचारों जिन्होंने क्रांति को प्रोत्साहित किया तथा उन वृहद बलों से परिचित होना जिन्होंने क्रांति को मूर्त रूप प्रदान किया। • क्रांति के इतिहास की पुन:प्राप्ति के लिए लिखित, ख्रश्य एवं श्रव्य माधयमों के उपयोग की जानकारी प्राप्त करना।

	अध्याय-2: यूरोप में समाजवाद एवं रुसी क्रान्ति • सामाजिक परिवर्तन का युग • रूसी क्रांति • पेत्रोग्राद में फरवरी क्रांति • अक्टूबर के बाद क्या बदला? • रूसी क्रांति और सोवियत संघ का वैश्विक प्रभाव • मानचित्र कार्य	• रूसी क्रांति के अध्ययन के द्वारा समाजवाद के इतिहास की पड़ताल करना। • क्रांति को प्रेरित करने वाले विभिन्न विचारों से परिचित होना।
	पाठ-3: नात्सीवाद और हिटलर का उदय • वाइमर गणराज्य का जन्म • हिटलर का उदय • नात्सियों का विश्व दृष्टिकोण • नात्सी जर्मनी में युवाओं की स्थिति • आम जनता और मानवता के खिलाफ अपराधा । • मानचित्र कार्य	• आधुनिक विश्व की राजनीति को आकार देने में नात्सीवाद के महत्वपूर्ण योगदान की चर्चा। • नात्सी नेताओं के भाषणों एवं लेखों से परिचित होना।
भूगोल : समकालीन भारत-1	**अध्याय-1 भारत: आकार और स्थिति** • स्थिति • आकार • भारत एवं विश्व • भारत एवं पडोसी देश • मानचित्र कार्य	• भारतीय उपमहाद्वीप में भारत की अवस्थिति की पहचान ।

	अध्याय–2: भारत का भौतिक स्वरुप • प्रमुख भौगोलिक स्थितियाँ – हिमालय पर्वत, उत्तरी मैदान, प्रायद्वीपीय पठार, भारतीय मरूस्थल, तटीय मैदान, द्वीप समूह • मानचित्र कार्य	• प्रमख स्थलाकतियों की विशेषताओं, अंतर्निहित भूगार्भिक संरचनाओं, विभिन्न चटानों से उनके संबंध तथा खनिजों एवं मृदा के प्रकारों को समझना।
	पाठ–3: अपवाह • विषयवस्तु • भारत में अपवाह तंत्र • हिमालय की नदियाँ– गंगा एवं ब्रह्मपुत्र की नदी प्रणाली • प्रायद्वीपीय नदियाँ – नर्मदा बेसिन, ताप्ती बेसिन, गोदावरी बेसिन, महानदी बेसिन, कृष्णा बेसिन, कावेरी बेसिन • अर्थव्यवस्था में नदियों की भूमिका • नदी प्रदुषण • मानचित्र कार्य	• देश के नदी तंत्र की पहचान करना एवं मानव समाज में नदियों के महत्व को पहचानना।
लोकतान्त्रिक राजनीति–1	**अध्याय–1 लोकतन्त्र क्या ? लोकतन्त्र क्यों?** • लोकतन्त्र क्या है? • लोकतन्त्र की विशेषताएँ । • लोकतन्त्र क्यों? • लोकतन्त्र का वृहत्तर अर्थ	• लोकतन्त्र को परिभाषित करने के अवधारणात्मक कौशलों का विकास। • लोकतन्त्र को विकसित करने की विभिन्न एतिहासिक प्रक्रियाओं और ताकतों की समझ।

		• सामान्य पूर्वाग्रहों के विरुद्ध लोकतन्त्र के परिष्कृत बचाव का विकास । • भारत में लोकतन्त्र के चुनाव और प्रकृति की एतिहासिक समझ का विकास ।
	अध्याय-2: संविधान निर्माण • दक्षिण अफ्रीका में लोकतांत्रिक संविधान। • हमें संविधान की जरूरत क्यों है? • भारतीय संविधान का निर्माण। • भारतीय संविधान के बुनियादी मूल्य ।	• संविधान निर्माण की प्रक्रिया की समझ। • संविधान के प्रति आदर और संवैधानिक मूल्यों की सराहना का विकास। • संविधान की एक जीवंत और प्रगतिशील दस्तावेज के रूप में पहचान।
	अध्याय-3: चुनावी राजनीति • चुनाव क्यों? • चुनाव की हमारी प्रणाली क्या है? • भारत में चुनाव क्यों लोकतंत्रिक है?	• प्रतिनिधि लोकतन्त्र बनाम प्रतिस्पर्धी दलगत राजनीति की समझ। • भारतीय चुनाव प्रणाली से परिचय । • वर्तमान भारतीय चुनाव व्यवस्था को अपनाने के कारणों की समझ। • चुनावी राजनीति में जनता की बढ़ती भागीदारी की सराहना करने की भावना का विकास। • चुनाव आयोग के महत्व की पहचान।

अर्थशास्त्र	**अध्याय–1 पालमपुर की कहानी** • पृष्ठभूमि • उत्पादन के संगठन • पालमपुर में कृषि क्रियाएँ • पालमपुर में गैर–कृषि क्रियाएँ	• एक काल्पनिक गाँव की कहानी के द्वारा मौलिक आर्थिक अवधारणा से परिचित होना।
	अध्याय–2 संसाधन के रूप में लोग • पृष्ठभूमि • पुरूषों एवं महिलाओं द्वारा की जाने वाली आर्थिक क्रियाएँ • बेरोजगारी	• जनसंखायिकीय अवधारणा की समझ। • जनसंख्या का किसी देश के लिए एक संपत्ति या दायित्व के रूप में समझ।
• उपर्युक्त पाठ्यक्रम 30 सितम्बर 2022 तक पूर्ण कर लिया जाए। **• पाठ्यक्रम पूरा होने के पश्चात् मधयावधि परीक्षा के लिए पुनरावृत्ति करवाई जाए।**		
मध्यावधि परीक्षा		

पाठ्य पुस्तक	विषय वस्तु	अधिगम उद्देश्य
इतिहास: भारत और समकालीन विश्व–1	**जीविका, अर्थव्यवस्था एवं समाज** **पाठ–4: वन्य–समाज और उपनिवेशवाद** • वनों का विनाश क्यों? • व्यवसायिक वानिकी की शुरूआत। • वन विद्रोह । • जावा के जंगलों में हुए बदलाव।	• कुछ प्रमुख विद्रोहों के माध्यम से वन्य समुदायों के सामाजिक एवं सांस्कृतिक परिवेश की चर्चा करना। • वनवासी विद्रोहों की प्रकृति की मौखिक रीति–रिवाजों के माध्यम से जानकारी प्राप्त करने की समझ विकसित करना।
	पाठ–5: आधुनिक विश्व में चरवाहे • घुमन्तु चरवाहे और उनकी आवाजाही • औपनिवेशिक शासन और चरवाहों का जीवन • अफ्रीका में चरवाहा जीवन।	• अलग अलग चरवाहा समुदायों के बीच विकास के विभिन्न प्रारूपों की विशिष्टता को दर्शाना। • उपनिवेशवाद का वन्य समाज पर पड़ने वाले प्रभावों एवं वैज्ञानिक वानिकी के निहितार्थों का विश्लेषण। • आधुनिक विश्व में ख़षिगत परिवर्तनों की विभिन्न प्रक्रियाओं को दिखाना। • आधुनिक विश्व के चरवाहों पर आधुनिक राज्यों, सीमांकन, गतिहीनता की प्रक्रिया, चारागाहों का संकुचन तथा बाजारों के विस्तार का विश्लेषण।

भूगोल समकालीन भारत–1	**पाठ–4: जलवायु** ● अवधारणा ● जलवायवी नियंत्रण ● भारत की जलवायु को प्रभावित करने वाले कारक ● अक्षांश, ऊचाँई, दबाव एवं हवा ● (जेट धाराओं, पश्चिमी विक्षोभ एवं उससे संबंधित चित्र) ● ऋतुएँ – शीत ऋतु, ग्रीष्म ऋतु, मानसून का आगमन एवं मानसून की वापसी ● वर्षा का वितरण ● मानसून एकता का परिचायक ● मानचित्र कार्य	● जलवायु को प्रभावित करने वाले विभिन्न कारकों को पहचानना तथा हमारे देश के जलवायविक बदलावों, इसके लोगों के जीवन पर पड़ने वाले प्रभावों की पहचान । ● मानसून की एकता में भूमिका तथा महत्व का वर्णन।
	पाठ–5: प्राकृतिक वनस्पति तथा वन्य प्राणी ● वनस्पति के प्रकार: उष्ण कटिबंधीय सदाबहार वन, उष्ण कटिबंधीय पर्णपाती वन, उष्ण कटिबंधीय कंटीले वन तथा झाड़ियाँ, पर्वतीय वन, मैंग्रोव वन ● वन्य जीव ● मानचित्र कार्य	● विविधा प्राकृतिक वनस्पतियों एवं वन्य जीवों की प्रकृति और वितरण का वर्णन। ● हमारे देश की जैव विविधाता को संरक्षित करने की जागरूकता का विकास।

	पाठ–6: जनसंख्या • जनसंख्या आकार एवं वितरण– भारत की जनसंख्या का आकार एवं वितरण संख्या द्वारा, घनत्व के आधार पर भारतीय जनसंख्या का वितरण। • जनसंख्या वृद्धि एवं जनसंख्या परिवर्तन की प्रक्रिया– जनसंख्या वृद्धि, जनसंख्या परिवर्तन/ वृद्धि की प्रक्रिया • मानचित्र कार्य	• हमारी जनसंख्या के असमान वितरण का विश्लेषण तथा जनसंख्या के बड़े आकार के प्रति जागरूकता प्रकट करना।
लोकतान्त्रिक राजनीति–1	**पाठ–4:संस्थाओं का काम काज** • प्रमुख नीतिगत फैसले कैसे लिए जाते हैं? • संसद • राजनैतिक कार्यपालिका • न्यायपालिका।	• केंद्रीय शासकीय संस्थाओं का अवलोकन। • संसद की भूमिका एवं संसदीय प्रक्रियाओं की पहचान। • राजनीतिक एवं स्थायी कार्यपालिका के कार्यों में अंतर की पहचान। • संसदीय व्यवस्था में कार्यपालिका की विधायिका के प्रति जबाबदेही की समझ। • भारतीय न्यायपालिका की कार्यप्रणाली की समझ।

	पाठ-5: लोकतान्त्रिक अधिकार • पृष्ठभूमि • निर्धनता के दो प्रमुख प्रकार • निर्धनता सामाजिक वैज्ञानिकों की नजर से • निर्धनता का निर्धारण • असुरक्षित समुह • अंतरराज्यीय विभिन्नता • वैश्विक निर्धनता परिदृश्य • निर्धनता के कारक • निर्धनता रोधी उपाय • आगे की चुनौतियाँ	• निर्धनता को एक चुनौती के रूप में समझना। • असुरक्षित समूहों तथा अंतर-राज्यीय असमानताओं को पहचानना। • निर्धनता उन्मूलन के लिए किए जा रहे सरकारी प्रयासों की सराहना करना।
	पाठ-4: भारत में खाद्य सुरक्षा • पृष्ठभूमि • खाद्य सुरक्षा क्या है? • खाद्य सुरक्षा क्यों? • खाद्य असुरक्षित कौन हैं? • भारत में खाद्य सुरक्षा • बफर स्टॉक क्या है? • सार्वजनिक वितरण प्रणाली क्या है? • सार्वजनिक वितरण प्रणाली की वर्तमान स्थिति • सहकारी समितियों की खाद्य सुरक्षा में भूमिका	• खाद्य सुरक्षा का अवधारणा का समझना। • खाद्य आपूर्ति सुनिश्चित करने में सरकार की भूमिका की सराहना और विश्लेषण।
नोट-उपर्युक्त पाठ्यक्रम 31 जनवरी 2023 तक पूर्ण किया जाए। **वार्षिक परीक्षा में संपूर्ण पाठ्यक्रम का मूल्यांकन किया जाएगा।**		
मध्यावधि परीक्षा		

कक्षा के लिए परियोजना कार्य

कालांशः 05 **कुल अंक : 05**

1. प्रत्येक विद्यार्थी को अनिवार्य रुप से एक परियोजना कार्य आपदा प्रबंधन विषय पर करना है।
2. उद्देश्य–आपदा प्रबंधन से संबन्धित परियोजना कार्य विद्यार्थियों को देने का उद्देश्य है कि –

क. विद्यार्थियों में विभिन्न आपदाओं, उसके प्रभाव तथा प्रबंधा के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना।

ख. ऐसी किसी स्थिति से निबटने के लिए उन्हें पहले से ही तैयार करना

ग. आपदा शमन योजना में उनकी भागीदारी सुनिश्चित करना

घ. समुदायों में जागरूकता एवं तत्परता विकसित करने हेतु उन्हें समर्थ बनाना।

3. परियोजना कार्य द्वारा विद्यार्थियों के जीवन कौशलों का विकास करने का प्रयास करना चाहिए।
4. यदि संभव हो तो विभिन्न प्रकार की कलाओं को भी परियोजना कार्य में सम्मिलित किया जाना चाहिए।
5. अपेक्षित उद्देश्यों की पूर्ण प्राप्ति के लिए प्रधनाचार्य/ अध्यापकगणों द्वारा विभिन्न स्थानीय प्राधिकारणों एवं संस्थाओं जैसे– आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, राहत पुनर्वास, राज्यों के आपदा प्रबंधन विभाग, जिला दंडाधिकारी/उपायुक्त, अग्नि शमन, पुलिस, सिविल डिफेंस आदि से सहयोग प्राप्त किया जाए जहाँ स्कूल अवस्थित हैं।
6. परियोजना कार्य के लिए अंक वितरण इस प्रकार है –

क्रम संख्या	आयाम	अंक
1	विषयवस्तु की सटीकता, मौलिकता तथा विश्लेषण	2
2	प्रस्तुतीकरण तथा रचनात्मकता	2
3	साक्षात्कार	1

7. इन परियोजना कार्यों को विद्यार्थियों से क्रियाकलापों जैसे – प्रदर्शनी, वाद–विवाद आदि द्वारा साझा किए जाने चाहिए।
8. परियोजना कार्य के मूल्यांकन संबंधी दस्तावेज विद्यालय द्वारा अनुरक्षित किए जाने चाहिए।

9. एक संक्षिप्त विवरण भी तैयार किया जाएगा जिसमें निम्न बिन्दुओं को उजागर किया गया हो –

    1. व्यक्गित या सामूहिक विचार–विमर्श द्वारों साधित उद्देश्य
    2. क्रियाकलापों का कलेंडर
    3. इस प्रक्रिया से निकले अभिनव विचार
    4. मौखिक जाँच में पूछे गए प्रश्नों की सूची

10. सभी शिक्षक व विद्यार्थी इस बात का ध्यान रखेगें कि परियोजना तथा प्रतिरुप बनाने के लिए पर्यावरण हितैषी सामग्री का उपयोग किया गया हो तथा मितव्ययिता का ध्यान रखा जाए।
11. परियोजना कार्य हस्तलिखित अथवा डिजिटल हो सकता है।
12. परियेजना कार्य के द्वारा शिक्षार्थियों के संज्ञानात्मक, भावनात्मक और मनो प्रेरणा कौशल को बढ़ाने की आवश्यकता है। इसमें शिक्षक मूल्यांकन के साथ – साथ स्व – मूल्यांकन एवं सहपाठी मूल्यांकन तथा परियोजना – आधारित और पूछताछ – आधारित शिक्षा, कला एकीकृत गतिविधियाँ, प्रयोग, मॉडल, क्विज, रोल– प्ले, समूह कार्य, पोर्टफोलियो आदि में विद्यार्थियों की प्रगति शामिल होगी। (एनइपी 2020)

    (परियोजना कार्य में पावर पाइंट प्रजेंटेशन, प्रदर्शनी, प्रहसन, एल्बम, फाइल/गीत एवं नृत्य अथवा सांस्कृतिक कार्यक्रम/ कहानी कहना/वाद–विवाद/पैनल संवाद, पेपर प्रस्तुतीकरण आदि जो भी दृष्टिबाधित विद्यार्थियों के लिए सहज हो उसे शामिल करें।)
13. प्रोजेक्ट रिपोर्ट (आंतरिक परीक्षण का अभिलेख) तीन माह तक जाँच हेतू (यदि कोई हो तो) सुरक्षित रखा जाए।

मानचित्र कार्य

इतिहास

अध्याय-1 फ्राँसीसी क्रांति (फाँस के मानचित्र पर स्थान दिखाकर नाम लिखना/या पहचान करना)

- बोरडेक्स
- नान्ते
- पेरिस
- मार्सिलेस

अध्याय-2: यूरोप में समाजवाद तथा रुसी क्रान्ति (विश्व के मानचित्र पर - दिखाकर नाम / लिखना / पहचान करना)

प्रथम विश्व युद्ध में शामिल प्रमुख देश केन्द्रीय शक्तियाँ- जर्मनी, आस्ट्रिया-हंगरी, तुर्की (ऑटोमन साम्राज्य)

मित्र राष्ट्र- फाँस, इंग्लैण्ड, रुस, संयुक्त राज्य अमेरिका

अध्याय-3: नात्सीवाद तथा हिटलर का उदय

विश्व मानचित्र पर दिखाकर नाम लिखना/पहचान करना व अंकित करना

द्वितीय विश्व युद्ध में शामिल प्रमुख देश-

धुरी राष्ट्र- जर्मनी, इटली, जापान

मित्र राष्ट्र -यूनाइटेड किंगडम, फांस, सोवियत संघ, संयुक्त राज्य अमेरिका नात्सी साम्राज्य विस्तार के क्षेत्र- आस्ट्रिया, पोलेण्ड, चेकलोस्वाकिया (केवल स्लोवाकिया), डेनमार्क, लिथुवानिया, फ्रांस, बेल्जियम ।

भूगोल

अध्याय-1: भारत: आकार और स्थिति

भारत के राज्य व राजधानियाँ, कर्क रेखा, प्रधान याम्योत्तर रेखाय मानचित्र पर दिखाकर नाम लिखना/पहचान करना व अंकित करना

अध्याय-2. भारत के भौतिक लक्षण -

- **पर्वत श्रेणीयाँ** - काराकोरम, जास्कर, शिवालिक, अरावली, विध्यांचल, सतपुड़ा, पश्चिमी घाट, पूर्वी घाट
- **पर्वत शिखर** - के-2, कंचनजंगा, अनाईमुदी।

➢ **पठार** – दक्कन पठार, छोटा नागपुर पठार, मालवा का पठार ।

➢ **तटीय मैदान** – कोंकण, मालाबार, कोरोमण्डल, उत्तरी सरकार

मानचित्र पर दिखाकर नाम लिखना/पहचान करना, अंकित करना।

अध्याय–3: अपवाह

➢ **नदियाँ** – हिमालयी नदी तंत्र–सिन्धु, गंगा, सतलुज

➢ **प्रायद्वीपीय नदी तंत्र** – नर्मदा, तापी, कावेरी, कृष्णा, गोदावरी, महानदी

➢ **झीलें** – वुलर, पुलीकट, सांभर, चिल्का

अध्याय–4: जलवायु

20 से.मी. से कम तथा 400 से.मी. से अधिक वार्षिक वर्षा वाले क्षेत्र केवल पहचान के लिए।

अध्याय–5: प्राकृतिक वनस्पति तथा वन्य जीव

➢ **वनस्पति प्रकार** – उष्णकटिबन्धीय सदाबहार वन, उष्णकटिबन्धीय पर्णपाती वन, कंटीले वन, पर्वतीय वन, मैंग्रोव केवल पहचान करने के लिए

➢ **राष्ट्रीय उद्यान** – कार्बेट, काजीरंगा, रणथम्भौर, शिवपुरी, कान्हा, सिमलीपाल, मानस

➢ **पक्षी अभ्यारण्य** – भरतपुर, रंगनथिटो

➢ **वन्य जीव अभ्यारण्य** – सरिस्का, मुदुमलाई, राजाजी, दाचीगाम (दिखाकर नाम लिखना व अंकित करना।)

पाठ–6: जनसंख्या

➢ सबसे अधिाक तथा सबसे कम जनसंख्या घनत्व वाला राज्य

अनुशंसित पुस्तकें

1 इतिहास: भारत व समकालीन विश्व 1 – NCERT द्वारा प्रकाशित

2 भूगोल : समकालीन भारत–1 – NCERT द्वारा प्रकाशित

3 राजनीति विज्ञान: लोकतान्त्रिक राजनीति–1 – NCERT द्वारा प्रकाशित

4 अर्थशास्त्र: आर्थिक विकास की समझ – NCERT द्वारा प्रकाशित

5 आओ मिल कर चलें एक सुरक्षित भारत की ओर भाग–2 – आपदा प्रबंधन के लिए पाठ्य पुस्तक कक्षा IX– सीबीएसई द्वारा प्रकाशित

SOCIAL SCIENCE (CODE NO. 087)
QUESTION PAPER DESIGN
CLASS IX 2022-23

Times : 3 Hours **Max. Marks:80**

Sr. No.	Competencies	Total Marks	Weightage %
1.	**Remembering and Understanding:** Exhibit memory of previously learned material by recalling facts, terms, basic concepts, and answers Demonstrate understanding of facts and ideas by organizing, comparing, translating, interpreting, giving descriptions, and stating main ideas	28	35%
2.	**Applying :** Solve problems to new situations by applying acquired knowledge, facts, techniques and rules in a different way.	15	18.75%
3.	**Formulating, Analysing, Evaluating and Creating:** Examine and break information into parts by identifying motives or causes. Make inferences and find evidence to support generalizations. Presenting and defending opinions by making judgments about information, validity of ideas, or quality of work based on a set of criteria; Compiling information together in a different way by combining elements in a new pattern or proposing alternative solutions.	32	40%
4.	**Map Skills**	5	6.25%
5.	**Total**	80	100
Note: Teachers may refer 'Learning Outcomes' published by NCERT for developing lesson plans, assessment framework and questions.			

विषय सूची

पाठ्य पुस्तक : भारत व समकालीन विश्व-1 (इतिहास)

अध्याय-1: फ्रांसीसी क्रांति 1-15

अध्याय-2: यूरोप में समाजवाद और रूसी क्रांति 16-31

अध्याय-3: नात्सीवाद व हिटलर का उदय 32-45

अध्याय-4: वन्य समाज व उपनिवेशवाद 46-58

अध्याय-5: आधुनिक विश्व मे चरवाहे 59-71

पाठ्य पुस्तक : समकालीन भारत -1 (भूगोल)

अध्याय-1: भारत: आकार और स्थिति 72-81

अध्याय-2: भारत का भौतिक स्वरूप 82-100

अध्याय-3: अपवाह 101-113

अध्याय-4: जलवायु 114-122

अध्याय-5: प्राकृतिक वनस्पति और वन्य प्रणाली 123-137

अध्याय-6: जनसंख्या 138-146

पाठ्य पुस्तक : लोकतान्त्रिक राजनीति -1

अध्याय-1: लोकतन्त्र क्या? लोकतन्त्र क्यों? 147-155

अध्याय-2: सविंधान निर्माण 156-165

अध्याय-3: चुनावी राजनीति 166-176

अध्याय-4: संस्थाओं का कामकाज 177-189

अध्याय-5: लोकतान्त्रिक अधिकार 190-200

पाठ्य पुस्तक : अर्थशास्त्र

अध्याय-1: पालमपुर गाँव की कहानी 201-212

अध्याय-2: संसाधन के रूम में लोग 213-226

अध्याय-3: निर्धनता: एक चुनौती 227-240

अध्याय-4: भारत में खाद्य सुरक्षा 241-251

अभ्यास प्रश्न पत्र-1 252-258

अभ्यास प्रश्न पत्र-2 259-266

अध्याय-1

फ्रांसीसी क्रांति

एस्टेट्स का समाज.
ध्यान दें कि तृतीय एस्टेट में कुछ लोग धनी हैं तो कुछ निर्धन भी हैं।

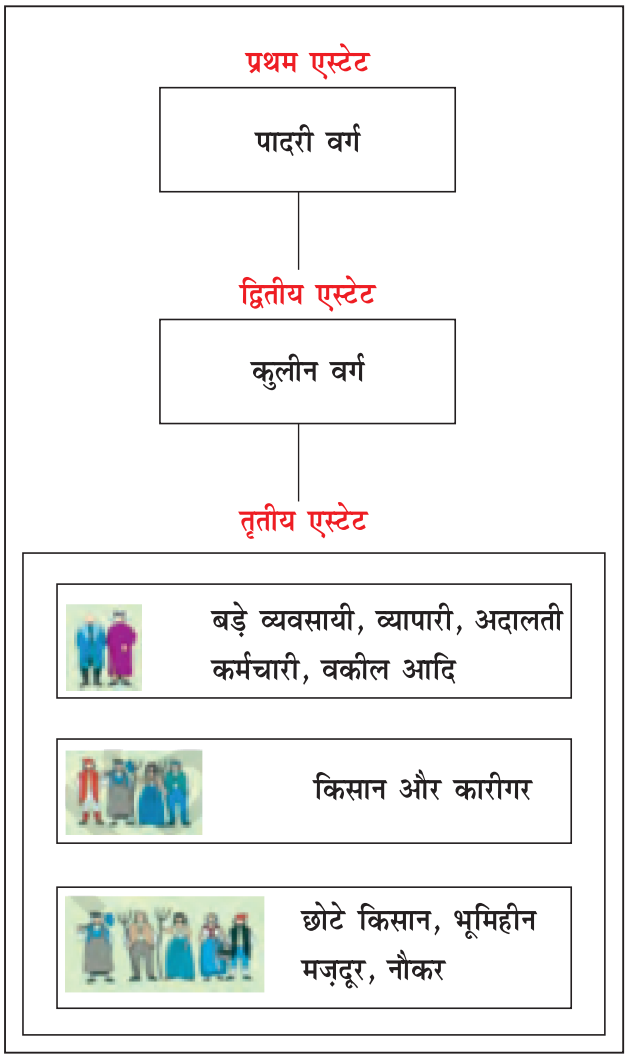

याद रखने योग बातें:

- अठारहवीं शताब्दी के दौरान फ्रांसीसी समाज तीन वर्गों में विभाजित था:
  1. **प्रथम एस्टेट,** जिसमें चर्च के पादरी आते थे,
  2. **द्वितीय एस्टेट,** जिसमें फ्रांसीसी समाज का कुलीन वर्ग आता था, तथा
  3. **तृतीय एस्टेट,** जिसमें बड़े व्यवसायी, व्यापारी, अदालती कर्मचारी, वकील, किसान, कारीगर, भूमिहीन मजदूर आदि आते थे।
- लगभग 60% जमीन पर कुलीनों, चर्च और तीसरे एस्टेट के अमीरों का अधिकार था।
- तृतीय एस्टेट से चर्च द्वारा वसूला जाने वाला कर था- **टाइद (TITHE)**
- तृतीय एस्टेट से सरकार द्वारा वसूला जाने वाला टैक्स था- **टाइल (TAILLE)**
- प्रथम दो एस्टेट्स – पादरी वर्ग और कुलीन वर्ग के लोगों को जन्म से कुछ विशेषाधिकार प्राप्त थे जैसे – राज्य को दिये जाने वाले कर (टैक्स) से छूट।
- राज्य के सभी टैक्स केवल तृतीय एस्टेट द्वारा वहन किए जाते थे।
- **1774** में **लुई (XVI)** फ्रांस की राजगद्दी पर आसीन हुआ।
  1. वह फ्रांस के **बूर्वो राजवंश** का राजा था।
  2. उसका विवाह आस्ट्रिया की राजकुमारी मेरी एन्तोएनेत से हुआ था।
  3. राज्यारोहण के समय उसका राजकोष खाली था जिसके निम्नलिखित कारण थे:
- लंबे युद्धों के कारण वित्तीय संसाधनों का नष्ट होना,
- पूर्ववर्ती राजाओं की शानो शौकत पर फिजूलखर्ची,
- अमरीकी स्वतंत्रता संघर्ष में ब्रिटेन के खिलाफ अमेरिका की सहायता करना,
- जनसंख्या का बढ़ना और जीविका संकट ।

- मध्यम वर्ग, जिसमें वकील, शिक्षक, लेखक, विचारक आदि आते थे, ने जन्म आधारित विशेषाधिकार पर प्रश्न उठाने शुरू कर दिये।
- बढ़ते कर्ज के दवाब में लुई **ग्टप् ने 5 मई 1789 को एस्टेट जेनराल की बैठक बुलाई** ताकि नए करों की मंजूरी ली जा सके।
- एस्टेट जेनराल में **मतदान 'एस्टेट के आधार पर** होता था न कि व्यक्ति के आधार पर।
- लेकिन इस बार तीसरे एस्टेट के लोग व्यक्ति आधारित मतदान की माँग करने लगे।
- लुई ग्टप् ने उनकी माँग खारिज कर दी जिसके विरोध में तीसरे एस्टेट के लोगों ने बैठक कर सभा से बाहर चले गए।
- **20 जून 1789** को वे लोग वर्साय के एक टेनिस कोर्ट में एकत्रित हुए और अपने आप को **नेशनल असेंबली** घोषित कर दिया।
- इधर पूरे फ्रांस में महंगाई और अफवाहों का बाजार गर्म था और जगह-जगह हिंसक प्रदर्शन होने लगे।
- **14 जुलाई 1789** को क्रुद्ध भीड ने बास्तील के किले को तोड़ दिया और राजनितिक कैदियों को रिहा करवा लिया।
- बास्तील का किला सम्राट की निरंकुश शक्तियों का प्रतीक था।
- अपनी विद्रोही प्रजा की शक्तियों का अनुमान करके लुई XVI ने नेशनल असेंबली को मान्यता दे दी और अपनी सत्ता पर संविधान का अंकुश स्वीकार कर लिया।
- **4 अगस्त 1789** की रात को असेंबली ने करों, कर्तव्यों और बंधनों वाली सामंती व्यवस्था के उन्मूलन का आदेश पारित कर दिया।
- **1791** में फ्रांस में **संवैधानिक राजतंत्र** की नीव पड़ी।
- संविधान पुरूष एवं नागरिक अधिकार घोषणापत्र के साथ शुरू हुआ था।
- नए संविधान के अनुसार, सक्रिय नागरिक

1. मतदान का अधिकार केवल सक्रिय नागरिकों को मिला जो:

- पुरूष थे
- जिनकी उम्र 25 वर्ष से अधिक थी,
- जो कम से कम तीन दिन की मजदूरी के बराबर कर चुकाते थे,

2. महिलाओं एवं अन्य पुरूषों को निष्क्रिय नागरिक कहा जाता था।
3. राजा की शक्तियों को विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका में विभाजित एवं हस्तांतरित कर दिया गया।

- **10 अगस्त 1792 को जैकोबिन क्लब** के सदस्यों ने **रोबिस्प्येर** के नेतृत्व में नयी शासन व्यवस्था के खिलाफ विद्रोह कर दिया।
- **21 सितंबर 1792 को फ्रांस को गणतन्त्र घोषित कर दिया** गया और नवनिर्वाचित असेंबली को **'कन्वेन्शन'** नाम दिया गया।
- **21 जनवरी 1793** को लुई ग्टप् को फ्रांस के खिलाफ साजिश रचने के आरोप में फाँसी दे दी गयी।
- **1793 से 1794** के दौरान रोबिस्प्येर ने क्रूरतापूर्वक राज्य किया इसलिए इस काल को **'आतंक का काल'** भी कहते हैं ।
- जून 1794 मे रोबिस्प्येर को गिलोटिन पर चढ़ा दिया गया।
- रोबिस्प्येर के पतन के बाद फ्रांस का शासन मध्यम वर्ग के सम्पन्न लोगों के पास आ गया।
- उन्होंने **पाँच सदस्यों वाली एक कार्यपालिका – डिरेक्टरी** को नियुक्त किया जो फ्रांस का शासन देखती थी लेकिन अक्सर विधान परिषद से उनके हितों का टकराव होता रहता था।
- इस राजनैतिक अस्थिरता का फायदा **नेपोलियन बोनापार्ट** ने उठाया और उसने 1799 में डिरेक्टरी को खत्म कर दिया और **1804 में फ्रांस का सम्राट बन गया।**
- **1815 में वाटरलू** में उसकी पराजय हुई और उसे बंदी बना लिया गया।

- फ्रांसीसी क्रांति के मूल तत्व–स्वतन्त्रता, समानता और बंधुत्व ने पूरे विश्व पर प्रभाव डाला।
- **1848** में फ्रांस के सभी उपनिवेशों से **दास प्रथा का उन्मूलन** कर दिया गया।
- **महिलाओं को मतदान का अधिकार 1946** में जाकर मिला।

एक नजर में :

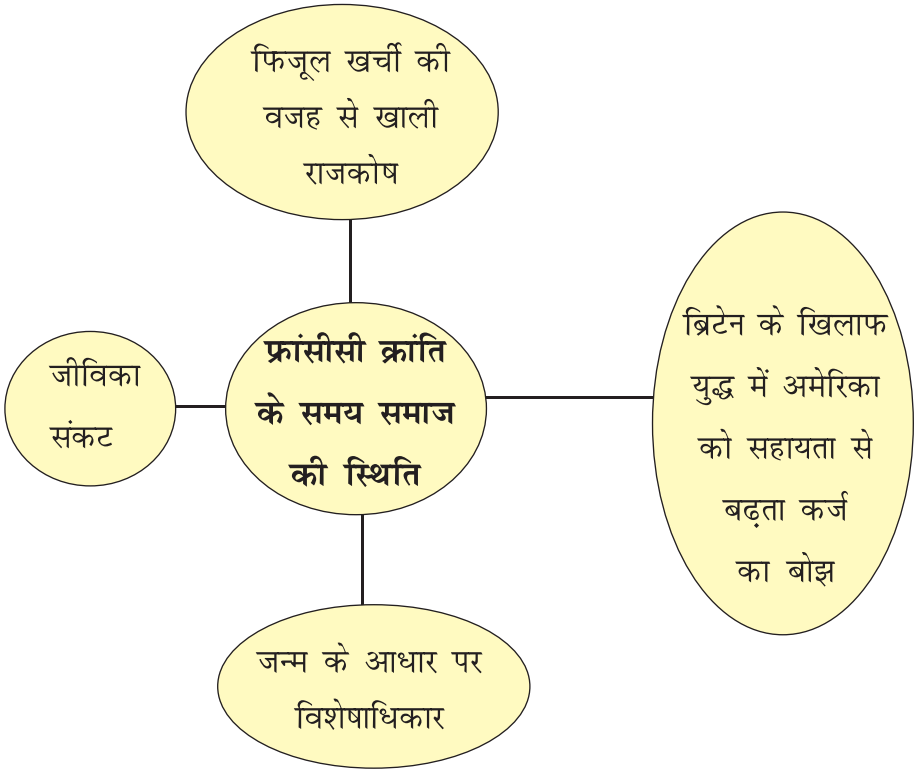

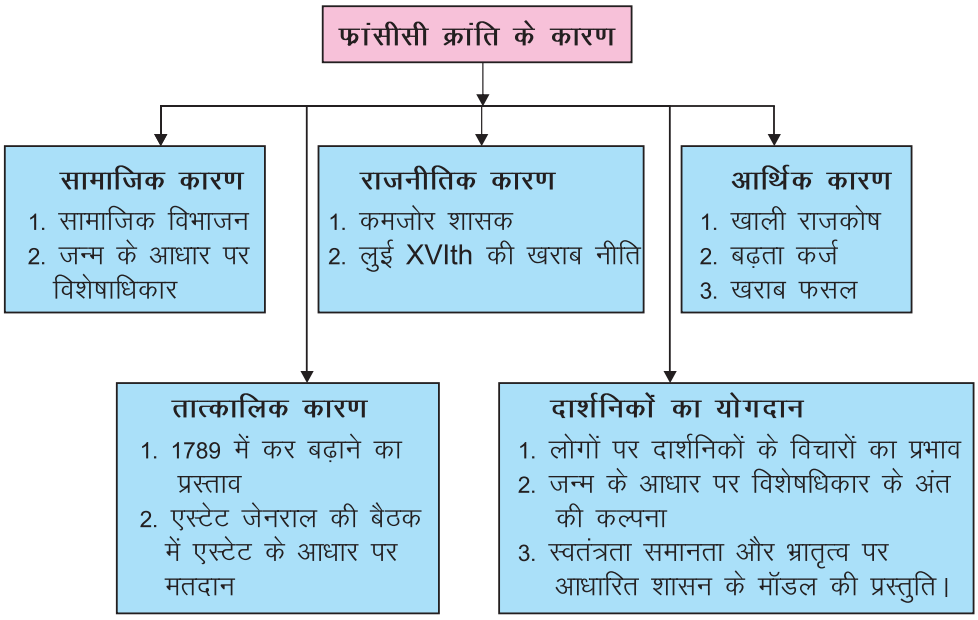

फ्रांस का मानचित्र

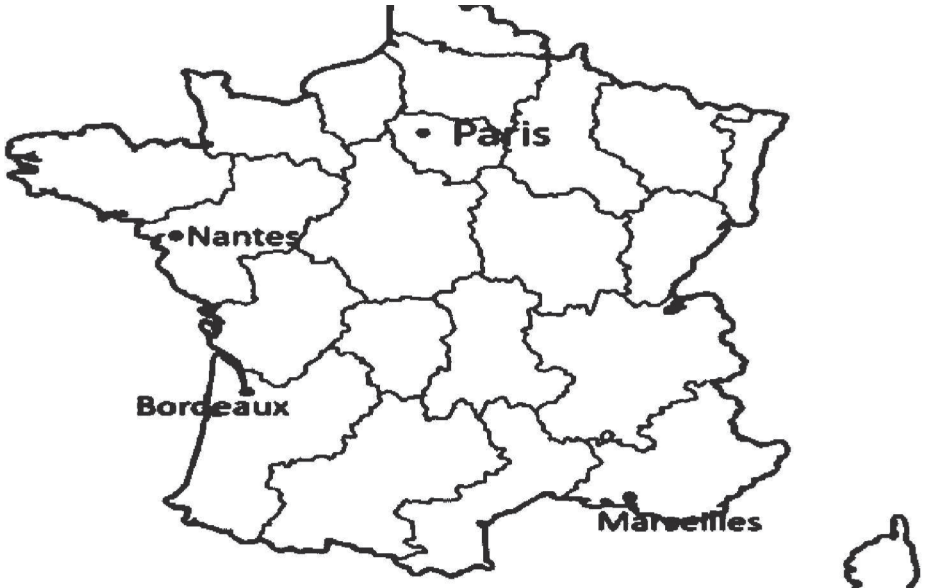

Political Map of France (not on scale)

गतिविधि पत्रक

फ्रांसीसी क्रांति : तारीखों की नजर से

1774	लुई XVI फ्रांस की राजगद्दी पर आसीन हुआ।
5 मई 1789	----------
20 जून 1789	तीसरे एस्टेट के लोग इंडोर टेनिस कोर्ट में एकत्रिम हुए।
14 जुलाई 1789	----------
4 अगस्त 1789	----------
10 अगस्त 1789	जैकोबिन क्लब के सदस्यों ने विद्रोह कर दिया।
1791	----------
10 अगस्त 1792	----------
21 सितम्बर 1792	----------
21 जनवरी 1793	लुई XVI को फाँसी दे दी गयी।
जुलाई 1794	----------
26 अक्टूबर 1795	----------
1804	----------
1815	----------
1848	----------
1946	महिलाओं को मतदान का अधिकार मिला।

1 अंक वाले प्रश्न

1. फ्रांस की क्रांति के समय फ्रांस का सम्राट कौन था?

(a) लुई XVI (b) लुई XIV

(c) आबे शिए (d) रूसो

2. 'द' सोशल कॉन्ट्रैक्ट' नामक पुस्तक किसने लिखी?

(a) नेपोलियन (b) रूसों

(b) आबे शिए (d) रोवेस्पियर

3. लुई XVI किस राजवंश का था?

(a) बूर्बो (b) लोबिनी

(c) लोबार्डी (d) सेक्सोनी

4. फ्रांस में 1794 तक चलने वाली मुद्रा का नाम था:

(a) टाइद (b) लिव्रे

(c) टाइल (d) डिरेकट्री

5. नेपोलियन फ्रांस का सम्राट कब बना?

(a) 1804 (b) 1799

(c) 1815 (d) 1789

6. वाटरलू का युद्ध नेपोलियन ने सन् ---------- में लड़ा।

7. फ्रांस का राष्ट्रगान ---------- है।

8. फ्रांस का राष्ट्रगान ---------- ने लिखा।

9. फ्रांसीसी उपनिवेश से दास प्रथा का उन्मूलन सन् ---------- में हुआ।

10. जैकोबिन क्लब का प्रमुख नेता ---------- था।

11. किस एस्टेट को 18 वी. सदी के फ्रांस में सभी कर चुकाने पड़ते थे?

12. 'एस्टेटस जेनराल' क्या था?

13. फ्रांस गणतंत्र कब बना?

14. 14 जुलाई 1789 को किस किले को तोड़कर राजनीतिक कैदियों को भीड़ ने रिहा करवा लिया था?

15. 'डिटेक्ट्री शासन व्यवस्था' का अंत किसने किया?

16. उपज का दसवाँ भाग जो चर्च के द्वारा कर के रूप में लिया जाता था उस कर का नाम लिखें।

17. किस पुस्तक में सरकार की शक्तियों के बंटवारे का प्रस्ताव पेश किया गया था?

18. टाइल किस प्रकार का कर था?

19. 'टू ट्रीटाइजेज ऑफ गवर्नमेंट' नामक पुस्तक किसने लिखी थी?

20. किस पुस्तक में 'एक व्यक्ति एक मत' का विचार प्रस्तुत किया गया था ?

21. बताइए नीचे दिया गया किसका प्रतीक है?

22. **निम्नलिखित प्रश्न दो कथनों – दृढ़ कथन (A) और कारण (R) के रूप में दिए गए हैं। कथनों को पढ़िए और सही विकल्प का चयन कीजिए:**

दृढ़ कथा (A): अंततः सन 1946 में फ्राँस की महिलाओं को मताधिकार प्राप्त हुआ।

कारण (R): फ्रांसीसी महिलाओं की राजनैतिक गतिविधियों के उदाहरणों को क्रांतिकारी वर्षों के दौरान एक प्रेरणादायक स्मृति के रूप में जीवित रखा गया।

विकल्प: (a) (A) और R दोनों सही हैं। R सही स्पष्टीकरण है A का।

(b) A और R दोनों सही हैं। R सही स्पष्टीकरण नही है A का।

(c) A सही है और R गलत है।

(d) A गलत है और R सही है।

3 या 5 अंको वाले प्रश्न

1. लुई XVI के राज्यरोहण के समय फ्रांस की आर्थिक स्थिति कैसी थी?
2. तीसरे एस्टेट की व्याख्या करें।
3. 4 अगस्त 1789 को नेशनल असेंबली ने क्या आदेश पारित किए?
4. फ्रांसीसी समाज की महिलाओं का जीवन कैसा था ?
5. महिलाओं ने अपने हितों की हिमायत कैसे की?
6. जैकोबिन क्लब के सदस्य कौन थे?
7. दुनियाँ के लिए फ्रांसीसी क्रांति कौन सी विरासत छोड़ गई?
8. नेपोलियन के उदय को कैसे समझा जा सकता है?
9. फ्रांसीसी क्रांति में दार्शनिकों के योगदान का वर्णन करें।
10. 1791 में फ्रांस में बनाए गए कानून की तीन विशेषताएँ बताएँ।
11. जैकोबिन क्लब के सदस्यों को 'सौकुलात' क्यों कहा जाता था?
12. क्या आप इस बात से सहमत हैं कि सार्वभौमिक अधिकारों के संदेश में नाना अंतविरोध थे?
13. रोबेस्प्यिर के शासन काल को आतंक का राज क्यों कहा जाता था?

स्त्रोत आधारित प्रश्न (4 अंक)

14. नीचे दिए अनुच्छेद को पढ़िए एवं पूछे गए प्रश्नों का उत्तर दिजिए।

जैकोबिन क्लब के सदस्य मुख्यत: समाज के कम समृद्ध हिस्से से आते थे।

इनमें छोटे दुकानदार और कारीगर–जैसे जूता बनाने वाले, पेस्ट्रो बनाने वाले, घड़ीसाज, छपाई करने वाले और नौकर व दिहाड़ी मजदूर शामिल थे। उनका नेता मैक्समिलियन रोबेस्पेयर था। जैकोबिनो के एक बड़े वर्ग ने गोदी कामगारों की तरह धारीदार लंबी पतलून पहनने का निर्णय किया। ऐसा उन्होंने समाज के फैशनपरस्त वर्ग, खासतौर से घुटने तक पहने जाने वाले ब्रीचेस (घुटन्ना) पहनने वाले कुलीनों से खुद को अलग करने के लिए किया। यह ब्रीचेस पहनने वाले कुलीनों की सत्ता समाप्ति के एलान का उनका तरीका था।

(1) जौकोबिन क्लब में समाज के किस वर्ग के लोग शामिल थे।

(2) मैक्समिलियन रोबेस्प्येर कौन था?

(3) जैकोबिन क्लब के लोग किस तरह के कपड़े पहनते थे?

(4) रोबेस्पेयर ने फ्रांसीसी लोगों में समानता लाने के लिए क्या किया?

उत्तर माला

1 अंक वाले प्रश्न

1. (a) लुई XVI
2. (b) रूसों
3. (a) बूर्बो
4. (b) लिब्रे
5. (a) 1804
6. 1815
7. मार्सिले
8. कवि रॉजेट दि लाइल ने
9. 1848
10. मैक्समिलियन रोबेस्प्येर
11. तृतीय एस्टेट
12. फ्रांसीसी सम्राट को सुझाव देने वाली प्रतिनिधि सभा

13. 21 सितम्बर 1792

14. बास्तील का किला

15. नेपोलियन

16. टाइद

17. द स्पिरिट ऑफ लॉ

18. सरकार द्वारा लिया जाने वाला प्रत्यस कर

19. जॉन लॉक

20. 'द सोशल कॉन्ट्रेक्ट

21. कानून का मानवीय रूप

22. (A) और R दोनों सही हैं। R सही स्ष्टीकरण है A का।

लघु/दीर्घ प्रश्नों के उत्तर (3/4 अंक)

1. (क) राजकोष का खाली होना

   (ख) युद्धों के कारण वित्तीय संसाधनों का नष्ट होना।

   (ग) शानों शौकत के लिए फिजूलखर्ची ।

   (घ) दस अरब लिव्रे से अधिक का कर्ज।

   (ड) सरकार से कर्जदाताओं की ब्याज की माँग ।

2. (क) साधारण वर्ग था।

   (ख) राजनीतिक अधिकार प्राप्त नहीं था

   (ग) सभी प्रकार के कर देने पड़ते थे।

   (घ) बड़े व्यवसायी व्यापारी, किसान, अदालती कर्मचारी आदि उस वर्ग में शामिल थे।

3. (क) सामंती व्यवस्था का उन्मूलन।

   (ख) पादरी वर्ग के अधिकारों को छोड़ देने के लिए विवश किया

(ग) धार्मिक कर समाप्त।

(घ) चर्च के स्वामित्व वाली भूमि जब्त कर ली गई।

4. (क) तृतीय एस्टेट की महिलाएँ जीविका निर्वाह के लिए काम करती थी।

(ख) बाजारों में समान बेचना।

(ग) सम्पन्न घरों में नौकरी।

(घ) अपने परिवार का पालन-पोषण । केवल संपन्न घरों की महिलाएँ कुछ पढ़ाई करती थी।

(ड) मजदूरी पुरूषों से कम।

5. (क) राजनीतिक क्लबों और अखबारों की शुरूआत।

(ख) पुरूषों जैसे समान अधिकार की मांग की।

(ग) असेंबली के लिए चुने जाने और राजनीतिक पदों की मांग

6. (क) समाज का कम समृद्ध हिस्सा।

(ख) दुकानदार और कारीगर ।

(ग) घड़ीसाज, दिहाड़ी मजदूर आदि ।

7. (क) स्वतंत्रता का विचार

(ख) समानता का सिद्धांत

(ग) बंधुत्व की भावना

(घ) प्रजातांत्रिक विचार

(ड) सामंतवाद का अंत

8. (क) 1799 में डिरेक्ट्री के शासन का अंत करके वह फ्रांस का प्रथम काउंसिल बन गया।

(ख) 1793 - 96 के मध्य पश्चिमी यूरोप पर विजय।

(ग) सत्ता पर कब्जे के बाद खोए हुए भूखंड पुनः वापस ले लिए।

(घ) आस्ट्रिया, प्रशा और रूस को परास्त किया।

9. • उन्होंने क्रांति को विचार प्रदान किया।
   • फ्रांस के लोगों को अधिकारों के लिए लड़ने हेतु प्रेरित किया।
   • सम्राट के अधिकारों को चुनौती दिया।
   • जॉन लॉक ने राजा के दैवीय शक्ति को नकार दिया।
   • रूसों ने लोगों और प्रतिनिधियों के बीच सामाजिक करार पर आधारित सरकार का विचार सामने रखा।
   • दार्शनिकों ने अपने विचारों को अखबारों द्वारा जन-साधारण तक पहुँचाया।

10. • राजा की शक्तियों को समाप्त कर दिया गया ।
    • फ्रांस संवैधानिक गणतंत्र बन गया।
    • विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका में शक्तियों का बँटवारा।
    • नेशनल असेम्बली को कानून बनाने का अधिकार।
    • 25 साल के ऊपर सभी पुरूषों को वोट डालने को अधिकार।

11. • जैकोबिन क्लब के सदस्य गोदी कामगारों की तरह बिना घुटनों वाली धारीदार लंबी पतलून पहनते थे।
    • यह अपने आप को कुलीनों से अलग करने का तथा उनकी सत्ता समाप्ति के एलान का उनका तरीका था।
    • अपने इसी बिना घुटनों वाली पोशाक पहनने के कारण उन्हें सौं कुलॉत भी कहा जाता था।

12. • सार्वजनिक अधिकारों के संदेश में नाना अंतविरोध थे।
    • घोषणापत्र की शुरूआत ही पुरूषों के एकाधिकार की पुष्टि करती है।
    • महिलाओं का स्थान दूसरे दर्जे का कर दिया गया।
    • बिना संपत्ति वाले लोगों को भी बराबरी का हक नहीं था।
    • दास प्रथा जैसे गलत प्रथाओं को भी नजर अंदाज किया गया।
    • महिलाओं को मताधिकार 1946 में जाकर मिला।

13.
- रोबेस्प्येर ने 1793 में फ्रांस की सत्ता पर कब्जा कर लिया।
- 1793 से 1794 के बीच रोबेस्पयर ने नियंत्रण और दंड की सख्त नीति अपनाई।
- उसकी कार्यशैली से असहमति रखने वाले विरोधियों और पार्टी सदस्यों को मौत की सजा सुना दी जाती थी।
- इन्ही सख्तियों के कारण 1793 से 1794 के शासनकाल को आतंक का राज कहा जाता था।

स्रोत आधारित प्रश्न का उत्तर।

14. (1) समाज के कम समृद्ध

(2) जैकोबिन क्लब का नेता

(3) धारीदार लम्बी पतलून

(4) रोबेस्पयेर ने कानून द्वारा मज़दूरी एवं कीमतों की अधिकतम सीमा तय कर दी, 'समता रोटी' की शुरुआत की, आचार – व्यवहार लागू करने की कोशिश की।

अध्याय-2
यूरोप में समाजवाद एवं रूसी क्रांति

याद रखने योग बातें :

- फ्रांसीसी क्रांति ने सामाजिक संरचना के क्षेत्र में आमूल परिवर्तन की संभावनाओं का सूत्रपात कर दिया था।
- तात्कालीन यूरोप में कुछ समूह विचार थे जो अपने विचारों और दृष्टिकोण से समाज में परिवर्तन चाहते थे।
- उदारवादी, रैडिकल और रूढ़िवादी तीन मुख्य समूह थे।

उदारवादी	रैडिकल	रुढ़िवादी
(a) सभी धर्मों को बराबर सम्मान (b) शासकों की अनियंत्रित सत्ता के विरोधी (c) व्यक्ति के अधिकारों के समर्थक (d) प्रतिनिधित्व आधारित निर्वाचित सरकार तथा स्वतंत्र न्यायपालिका के समर्थक (e) सार्वभौमिक व्यस्क मताधिकार के समर्थक नहीं थें। (f) निजी संपत्ति के समर्थक	(a) बहुमत पर आधारित सरकार (b) बड़े जमींदारों और संपन्न उद्योगपतियों को प्राप्त विशेष अधिकार के खिलाफ (c) इनमें से बहुत सारे लोग महिला मताधिकार आंदोलन के भी समर्थक थे (d) निजी संपत्ति का विरोध नहीं लेकिन केवल कुछ लोगों के पास संपत्ति के संकेंद्रण का विरोध	(a) उदारवादियों और रुढ़िवादियों के विचारों का विरोध (b) अतीत के सम्मान के समर्थक (c) बदलाव की प्रक्रिया प्रक्रिया भी नहीं धीमी हो

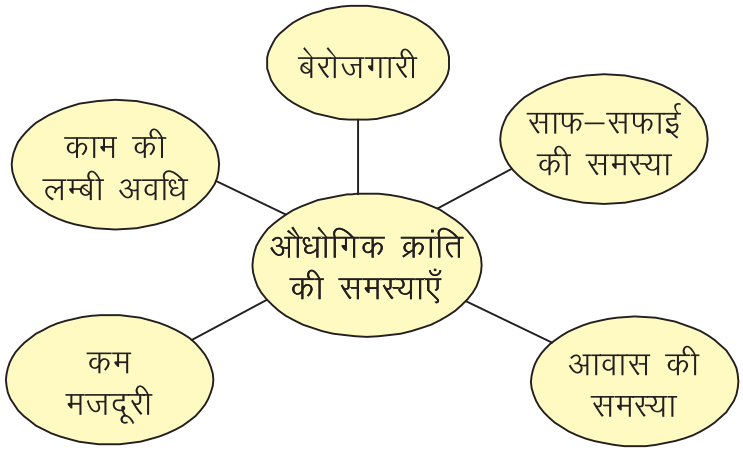

समाजवाद : समाजवादी निजी संपत्ति के विरोधी थे और समाजवादियों के पास भविष्य की एक बिल्कुल भिन्न दृष्टि थी। कुछ समाजवादी विचार निम्नलिखित हैं:

1. **रॉबर्ट ओवेन–** एक नए तरह के समुदाय (न्यू हार्मोनी) की रचना का प्रयास किया।
2. **लुई ब्लांक–** वे चाहते थे की सरकार पूंजीवादी उद्यमों की जगह सामूहिक उद्यमों को बढ़ावा दे।
3. **कार्ल मार्क्स और फ्रेडरिक एंगेल्स–** इनका विचार था की औद्योगिक समाज पूंजीवादी समाज है। फैक्ट्रियों में लगी पूंजी पर पूंजीपतियों का स्वामित्व है और पूंजीपतियों का मुनाफा मजदूरों की मेहनत से पैदा होता है। मार्क्स का निष्कर्ष था कि जब तक पूंजीपति इस तरह मुनाफे का संचय करते जाएंगे तब तक मजदूरों की स्थिति में सुधार नहीं हो सकता। अपनी स्थिति में सुधार लाने के लिए मजदूरों को पूंजीवाद व निजी संपत्ति पर आधारित शासन को उखाड़ फेंकना होगा।

   मार्क्स को विश्वास था की पूंजीपतियों के साथ होने वाले संघर्ष में जीत अंतत: मजदूरों की ही होगी और एक ऐसे समाज की स्थापना होगी जिसमें सारी संपत्ति पर पूरे समाज का यानी सामाजिक नियंत्रण और स्वामित्व रहेगा। उन्होंनें

भविष्य के इस समाज को **साम्यवादी (कम्युनिस्ट) समाज** का नाम दिया। 1917 की अक्तूबर क्रांति के द्वारा रूस की सत्ता पर समाजवादियों ने कब्जा कर लिया। फरवरी 1917 में राजशाही के पतन और अक्तूबर की घटनाओं को **अक्तूबर क्रांति** कहा जाता है।

बीसवीं सदी के प्रारंभ में रूस:

1. बीसवीं सदी की शुरूआत में रूस की लगभग 85 प्रतिशत जनता खेती पर निर्भर थी।
2. कारखाने उद्योगपतियों की निजी सम्पत्ति थे जहाँ काम की दशाएँ बेहद खराब थीं।
3. यहाँ के किसान समय-समय पर सारी जमीन अपने कम्यून (मीर) को सौंप देते थे और फिर कम्यून परिवार की जरूरत के हिसाब से किसानों को जमीन बाँटता था।
4. रूस में एक निरंकुश राजशाही था।
5. 1904 ई. में जरूरी चीजों की कीमतें तेजी से बढ़ने लगीं।
6. मजदूर संगठन भी बनने लगे जो मजदूरों की स्थिति में सुधार की माँग करने लगे।

1905 की क्रांति

1. इसी दौरान पादरी गौपॉन के नेतृत्व में मजदूरों के जुलूस पर जार के महल के सैनिकों ने हमला बोल दिया। इस घटना में 100 से ज्यादा मजदूर मारे गए और लगभग 300 घायल हुए । इतिहास में इस घटना को **"खूनी रविवार"** के नाम से याद किया जाता है। 1905 की क्रांति की शुरूआत इसी घटना से हुई।
2. सारे देश में हड़तालें होने लगी।
3. विश्वविद्यालय बंद कर दिए गए।
4. वकीलों, डॉक्टरों, इंजीनियरों और अन्य मध्यवर्गीय कामगारों ने संविधान सभा के गठन की माँग करते हुए यूनियन ऑफ यूनियन की स्थापना कर ली।

5. जार एक निर्वाचित परामर्शदाता संसद (ड्यूमा) के गठन पर सहमत हुआ।
6. मात्र 75 दिनों के भीतर पहली ड्यूमा, 3 महीने के भीतर दूसरी ड्यूमा को उसने बर्खास्त कर दिया।
7. तीसरे ड्यूमा में उसने रूढ़िवादी राजनेताओं को भर दिया ताकि उसकी शक्तियों पर अंकुश न लगे।

प्रथम विश्वयुद्ध (1914–1918)–प्रथम विश्वयुद्ध दो प्रमुख गुटों के बीच लड़ा गया।

मित्र शक्तियां	केंद्रीय शक्तियां
मुख्य देश	**मुख्य देश**
1. फ्रांस	1. जर्मनी
2. ब्रिटेन	2. ऑस्ट्रिया
3. रूस	3. तुर्की

फरवरी क्रांति : फरवरी 1917 में मजदूरों के इलाकों में पदार्थों की भारी कमी हो गई। इसी के साथ अनेक विरोध प्रदर्शनों की शुरुआत हुई। इन विरोध प्रदर्शनों में सेना के सिपाही भी शामिल हो गए। परिस्थिति को देखते हुए 2 मार्च 1917 को जार न गद्दी छोड़ दी और एक अंतरिम सरकार का गठन किया गया। इस प्रकार फरवरी की क्रांति के द्वारा जार के निरंकुश शासन का अंत हुआ।

कारण:	घटनाएँ:	प्रभाव:
1. प्रथम विश्व युद्ध का लंबा खिंचना। 2. रासपुतिन (एक सन्यासी) का प्रभाव 3. असंख्य रूसी सैनिको की मौत 4. सैनिको का मनोबल गिरना 5. शरणार्थियों की समस्या 6. खाद्यान की कमी 7. उद्योगों का बंद होना।	1. फरवरी में मजदूरों के इलाके में खाद्य पदार्थों की भारी कमी 2. 22 फरवरी को एक फैक्ट्री की तालाबंदी 3. 50 अन्य फक्ट्रियों के मजदूरों की हड़ताल 4. हड़ताली मजदूरों द्वारा सरकारी इमारतों का घेराव 5. राजा द्वारा कर्फ्यू लगाना 6. 25 फरवरी को ड्यूमा को बर्खास्त करना 7. 27 फरवरी को प्रदर्शनकारियों ने प सरकारी इमारतों पर कब्जा कर लिया 8. सिपाही एवं मजदूरों के संगठन (सोवियत) का गठन 9. सैनिक कमांडर की सलाह पर जार का गद्दी छोड़ना (2 मार्च 1917)	1. रूस में जारशाही का अंत 2. सार्वभौमिक व्यस्क मताधिकार के आधार पर संविधान सभा का चुनाव 3. अंतरिम सरकार में सोवियत और ड्यूमा के नेतांओं की शिरकत

अप्रैल थीसिसः 1917 में बोलशेविकों के निर्वाचित नेता व्लादीमीर लेनिन रूस लौट आए। उन्होंने तीन मांगे रखी जिसे लेनिन की अप्रैल थीसिस के नाम से जाना जाता है। यह तीन मांगी थी।

(i) प्रथम विश्व युद्ध को समाप्त कर दिया जाए,

(ii) सारी जमीन किसानों के हवाले कर दी जाए और

(iii) बैंकों का राष्ट्रीयकरण कर दिया जाए।

अक्टूबर 1917 की क्रांति : जैसे–जैसे अंतरिम सरकार और बोल्शेविकों के बीच टकराव बढ़ता गया, लेनिन को अंतरिम सरकार द्वारा तानाशाही थोप देने की आशंका दिखाई देने लगी। 16 अक्टूबर 1917 को लेनिन ने पेत्रोग्राद सोवियत और बोल्शेविक पार्टी को सत्ता पर कब्जा करने के लिए राजी कर लिया। 24 अक्टूबर को विद्रोह शुरू हो गया शाम ढलते ढलते पूरा शहर बोल्शेविक ओकक नियंत्रण में आ चुका था और मंत्रियों ने आत्मसमर्पण कर दिया था। अन्य शहरों मैं भी बगावत होने लगी। इसे ही अक्टूबर की क्रांति के नाम से जाना जाता है।

अक्टूबर 1917 के बाद क्या बदला?

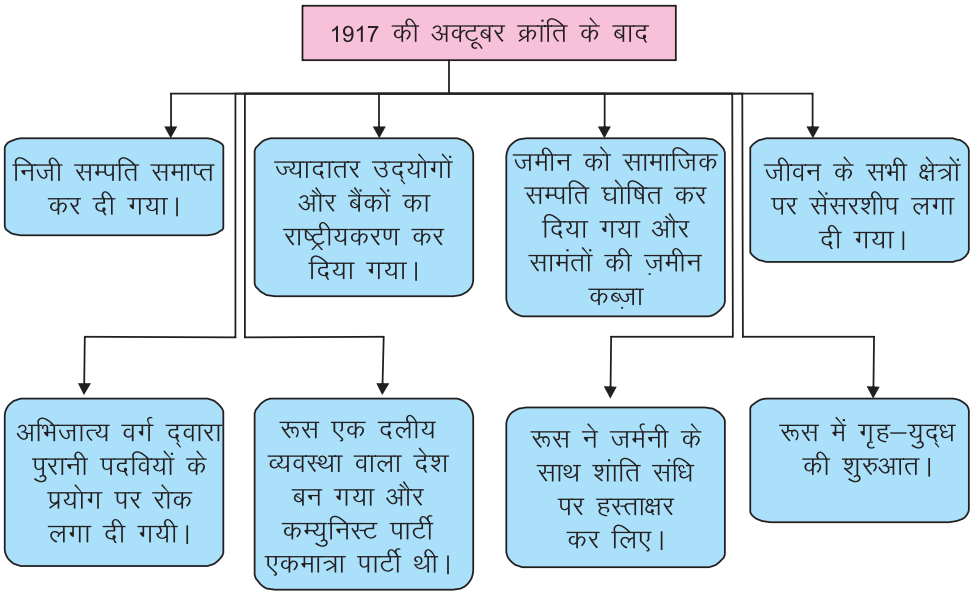

गृह युद्ध : क्रांति के बाद पूरा रूस निम्नलिखित तीन समूहों में बट गया था।

A. बोल्शेविक (रेड्स)

B. सामाजिक क्रांतिकारी (ग्रीन्स)

C. जार समर्थक (व्हाइटस)

इन तीनों समूहों के बीच रूस में गृह युद्ध छिड़ गया। ग्रीन्स और व्हाइटस को फ्रांस, अमेरिका, ब्रिटेन और जापान का भी समर्थन मिल रहा था। गृह युद्ध के दौरान लूटमार, डकैती और भुखमरी जैसी समस्याएं बड़े पैमाने पर फैल गई।

सामूहिकीकरण : स्टालिन ने रूस में सामूहिकीकरण कार्यक्रम प्रारंभ किया। इसके अंतर्गत सभी किसानों को सामूहिक खेतों (कोलखोज) में काम करने के लिए बाध्य किया गया। ज्यादातर जमीन और साजो सामान सामूहिक खेतों के स्वामित्व में सौंप दिए गए। सभी किसान सामूहिक खेतों पर काम करते थे और कोलखोज के मूनाफे को सभी किसानों के बीच बांट दिया जाता था।

1. अंक वाले प्रश्न :

1. साम्यवादी विचार के संस्थापक कौन थे?

(a) कार्ल मार्क्स (b) रूसों

(c) मॉन्टेस्क्यू (d) जॉन लॉक

2. रूस में आर्थिक नीति को किसने शुरू किया?

(a) ओवेन (b) लेनिन

(c) ट्रॉटस्की (d) रूसों

3. खूनी रविवार का संबंध रूस की किस क्रांति से है ?

(a) 1905 की क्रांति (b) फरवरी 1917

(c) अक्टूबर 1917 (c) इनमें से कोई नहीं

4. रूस के शासकों को क्या कहा जाता था?

(a) राजा (b) सम्राट

(c) जार (d) चाँसलर

5. 1917 की रूस की क्रांति का आरंभ किस शहर से हुआ?

(a) पेत्रोग्राद (b) पेरिस

(c) लंदन (d) पर्थ

6. रूसी इतिहास में --------- की तिथि को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के रूप में मनाया जाता है।

7. रूस की संसद का नाम ....

8. रूस के शासक जार निकोलस प्प ने --------- को त्याग पत्र दिया।

9. रूस में सामुहिक खेतों को ---------कहा जाता था।

10. रूस में सम्पन्न किसानों को --------- कहा जाता था।

11. मेनशेविकों के नेता कौन थे?

12. अप्रैल थीसिस किसने दी?

13. सामुहिकीकरण का कार्यक्रम किसने शुरू किया ?

14. रूस में राजशाही का अंत किस क्रांति से हुआ?

15. रूसी गृहयुद्ध में बोल्शेविकों के समर्थकों को किस नाम से बुलाते थे?

16. नीचे एक कथन (A) तथा उसका कारण (R) दिए गए हैं। उन कथनों को पढ़कर उनके नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनकर लिखिए –

कथन (A) 1917 की अक्तूबर क्रांति के जरिए रूस की सत्ता पर समाजवादियों ने कब्जा कर लिया।

कथन (R) फरवरी 1917 में राजशाही के पतन और अक्टूबर की घटनाओं को ही रूसी क्रांति कहा जाता है।

(a) कथन (A) और कारण (R) दोनो सही हैं और कारण (R) कथन की सही व्याख्या करता है।

(b) कथन (A) और कारण (R) दोनो सही हैं लेकिन कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं करता है।

(c) कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) गलत है।

(d) कारण सही है लेकिन कथन (A) गलत है।

17. निम्न चित्र में दिखाए गए व्यक्ति का नाम लिखिए? ये 1914 में रूस और उसके पूरे साम्राज्य के शासक थे।

3 या 5 अंक वाले प्रश्न

1. 1905 से पहले रूस के सामाजिक, आर्थिक व राजनीतिक हालात कैसे थे ?
2. 1917 में रूस में जार का शासन क्यों समाप्त हो गया?
3. स्तालिन का सामूहिकीकरण का कार्यक्रम क्या था?
4. लेनिन की अप्रैल थीसिस की मुख्य माँगें क्या थीं?
5. अक्टूबर क्रांति के पश्चात् रूस में क्या बदलाव आए?
6. रूसी क्रांति के विश्व पर पड़ने वाले प्रभावों का वर्णन करें।
7. खूनी रविवार की घटना का वर्णन करें।
8. 1917 की रूसी क्रांति से पहले रूस में श्रमिकों की क्या हालत थी?
9. 1917 की रूस में हुई अक्टूबर क्रांति का वर्णन करें।
10. प्रथम विश्व युद्ध का रूस की अर्थव्यवस्था पर क्या प्रभाव पड़ा?
11. उदारवादियों एवं परिवर्तनवादियों में क्या अंतर था? स्पष्ट करें।
12. आरंभिक समाजवादियों के विचारों का वर्णन करें।

स्रोत आधारित प्रश्न (4 अंक)

1. नीचे दिए गए स्रोत को पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए:

   'मास्को बाकी यूरोपीय राजधानियों के मुकाबले कम साफ-सुथरा दिखाई देता है। सड़क पर भागम भाग में लगा कोई व्यक्ति बहुत स्मार्ट नहीं लगता। सारी जगह मजदूरों की है। यहाँ आम जनता रईसों के साए में किसी तरह दबती दिखाई नहीं देती। जो लोग सदियों से नेपथ्य में छिपे हुए थे आज सामने आ खड़े हुए हैं। मैं अपने देश के किसानों और मजदूरों के बारे में सोचने लगा। मेरे सामने जो कुछ था उसे देखकर लगता था कि यह अरेबियन नाइट्स के किसी जिन्न की करामात है यहाँ महज एक दशक पहले ये भी हमारे लोगों जितने ही अनपढ़ लाचार और भूखे थे। ये देखकर मेरे जैसे अभागे हिंदुस्तानी से

ज़्यादा अचंभा और भला किसको होगा कि इन लोगों ने इतने थोड़े से सालों में अज्ञानता और बेसहारेपन के पहाड़ को उतार फेंका है।

(रूस से रबीन्द्रनाथ टैगोर, 1930)

(i) यह वर्णन निम्न में से किस काल का है -

(a) रूसी क्रांति से पहले का (b) रूसी क्रांति के दौरान का

(c) रूसी क्रांति के बाद का (d) वर्तमान समय का

(ii) कौन लोग सदियों से नेपथ्य में छिपे हुए थे

(a) जार (b) कुलीन वर्ग

(c) एस्टेट मालिक (d) किसान और मज़दूर

(iii) महज एक दशक पहले किस घटना ने रूसी लोगों का कायाकल्प किया

(a) रूसी क्रांति (b) फ्रांसीसी क्रांति

(c) 1857 की क्रांति (d) अमेरिकी क्रांति

(iv) उपरोक्त वर्णन में 'सड़क पर भागम भाग' का अर्थ है

(a) दौड़ प्रतियोगिता चल रही है

(b) सभी अपने-अपने काम में व्यस्त हैं

(c) सब डरे हुए हैं

(d) आम जनता रईसों के साए में है

उत्तरमाला

1 अंक वाले प्रश्नों के उत्तर

1. (a) कार्ल मार्क्स
2. (b) लेनिन
3. (a) 1905 की क्रांति
4. (c) जार
5. (a) पेत्रोग्राद

6. 22 फरवरी
7. ड्यूमा
8. 2 मार्च 1917
9. कोलखोज
10. कुलक
11. केरेंस्की
12. लेनिन
13. स्तालिन
14. फरवरी क्रांति 1917
15. 'रेड्स'
16. (II)
17. जार निकोलस (प्प)

3/5 अंक वाले प्रश्नों के सांकेतिक उत्तर

1. • ग्रामीण क्षेत्रों में समाज मजदूर, अभिजात वर्ग और चर्च के बीच बँटा था।
   • लगभग 85% जनसंख्या कृषि कार्य से जुड़ी थी।
   • कारखानों से प्राप्त लाभ पर मालिकों का हक था।
   • मजदूरों, भूमिहीन किसानों व महिलाओं को शासन में भाग लेने का अधिकार नहीं था।
2. • प्रथम विश्वयुद्ध में लगभग 70 लाख रूसी मारे गए।
   • सैनिक युद्ध लड़ने के पक्ष में नहीं थे, वे युद्ध को जारी रखने के सरकारी निर्णय के विरूद्ध थे।
   • फौज और श्रमिकों ने पेत्रोग्राद सोवियत का निर्माण किया और जार के शासन का अंत किया।
3. • रूस में अनाज की कमी को देखते हुए स्तालिन ने खेतों के सामूहिकीकरण की प्रक्रिया शुरू की।

- छोटे-छाटे भूमि के टुकड़ों को जोड़कर विशाल जमीन का फार्म बनाया जा सकता था।
- सामूहिक खेती करने के लिए बड़ी भूमि अर्जित करना ही स्तालिन की सामूहिकीकरण की प्रक्रिया कहलाई।

4. • युद्ध समाप्त कर दिया जाए।
   - जमीन किसानों को दे दी जाए।
   - बैंको का राष्ट्रीयकरण किया जाए।

5. • नवंबर 1917 में अधिकतर बैंको का राष्ट्रीयकरण कर दिया गया।
   - भूमि को सामाजिक सम्पत्ति घोषित किया गया।
   - निरंकुश राजतंत्र द्वारा प्रदान की गई उपाधियों पर रोक लगा दी गई।

6. • रूस में किसानो व श्रमिकों की सरकार स्थापित होने के कारण विश्व के अन्य देशों में कृषकों का सम्मान बढ़ा।
   - 1917 की क्रांति के बाद रूस में साम्यवादी सरकार की स्थापना हुई। कुछ समय बाद अनेक देशों में साम्यवादी सरकारें बनाई गईं।
   - रूसी क्रांति के बाद अर्न्तराष्ट्रीय स्तर पर पूंजीपतियों तथा श्रमिकों में संघर्ष छिड़ गया।
   - अन्य देशो की सरकारें भी सोचने लगीं कि लोगो को रोटी-कपड़ा और मकान प्रदान करना उनका दायित्व है।

7. • रूस के जार का शासन अत्याचारपूर्ण होना।
   - जनवरी 1905 में एक रविवार को लोगों का जार से मिलना और याचिका देने का प्रयत्न।
   - मिलने के स्थान पर मजदूरों पर हमला।
   - हमले में 100 से ज्यादा मजदूर मरे और 300 घायल हुए।
   - यह घटना खूनी रविवार के नाम से जानी जाती है।

8. • सामाजिक एवं आर्थिक बदलावों का दौर था।

- औद्योगिक क्षेत्र विकसित हो रहे थे।
- औद्योगिकरण ने औरतों, आदमियों और बच्चों को कारखानों में खड़ा कर दिया।
- काम के घंटे ज्यादा और मजदूरी बहुत कम होती थी।
- वस्तुओं की माँग में गिरावट आने से बेरोजगारी का बढ़ जाना भी एक समस्या थी।

9. • यह क्रांति का दूसरा दौर था।
   - फरवरी क्रांति के बाद रूस की सत्ता केरेंस्की ने संभाल ली थी।
   - वह जनता की आवश्यकताएं पूरी न कर सका, मजदूरों को अधिकार व किसानों को भूमि न दिला सका।
   - अस्थायी सरकार को भंग कर दिया गया।
   - केरेंस्की देश छोड़ कर भाग गया। शासन लेनिन के हाथ में आ गया।
10. • जागीरों को छीन कर किसानों में भूमि का बंटवारा।
   - उद्योगों पर राज्यों का नियंत्रण
   - विकास के लिए आर्थिक नियोजन।
   - साम्राज्यवाद का अंत।
   - अन्तराष्ट्रीयता को प्रोत्साहन

11. **उदारवादी**

    1. सभी धर्मों का आदर
    2. अनियंत्रित सत्ता के विरोध
    3. व्यक्तिगत अधिकारों की रक्षा के पक्षधर
    4. प्रतिनिधित्व आधारित निर्वाचित सरकार के पक्ष में।

परिवर्तनवादी

1. बहुमत आधारित सरकार के पक्षधर

2. विशेषाधिकार का विरोध

3. संपत्ति के संकेद्रण का विरोध

4. महिला मताधिकार आंदोलन का समर्थन

12. 1. निजी संपत्ति का विरोध

2. सामुहिक समुदायों की स्थापना पर बल

3. सामुहिक उद्यमों की स्थापना में सरकार की भूमिका पर बल

4. सारी सम्पत्ति पर पूरे समाज का नियंत्रण एवं स्वामित्व

स्रोत आधारित प्रश्न (4 अंक) के उत्तर

1. (i) c - रूसी क्रांति के बाद का।

(ii) d - किसान और मजदूर

(iii) a - रूसी क्रांति।

(iv) c - सभी अपने–अपने काम में व्यस्त हैं।

वृहत्तर जर्मनी
धुरी शक्तियों को मदद देने वाले देश
जर्मन कब्ज़े वाले इलाके
इटली और उसका इलाका
तटस्थ देश
सोवियत संघ
कैस्पियन सागर
फ़ारस
ईराक
सीरिया
तुर्की
काला सागर
यूक्रेन
रोमानिया
बुल्गारिया
ग्रीस
पोलैंड
एस्टोनिया
लिथुआनिया
फ़िनलैंड
स्लोवाकिया
हंगरी
यूगोस्लाविया
अल्बानिया
जर्मनी
ऑस्ट्रिया
स्विट्ज़रलैंड
इटली
नॉर्वे
स्वीडन
डेनमार्क
नीदरलैंड्स
बेल्जियम
फ्रांस
ब्रिटेन
आयरलैंड
अटलांटिक सागर
स्पेन
पुर्तगाल
भूमध्य सागर
ट्यूनीशिया
अल्जीरिया
मोरक्को

अध्याय-3
नात्सीवाद और हिटलर का उदय

याद रखने योग बातें:

- प्रथम विश्वयुद्ध (1914-1918) दो प्रमुख गुटों के बीच लड़ा गया -

मित्र शक्तियाँ	केंद्रीय शक्तियाँ
मुख्य देश	**मुख्य देश**
1. फ्रांस	1. जर्मनी
2. ब्रिटेन	2. ऑस्ट्रिया
3. रूस	3. तुर्की

- प्रथम विश्वयुद्ध का अंत 1918 में जर्मनी की हार के साथ हुआ।

द्वितीय विश्वयुद्ध (1939–1945) भी दो प्रमुख गुटों के बीच लड़ा गया

मित्र राष्ट्र	धुरी शक्तियाँ
मुख्य देश	**मुख्य देश**
1. ब्रिटेन	1. जर्मनी
2. फ्रांस	2. इटली
3. सोवियत यूनियन	3. जापान
4. संयुक्त राज्य अमेरिका	

- जून 1919 में वर्साय की संधि पर हस्ताक्षर हुए जिसमें जर्मनी के ऊपर मित्र राष्ट्रो ने कई अपमानजनक शर्ते थोपी।

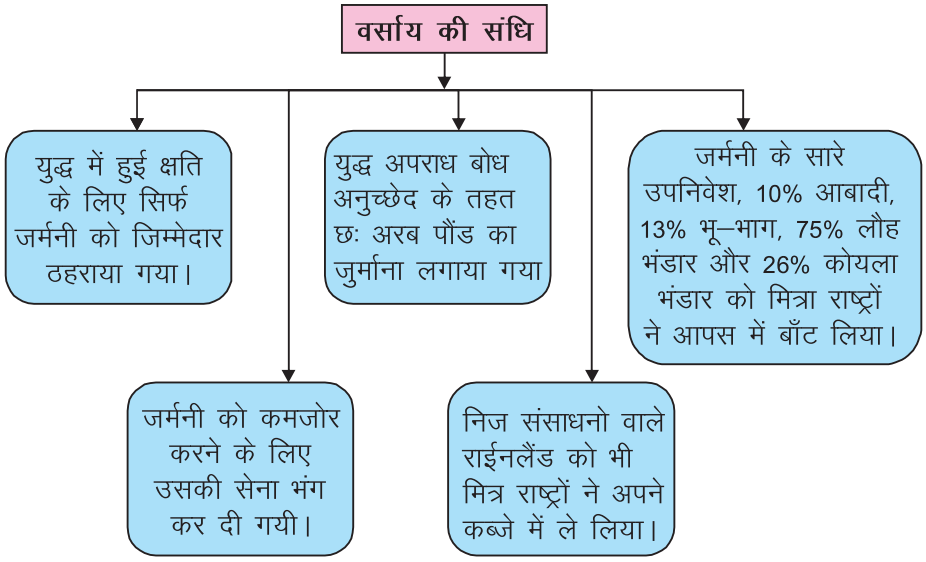

वाइमर गणराज्य

वर्साय की संधि के बाद जर्मनी में वाइमर गणराज्य की स्थापना हुई जिसे कइ सारी समस्याओं का सामना करना पड़ा –

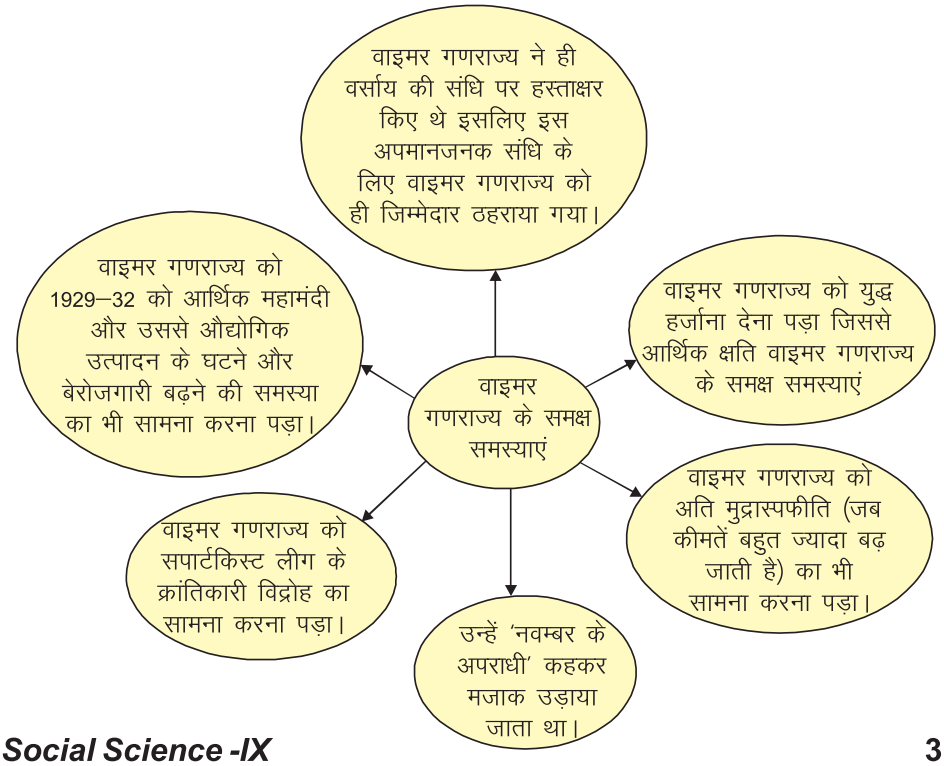

उपर्युक्त कारणों से लोगों का विश्वास वाइमर गणराज्य से उठ गया और वे एक इंतजार में थे जो उन्हें उनके दु:खों से छुटकारा दिला सके । इसी पृष्ठभूमि में हिटलर का उदय हुआ।

हिटलर का उदय और पतन

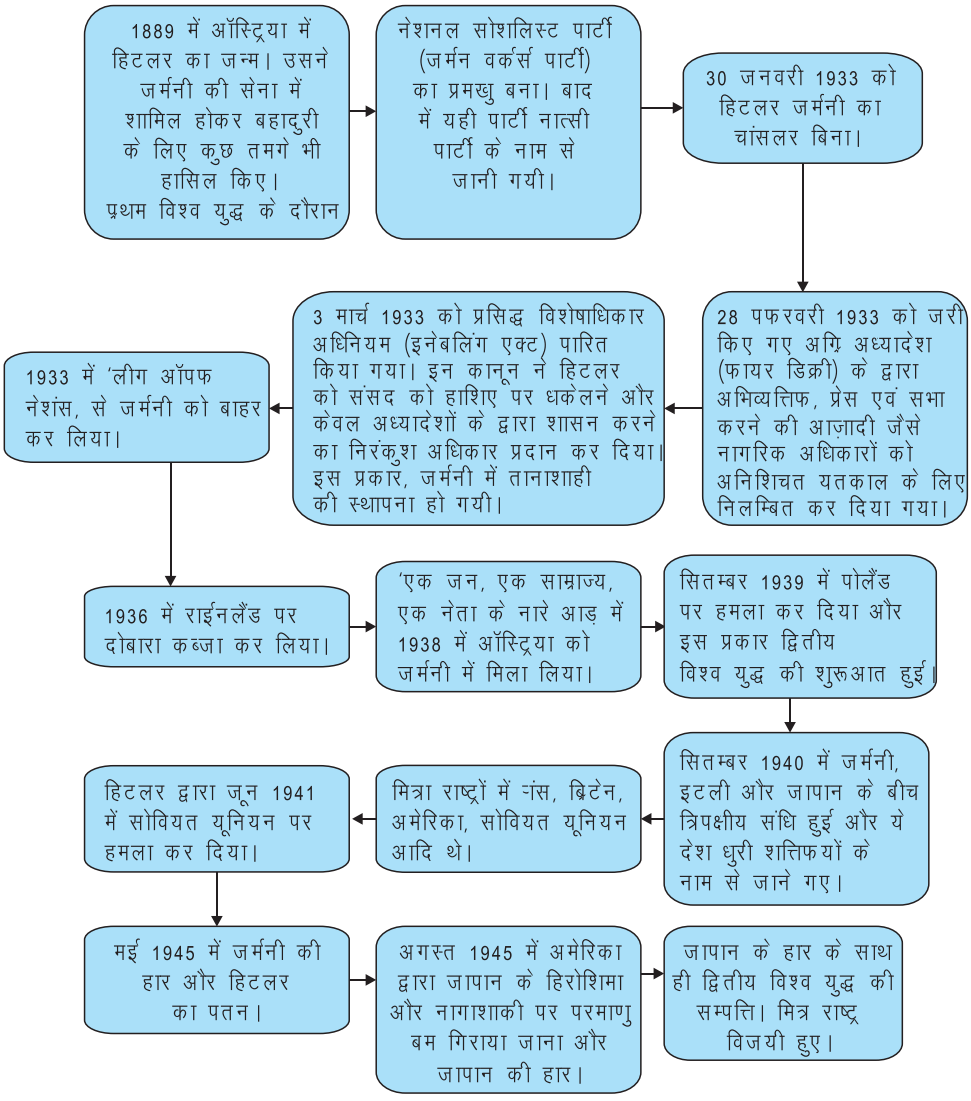

- जर्मनी में हिटलर के उदय के कारण :

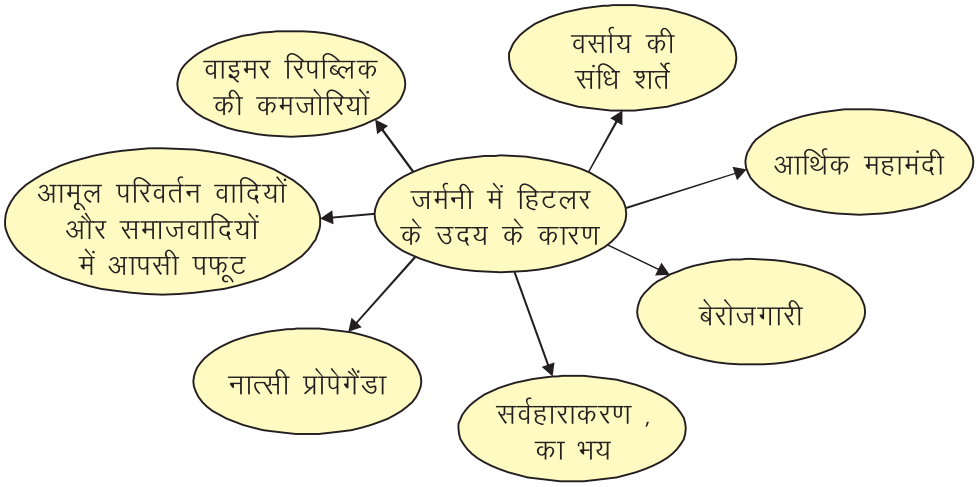

- **नाजीयों का विश्व दृष्टिकोण:**

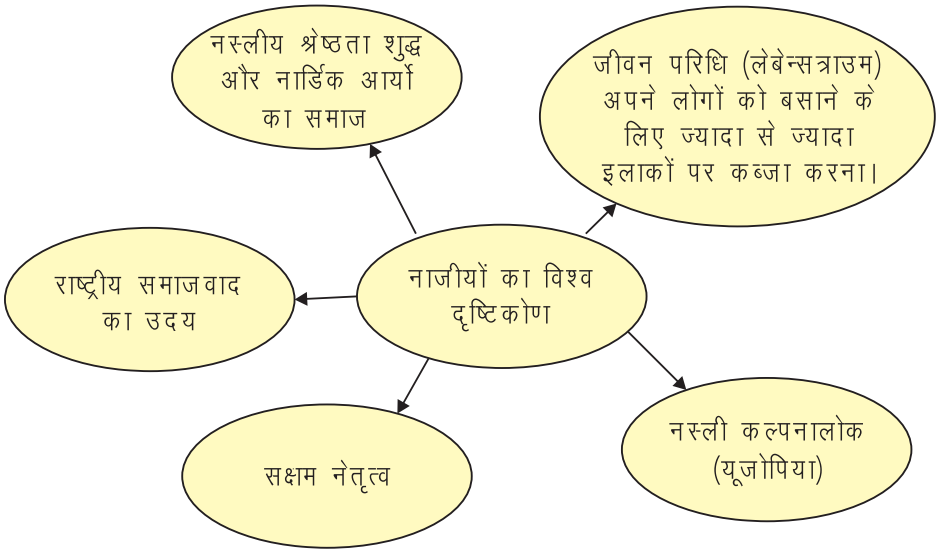

- **नात्सी जर्मनी में युवाओं की स्थिति:**

1. जर्मन और यहूदियों के बच्चे एक साथ बैठ नहीं सकते थे।
2. जिप्सयों, शारीरिक रूप से अक्षम तथा यहूदियों को स्कूल से निकाल दिया गया।

3. स्कूली पाठय पस्तक को फिर से लिखा गया जहाँ श्नस्लीय भेदभाव को बढावा दिया गया।
4. 10 साल की उम्र के बच्चों को 'युगफोंक' में दाखिल करा दिया जाता था जो एक युवा संगठन था।
5. 14 साल की उम्र में सभी लड़कों को श्हिटलर यूथश् की सदस्यता अनिवार्य कर दी गई।

- **महिलाओं की स्थितिः**
  1. लड़कियों को अच्छी माँ और शुद्ध रक्त वाले बच्चों को जन्म देना उनका प्रथम कर्तव्य बताया जाता था।
  2. नस्ल की शुद्धता बनाए रखना, यहूदियों से दूर रहना और बच्चों का नात्सी, मूल्य–मान्यताओं की शिक्षा देने का दायित्व उन्हें सौंपा गया।
  3. 1933 में हिटलर ने कहा – मेरे राज्य की सबसे महत्वपूर्ण नागरिक माँ है।
  4. नस्ली तौर पर वांछित बच्चों को जन्म देने वाली माताओं को अस्पताल में विशेष सुविधाएँ, दुकानों में ज्यादा छूट, थियेटर और रेलगाड़ी के सस्ते टिकट और ज्यादा बच्चे पैदा करने वाली माताओं को कांसे, चाँदी और सोने के तमगे दिए जाते थे।
  5. लेकिन अवांछित बच्चों को जन्म देने वाली माताओं को दंडित किया जाता था। आचार संहिता का उल्लंघन करने पर उन्हें गंजा कर मुँह पर कालिख पोत पूरे समाज में घुमाया जाता था। न केवल जेल बल्कि उनसे तमाम नागरिक सम्मान और उनके पति व परिवार भी छीन लिए जाते थे।
- **नात्सी प्रोपेगैंडाः**

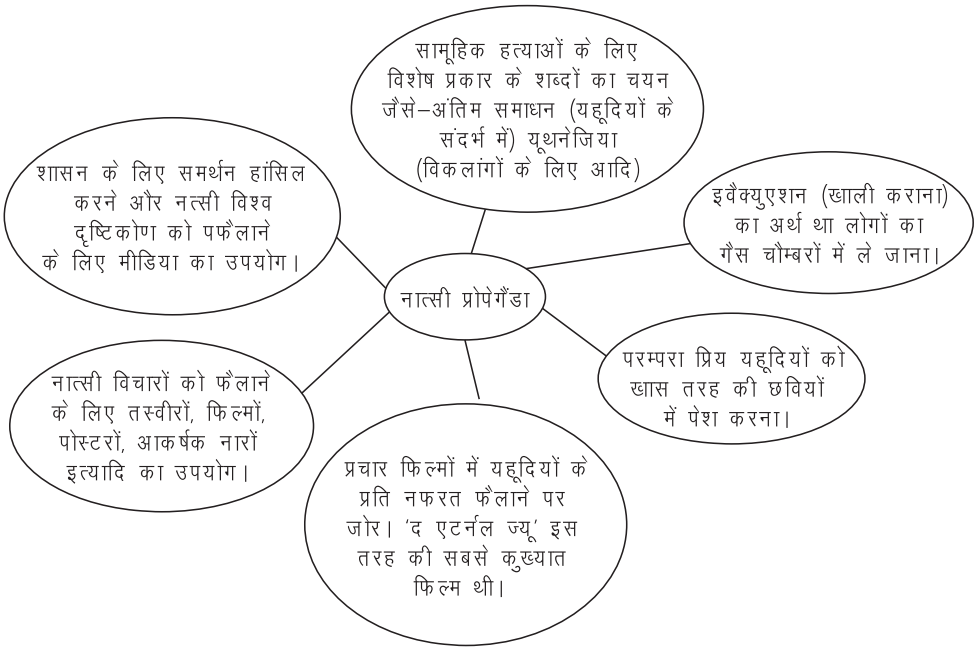

एक अंक वाले प्रश्न

1. निम्न में से कौन सा देश धुरी शक्ति समूह का देश है -

(a) फ्रांस (b) जर्मनी

(c) इंग्लैड़ (d) इटली

2. ब्रिटेन विश्वयुद्ध का अंत किस संधि के द्वारा हुआ?

(a) वर्साय की संधि

(b) कुस्तुनतुनिया की संधि

(c) म्यूनिख समझौता

(d) इनमें से कोई नहीं

3. हिटलर का जन्म कहाँ हुआ था?

(a) ऑस्ट्रिया (b) ऑस्ट्रेलिया

(c) इंग्लैड़ (d) इटली

4. प्रथम विश्वयुद्ध के बाद जर्मनी में कौन सी सरकार थी?

(a) वाइमर गणराज्य

(b) ब्रूवो

(c) जारशाही

(d) स्टूवर्ट

5. आर्थिक महामंदी की शुरूआत किस वर्ष हुई?

(a) 1929 (b) 1920

(c) 1919 (d) 1905

6. जर्मनी की संसद को ..... कहा जाता है।

7. द्वितीय विश्वयुद्ध में ..... ने जापान पर परमाणु बम गिराए ।

8. हिटलर की गुप्तचर पुलिस का नाम ..... था।

9. ..... में हिटलर जर्मनी का चांसलर बना।

10. द्वितीय विश्वयुद्ध 1939 से लेकर ..... तक चला।

11. युंगफोक क्या था?

12. सर्वहाराकरण किसे कहते है ?

13. मित्र राष्ट्र के किसी एक देश का नाम लिखे।

14. 'नवंबर के अपराधी' किन्हें कहा जाता था?

15. प्रथम विश्व युद्ध के बाद मित्र राष्ट्रों ने जर्मनी के किस प्रदेश पर अधिकार कर लिया था?

16. गलत मिलान की पहचान किजिए:

(i) जर्मनी---- धुरी शक्ति

(ii) ब्रिटेन - -- मित्र शक्ति

(iii) इटली ------- धुरी शक्ति

(iv) ऑस्ट्रिया -------मित्र शक्ति

17. चित्र में दिखाए गए प्रसिद्ध व्यक्तित्व को पहचान कर उसका नाम लिखिए:

18. **नीचे दिए गए प्रश्न में दो प्राक्कथन दिए गए हैं – एक संकल्पना (स) और दूसरा कारण (क)। कथनों को पढ़िए और सही विकल्प का चयन कीजिए:**

संकल्पना (स): आर्थिक महामंदी 1929-32 में आई थी।

कारण (क): आर्थिक महामंदी के दौरान औद्योगिक उत्पादन बढ़ गया और बेरोजगारी का स्तर भी कम हो गया।

विकल्प:

(i) संकल्पना (स) और दूसरा कारण (क) दोनो सही हैं एवं कारण, संकल्पना की सही व्याख्या है।

(ii) संकल्पना (स) और दूसरा कारण (क) दोनों सही हैं लेकिन कारण, संकल्पना की सही व्याख्या नहीं है।

(iii) संकल्पना (स) सही है एवं कारण (क) गलत है।

(iv) संकल्पना (स) गलत है लेकिन कारण (क) सही है।

3/5 अंक वाले प्रश्न

1. वर्साय में हुई संधि की शर्ते बताएँ ?

2. नात्सी सोच के खास पहलू कौन से थे?
3. नाजी समाज में औरतों की क्या भूमिका थी?
4. नात्सीवादी आन्दोलन की मुख्य विशेषताएँ क्या थी?
5. जर्मनी पर नाजीवाद के क्या प्रभाव पड़े ?
6. 1930 तक आते आते जर्मनी में नाजीवाद को लोकप्रियता क्यों मिलने लगी?
7. नात्सीवाद का प्रचार यहूदियों के विरूद्ध घृणा उत्पन्न करने में किस प्रकार प्रभावी सिद्ध हुआ?
8. वर्साय की संधि द्वितीय विश्वयुद्ध का कारण क्यों बनी?
9. 1929–32 की आर्थिक महामंदी का अमेरिका पर क्या प्रभाव पड़ा?
10. जर्मनी में प्रसिद्ध विशेषाधिकार अधिनियम कब पारित किया गया? इसके क्या परिणाम हुए?

केस अध्ययन प्रश्नः

नीचे दिए गए अनुच्छेद को पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

शासन के लिए समर्थन हासिल करने और नात्सी विश्व दृष्टिकोण को फैलाने के लिए मीडिया का बहुत सोच–समझ कर इस्तेमाल किया गया। नात्सी विचारों को फैलाने के लिए तस्वीरों, फिल्मों, रेडियों, पोस्टरों, आकर्षक नारों और इश्तहारी पर्चों का खूब सहाया लिया जाता था। पोस्टरों में जर्मनों के श्दुश्मनों की रटी–रटाई छवियाँ दिखाई जाती थीं, उनका मजाक उड़ाया जाता था, उन्हें अपमानित किया जाता था, उन्हें शैतान के रूप में पेश किया जाता था। समाजवादियों और उदारवादियों को कमजोर और पथभ्रष्ट तत्वों के रूप में प्रस्तुत किया जाता था। उन्हें विदेशी एजेंट कहकर बदनाम किया जाता था। प्रचार फिल्मों में यहूदियो के प्रति नफरत फैलाने पर जोर दिया जाता था। 'द एटर्नल ज्यू' (अक्षय यहूदी) इस सूची को सबसे कुख्यात फिल्म थी। नात्सी शासन ने भाषा और मीडिया का बड़ी होशियारी से इस्तेमाल किया और उसका जबर्दस्त फायदा उठाया। उन्होंने अपने तौर–तरीकों को बयान करने के लिए जो शब्द ईजाद किए थे वे न केवल भ्रामक बल्कि दिल दहला देने वाले शब्द थे। नात्सियों ने अपने अधिकृत दस्तावेजों में 'हत्या' या 'मौत' जैसे शब्दों का कभी इस्तेमाल नहीं किया। सामूहिक हत्याओं को विशेष व्यवहार, अंतिम समाधान (यहूदियों

के संदर्भ में), यूथनेजिया (विकलांगों के लिए), चयन और संक्रमण-मुक्ति आदि शब्दों से व्यक्त किया गया था। इवैक्यूएशन (खाली कराना) का आशय था लोगों को गैंस चेंबरों में ले जाना । क्या आपको मालूम है कि गैंस चेंबरों को क्या कहा जाता था? इन्हें श्संक्रमण मुक्ति क्षेत्रश कहा जाता था। गैस चेंबर स्नानाघर जैसे दिखाई देते थे और उनमें नकली फव्वारे भी लगे होते थे।

(i) विकलांगों के लिए सामूहिक हत्याओं के लिए किस शब्द के प्रयोग किया जाता था?

(a) विशेष व्यवहार (b) यूथनेजिया

(c) अंतिम समाधान (d) इनमें से कोई नहीं

(ii) ..... का आशय था लोगों को गैंस चौम्बरों में ले जाना।

(iii) यहूदियों के प्रति नफरत फैलाने के लिए किस फिल्म का निर्माण किया गया था?

(iv) किन्हें कमजोर और पथभ्रष्ट तत्वों के रूप में प्ररूतुत किया जाता था?

उत्तरमाला

1 अंक वाले प्रश्नों के उत्तर

1. (b) जर्मनी
2. (a) वर्साय की संधि
3. (a) ऑस्ट्रिया
4. (a) वाइमर गणराज्य
5. (a) 1929
6. राइखस्टैग
7. अमेरिका
8. गेस्तापो
9. 30 जनवरी 1933

10. 1945

11. 10 से 14 वर्ष के बच्चों का नात्सी युवा संगठन

12. समाज के मध्यम वर्ग का गरीब होते-होते मजदूर वर्ग की आर्थिक स्थिति में पहुँच जाना सर्वहारा करण कहलाता है।

13. अमेरिका, फ्रांस, ब्रिटेन, रूस (कोई एक)

14. जर्मन समाजवादी, कैथोलिक एवं डेमोक्रैट खेमे के लोग जो वाइमर गणराज्य के हिमायती थे, को नवंबर का अपराधी कहा जाता था।

15. राइनलैंड

16. (iv) ऑस्ट्रिया - मित्र व्यक्ति

17. हिटलर

18. (iii) संकल्पना (स) सही है और कारण (क) गलत है।

3/5 अंक वाले प्रश्नों के उत्तर

1. • युद्ध के लिए जर्मनी को जिम्मेदार ठहराना ।
   • अपने सारे उपनिवेश छोड़ने पड़े ।
   • कोयले के भंडार फ्रांस को देने पड़े ।
   • छः अरब पौंड का जुर्माना
   • सेना पर अंकुश / खनिज संसाधनों पर कब्जा

2. • आर्य (जर्मन) विश्व की सर्वश्रेष्ठ नस्ल है, उसे अपनी शुद्धता बनाए रखनी है।
   • नात्सियों का मानना था कि श्रेष्ठ जाति (जर्मन) जीवित रहेगी तथा हीन (यहूदी) को नष्ट होना पड़ेगा ।
   • नात्सी विचारधारा में हिटलर को एक मसीहा के रूप में प्रस्तुत किया गया है जो उन्हें सभी विपत्तियों से छुटकारा दिला सकता है ।

3. • नात्सी समाज में औरतों को आर्य संस्कृति और नस्ल का ध्वजवाहक माना जाता था।

- उनका कर्तव्य अच्छी माँ बनना, शुद्ध आर्य रक्त वाले बच्चों को जन्म देना और उनका पालन-पोषण करना है ।
- ऐसा पालन करने वाली महिलाओं को सम्मानित किया जाता था, उल्लंघन करने वाली महिलाओं को दण्डित किया जाता था ।

4. • जर्मनी में हिटलर के अधीन नाजीवाद का उत्थान हुआ ।
   - तानाशाही आन्दोलन था ।
   - संसदीय संस्थाओं का विरोध ।
   - एक ही नेता के शासन का गुणगान ।
   - विभिन्न संगठनों के विरूद्ध ।
5. • नाजी विरोधी नेताओं की हत्या ।
   - नाजी दल के अतिरिक्त सभी राजनीतिक दलों पर पाबंदी ।
   - श्रमसंघों को कुचल दिया गया और हजारों कम्युनिस्टों और समाजवादियों को शिविरों में भेज दिया गया ।
6. • वाइमर गणराज्य के असफल होने पर नात्सी पार्टी सब से बड़ी पार्टी के रूप में उभरकर सामने आई ।
   - हिटलर का व्यक्तित्व बहुत प्रभावशाली था ।
   - हिटलर यूथ जर्मन युवाओं को सेना में भर्ती होने का जनसमर्थन प्राप्त हुआ।
7. • नात्सियों ने यहूदी लोगों को घटिया शारीरिक रचना वाले लोग तथा अवांछित वर्ग का दर्जा दिया ।
   - नात्सियों ने यहूदी लोगों को ईसा मसीह का हत्यारा बताया है।
   - उनके विचार में धर्म परिवर्तन मात्र से ही यहूदियों की समस्या से नहीं निपटा जा सकता, इसका समाधान पूर्णतया समाप्ति है ।
8. • प्रथम विश्वयुद्ध का अंत तो हो गया, परन्तु सदा के लिए युद्ध को समाप्त नहीं किया ।

- पराजित राष्ट्र जर्मनी पर अपमानजनक वर्साय की संधि थोपी गई ।
- विजित राष्ट्रों की आशाएँ पूरी नहीं हुई ।
- जर्मनी पर छः अरब पौंड का जुर्माना लगाया गया और राइनलैन्ड पर मित्र राष्ट्रों ने कब्जा कर लिया ।
- एक दूसरा युद्ध ही उनकी आशाओं को पूरा कर सकता था ।

9. • इन तीन सालों में अमरीका की राष्ट्रीय आय आधी रह गई ।
   - फैक्टियाँ बंद हो गई ।
   - निर्यात गिरता जा रहा था ।
   - किसानों की हालत खराब थी ।
   - सट्टेबाज बाजार से पैसा खींच रहे थे ।

10. • विशेषाधिकार अधिनियम 3 मार्च 1933 को पारित किया गया ।
    - इसके द्वारा कानूनन जर्मनी में तानाशाही व्यवस्था स्थापित की गई ।
    - इस कानून ने हिटलर को केवल अध्य देशों के जरिए शासन चलाने का अधिकार दे दिया ।
    - नाजी पार्टी व उससे जुड़े संगठनों के अलावा सभी पार्टियों, ट्रेड युनियनों पर पाबंदी लगा दी गई ।

केस अध्ययन आधारित प्रश्न के उत्तर

(i) (b) यूथनेजिया

(ii) इवैक्युएशन

(iii) द एटर्नल ज्यू

(iv) समाजवादियों और उदारवादियों को

WORLD - POLITICAL
संसार — राजनैतिक
U.S.S.R (Russia)
U.S.A
Japan
S.K. PUBLICATIONS

अध्याय-4
वन्य समाज और उपनिवेशवाद

याद रखने योग बातें :

- वनों से प्राप्त होने वाली वस्तुओं के उदाहरण:

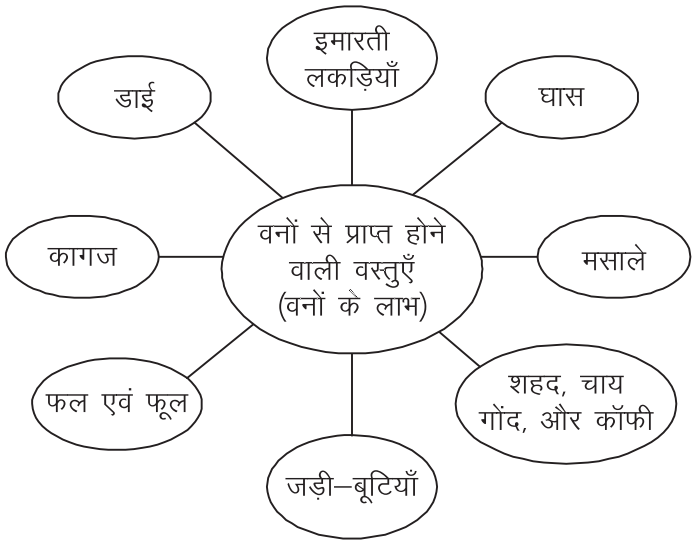

- वृक्षों की बड़े पैमाने पर कटाई श्वनोन्मूलनश या वनों का विनाश कहलाता है।
- 1700 ई. से 1995 के बीच के बीच 139 लाख वर्ग किलोमीटर जंगल यानी दुनिया के कुल क्षेत्रफल का 9.3 प्रतिशत भाग विभिन्न उपयोगों की वजह से साफ कर दिए गए।

वनोन्मूलन के कारण

- औद्योगिक इस्तेमाल
- खेती–बाड़ी के लिए
- चारागाहों के लिए
- ईंधन की लकड़ी के लिए

औपनिवेशिक शासन के दौरान वनोन्मूलन के कारण
रोपण फसलों की मांग को पूरा करने के लिए,
ईधन की लकड़ी के लिए
व्यापारिक कृषि उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए
वैज्ञानिक वानिकी या बागान व्यवस्था के लिए
खेती योग्य खाद्यान्न आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए भूमि की बढ़ती आवश्यकता
औद्योगिक उत्पादन के लिए कच्चे माल की आवश्यकता पूरा करने के लिए
जहाज व रेलवे लाईन के निर्माण के लिए
राजस्व को बढ़ाने के लिए

वन कानूनों के प्रभाव
इस कानून के लागू होने के बाद ग्रामीणों की लगभग प्रत्येक गतिविधि जैसे घर बनाने के लिए लकड़ी काटना, शिकार करना, मछली पकड़ना, पशुओं को चराना, शहद इकट्टा करना, कंद–मूल, फल महुआ आदि व अन्य वनोत्पाद जमा करना आदि गैर कानूनी हो गए ।
उन्हें सरकारी निगरानी में फैक्ट्रियों खानों और बागानों में जबरन काम करना पड़ा।
ये एक आम बात थी कि पुलिस के सिपाही और वन संरक्षक लोगों का शोषण करते थे वे उनसे मुफ्त भोजन मांगते थे ।
मद्रास प्रेसीडेंसी के अनेक चरवाहा और घुमंतु समुदायों जैसे की कोरावा, करचा और येरूकुला समुदाय आदि ने अपनी जीविका खो दीं। उनमें से कुछ को 'अपराधी जन जाति', कहा जाने लगा ।
ईंधन के लिए लकड़ी जमा करने वाली महिलाएँ विशेषतौर पर अपनी सुरक्षा के प्रति चिंतित थीं।
लोग अब वनों से लकड़ी चुराने के लिए मज़बूर थे और अगर वे पकड़े जाते तो वे वन संरक्षकों की दया पर निर्भर थे जोकि उनसे रिश्वत लेते थे ।

- अंग्रेजों ने डायट्रिच ब्रैंडिस नामक जर्मन विशेषज्ञ को स्थानीय लोगों द्वारा जंगलों का उपयोग व व्यापारियों द्वारा पेड़ों की अंधाधुंध कटाई से जंगलों को नष्ट होने से बचाने के लिए नियुक्त किया।
- डायट्रिच ब्रैंडिस को भारत का पहला वन महानिदेशक बनाया गया ।
- ब्रैंडिस ने 1864 में भारतीय वन सेवा की स्थापना की और 1865 में भारतीय वन अधिनियम को सूत्रबद्ध करने में सहयोग दिया ।
- वन विनाश के कारण प्राकृतिक वनस्पति और वन्य जीव-जगत की विविधता तेजी से लुप्त होती जा रही है।
- वर्ष 1878 के वन अधिनियम के द्वारा वनों को तीन श्रेणियों में बाँटा गया ।

1. आरक्षित	सर्वोत्तम वन	ग्रामीण किसी भी संसाधन का उपयोग नहीं कर सकते।
2. सुरक्षित	उत्तम वन	ग्रामीण वन संसाधन अनुमति से उपयोग में ला सकते हैं।
3. ग्रामीण	सामान्य वन	वन संसाधनों का उपयोग, अनुमति के साथ

- डायट्रिच ब्रांडिस द्वारा जंगलों के प्रबंधन के लिए सुझाव:

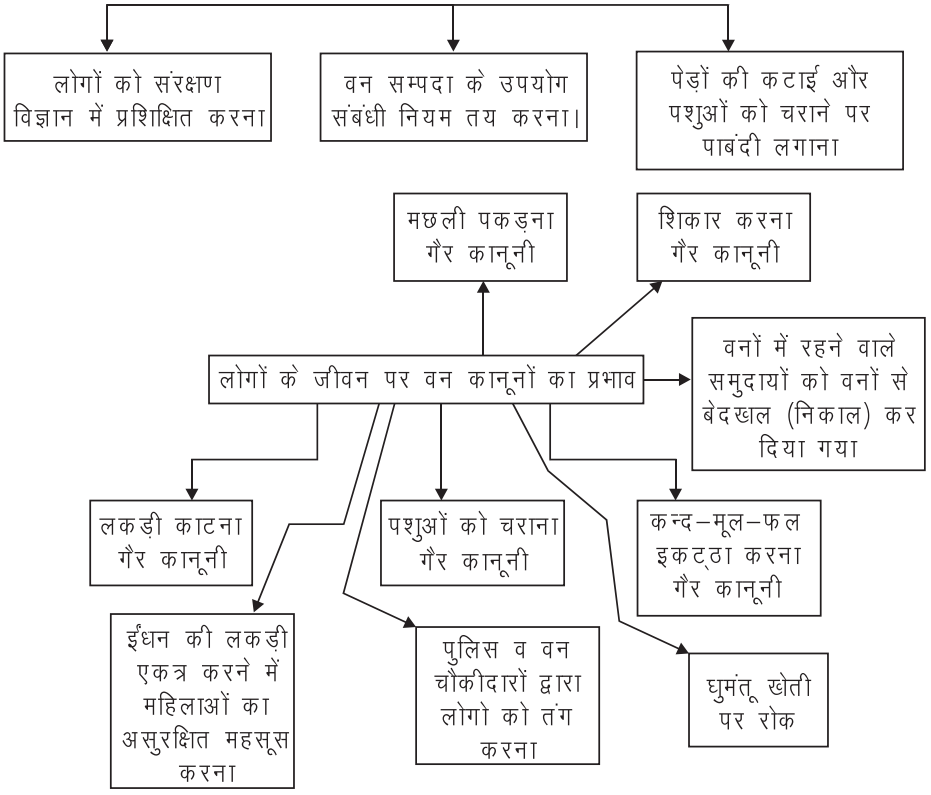

- **घुमंतु कृषि व्यवस्था के चरण**

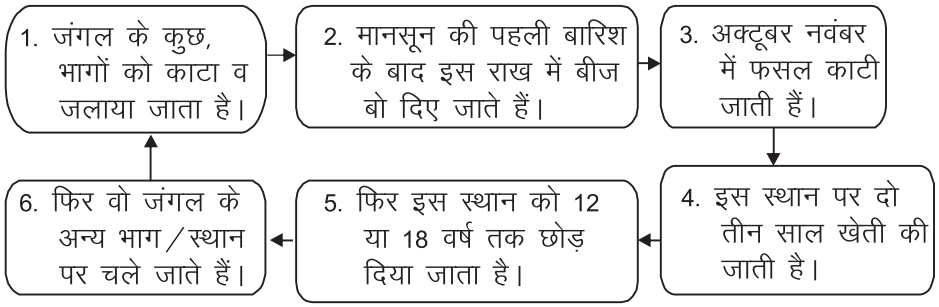

- जार्ज यूल नामक अंग्रेज अफसर ने अकेले 400 बाधों को मारा था ।
- इन वन कानूनों के विरोध में कई विद्रोह हुए जिनमें प्रमुख थे :

क्र.स.	विद्रोह	नेता	स्थान
1.	संथाल विद्रोह (1855–56)	सीधू और कानू	संथाल परगना (झारखंड)
2.	मुंडा विद्रोह (1898–1899)	बिरसा मुंडा	छोटा नागपुर (झारखंड)
3.	रम्पा विद्रोह (1922–24)	अल्लूरी सीताराम राजू	आंध्र प्रदेश
4.	बस्तर (1908–10)	गुण्डा धुर	बस्तर (छत्तीसगढ़)

- बस्तर के कुछ गाँवों को आरक्षित वनों की श्रेणी में इस शर्त पर रहने दिया गया कि वे वन विभाग के लिए पेड़ों की कटाई और ढुलाई का काम मुफ्त में करेंगे और जंगल को आग से बचाएंगे। बाद में इन गाँवों को **वनग्राम** कहा गया ।
- **बस्तर के लोग**
  1. धरती के साथ-साथ वे नदी, जंगल और पहाड़ों का भी सम्मान करते हैं।
  2. बस्तर, छत्तीसगढ़ के सबसे दक्षिणी छोर पर आंध्र प्रदेश, उड़ीसा व महाराष्ट्र की सीमाओं से लगा हुआ क्षेत्र है ।
  3. यहाँ मरिया और मुरिया गोंड, धुखा, भतरा, हलवा आदि अनेक आदिवासी समुदाय रहते हैं।

4. इन समुदायों की भाषा अलग-अलग हैं पर इनके रीति-रिवाज और विश्वास एक जैसे हैं ।

5. इन्द्रावती नदी बस्तर के आर-पार पूरब से पश्चिम की ओर बहती है ।

- 1906 ई. में देहरादून मे 'इंपीरियल फॉरेस्ट रिसर्च इस्टीट्यूट' की स्थापना की गई जहाँ 'वैज्ञानिक वानिकी' पद्धति की शिक्षा दी जाती थी।
- 'वैज्ञानिक वानिकी' एक ऐसी पद्धति थी जिसमें प्राकृतिक वनों की कटाई कर उसके स्थान पर कतारबद्ध तरीके से एक ही प्रजाति के पेड़ लगाए जाते थे। इसे बागान व्यवस्था भी कहा जाता है।
- झूम या **घुमंतू** खेती के क्षेत्र अनुसार विभिन्न नाम-

क्र.सं.	**क्षेत्र (स्थान)**	**घुमंतु खेती का नाम**
1.	दक्षिण-पूर्व एशिया	लादिंग
2.	मध्य अमेरिका	मिलपा
3.	अफ्रीका	चितमेन या तावी
4.	श्रीलंका	चेना
5.	भारत	धया, पेंदा, वेबर, नेवड़, झूम, पोडू खंदाद, कुमरी

- वन संबंधी कानूनों से शिकार करना गैर-कानूनी हो गया । अंग्रेजों की नजर में बड़े जानवर जंगली, बर्बर और आदि समाज के प्रतीक चिन्ह थे इसलिए अंग्रेजों का मानना था कि खतरनाक जानवरों को मारकर वे हिन्दुस्तान को सभ्य बनाएँगे ।
- अंग्रेजों द्वारा बड़े जानवरों के शिकार पर घोषित किए गए इनाम के लालच में 1875 से 1925 के बीच 80000 से ज्यादा बाघ, 1,50,000 तेंदुए और 200000 भेड़िए मारे गए
- **नए व्यापार और रोजगार :** वन कानूनों के बाद विभिन्न समुदायों ने अपने परम्परागत काम छोड़कर नए काम शुरू कर दिए: (कुछ उदाहरण)

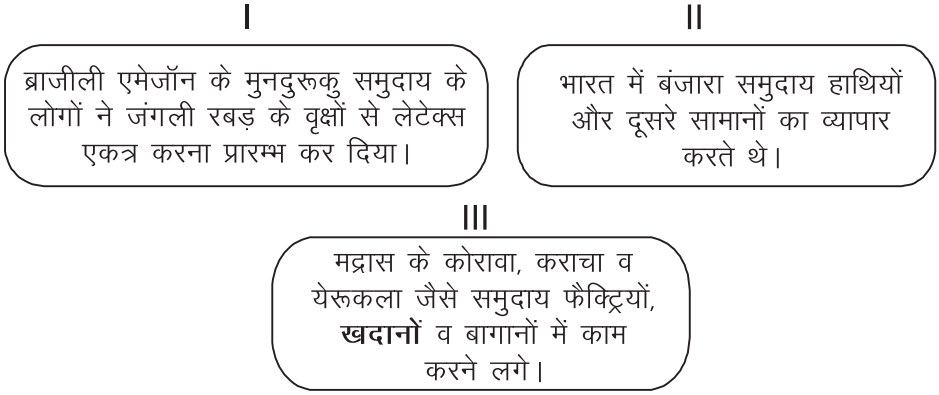

- **बस्तर विद्रोह के मुख्य कारण:**
  - वनों का 2/3 भाग आरक्षित करने का प्रस्ताव
  - घुमंतू खेती पर रोक
  - शिकार पर रोक
  - वनों से उत्पाद एकत्र करने पर रोक
  - बिना किसी सूचना व क्षतिपूर्ति के गाँव वालों को विस्थापित करना
  - बढ़ी हुई लगान व्यवस्था से भयभीत होना
  - औपनिवेशिक अफसरों के हाथों बेगार और चीजों की मांग से परेशान होना
  - वर्ष 1910 में आग की टहनियों, मिट्टी के देले, मिर्च और तीर के माध्यम से गाँव वालों ने अंग्रेजों के खिलाफ बगावत का संदेश प्रसारित किया ।
  - विद्रोह के दौरान बाजार लूटे गए, अफसरों और व्यापारियों के घर, स्कूल और पुलिस थानों को लूटा और जलाया गया। विद्रोहियों की सबसे बड़ी जीत ये रही कि आरक्षण का काम कुछ समय के लिए स्थगित कर दिया गया और आरक्षित क्षेत्र को भी प्रस्तावित क्षेत्र का आधा कर दिया गया।
  - **जावा** आजकल इंडोनिशिया के प्रमुख चावल उत्पादक क्षेत्रों में आता है।
  - यहाँ रहने वाले कलांग समुदाय के लोग कुशल लकड़हारे और घुमंतु किसान थे।

- डचों ने पहले जंगलों में खेती की जमीनों पर लगान लगा दिया और बाद में कुछ गाँवों को इस शर्त पर इससे मुक्त कर दिया कि वे सामुहिक रूप से पेड़ काटने व लकड़ी ढोने के लिए भैंसे उपलब्ध कराने का काम मुफ्त में करेंगे। इस व्यवस्था को 'ब्लैं डाँग डिएन्स्टेन कहा गया ।
- जावा में डचों द्वारा वन कानून बनाने के बाद –
  1. ग्रामीणों का वनों में प्रवेश निषेध कर दिया गया ।
  2. वनों से लकड़ियों की कटाई कुछ विशेष कार्यों जैसे नाव बनाने या घर बनाने के लिए की जा सकती थी वह भी विशेष वनों से निगरानी में ।
  3. मवेशियों के चारण परमिट के बिना लकड़ियों की ढुलाई और वन के अंदर घोडागाड़ी या मवेशी पर यात्रा करने पर दंड का प्रावधान था ।
- डचों के इस कानून के खिलाफ सामिनों ने विरोध किया
  1. सुरोंतिको सामिन ने इस विद्रोह का नेतृत्व किया जिनका मत था कि जब राज्य ने हवा, पानी, धरती या जंगल नहीं बनाए तो यह उस पर कर भी नहीं लगा सकते।
  2. विद्रोह के तरीकों में:
     - सर्वेक्षण करने आये डचों के सामने जमीनों पर लेटना
     - लगान या जुर्माना न भरना ।
     - बेगार से इंकार करना
- जावा पर जापानियों के कब्जे से ठीक पहले डचों ने 'भस्म कर भागो नीति' के तहत सागौन **और आरा मशीनों** के लट्ठे जला दिए ताकि वे जापानियों के हाथ न पड़ें ।
- इसके बाद जापानियों ने वनवासियों को जंगल काटने के लिए बाध्य कर अपने युद्ध उद्योग के लिए जंगलों का निर्मम दोहन किया । मिजोरम से लेकर केरल तक हिंदुस्तान में हर कहीं घने वन सिर्फ इसलिए बच पाए कि ग्रामीणों ने सरना, देवराकुडु, कान, राई इत्यादि नामों से पवित्र बगीचा समझ कर इनकी रक्षा की ।

1 अंक वाले प्रश्न

1. भारत के प्रथम वन महानिदेशक कौन थे ?

(a) डायट्रिच बैंडिस (b) जार्ज यूल

(c) सुरोतिको सामिन (d) इनमें से कोई नहीं

2. भारतीय वन सेवा की स्थापना कब की गई ?

(a) 1888 (b) 1850

(c) 1864 (d) 1865

3. 'इंपीरियल फॉरेस्ट रिसर्च इंस्टीट्यूट' की स्थापना कहाँ की गई ?

(a) हैदराबाद (b) देहरादून

(c) लखनऊ (d) शिमला

4. किस अंग्रेज अधिकारी ने 400 बाघों का शिकार किया था ?

(a) जार्ज यूल (b) डायट्रिच ब्रैंडिस

(c) जॉन डॉसनक (d) होजेनड्रॉप

5. किस वन कानून के द्वारा वनों को-आरक्षित, सुरक्षित और ग्रामीण में बाँटा गया?

(a) 1865 (b) 1878

(c) 1899 (d) 1906

6. ..... नदी बस्तर में पूर्व से पश्चिम की ओर बहती है।

7. बस्तर विद्रोह के नेता ..... थे ।

8. सुरोतिको सामिन ने जावा में ..... के खिलाफ विद्रोह किया ।

9. इंपीरियल फॉरेस्ट रिसर्च इंस्टीट्यूट की स्थापना ..... ई. में की गई ।

10. श्रीलंका में घुमंतू कृषि को ..... नाम से जाना जाता है ।

11. 'वनोन्मूलन' किसे कहते हैं ?

12. 'वैज्ञानिक वानिकी' किसे कहते हैं ?

13. देवसारी क्या था ?

14. कालांग क्यों महत्वपूर्ण थे ?

15. 'वन ग्राम' किसे कहते थे ?

3 और 5 अंक वाले प्रश्न :

1. औपनिवेशिक काल में खेती के तेजी से फैलने के क्या कारण थे ?

2. इंग्लैंड में बलूत (ऑक) के जंगल लुप्त होने से क्या प्रभाव पड़ा ?

3. 1850 के दशक से रेलवे के विस्तार ने भारतीय वनों से अपेक्षित किन नई माँगों को जन्म दिया और उन्हें कैसे पूरा किया गया ?

4. वन उत्पादों के विभिन्न उपयोग बताइए?

5. घुमंतू कृषि की प्रक्रिया को समझाइए?

6. बस्तर के लोगों ने विद्रोह क्यों किया ?

7. यद्यपि अंग्रेजों ने बस्तर विद्रोह को कुचल डाला, फिर भी इसे विद्रोहियों की प्रमुख विजय क्यों माना जाता है ?

8. वन अधिनियम से गाँव वालों की मुश्किलें कैसे बढ़ गईं ?

9. युद्धों से जंगल क्यों प्रभावित हुए ?

10. बस्तर और जावा के औपनिवेशिक वन प्रबंधन में क्या समानताएँ थी ?

उत्तरमाला

1 अंक वाले प्रश्नों के उत्तर

1. (a) डायट्रिच ब्रैंडिस

2. (c) 1864

3. (b) देहरादून

4. (a) जार्ज यूल

5. (b) 1878

6. इंद्रावती

7. गुंडाधुर
8. डचों
9. 1906
10. चेना
11. वनों का बड़े पैमाने पर नष्ट करना वनोन्मूलन (वन विनाश) कहलाता है ।
12. वन लगाने की एक ऐसी पद्धति जिसमें प्राकृतिक वनों को साफ कर उसके स्थान पर कतारबद्ध तरीके से एक ही प्रजाति के पेड़ लगाए जाते थे ।
13. बस्तर क्षेत्र में एक गाँव द्वारा किसी दूसरे गाँव के जंगल से लिए गए उत्पाद के बदले में दिया जाने वाला शुल्क ।
14. क्योंकि वे एक कुशल लकड़हारे थे जो सागौन की कटाई में निपुण थे ।
15. आरक्षित वनों के अंदर कुछ गाँवों को इस शर्त पर रहने दिया गया कि वे वन विभाग के लिए पेड़ों की कटाई और ढुलाई का काम मुफ्त करेंगे तथा जंगल को आग से बचाएँगे । ऐसे गाँवो को वन ग्राम कहा गया

4 अंक वाले प्रश्न

दिए गए स्रोत को पढ़िए और निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

हिन्दुस्तान में वन-उत्पादों का व्यापार कोई अनोखी बात नहीं थी। मध्यकाल से ही आदिवासी समुदायों द्वारा बंजारा आदि घुमंतू समुदायों के माध्यम से हाथियों और दूसरे सामान जैसे खाल, सींग, रेशम के कोये, हाथी-दाँत, बाँस, मसाले, रेशे, घास, गोंद और राल के व्यापार के सबूत मिलते हैं।

लेकिन अंग्रेजों के आने के बाद व्यापार पूरी तरह सरकारी नियंत्रण में चला गया। ब्रिटिश सरकार ने कई बड़ी यूरोपीय व्यापारिक कंपनियों को विशेष इलाकों में वन-उत्पादों के व्यापार की **इजारेदारी** सौंप दी। स्थानीय लोगों द्वारा शिकार करने और पशुओं को चराने पर बंदिशें लगा दी गई । इस प्रक्रिया में मद्रास प्रेसीडेंसी के कोरावा, कराचा व येरूकुला जैसे अनेक चरवाहे और घुमंतू समुदाय अपनी जीविका से हाथ धो बैठे। इनमें से कुछ को 'अपराधी कबीले' कहा जाने लगा और ये सरकार की निगरानी में फैक्ट्रियों, खदानों व बगानों में काम करने को मजबूर हो गए ।

सही विकल्प चुनिए–

1. **निम्नलिखित में से कौन सा समुदाय हिन्दुस्तान में वन-उत्पादों के व्यापार से संबंधित है?**

   (a) कोरावा (b) कराचा

   (c) येरूकुला (d) बंजारा

2. **रिक्त स्थान भरिए ।**

   ब्रिटिश काल में कुछ आदिवासी समुदायों को ..... कहा जाने लगा

3. कौन से आदिवासी समुदाय अपनी जीविका से हाथ धो बैठे ?

4. व्यापार से संबंधित किन्हीं दो वन-उत्पादों के उदाहरण दीजिए।

3/5 अंक वाले प्रश्नों के उत्तर

1. (क) अंग्रेजों ने व्यवसायिक फसलों के उत्पादन को प्रोत्साहित किया ।

   (ख) बढ़ती शहरी आबादी का पेट भरने के लिए ।

   (ग) औद्योगिक उत्पादन के लिए कच्चे माल की जरूरत हेतु।

2. इंग्लैंड में बलूत के जंगल लुप्त होने के अनेक प्रभाव पड़े:

   (क) बलूत की लकड़ी में कमी के कारण शाही नौसेना के समक्ष लकड़ी की आपूर्ति की समस्या आ खड़ी हुई।

   (ख) मजबूत तथा निरंतर आपूर्ति में कमी आने के कारण इंग्लैंड में जहाजों के निर्माण में कठिनाई आने लगी।

   (ग) भारत से बड़े पैमाने पर लकड़ी का निर्यात होने लगा। इसके लिए भारतीय वनों की कटाई होने लगी।

3. (क) ये रेल लाइनें शाही सेना के आवागमन और औपनिवेशिक व्यापार के लिए अति आवश्यक थी ।

   (ख) इंजनों को चलाने के लिए इंधन के रूप में लकड़ी की जरूरत पड़ती थी।

   (ग) रेलवे लाइनों को जोड़ने के लिए लकड़ी के स्लीपर भी चाहिए थे।

4. (क) फल और कंद पोषक खाद्य के लिए ।

(ख) जड़ी बूटियाँ दवाओं के लिए

(ग) लकड़ी हल जैसे औजार के लिए

(घ) बांस की बाड़ें, छतरियाँ टोकरी तथा रस्सी आदि बनाने के लिए

5. (क) जंगल के कुछ भागों को काटना और जलाना ।

(ख) मानसून की पहली बारिश के बाद जली राख में बीज बोना ।

(ग) अक्टूबर ख्र नवंबर में फसल काटना ।

(घ) इस खेत पर एक - दो साल खेती करना ।

(ड) इसके बाद उसे 12 से 18 साल तक के लिए छोड़ देना और अन्य स्थानों पर चले जाना ।

6. (क) वनों से लकड़ी का ना मिलना ।

(ख) वन उत्पादों से वंचित हो गए थे।

(ग) वनीय भागों में घुमंतू खेती से वंचित हो गए ।

(घ) अंग्रेजों द्वारा लगाए गए कर और बेगार में नौकरी से तंग आ गए थे।

7. (क) वनों के आरक्षण का कार्य तत्काल प्रभाव से रोक दिया गया तथा आरक्षित किए जाने वाले क्षेत्र भी कम कर दिए गए।

(ख) अंग्रेजों द्वारा दो तिहाई वनों को आरक्षित करने का फैसला किया गया तथा झूम खेती, शिकार तथा वन उत्पादों के संग्रह पर रोक को अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया गया।

(ग) आरक्षित वन क्षेत्र को 1910 से पहले की योजना के भाग का आधा कर दिया गया।

(घ) यह बस्तर के लोगों की नैतिक विजय थी।

8. (क) रोजमर्रा की गतिविधियाँ गैर कानूनी बन गई।

(ख) लकड़ी चुराने के अलावा कोई चारा नहीं बचा।

(ग) पकड़े जाने पर रक्षकों की दया और घूस ।

(घ) लकड़ी एकत्र करने वाले विशेष तौर पर परेशान ।

9. (क) वन विभाग से जंगी जरूरतों को पूरा करने के लिए पेड़ों की कटाई ।

(ख) जावा में डचों ने 'भस्म-कर-भागो' नीति के तहत सागौन के लट्ठों के ढेर जला दिए ।

(ग) जापानियों ने युद्ध उद्योग के लिए जंगल कटवाए ।

(घ) गाँव वालों ने इस अवसर का लाभ उठाया ।

(ड) जंगलों में खेती का विस्तार किया ।

10. (क) दोनों जगहों पर वन कानूनों द्वारा वनों पर नियंत्रण स्थापित किया गया ।

(ख) दोनों जगहों पर वैज्ञानिक वानिकी की शुरूआत की गई ।

(ग) अंग्रेजों की तरह डच भी जहाज के लिए लकड़ी हासिल करना चाहते थे।

4 अंक वाले प्रश्नों के उत्तर

1. (d) बंजारा
2. अपराधी कबीले
3. कोरावा, कराचा, येरूकला
4. हाथी-दांत, बाँस, मसाले

अध्याय-5
आधुनिक विश्व में चरवाहे

याद रखने योग बातें :

घुमंतू चरवाहों के भ्रमण के कारण	उपयोगिता	विनिमय की वस्तुएँ
1. साल भर फसल उगाने वाले कृषि क्षेत्र की कमी 2. मवेशियों के लिए चारे और पानी की खोज 3. विषम मौसमी दशाओं से स्वंय एवं मवेशियों को बचाने के लिए 4. अपने उत्पादों को बचेने के लिए।	1. प्राकृतिक वनस्पतियों दुबारा पनपने के लिए पर्याप्त समय 2. भ्रमण वाले स्थान पर प्राकृतिक खाद की पूर्ति 3. मवेशी और अन्य जानवरों से प्राप्त उत्पादों का आदान–प्रदान 4. दो विभिन्न समुदायों के बीच परस्पर सौहार्द एवं सहअस्तित्व विकसित होना।	माँस, दूध, ऊन, जानवरों की खालें, अन्य उत्पाद

याद रखने योग्य बातें:

घुमंतू चरवाहे– वे लोग जो अपने जीवन–यापन के लिए मवेशियों पर निर्भर करते हैं तथा उनके लिए अच्छे चरागाह किए तलाश में एक स्थान से दूसरे स्थान घुमतें हैं।

भाबर– गढ़वाल और कुमाऊं क्षेत्र की तलहटी के नीचे शुष्क वन का क्षेत्र है। ऊंचे पहाड़ों में विशाल घास के मैदानों को बुग्याल कहा जाता है।

खरीफ– शरद ऋतु की फसल है, जिसे आमतौर पर सितंबर और अक्टूबर के बीच काटा जाता है।

रबी वसंत की फसल है, जिसे आमतौर पर मार्च के बाद काटा जाता है।

भारत के चरवाहे

पहाड़ों में सर्दी और गर्मी के अनुसार स्थान बदलते हैं। जैसे

क्र.म.	राज्य	चरवाहा समुदाय	सर्दी में	गर्मी में
1	जम्मू–कश्मीर	गुज्जर बकरवाल	शिवालिक की निचली पहाड़ियाँ	कश्मीर की ऊंची पहाड़ियाँ
2	हिमाचल	गद्दी	शिवालिक की निचली पहाड़ियाँ	हिमाचल की ऊंची पहाड़ियाँ
3	गढ़वाल और कुमाऊँ	गुज्जर	भाबर के सूखे जंगल (गढ़वाल और कुमाऊँ के निचले हिस्से के आस–पास पाए जाने वाले शुष्क या सुखे जंगल का इलाका)	बुग्याल (ऊंचे पहाड़ों में स्थित घास का मैदान

भोटिया, शरेपा और किन्नौरी समुदाय भी इसी तरह के चरवाहे थे।

पठारों, मैदानों और रेगिस्तानों में मानसून के अनुसार स्थान बदलते हैं। जैसे

क्र.स.	राज्य	चरवाहा समुदाय	बरसात में	बरसात के बाद
1	महाराष्ट्र	धंगर	महाराष्ट्र के मध्य पठार	कोंकण
2	कर्नाटक और आंध्र प्रदेश	गोल्ला	सूखे मध्य पठार	तटीय इलाका
3	राजस्थान	राइका	बाड़मेर, जैसलमेर, जोधपुर और बीकानेर	नए चरागाह की तलाश
4	उत्तर प्रदेश, पंजाब, मध्य प्रदेश, और महाराष्ट्र	बंजारा	अपने इलाकों में	नए चरागाह की तलाश

औपनिवेशिक काल में भारत तथा अफ्रीका में वनों के संबंध में नीतियाँ:

क्रम संख्या	भारत में वनों में औपनिवेशिक नीति	अफ्रीका वनों में औपनिवेशिक नीति
1	भूमिकर बढ़ाने के लिए स्थानीय किसानों को चरागाहों को खेती की जमीन में तब्दील करने के लिए प्रोत्साहित कर चरागाहों का कृषि भूमि में बदलना।	ब्रिटिश औपनिवेशिक सरकार द्वारा पूर्वी अफ्रीका में स्थानीय किसनों को चरागाहों को खेतो की जमीन में तब्दील करने के लिए प्रोत्साहित कर चरागाहो का कृषि भूमि में बदलना।
2	वन कानूनों द्वारा वनों का वर्गीकरण कर चरवाहों की आवाजाही पर रोक।	औपनिवेशिक शासन द्वारा मसाइयों के चरागाह क्षेत्र का लगभग 60 प्रतिशत हिस्से को कब्जा कर उनकी आवाजाही पर रोक।

3	1871 में औपनिवेशिक सरकार द्वारा अपराधी जनजाति अधिनियम पारित कर चरवाहों के बहुत सारे समुदायों और जन्मजात अपराधी घोषित कर दिया।	बहुत सारे चरागाहों को शिकारगाह बना कर चरवाहों की आवाजाही पर रोक जैसे कीनिया में मसाईमारा और सांबरु को कुदरती नैशनल पार्क तथा तंजानिया में सेरेन्गेटी पार्क।
4	उन्नीसवीं सदी में चरवाही टैक्स लगा कर प्रति मवेशी टैक्स वसूल किया गया।	औपनिवेशिक सरकार द्वारा मासाई उपसमूहों के मुखिया तय कर दिए गए।

औपनिवेशिक शासन का चरवाहों के जीवन पर प्रभाव

चरागाहों का इलाका सिकुड़ने लगा

↓

मवेशियों को सीमित क्षेत्र पर चराना

↓

चरागाहों का स्तर गिरना

↓

जानवरों के लिए चारा कम पड़ना

↓

कमजोर और भूखे जानवर बड़ी संख्या में मरने लगे।

- अफ्रीका में मसाई लोगों अधिकार क्षेत्र का लगभग 60% भाग औपनिवेशिक शासकों ने छीन लिया ।
- उन्हें यूरोपीय बस्तियों में जाने की मनाही थी।
- उन्हें ऐसे सूखे इलाकों में कैद कर दिया गया जहाँ न अच्छी बारिश होती थी और न ही हरे-भरे चारागाह थे।
- बहुत सारे चारागाहों को शिकारगाह बना दिया गया। जैसे - कीनिया में मसाईमारा और सांबुरू नेशनल पार्क तथा तंजानिया में सेरेन्गेटी पार्क ।
- 1885 में मसाईलैंड को एक अंतरराष्ट्रीय रेखा द्वारा दो भागों ब्रिटिश कीनिया और जर्मन तांगायिका में बाँट दिया गया ।
- 1919 में प्रथम विश्व युद्ध में जर्मनी का हार के बाद जर्मन तांगान्यिका भी ब्रिटिश शासक के अंतर्गत आ गया ।
- 1961 में इसे स्वतंत्रता मिली तथा जंजीवार के साथ मिलाकर 1964 में इसे तंजानिया नाम दिया गया ।
- मसाई समाज दो सामाजिक समूहों

वरिष्ठजन (ऐल्डर्स)

1. शासन चलना
2. समुदाय से जुड़े मामलों पर विचार विमर्श करना
3. आपसी झगड़े सुलझाना

योद्धा (वॉरियर्स)

1. ज्यादातर नौजवान
2. कबीले की सुरक्षा तथा युद्ध
3. दूसरा कबीलों से जानवर छीन कर लाना जो ध्न समझा जाता था।

- अंग्रेजों ने इन हमलों और लड़ाईयों पर पाबंदी लगा दी ।
- मसाई उपसमूहों के मुखिया तय कर दिए गए जो कबीले के मामलों के लिए उत्तरदायी था ।
- इन प्रतिबंधों के चलते ओपनिवेशिक शासन के दौरान मसाईयों के समाज में दो स्तरों पर बदलाव आए ।
- वाष्ठिजनों एवं योद्धाओं के बीच उम्र पर आधारित परंपरागत फर्क पूरी तरह से अस्त-व्यस्त हो गया।
- अमीर एवं गरीब चरवाहों के बीच नया भेदभाव पैदा हुआ।

1 अंक वाले प्रश्न

1. राइका समुदाय के लोग कहाँ रहते थे ?

(a) महाराष्ट्र (b) राजस्थान

(c) गुजरात (d) हिमाचल प्रदेश

2. पश्चिमी राजस्थान में किस जगह ऊँट मेला लगता है:

(a) पुष्कर (b) भरतपुर

(c) कोटा (d) इसमें से कोई नहीं

3. इनमें से कौन रबी की फसल है :

(a) चावल (b) गेहूँ

(c) गन्ना (d) मक्का

4. ऊँचे पहाड़ों पर स्थित घास के मैदानों को क्या कहते हैं ?

(a) भाबर (b) मसाइलैंड

(c) बुग्याल (d) खादर

5. कीनिया का एक घुमंतू चरवाहा समूह हैं :

(a) मसाई (b) सोमाली

(c) जुलू (d) बेजा

6. रबी की फसल ..... ऋतु से पहले काटी जाती है।

7. गुज्जर बकरवाल ..... राज्य में रहते हैं।

8. घुमंतू चरवाहा समुदाय एक स्थान से दूसरे स्थान क्यों जाते हैं ? कोई एक कारण लिखो।

9. मसाई समाज में दो सामाजिक समूह थे- वरिष्ठजन और ...

10. अपराधी जनजाति अधिनियम .....ई. में पारित किया गया।

11. घुमंतु चरवाहा किसे कहते हैं ?

12. गद्दी समुदाय के लोगों द्वारा व्यापार किए जाने वाले किन्हीं दो उत्पादों के नाम लिखें।

13. भाबर क्या है?

14. मसाई समुदाय के लोगों को श्वेत क्षेत्र के बाजारों में प्रवेश की अनुमति क्यों नहीं थी?

15. औपनिवेशिक सरकार ने घुमंतुओं को अपराधी जनजाति के रूप में क्यों वर्गीकृत किया?

16. नीचे दो वाक्य दिए गए हैं ख्र एक संकल्पना (स) और दूसरा कारण (क), कथनों को पढ़िए और सही विकल्प का चयन कीजिए:

संकल्पना (स): चारे की कमी और अकाल से और कमजोर और भूखे जानवर बड़ी संख्या में मरने लगे।

कारण (क): चरवाहों की आवाजाही पर लगी बंदिशों और चरागाहों के बेहिसाब इस्तेमाल से चरागाहों का स्तर गिरने लगा ।

विकल्प:

(a) संकल्पना (स) और कारण (क) दोनों सही हैं एवं कारण, संकल्पना की सही व्याख्या है।

(b) संकल्पना (स) और कारण (क) दोनों सही हैं लेकिन कारण, संकल्पना की सही व्याख्या नहीं है।

(c) संकल्पना (स) सही है एवं कारण (क) गलत है।

(d) संकल्पना (स) गलत है लेकिन कारण (क) सही है।

3/5 अंक वाले प्रश्न

1. कोंकणी क्षेत्र में घंगर समुदाय के लोगों के आगमन से वहाँ की कृषि भूमि को किस प्रकार लाभ पहुँचता था?

2. कीनिया एवं तंजानिया के चरागाहों में औपनिवेशिक सरकार द्वारा विकसित दो शिकारगाहों के नाम बताइए। इसमें मासाई पशुपालकों का जीवन कैसे प्रभावित हुआ?

3. वर्णन कीजिए कि कुरूमा एवं कुरूबा समुदाय के लोगों की आवाजाही किस प्रकार उनके पशुओं की जरूरतों से प्रेरित थी ?

4. घुमंतू समुदाय अपने स्थान क्यों बदलते थे?

5. वन कानूनों का चरवाहों के जीवन पर क्या प्रभाव पड़ा?

6. अंग्रेज सरकार चरागाहों को कृषि की जमीन में क्यों बदल देना चाहती थी?

स्रोत आधारित प्रश्न (4 अंक)

'राजस्थान के रेगिस्तानों में राइका समुदाय रहता था। इस इलाके में बारिश का कोई भरोसा नहीं था। होती भी थी तो बहुत कम । इसीलिए खेती की उपज हर साल घटती-बढ़ती रहती थी। बहुत सारे इलाकों में तो दूर-दूर तक कोई फसल नहीं होती थी। इसके चलते राइका खेती के साथ-साथ चरवाही का भी काम करते थे। बरसात में तो बाड़मेर, जैसलमेर, जोधपुर और बीकानेर के राइका अपने गाँवों में ही रहते थे क्योंकि इस दौरान वही चारा मिल जाता था। पर अक्टूबर आते आते ये चारागाह सूखने लगते थे। नतीजन ये लोग नए चरागाहों की तलाश में दूसरे इलाकों की तरफ निकल जाते थे और अगली बरसात में ही वापस लौटते थे।

1. राइका समुदाय किस राज्य में रहता था ?

2. **कथन को सही कीजिए** -

   राइका समुदाय की खेती की उपज हर साल निश्चित रहती थी ।

3. बरसात में राइका समुदाय के लोग गाँवों में क्यों रहते थे ?

4. राइका समुदाय खेती के साथ चरवाही कैसे करते थे

   (a) वे अपने गाँवो में रहकर बरसात का इंतजार करते थे ।

   (b) सूखे मौसम में चरवाही करते थे और बरसात में खेती ।

   (c) उन्होंने खेती करनी बंद कर दी थी।

   (d) उपरोक्त सभी ।

उत्तरमाला

1 अंक वाले प्रश्नों के उत्तर

1. (b) राजस्थान

2. (a) पुष्कर

3. (b) गेहूँ

4. (c) बुग्याल

5. (a)मसाई

6. ग्रीष्म

7. जम्मू और कश्मीर

8. पशुओं के चारे की खोज में

9. योद्धा

10. 1871 ई.,

11. वैसे समूह जो पशुओं के साथ अजीविका की खोज में एक स्थान से दूसरे स्थान घूमते रहते हैं घुमंतू चरवाहा कहते हैं।

12. ऊन दुग्ध उत्पाद

13. गढ़वाल और कुमाऊँ के इलाके में पहाड़ियों के निचले हिस्से के आस-पास पाए जाने वाले सूखे जंगलों का क्षेत्र ।

14. क्योंकि यूरोपीय शासक उन्हें बर्बर और खतरनाक मानती थी।

15. संदेह की दृष्टि से देखना/नियंत्रण की चेष्टा ।

16. (a)

3 या 5 अंक वाले प्रश्न के उत्तर

(क) धंगर अक्टूबर-नवंबर में चारो की कमी के कारण महाराष्ट्र के मध्य पठारों से चल पड़ते हैं।

(ख) वे कोंकण में जाकर डेरा डालते हैं। अच्छी बारिश और उपजाऊ मिट्टी की बदौलत इस इलाके में खूब खेती होती है।

(ग) कोंकणी किसान इन चरवाहों का दिल खोलकर स्वागत करते हैं। कोंकण के किसानों को रबी की फसल के लिए अपने खेतों को दोबारा उपजाऊ बनाना होता है।

(घ) घंगरो के मवेशी खेतों में बची रह गई ठूठों को खाते हैं और उनके गोबर से खेतों को खाद मिल जाती है।

(ड) मानसून की बारिश शुरू होते ही घंगर कोंकण और तटीय इलाके छोड़कर सूखे पठारों की तरफ लौट जाते हैं, क्योंकि भेड़े गीले मानसूनी हालात को बर्दाश्त नहीं कर पाती हैं।

2. औपनिवेशिक सरकार ने बहुत सारे चरागाहों को शिकारगाहों में बदल दिया। उनमें से कीनिया के मासाईमारा तथा साम्बूरू नैशनल पार्क इलाकों में मासाई पशुपालकों को शिकार करने, जानवरों को चराने या घुसने की मनाही थी।

(क) कुरूमा और कुरूबा समुदाय के लोगों की आवाजाही पशुओं की जरूरतों से प्रेरित होती थी ।

(ख) ये लोग बरसात व सूखे मौसम के हिसाब से अपनी जगह बदलते थे ।

(ग) सूखे के महीनों में वे लोग तटीय इलाकों की तरफ चले जाते थे और बरसात शुरू होने पर वापस चल देते थे ।

(घ) मानसून के दिनों में तटीय इलाकों में जमीन दलदली हो जाती थी जो भैंसों को रास आती थी।

(ड) अन्य जानवरों को सूखे पठारी इलाकों में ले जाया जाता था।

4. (क) अच्छे चरागाह की खोज

(ख) मौसमों के बदलने के कारण

(ग) पानी की खोज

(घ) कंदमूल फल सब्जियों की खोज

(ड) उत्पादों को बेचने के लिए

5. (क) वनों में पशुओं को चराने पर रोक लगा दी गई थी ।

(ख) वनों में आने जाने का समय तय करा दिया गया ।

(ग) जंगलों में जाने का परमिट लेना पड़ता था ।

(घ) जलावन की लकड़ी नहीं ले पाते थे ।

(ड) नियमों को न मानने पर भारी जुर्माना।

6. (क) सरकार का मानना था कि इससे कर लगाकर आमदनी बढ़ेगी ।

(ख) ऐसा सोचना कि वन बेकार होते हैं जबकि कृषि फायदेमंद है ।

(ग) चरवाहों को वनो से दूर करना ।

(घ) ऐसे वन जहाँ टीक, साल, सागौन व शीशम के पेड़ थे उनसे लकड़ी का मिलना।

(ड) इससे जूट (पटसन) कपास, गेहूँ, आदि का उत्पादन बढ़ जाता था जिनकी इंग्लैंड में बहुत मांग थी।

स्रोत आधारित प्रश्न (4 अंक)

1. राजस्थान
2. राइका समुदाय की खेती की उपज हर साल घटती बढ़ती रहती थी ।
3. क्योंकि इस दौरान वही चारा मिल जाता था ।
4. (b) सूखे मौसम में चरवाही करते थे और बरसात में खेती ।

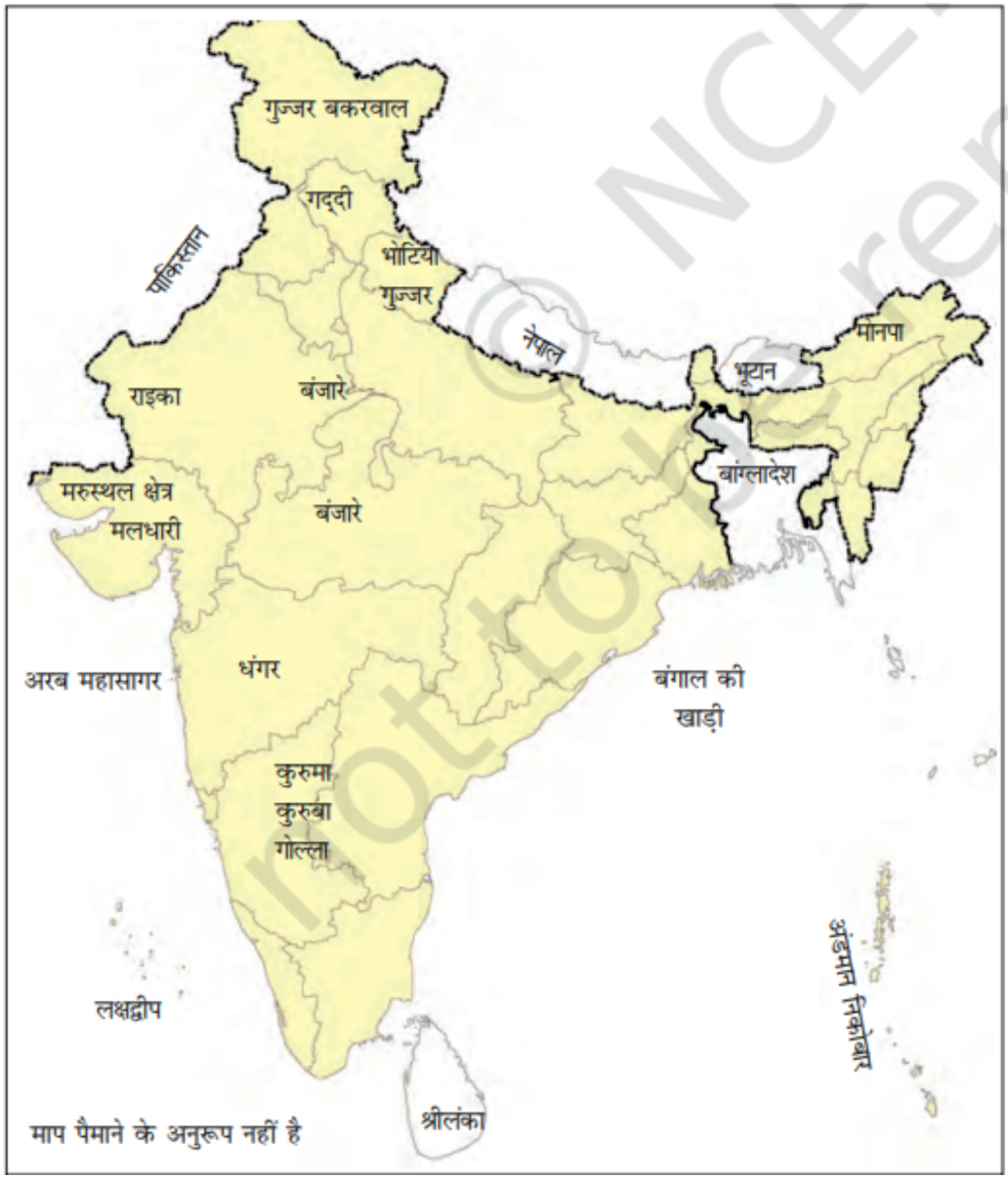

© NCERT not to be republished

बरबेर्स
बेदुईन
ताउरेग
मूर्स
वोदाबेफुलानी
काब्बाबिश
बेजा
डानाकिल
सोमाली
हेरेरो
तस्वाना
जुलू
नामा
सूडान
ईथियोपिया
तुर्काना
जायरे
बोरान
सोमाली
उगांडा
सोमाली
कीनिया
विक्टोरिया झील
मासाई
मासाई
मासाई
तंज़ानिया
हिंद महासागर

अध्याय-1
भारत आकार और स्थिति

भारतः एक दृष्टि में	
जनसंख्या	121 करोड़ (2011 की जनगणना)
क्षेत्रफल	32.8 लाख वर्ग कि.मी.
राज्यों की संख्या	28
केंद्र शासित प्रदेशों की संख्या	08
विश्व के कुल भौगोलिक क्षेत्रफल का प्रतिशत	2.4%
विश्व के कुल जनसंख्या में प्रतिशत	17.5%
जनसंख्या के अनुसार विश्व में भारत का स्थान	दूसरा
क्षेत्रफल के अनुसार विश्व में भारत का स्थान	सातवां
क्षेत्रफल में भारत से बडे देश	रूस, कनाडा, संयुक्त राज्य अमेरिका, चीन ब्राजील और ऑस्ट्रेलिया
भारत की स्थल सीमा रेखा की लंबाई	15200 किलोमीटर
भारत की समुद्री सीमा रेखा की कुल लंबाई (अंडमान और निकोबार तथा लक्षद्वीप समूह को मिलाकर)	7516.6 किलरेमीटी
भारत की मानक याम्योत्तर रेखा	82° 30° पूर्व देशांतर
भारत की मानक याम्योत्तर रेखा जिस प्रमुख शहर से होकर गुजरती है।	मिर्जापुर (उत्तर प्रदेश)
भारत का अक्षांशीय विस्तार	8° 4' उत्तरी अक्षांश से लेकर 37°6 पूर्वी देशांतर तक
भारत का देशांतरीय विस्तार	68°7' पूर्वी देशान्तर से लेकर 97°25' पूर्वी देशान्तर तक

भारत के पड़ोसी देश	पाकिस्तान और अफगानिस्तान, (उत्तर पश्चिम) श्रीलकां और मालदीव (द्वीपीय पड़ोसी–दक्षिण) चीन (तिब्बत), नेपाल और भूटान (उत्तर) म्यांमार और बांग्लादेश (पूर्व)
वे भारतीय राज्य जिनकी सीमाएं पाकिस्तान से मिलती है।	जम्मू एवं कश्मीर, पंजाब, राजस्थान और गुजरात
वे भारतीय राज्य जिनकी सीमाएं चीन से मिलती है	जम्मू एवं कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, सिक्कम और अरुणाचल प्रदेश
वे भारतीय राज्य जिनकी सीमाएं म्यामांर से मिलती हैं।	अरुणाचल प्रदेश, नागालैंड, मणिपुर और मिजोरम
वे भारतीय राज्य जिनकी सीमाएं बांग्लादेश से मिलती हैं।	पश्चिम बंगाल, मिजोरम, मेघालय, त्रिपुरा और असम
भारत और श्रीलंका को अलग करने वाली जलसंधि	पाक जलसंधि
लक्षद्वीप समूह के दक्षिण में स्थित भारत का पड़ोसी देश	मालदीव
वह रेखा जो भारत को लगभग दो बराबर भागों में बांटती है।	कर्क रेखा (23° 30' उत्तरी अक्षांश वृत्त)
कर्क रेखा भारत के जिन राज्यों से होकर गुजरती है।	गुजरात, राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड, पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा और मिजोरम (8 राज्य)

क्षेत्रफल के आधार पर भारत का सबसे बड़ा राज्य	राजस्थान
क्षेत्रफल के आधार पर भारत का सबसे छोटा राज्य	गोवा
भारत की उत्तर से दक्षिण तक की लंबाई	3214 किलोमीटर
भारत की पूर्व से पश्चिम तक की चौड़ाई बंगाल की खाड़ी में स्थित भारत का द्वीप समूह अरब सागर में स्थित भारत का द्वीप समूह वह महासागर जिसका नाम भारत (इंडिया) के नाम पर रखा गया है।	2933 किलोमीटर अंडमान और निकोबार द्वीप समूह लक्षद्वीप हिंद महासागर

1 अंक वाले प्रश्न

1. **निम्न में से कौन सा अक्षांश वृत्त भारत दो बराबर भागों में विभक्त करता है?**

   (क) 23½° उत्तरी अक्षांश या कर्क रेखा

   (ख) 23½° दक्षिणी अक्षांश या मकर रेखा

   (ग) 66½° उत्तरी अक्षांश

   (घ) 66½° दक्षिणी अक्षांश

2. **भारत का सबसे पूर्वी देशांतर कौन सा है ?**

   (क) 96°25" (ख) 97°25"

   (ग) 90°75" (घ) 93°50"

3. भारत और श्रीलंका को अलग करने वाली ..... जल संधि है ।

4. कवरत्ती जाने के लिए आप ..... केन्द्र शासित प्रदेश में जाएंगे ।

5. भारत का अक्षांशीय विस्तार ..... हैं ।

6. भारत के स्थल भाग का कुल क्षेत्रफल ..... है ।

7. क्षेत्रफल की दृष्टि से भारत का विश्व में ..... स्थान है ।

8. निम्न में से भारत को मानक याम्योत्तर देशांतर रेखा कौन सी है ?

(क) $80^{1}/_{2}^{\circ}$ पूर्वी देशांतर (ख) $82^{1}/_{2}^{\circ}$ पश्चिमी देशांतर

(ग) $80^{1}/_{2}^{\circ}$ पश्चिमी देशांतर (घ) $82^{1}/_{2}^{\circ}$ पूर्वी देशांतर

9. विश्व के भौगोलिक क्षेत्रफल का कुल कितने प्रतिशत भारत के पास है?

(क) 2.9 (ख) 3.4

(ग) 2.4 (घ) 3.8

10. भारत की स्थल सीमा रेखा ..... कि.मी. है ।

11. अरब सागर में स्थित द्वीप समूहों को किस नाम से जाना जाता है ।

(क) अंडमान द्वीप समूह (ख) निकोबार द्वीप समूह

(ग) लक्षद्वीप समूह (घ) सोकोतरा द्वीप

12. बंगाल की खाड़ी में .... .द्वीप समूह स्थित है ।

13. भारत को याम्योत्तर देशांतर रेखा किस स्थान से होकर गुजरती है।

(क) मिर्जापुर (ख) लखनऊ

(ग) दिल्ली (घ) भोपाल

14. बांग्लादेश की सीमा से जुड़े किसी एक राज्य का नाम बताइए।

(क) गुजरात (ख) तमिलनाडू

(ग) बिहार (घ) असम

15. स्वेज नहर से..... और ..... के बीच की दूरी 7000 कि. मी. कम हो जाती ।

16. निम्न में से कौन सा देश भारत का पड़ोसी देश है।

(क) मंगोलिया (ख) मलेशिया

(ग) म्यांमार (घ) यमन

17. निम्न में से ऐसा कौन सा राज्य है जिसकी न तो अंतराष्ट्रीय सीमा है और न ही तटीय सीमा।

(क) महाराष्ट्र (ख) मध्य प्रदेश

(ग) जम्मू व कश्मीर (घ) केरल

18. निम्न में से सबसे लंबी तट रेखा वाला राज्य बताइए।

(क) पश्चिम बंगाल (ख) केरल

(ग) गुजरात (घ) महाराष्ट्र

19. भारत का कौन सा राज्य तीन तरफ से बांग्लादेश से घिरा हुआ है ।

(क) असम (ख) त्रिपुरा

(ग) पश्चिम बंगाल (घ) बिहार

20. नीचे दिए गए प्रश्न में, दो प्राक्कथन दिए गए हैं एक संकल्पना (स) और दूसरा कारण (क) कथनों को पढ़िए और सही विकल्प का चयन कीजिए।

संकल्पना (स): गुजरात से अरूणाचल प्रदेश के समय में दो घंटे का अंतर है।

कारण (क) 82°3'0 पूर्व देशान्तर रेखा को भारत की याम्योत्तर रेखा माना जाता है।

विकल्प:

A. संकल्पना (स) एवं कारण (क) दोनों सही हैं एवं कारण संकल्पना की सही व्याख्या है ।

B. संकल्पना (स) एवं कारण (क) दोनों सही हैं परन्तु कारण संकल्पना की सही व्याख्या नहीं है ।

C. संकल्पना (स) सही है एवं कारण (क) गलत है ।

D. संकल्पना (स) गलत है परंतु कारण (क) सही है ।

1 अंक वाले प्रश्नों के उत्तर

1. 23/½ उत्तरी अक्षांश या कर्क रेखा
2. ख) 97°25" पूर्वी देशांतर
3. पाक जल-संधि

4. लक्षद्वीप
5. 8°4' उत्तर से 37°6' उत्तर अक्षांश के मध्य
6. 32.8 लाख वर्ग कि.मी.
7. सातवाँ
8. 82½ पूर्वी देशांतर
9. 2.4%
10. 15200 कि.मी
11. लक्षद्वीप समूह
12. अंडमान व निकोबार
13. मिर्जापुर
14. असम
15. भारत और यूरोप
16. म्यांमार
17. मध्य प्रदेश
18. गुजरात
19. त्रिपुरा
20. (A) संकल्पना (स) और कारण (क) दोनों सही हैं और कारण, संकल्पना की सही व्याख्या है।

3/5 अंको वाले प्रश्न

1. उन देशों के नाम बताइये जो क्षेत्रफल में भारत से बड़े हैं ?
2. भारके के किन-किन राज्यों से कर्क रेखा गुजरती है ? नाम बताइये ?
3. भारत की तट रेखा कितनी लंबी है ? इसके के दो लाभो का उल्लेख कीजिये?
4. अरुणाचल प्रदेश के पूर्वी भाग तथा गुजरात के पश्चिमी भाग के मध्य सूर्योदय में दो घंटो का अंतर क्यों है?
5. भारत को मानक समय की आवश्यकता क्यों पड़ती है ?

6. प्राचीन काल से भारत के विभिन्न देशों से संपर्क के कारण किन चीजों का आदान-प्रदान हुआ? उल्लेख कीजिए ।
7. भारत के पड़ोसी राष्ट्रों के नाम दिशाओं के अनुसार लिखिये?
8. हिन्द महासार में भारत का केन्द्रीय स्थिति का इसे किस प्रकार लाभ प्राप्त होता है? कोई तीन बिन्दु बताएँ)

उत्तरमाला

3/5 अंको वाले प्रश्न के उत्तर

1. (i) रुस
   (ii) कनाडा
   (iii) संयुक्त राज्य अमेरिका
   (iv) चीन
   (v) ब्राजील
   (vi) आस्ट्रेलिया
2. कर्क रेखा गुजरात, राजस्थान, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड, पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा और मिजोरम से होकर गुजरती है।
3. भारत की तट रेखा की लंबाई 7516.6 कि.मी. है।
   (i) बहुत से महत्वपूर्ण बंदरगाहो को स्थापित करने में मदद मिलती है। ये बंदरगाह भारत के लिए विदेशी व्यापार के द्वार हैं।
   (ii) मत्स्य उद्योग को विकसित करने में सहायक बनी है। इस उद्योग में हजारों मछुआरों को रोजगार मिलता है ।
4. (i) भारत का पूर्वी देशान्तर 97°25' पूर्व है जबकि पश्चिमी भाग को देशान्तर 68°7' पूर्व है। इस प्रकार यह विस्तार 30° के लगभग है ।
   (ii) एक डिग्री देशान्तर को पार करने में सूर्य 4 मिनट का समय लेता है ।
   (iii) इस प्रकार 30° देशान्तर को पार करने में 4×30=120 मिनट अर्थात् 2 घंटे हुए ।

5. (i) भारत के पूर्वी तथा पश्चिमी छोर के मध्य 30° देशान्तरों का अन्तर है ।

(ii) देशान्तर के इस अन्तर के कारण समय में लगभग दो घंटो का अंतर होता है।

(iii) समूचे देश के समय को व्यवस्थित रखने के लिए एक समय की आवश्यकता पड़ती है।

अत: इसीलिए 82°30' पूर्वी देशान्तर को भारत का मानक समय मान लिया गया है ।

6. भारत के विभिन्न देशों में जाने वाली वस्तुएं तथा विचार

(i) उपनिषदों के विचार, रामायण तथा पंचतंत्र की कहानियाँ

(ii) भारतीय अंक एवं दशमलव प्रणाली

(iii) मसाले, मलमल आदि।

विभिन्न देशों से भारत में आने वाल चीजें :

(i) यूनानी स्थापत्य कला

(ii) पश्चिमी एशिया से वास्तुकला के प्रतीक मीनारों तथा गुंबदों का विचार ।

7. (i) उत्तर पश्चिम दिशा में भारत के पड़ोसी देश (क) पाकिस्तान (ख) अफगानिस्तान ।

(ii) उत्तर दिशा में भारत के पड़ोसी देश (क) चीन (तिब्बत) (ख) नेपाल (ग) भूटान

(iii) पूर्व दिशा में भारत के पड़ोसी देश (क) म्यांमार (ख) बांग्लादेश

(iv) दक्षिण में भारत के पड़ोसी देश (द्वीपीय) (क) श्रीलंका (ख) मालदीव

8. (i) हिन्द महासागर में कोई भी देश ऐसा नहीं है, जिसकी तट रेखा इतनी लम्बी हो ।

(ii) समुद्री मार्ग से यूरोप, पश्चिम एशिया, पूर्वी एशिया और अफ्रीका के राष्ट्र व्यापार करने के लिये भारत से होकर गुजरते है। जिसका लाभ भारत को होता है।

(iii) इन सभी लाभों के भारत से जुड़े होने के कारण भारत के नाम पर ही महासागर का नाम हिन्द महासागर रखा गया।

स्त्रोत आधारित प्रश्न (4 अंक)

प्रश्न दिए गए अनुच्छेद को पढ़िए एवं पूछे गए प्रश्नों का उत्तर दीजिए।

भारत का पश्चिम-मध्य और पूर्वी एशिया से तथा दक्षिण एशिया के पड़ोसी देशों के साथ एक अद्‌भुत संपर्क रहा है। इसी प्रकार उपनिषदों के विचार, रामायण तथा पंचतंत्र की कहानियाँ, भारतीय अंक एवं दशमलव प्रणाली आदि संसार के विभिन्न भागों तक पहुँच सके । मसाले, मलमल आदि कपड़े तथा व्यापार के अन्य सामान भारत से विभिन्न देशों को ले जाये जाते थे। इसके विपरीत यूनानी स्थापत्यकला तथा पश्चिमी एशिया की वास्तु कला के प्रतीक मीनारों तथा गुंबदो का प्रभाव हमारे देश की विभिन्न मात्रा में देखा गया है।

(a) प्राचीन काल में भारत से किन वस्तुओं का व्यापार दूसरे देशों में किया जाता था ?

(b) ..... और ..... की कहानियाँ भारत से विभिन्न देशों में पहुंचे ।

(c) किस देश के स्थापत्यकला का प्रभाव हमारे देश में देखा जा सकता है ।

(d) गणित की कौन सी विद्या भारत से संसार के दूसरे भागों में पहुंचा ।

उत्तर:

1. मसाले, मलमल
2. रामायण तथा पंचतंत्र
3. यूनान
4. अंक एवं दशमलव प्रणाली

भारत – विस्तार एवं मानक रेखा

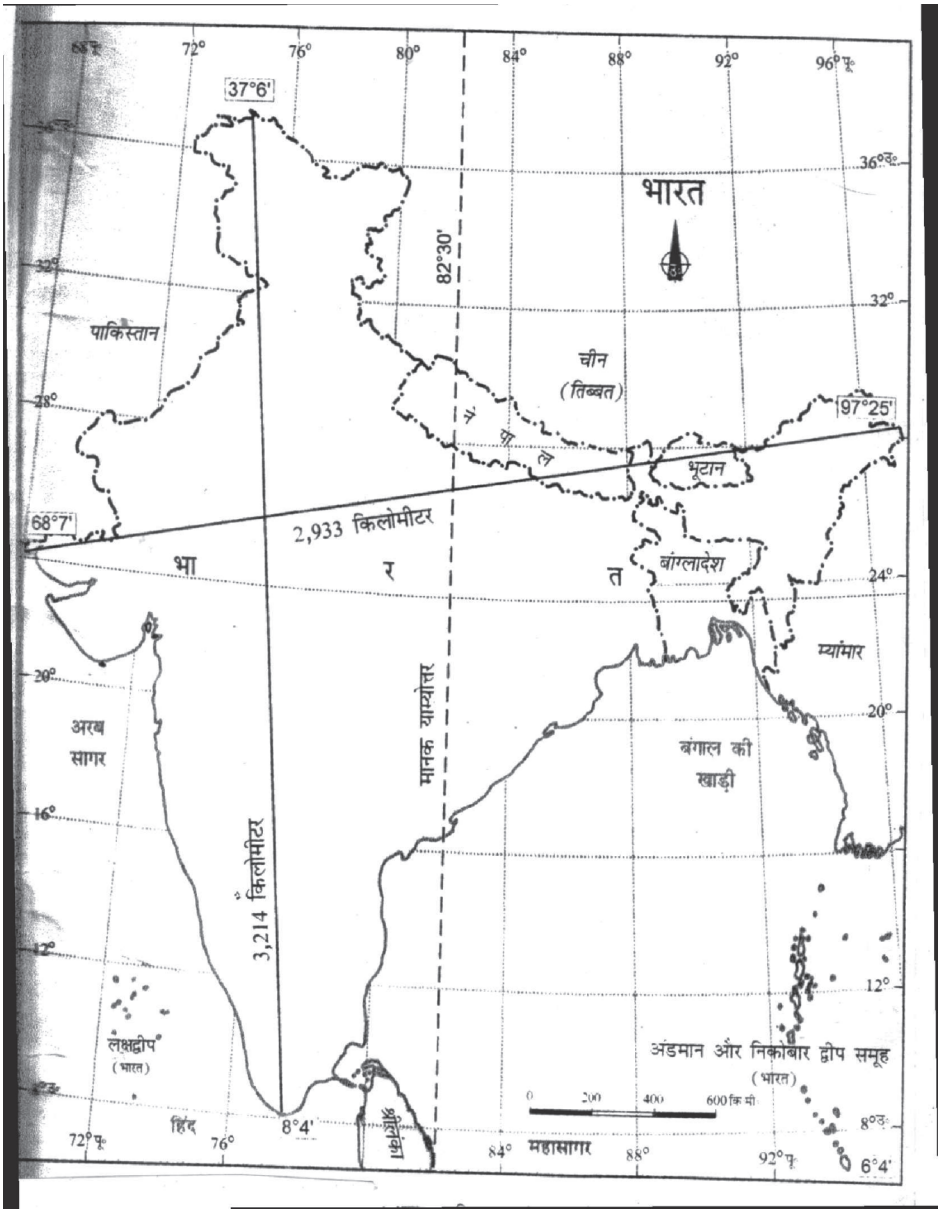

अध्याय-2
भारत का भौतिक स्वरूप

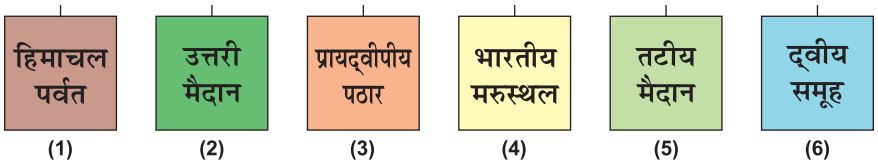

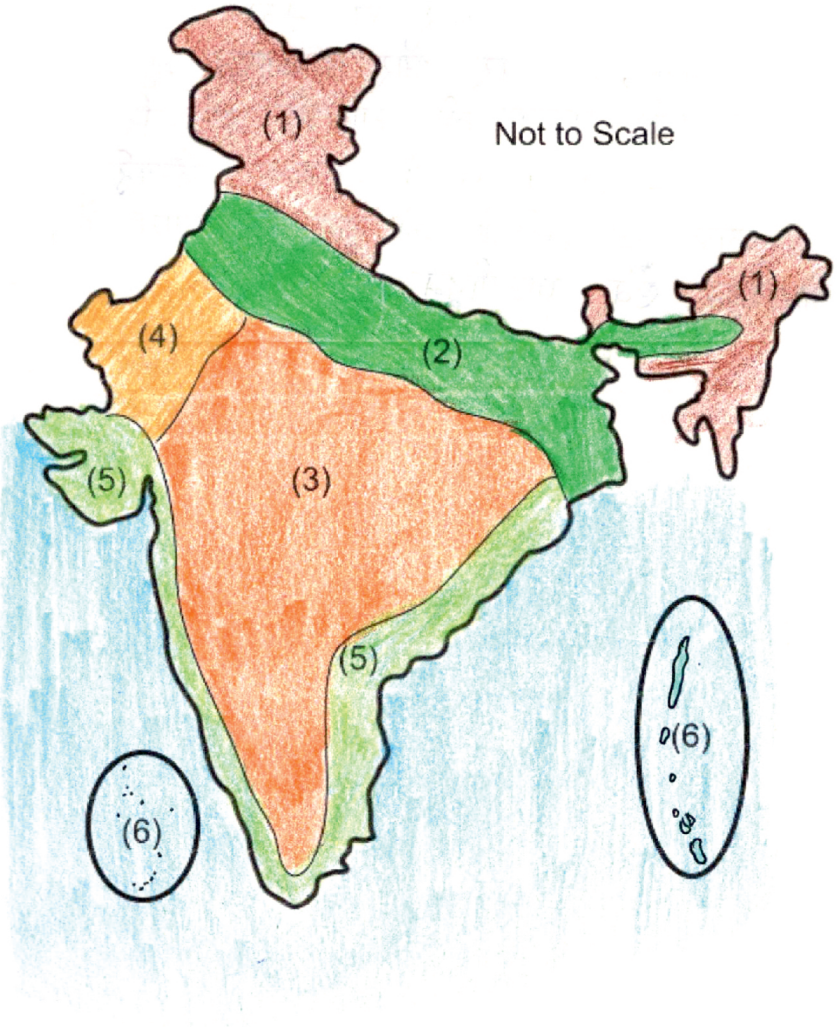

हिमालय पर्वत श्रंखला

- हिमालय को नवीन वलित पर्वत कहा जाता है ।
- हिमालय की लम्बाई 2400 कि.मी. है और चौड़ाई कश्मीर में 400 कि.मी और अरुणाचल प्रदेश में 150 किमी. है ।
- हिमालय का देशान्तरीय विस्तार, तीन श्रेणियों में बाटाँ जाता है ।

(क) **हिमाद्री हिमालय** – सबसे उत्तरी भाग में स्थित, सबसे अधिक सतत श्रृंखला, जिसमें 6000 मीटर की ऊचाँई वाले सर्वाधिक ऊँचे शिखर हैं। उदाहरण – मांउट एवरेस्ट, कंचनजंगा, मकालु, नंगा पर्वत

(ख) **हिमाचल** – 3700 मीटर से 4500 मीटर ऊँचाई के पर्वत । पीर पंजाल, धौलाधर और महाभारत श्रृंखलाएँ । कश्मीर, कांगड़ा और कुल्लू की घाटियाँ यहाँ स्थित हैं ।

(ग) **शिवालिक** – सबसे बाहरी श्रृंखला, ऊँचाई 900 से 1100 मीटर शिवालिक की घाटियों को दून कहा जाता है । जैसे: देहरादून, कोटलीदून एवं पाटलीदूर।

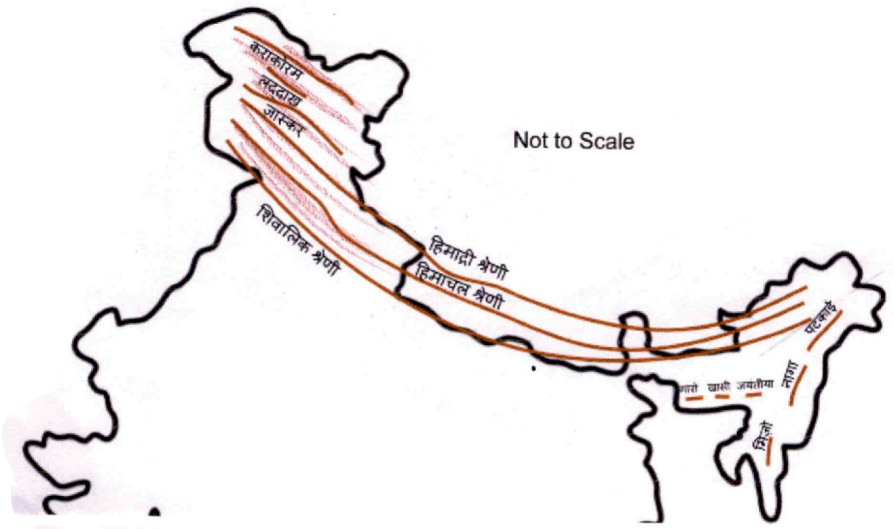

इस उत्तर–दक्षिण के अतिरिक्त हिमालय को पश्चिम से पूर्व के आधार पर भी विभाजित किया गया है।

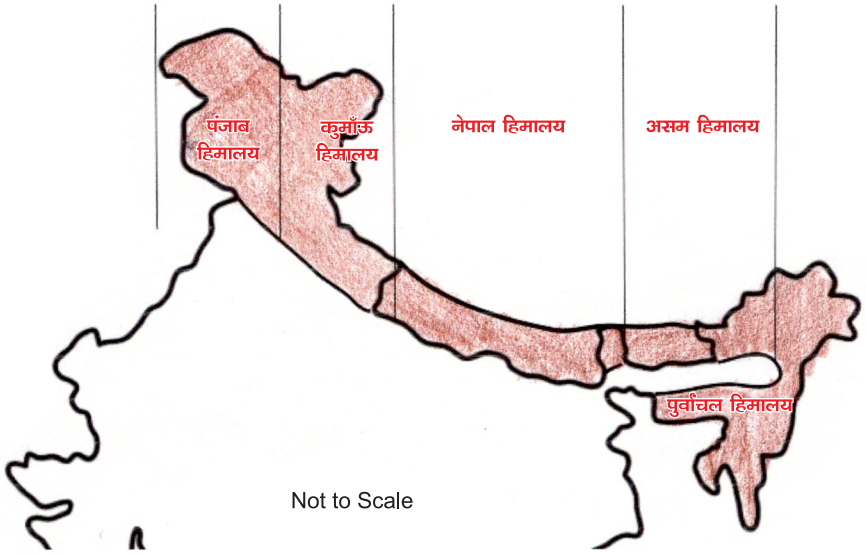

इन वर्गीकरणों को नदी घाटियों की सीमाओं के आधार पर किया गया है ।

1. पंजाब हिमालय – सतलुज और सिंधु नदी के बीच ।
2. कुमाँऊ हिमालय – सतलुज और काली नदी के बीच ।
3. नेपाल हिमालय – काली और तिस्ता नदी के बीच ।
4. असम हिमालय – तिस्ता और दिहाँग नदी के बीच ।
5. पूर्वाचल हिमालय – भारत की पूर्वी सीमा के साथ फैला हुआ ।

उत्तरी मैदान

- उत्तरी मैदान तीन प्रमुख नदी प्रणालियों **सिंधु**, **गंगा एवं ब्रहापुत्र** तथा इनकी सहायक नदियों से बना है ।
- यह मैदान **जलोढ़ मृदा** से बना है ।
- मैदान की लंबाई – 2400 कि.मी, चौड़ाई – 240 से 320 किमी, चौड़ा ।

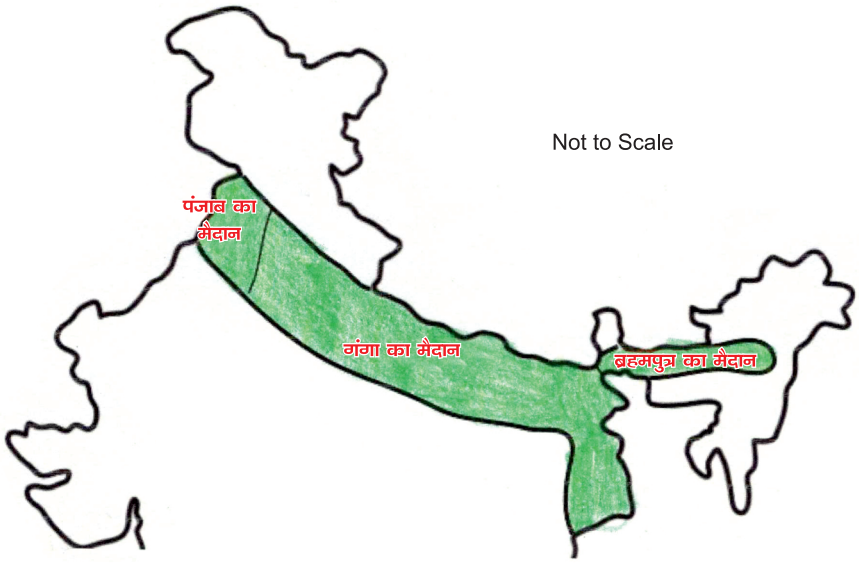

- उत्तरी मैदान को तीन उपवर्गो में विभाजित किया गया है ।

(क) **पंजाब का मैदान** – उत्तरी मैदान का पश्चिमी भाग । इस भाग में दोआबों की संख्या अधिक है । (दोआबा : दो नदियों के बीच का भाग)

(ख) **गंगा का मैदान** – घ घर और तिस्ता नदियों के बीच ।

(ग) **ब्रहापुत्र का मैदान** – ब्रहापुत्र और उसकी वितरिकाओं से बना, असम में स्थित है ।

उत्तरी मैदान की भौगोलिक आकृतियों में भी विविधता है। इस आधार पर इन्हें चार भागों में विभाजित किया जाता है।

(i) 'भाबर' – नदियाँ पर्वतों से नीचे उतरते समय शिवालिक की ढाल पर 8 से 16 कि. मी. चौड़ी पट्टी में गुटिका का निक्षेपण करती हैं । इसे 'भाबर' कहते हैं।

(ii) 'तराई' – भाबर के दक्षिण में सरिताएँ एवं नदियाँ पुनः निकल आती हैं । नम तथा दलदली क्षेत्र का निर्माण करती है, जिसे 'तराई' कहा जाती है ।

(iii) भांगर – उत्तरी मैदान का सबसे विशालतम भाग पुराने जलोढ़ का बना है । वे नदियों के बाढ़ वाले मैदान के ऊपर वेदिका जैसी आकृति बनाते हैं जिसे 'भांगर' कहा जाता है ।

(iv) खादर – बाढ़ वाले मैदानों के नये तथा युवा निक्षेपों को 'खादर' कहा जाता है । इनका प्रत्येक वर्ष पुननिर्माण होता है ।

प्रायद्वीपीय पठार

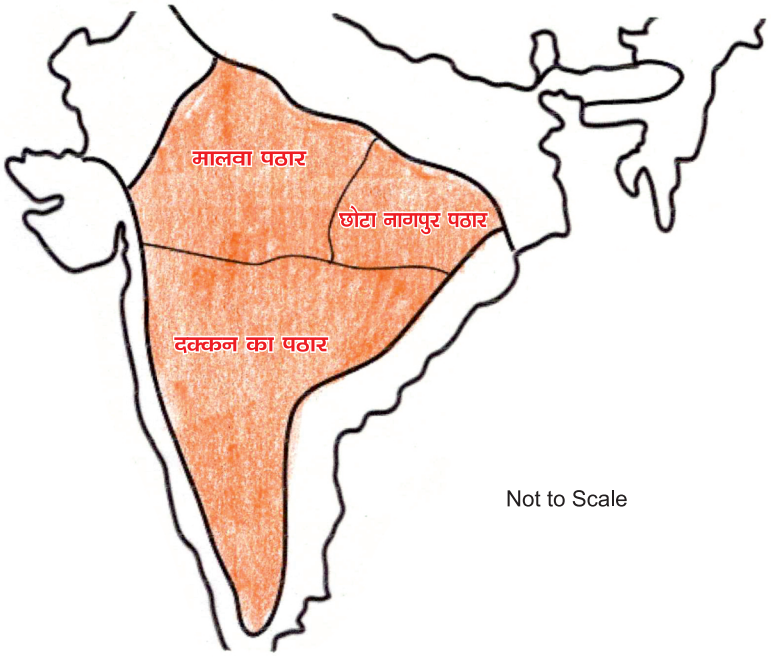

- प्रायद्वीपीय पठार पुराने क्रिस्टलीय, आग्नेय तथा रूपांतरित शैलों से बना है ।
- यह गोडंवाना भूमि के टूटने एवं अपवाह के कारण बना है ।
- इस पठार के दो मुख्य भाग हैं 'मध्य उच्चभूमि' तथा 'दक्कन का पठार' ।
- प्रायद्वीपीय पठार में पायी जाने वाली काली मृदा को 'दक्कन ट्रैप' के नाम से जाना जाता है । इसकी उत्पत्ति ज्वालामुखी से हुई है इसलिए इसके शैल आग्नेय हैं ।

भारतीय मरुस्थल

(i) भारतीय मरुस्थल अरावली पर्वत माला के पश्चिमी छोर पर स्थित है ।

(ii) यह बालू के टिब्बों से ढके हुआ रेतिला मैदान है।

(iii) इस क्षेत्र में 150 मि. मि प्रति वर्ष से भी कम वर्षा होती है ।

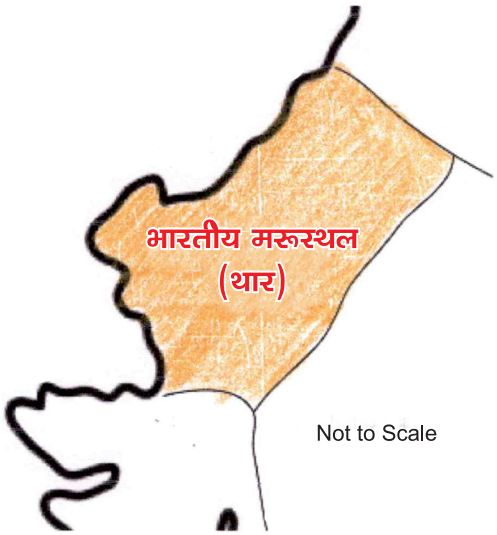

(iv) यहाँ की जलवायु शुष्क और कंटीली वनस्पति पाई जाती है ।

(v) लूनी नदी यहाँ की एकमात्र बड़ी नदी है ।

(iv) यहाँ बरकान (अर्ध चंद्राकार बालू के टिब्बे) पाए जाते हैं ।

तटीय मैदान

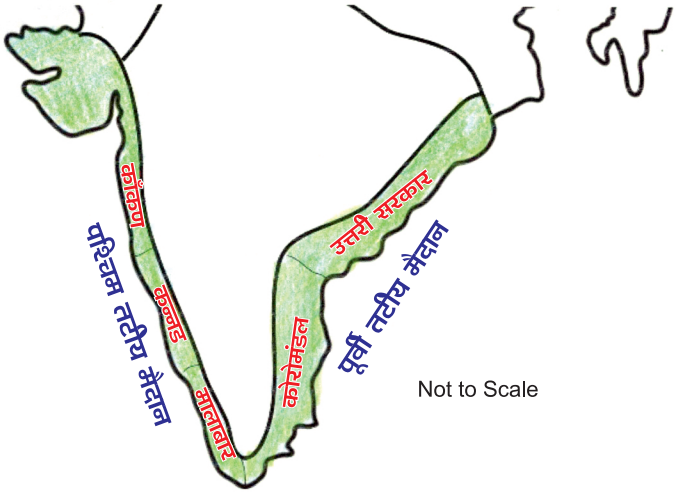

पश्चिमी तटीय मैदान:

(i) पश्चिमी घाट और अरब सागर के बीच स्थित है ।

(ii) अपेक्षाकृत संकरा है ।

(iii) इस मैदान के तीन भाग हैं – उत्तरी भाग को कोकंण, मध्य भाग को कन्नड़ मैदान एवं दक्षिणी भाग को मलाबार तट कहा जाता है ।

पूर्वी तटीय मैदान:

(i) पूर्वी घाट और बंगाल की खाड़ी के बीच स्थित है ।

(ii) यह एक चौड़ा मैदान है ।

(iii) उत्तरी भाग में 'उत्तरी सरकार' कहा जाता है और दक्षिण भाग 'कोरोमंडल तट' के नाम से जाना जाता है ।

(iv) महानदी, गोदावरी, कृष्णा एवं कावेरी नदियों द्वारा डेल्टा बनता है ।

(v) प्रमुख झीलें – चिल्का, पुलिकट एवं कोलेरू ।

चिल्का – खारे पानी की सबसे बड़ी झील ।

- पश्चिमी और पूर्वी घाट, दक्कन के पठार के पश्चिमी और पूर्वी किनारों पर स्थित हैं।

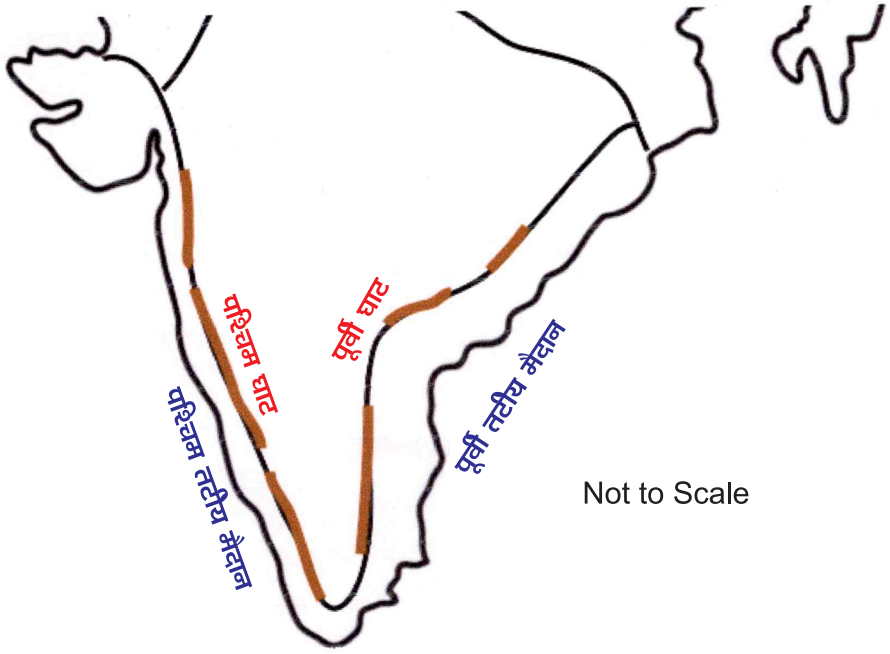

पश्चिमी घाट और पूर्वी घाट

	पश्चिमी घाट	पूर्वी घाट
1.	पश्चिमी घाट दक्कन के पठार का पश्चिमी किनारा बनाते हैं ।	पूर्वी घाट दक्कन के पठार का पूर्वी किनारा बनाते हैं ।
2.	यह सतत/नियमित किनारा बनाते हैं।	इनका विस्तार सतत नहीं है।
3.	औसत ऊँचाई 900 – 1600 मीटर है।	औसत ऊँचाई 600 मीटर है।
4.	सबसे ऊचाँ शिखर – अनाईमुडी (2695 मीटर)	सबसे ऊँचा शिखर – महेन्द्रगिरी (1501 मीटर)

भारत के द्वीप समूह दो भागों में बँटे हैं ।

1. लक्षद्वीप

- केरल के मलाबार समुद्र तट के निकट है ।
- द्वीपों का यह समूह छोटे प्रवाल द्वीपों से बना है ।
- यह 32 वर्ग किमी. के छोटे से क्षेत्र में फैला है ।
- कावारत्ती द्वीप लक्षद्वीप का प्रशासनिक मुख्यालय है ।

2. अंडमान और निकोबार

- यह द्वीप समूह बंगाल की खाड़ी में स्थित हैं ।
- यह द्वीप समूह दो मुख्य भागों में बँटें हैं – अंडमान (उत्तर) में और निकोबार (दक्षिण में)।

- यह माना जाता है कि ये द्वीप समूह निमज्जित पर्वत श्रेणियों के शिखर हैं।
- ये द्वीप विषुवत् रेखा के समीप स्थित हैं तथा घनें जंगलों से आच्छादित हैं।

भारत की प्रमुख भौतिक आकृतियाँ

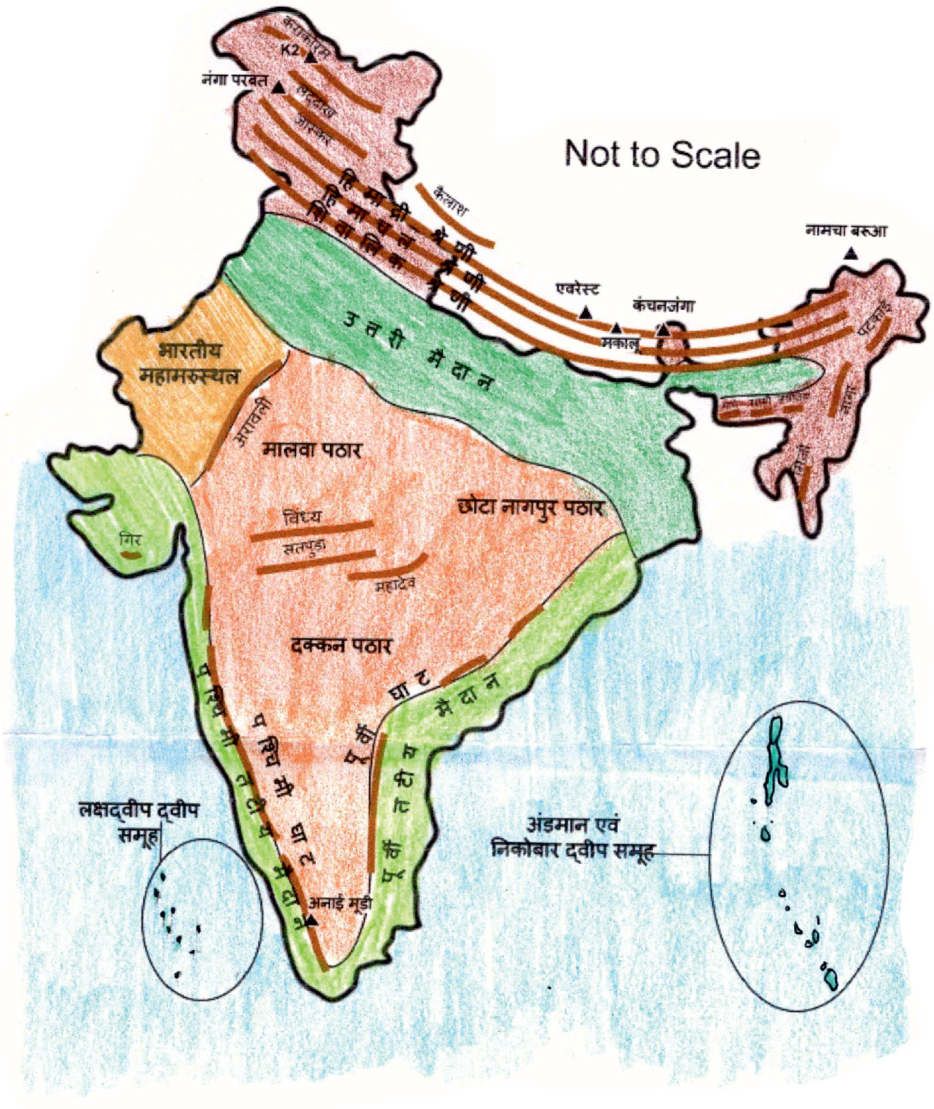

1 अंक वाले प्रश्न

1. हिमालय के रुप में ऊपर उठने के कारण किस समुद्र की समाप्ति हुई थी।

(क) अराल सागर (ख) लाल सागर

(ग) टेथिस सागर (घ) अरब सागर

2. भारत में हिमालय का सबसे ऊँचा शिखर ..... है ।

3. ....., ... और ..... नदी तंत्र है जिनसे उत्तर के विशाल मैदान का निर्माण हुआ ।

4. पुरानी तथा नई जलोढ़ मृदा क्रमश : ..... तथा ..... के नामों से जाना जाता है ।

5. प्रायद्वीपीय पठार को ..... व ..... में बाँटा जाता है ।

6. भारत का कौन सा द्वीप समूह प्रवाल से निर्मित है

(क) लक्षद्वीप (ख) अंडमान व निकोबार द्वीप समूह

(ग) दोनों सही हैं (घ) इनमें से कोई नहीं

7. एक स्थलीय भाग जो तीन ओर से समुद्र से घिरा हो क्या कहलाता है?

(क) जल संधि (ख) स्थल संधि

(ग) खाड़ी (घ) प्रायद्वीप

8. भारत के पूर्वी भाग में म्यांमार की सीमा का निर्धारण करने वाले पर्वतों का संयुक्त नाम क्या है ?

(क) पूर्वांचल (ख) कारा कोरम

(ग) पीर पंजाल (घ) छोटा नागपुर

9. दोआब क्या है ?

(क) दो नदियों के बीच की भूमि

(ख) दो पर्वतों के बीच बहने वाली नदी

(ग) उपर्युक्त दोनों

(घ) इनमें से कोई नहीं

10. चिल्का झील किस राज्य में स्थित है ?

(क) महाराष्ट्र (ख) उड़ीसा

(ग) गुजरात (घ) केरल

11. बरकान क्या है ?

(क) मरुस्थलीय भागों में स्थित छोट तालाब

(ख) मरुस्थलीय भागों में अर्धचंद्रकार बालू के टीले

(ग) उपर्युकत दोनों

(घ) इनमें से कोई नहीं

12. भारतीय मरुस्थलीय क्षेत्र की सबसे बड़ी नदी कौन सी है ?

(क) चंबल, (ख) कोसी

(ग) लूनी (घ) तुंगभ्रदा

13. भारत का एकमात्र सक्रिय ज्वालामुखी कहाँ स्थिति है ?

(क) लक्षद्वीप

(ख) मालवा का पठार

(ग) बैरनद्वीप, अंडमान व निकोबार द्वीप समूह

(घ) कंचनजंगा

14. नदियाँ पर्वतों से नीचे उतरते समय शिवालिक की ढाल पर 8 से 16 किलोमीटर की चौड़ी पट्टी पर गुटिका का निक्षेपण करती है जहाँ सभी सरिताएँ इस पट्टी में विलुप्त हो जाती है । इस पट्टी को ..... कहते हैं ।

15. भाबर के दक्षिण में सरिताएँ एवं नदियाँ पुन: निकल आती हैं तथा दलदली क्षेत्र का निर्माण करती हैं इसी क्षेत्र को ..... कहा जाता है ।

16. नीचे दिए प्रश्न में, दो प्राक्कथन दिए गए हैं । एक संकल्पना (स) और दूसरा कारण (क) कथनों को पढ़िए और सही विक्लप का चयन कीजिए।

संकल्पना (स) नदी के निचले भागों में ढ़ाल कम होने के कारण नदी की गति कम हो जाती है ।

कारण (क) नदी के निचले भाग में गाद एकत्र हो जाने के कारण बहुत – सी धाराओं में बँट जाती है।

A. संकल्पना (स) एवं कारण (क) दोनों सही हैं एवं कारण संकल्पना की सही व्याख्या है ।

B. संकल्पना (स) एवं कारण (क) दोनों सही हैं कारण संकल्पना की सही व्याख्या नहीं है ।

C. संकल्पना (स) यही है एवं कारण (क) गलत है ।

D. संकल्पना (स) गलत है परंतु कारण (क) सही है ।

3/5 अंको वाले प्रश्न

1. भारत में हिमालय के ऊँचे शिखर के नाम बताइए तथा उनकी ऊँचाई भी लिखिए?
2. हिमाद्री की पाँच विशेषताएँ बताइए ?
3. हिमाचल हिमालय की तीन विशेषताएँ बताइए ?
4. शिवालिंक की तीन विशेषताएँ बताइए ?
5. नदी घाटियों की सीमाओं के आधार पर हिमालय का वर्गीकरण कीजिए ?
6. उत्तरी मैदान को मोटे तौर पर कितने वर्गों में विभाजित किया जाता है ?
7. उत्तरी मैदान की विशेषताओं का वर्णन कीजिए ?
8. प्रायद्वीपीय पठार की विशेषताओं का वर्णन कीजिए ?
9. पश्चिमी घाट तथा पूर्वी घाट के मध्य अंतर स्पष्ट करें ?
10. भारतीय मरुस्थल की विशेषताओं का वर्णन कीजिए ?
11. पश्चिमी तटीय मैदान तथा पूर्वी तटीय मैदान के मध्य अंतर स्पष्ट करें ?
12. भारतीय द्वीप समूह की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए ?

13. आज के कौन से महाद्वीप गौंडवाना लैंड के भाग थे ?
14. हिमालय भारत के लिए वरदान स्वरुप कैसे हैं ? बताइए
15. "भारत की भौतिक आकृतियाँ भविष्य में विकास की अनेक संभावनाएँ प्रदान करती हैं । विश्लेषण कीजिए।

उत्तरमाला

1 अंको वाले प्रश्न के उत्तर

1. टेथिस सागर
2. कंचनजंगा (8598 मी.)
3. सिन्धु, गंगा, ब्रहापुत्र
4. भांगर, खादर
5. मध्य उच्चभूमि, ढक्कन का पठार
6. लक्षद्वीप
7. प्रयाद्वीप
8. पूर्वांचल
9. दो नदियों के बीच की भूमि
10. उड़ीसा
11. मरुस्थलीय भागों में अर्धचंद्रकार बत्लू के टीले
12. लूनी
13. बैरेन द्वीप, अंडमान व निकोबार द्वीप समूह ।
14. भाबर
15. तराई
16. (A) संकल्पना 'स' एवं कारण 'क' दोनों सही हैं कारण संकल्पना की सही व्याख्या है ।

स्त्रोत आधारित प्रश्न

नीचे दिए गए अनुच्छेद को बढ़कर पूछे गए प्रश्नों का उत्तर दीजिए ।

प्रायद्वीपीय पठार की एक विशेषता यहाँ पाइ जाने वाली काली मृदा है । जिसे दक्कन ट्रैप के नाम से भी जाना जाता है । इसकी उत्पत्ति ज्वालामुखी से हुई है, इसलिए इसके शैल आग्नेय है । वास्तव में इन शैलों का समय के साथ अपरदन हुआ है, जिनमें काली मृदा का निर्माण हुआ है । अरावली की पहाड़ियों प्रायद्वीपीय पठार के पश्चिमी एवं उत्तर पश्चिमी किनारे पर स्थित है । ये बहुत अधिक अपरदित एवं खण्डित पहाड़ियों है । ये गुजरात से लेकर दिल्ली तक दक्षिण पश्चिम एवं उत्तर पूर्व दिशा में फैली है।

(a) काली मृदा वाले क्षेत्र को ..... काम से भी जाना जाता है ।

(b) प्रायद्वीपीय पठार के शैल आग्नेय क्यों है ?

(c) अरावली की पहाड़ियाँ प्रायद्वीपीय पठार के किस किनारे पर स्थित है ?

(d) काली मृदा का निर्माण कैसे हुआ है ?

प्रश्न के उत्तर

(a) दक्कन ट्रैप

(b) क्योंकि इसकी उत्पत्ति ज्वालामुखी से हुई है ।

(c) पश्चिम एवं उत्तर पश्चिम किनारे पर

(d) आग्नेय शैलों के अपरदन से ।

3/5 अंको वाले प्रश्न के उत्तर

1. कंचनजंगा (8598 मीटर)

   नंगा पर्वत (8126 मीटर)

   कोमेट (7756 मीटर)

   नामचा बरुआ (7756 मीटर)

2. (i) यह सब से अधिक सतत श्रृंखला जिसमें 6000 मीटर की औसत ऊंचाई वाले सर्वाधिक ऊँचे शिखर हैं ।

   (ii) उसमें हिमालय के सभी मुख्य शिखर है ।

(iii) हिमालय के इस भाग का क्रोड ग्रेनाइट का बना हुआ है ।

(iv) उस भाग के हिमालय की प्रकृति असंममित है ।

(v) यह श्रृंखला सदैव बर्फ से ढकी रहती है तथा इससे बहुत सी हिमानियों का प्रवाह होता है ।

3. (i) इन श्रृंखलाओं का निर्माण मुख्यत: अत्यधिक संपीडित तथा परिवर्तित शैलों से हुआ है ।

(ii) इनकी ऊंचाई 3700 मीटर से 4500 मीटर के बीच है तथा चौड़ाई 50 किलोमीटर है, पीर पंजाल श्रृंखला सबसे लंबी है तथा धौलाधर एवं महाभारत श्रृंखलाएं भी महत्वपूर्ण हैं ।

(iii) कश्मीर की घाटी तथा हिमाचल की काँगड़ा तथा कुल्लू की घाटियाँ इसी में स्थित हैं ।

4. (i) उसकी चौड़ाई 10 से 50 किलोमीटर तथा ऊंचाई 900 से 1100 मीटर के बीच है ।

(ii) ये श्रृंखलाएँ उत्तर में स्थित मुख्य हिमालय की श्रृंखलाओं से नदियो के द्वारा लायी गई असंपीडित अवसादों से बनी है ।

(iii) निम्न हिमालय तथा शिवालिक के बीच में स्थित लंबवत घाटी को दून के नाम से जाना जाता है। जैसे देहरादून कोटलीदून तथा पाटलीदून ।

5. (i) सिन्धु तथा सतलुज नदियों के बीच स्थित हिमालय को पंजाब हिमालय कहते हैं ।

(ii) सतलुज तथा काली नदियों के बीच स्थित हिमालय को कुमाँऊ हिमालय कहते हैं ।

(iii) काली तथा तीस्ता नदियों के बीच हिमालय को नेपाल हिमालय कहते हैं।

(iv) तीस्ता तथा दिहांग नदियों के बीच के हिमालय को असम हिमालय कहते हैं।

6. (i) सिन्धु तथा उसकी सहायक नदियों झेलम, चेनाब, रावी, व्यास, तथा सतलुज का मैदान जो अधिकतर दोआबों का निर्माण करती हैं पंजाब का मैदान कहलाता है। इसका अधिकतर भाग पाकिस्तान में स्थित है ।

(ii) गंगा, घघ्घर तथा तीस्ता नदियों के बीच स्थित मैदान गंगा के मैदान के नाम से जाना जाता है। इस क्षेत्र में भारत के राज्य हरियाणा, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखणड के कुछ भाग तथा पश्चिम बंगाल आते हैं ।

(iii) ब्रह्मपुत्र का क्षेत्र विशेषत: असम का मैदान कहलाता है ।

7. (i) इस मैदान का निर्माण मुखत: हिमालय की नदियों तथा प्रायद्विपीय नदियों द्वारा लाई गई जलोढ़ मिट्टी मृदा के कारण हुआ है ।

(ii) इसका विस्तार 7 लाख वर्ग किलोमीटर है यह मैदान लगभग 2400 किलोमीटर लम्बा और 240 किलोमीटर से 320 किलोमीटर चौड़ा है ।

(iii) पर्याप्त पानी की उपलब्धता एवं अनुकूल जलवायु के कारण यह मैदान अत्यधिक उपजाऊ है ।

(iv) यह मैदान भारत का सघन आबादी वाला भू–भाग है ।

(v) इस मैदान की नदियाँ समुद्र में गिरते हुए डेल्टा का निर्माण करती हैं। यह क्षेत्र भी उपजाऊ होते हैं।

8. (i) यह प्राचीनतम भू–भाग गोंडवाना भूमि का हिस्सा है जो एक मेज की आकृति वाला स्थल है यह आग्नेय, पुराने क्रिस्टलीय तथा रूपांतरित शैलों से बना हैं ।

(ii) इस के दो भाग हैं, नर्मदा नदी के दक्षिण में एक त्रिभुजाकार भू–भाग हैं इसे दक्षिण का पठार कहते हैं जबिक उत्तरी भाग को मध्य उच्च भूमि कहते हैं । इसमें छोटा नागपुर का पठार, बुंदेलखंड का पठार और मालवा का पठार सम्मिलत हैं ।

(iii) इस पठार का एक भाग उत्तर पूर्व में भी देखा जा सकता है इसे मेघालय तथा कार्बी आंगलौंग पठार भी कहते हैं ।

(iv) दक्षिणी पठार के पश्चिमी तथा पूर्वी किनारे क्रमशः पश्चिमी घाट तथा पूर्वी घाट कहलाते हैं ।

(v) प्रायद्वीपीय पठार की एक विशेषता यहाँ पायी जाने वाली काली मृदा है जिसे दक्कने ट्रैप के नाम से भी जाना जाता है ।

9. पश्चिमी घाटः

(क) पश्चिमी घाट पश्चिमी तट के सामानांतर सतत श्रृंखला है जिसे केवल दर्रों से पार ही किया जाता है।

(ख) पश्चिमी घाट की ऊँचाई 900 से 1600 मीटर है, पश्चिमी घाट की ऊंचाई उत्तर से दक्षिण की ओर बदलती जाती है ।

(ग) अनाईमुदी इसका सबसे ऊँचा शिखर है ।

पूर्वी घाटः

(क) पूर्वी घाट पूर्वी तट के सामानांतर असतत श्रृंखला है जिसे बंगाल की खाड़ी में गिरने वाली नदियों ने काट दिया है ।

(ख) पूर्वी घाट की औसत ऊंचाई 600 मीटर है ।

(ग) महेंद्रगिरी इसका सबसे ऊँचा शिखर है ।

10. (i) इस क्षेत्र में 150 मि.मी से कम वार्षिक वर्षा होती है ।

(ii) इस क्षेत्र में वनस्पति बहुत कम है ।

(iii) इस क्षेत्र कीर नदियाँ कम जल होने के कारण समुद्र तक कम जल होने कारण नहीं पहुँच पाती और केवल वर्षा ऋतु में ही दिखाई देती हैं ।

(iv) बरकान (अर्धचन्द्राकार बालू का टीला) इस क्षेत्र में अधिक मिलते हैं, लम्वत बालू के टीले भारत–पाकिस्तान की सीमा के निकट जैसलमेर में दिखाई देते हैं ।

(v) लूनी इस क्षेत्र की सबसे बड़ी नदी है ।

11. पश्चिमी तटीय मैदानः

(क) पश्चिमी घाट तथा अरब सागर के मध्य स्थित मैदान हैं ।

(ख) पश्चिमी तटीय मैदान के तीन भाग हैं ।

(ग) उत्तरी भाग को कोंकण, मध्य भाग को कन्नड़ तथा दक्षिणी भाग को मालाबार कहते है ।

(घ) पश्चिमी तटीय मैदान का चौड़ा है ।

पूर्वी तटीय मैदानः

(क) पूर्वी घाट तथा बंगाल की खाड़ी के मध्य स्थित मैदान है ।

(ख) पूर्वी तटीय मैदान दो भागों में विभाजित है उत्तरी भाग को उत्तरी सरकार तथा दक्षिणी भाग को कोरोमंडल तट के नाम से जाना जाता है ।

(ग) यह मैदान विस्तृत है ।

12. भारत के द्वीप समूह को दो भागों में विभाजित किया जाता है ।

1. लक्षद्वीप समूह

(क) ये द्वीप समूह प्रवाल से निर्मित हैं एवं अरब सागर में स्थित हैं ।

(ख) इनका क्षेत्रफल कुल 32 कि.मी है। कावारत्ती इस का प्रशासनिक मुख्यालय है ।

(ग) इस द्वीप समूह में पादप तथा जन्तुओं की अनगिनत प्रकार की प्रजाति पाई जाती है ।

2. अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह

(क) ये द्वीप समूह उत्तर से दक्षिण की ओर फैले हुए हैं और दो भागों में विभाजित है, उत्तर में अडंमान और दक्षिण में निकोबार ।

(ख) ये द्वीप जलमग्न पर्वतों का हिस्सा माने जाते हैं ।

(ग) इनकी जलवायु विषुवतीय है। इस द्वीप समूह में पादक तथा जन्तुओं की बहुत विविधता पाई जाती है। यह द्वीप देश की सुरक्षा के लिए बहुत महत्वपूर्ण है । पोर्ट ब्लेयर इस का प्रशासनिक केंद्र है ।

13. दक्षिणी अमेरिका, दक्षिण अफ्रीका, प्राय–द्वीपीय भारत और ऑस्ट्रेलिया, गोंडवाना लैंड के भाग थे।

14. (i) भारत को अविजित सीमा प्रदान करता है ।

(ii) मानसूनी हवाओं को रोक कर भारत में वर्षा का कारण बनता है ।

(iii) सदानीरा नदियों का एकमात्र स्त्रोत ।

(iv) प्राकृति संसाधनों का अक्षय भंडार ।

(v) सुन्दर घाटियों और स्वाथ्यवर्धक आश्रय स्थल ।

15. (i) उत्तरी पर्वत जल एव वनों के प्रमुख स्त्रोत हैं ।

(ii) उत्तरी मैदान देश के अन्न भंडार हैं ।

(iii) पठारी भाग खनिजों के भंडार हैं ।

(v) औधोगीकरण के अंनत अवसर प्रदान करना ।

अध्याय–3

अपवाह

याद रखने की बातेः

1. **"अपवाह"** शब्द किसी क्षेत्र विशेष के नदी तंत्र की व्याख्या करने के लिए उपयोग होता है ।
2. एक नदी तंत्र द्वारा जिस क्षेत्र का जल प्रवाहित होता है उसे **अपवाह** द्रोणी कहते हैं ।
3. विश्व की सबसे बड़ी अपवाह द्रोणी **अमेजन** नदी है ।
4. **भारत में गंगा नदी** की अपवाह द्रोणी सबसे बड़ी है ।
5. **जल विभाजक** एक ऊँचा क्षेत्र जैसे– पर्वत या उच्च भूमि होती है जो पड़ोसी द्रोणियों को एक दूसरे से अलग करती है

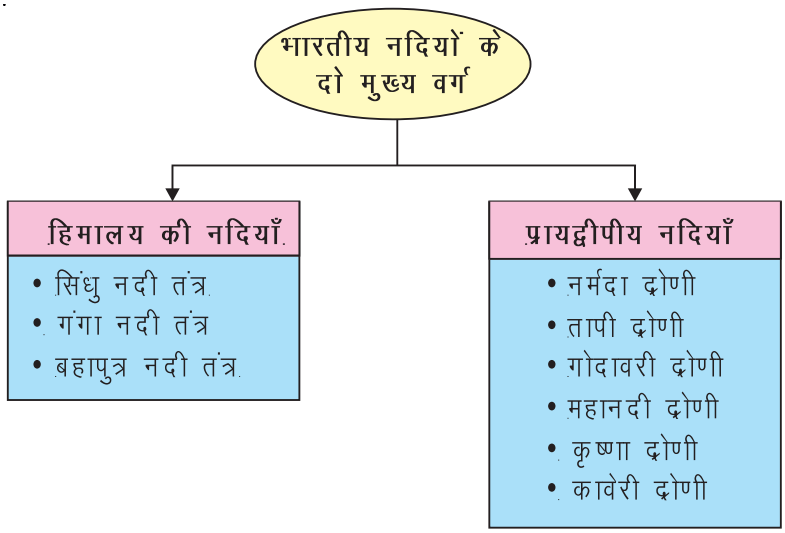

नदी की विभिन्न अवस्थाएँ

- स्रोत (उद्गम)
- ऊपरी भाग
- मध्य भाग
- विसर्प
- गोखुर झील
- निचला भाग
- डेल्टा
- नदी मुहाना

(क) हिमालयी नदी द्रोणियों की महत्वपूर्ण जानकारी

नदी तंत्र	उदगम	लम्बाई	सहायक नदियाँ (मुख्य)	द्रोणी क्षेत्र	विशेषताएँ
• सिंधु नदी	मानसरोवर झील (तिब्बत)	2900 कि.मी.	• सतलुज • ब्यास • रावी • चेनाव • झेलम	भारत के • लद्दाख • जम्मू-कश्मीर • हिमाचल • पंजाब पाकिस्तान	• सुंदर दर्शनीय गार्ज का निर्माण करना • इसकी सहायक नदियाँ मिठानकोठ में सिंधु नदी से मिलती हैं।
• गंगा नदी	गंगोत्री हिमानी	2500 कि.मी. से अधिक (लगभग	• यमुना • घाघरा • गंडक • कोसी	• उत्तराखंड • उत्तर प्रदेश • बिहार • बंगाल	• गंगा नदी का ढाल में प्रति 6 कि.मी. की दूरी पर 1 मीटर की गिरावट आती है। • इस नदी तंत्र से मिट्टी का उपजाऊपन बढ़ता है।
• ब्रह्मपुत्र नदी	मानसरोवर झील (तिब्बत)		• दिबांग • लोहित • केनुला	• तिब्बत • भारत के अरूणाचल प्रदेश • असम • बांग्लादेश	• यह हिमालय के समानान्तर पूर्व की ओर बहती है। • नामचा बारवा शिखर के पास पहुंचकर यह यू अक्षर जैसे मोड़ बनाकर भारत में प्रवेश करती है। • इस नदी में जल एवं सिल्ट की मात्रा बहुत कम होती है।

(ख) प्रायद्वीपीय नदी द्रोणियाँ

नदी तंत्र	उदगम	लम्बाई	सहायक नदियाँ (मुख्य)	द्रोणी क्षेत्र	विशेषताएँ
• नर्मदा द्रोणी	मध्य प्रदेश के निकट अमरकंटक की पहाड़ियों से	1.312 कि.मी.	शक्कर, दुधि, तवा, गजल आदि	मध्य प्रदेश तथा गुजरात आदि	समुद्र तक पहुँचने में निकट संगमरमर में गोर्ज और धुँआधार प्रपात का निर्माण नदी द्वारा किया जाता है।
• तापी द्रोणी	मध्य प्रदेश के बेतुल जिले में सतपुड़ा में श्रृंखला से	724 कि.मी.	पूर्ण, गिरना और पंझरा	मध्य प्रदेश गुजरात तथा महाराष्ट्र	यह नर्मदा के सामानांतर एक अंश घटी में बहती है।
• गोदावरी द्रोणी	महाराष्ट्र के नासिक जिले में पश्चिम घाट की ढालों से निकलती है	1500 कि.मी.	पूर्ण, वर्धा, प्रहिन्ता मांजरा, वेनगंगा, पेनगंगा	महाराष्ट्र मध्य प्रदेश, ओडिशा, आंध्र प्रदेश और तेलगाना	यह दक्षिण की सबसे लम्बी नदी है इसे दक्षिण गंगा भी कहते है।
• महानदी द्रोणी	छत्तीसगढ़ की उच्च भूमि	860 कि.मी.	शिवनाथ, मांड दया आदि	ओडिशा महाराष्ट्र छत्तीसगढ़ झारखंड़	बंगाल की खाड़ी में गिरती है।
• कृष्णा द्रोणी	महाराष्ट्र के महाबालेश्वर के निकट से	1400 कि.मी.	तुंगभ्रद, कोयना घटप्रभा, मूसी, तथा भीमा	महाराष्ट्र कर्नाटक, आंध्र प्रदेश	बंगाल की खाड़ी में गिरती है।
• कावेरी द्रोणी	पश्चिमी घाट के ब्रह्मगिरी श्रृंखला से	760 कि.मी.	अमरावती, भवानी, हेमावती तथा काबिनी	तमिलनाडू केरल तथा कर्नाटक	कुद्लुर के दक्षिण में बंगाल की खाड़ी में गिरती है

भारत का मानचित्र (वन्यप्राणी निचय)

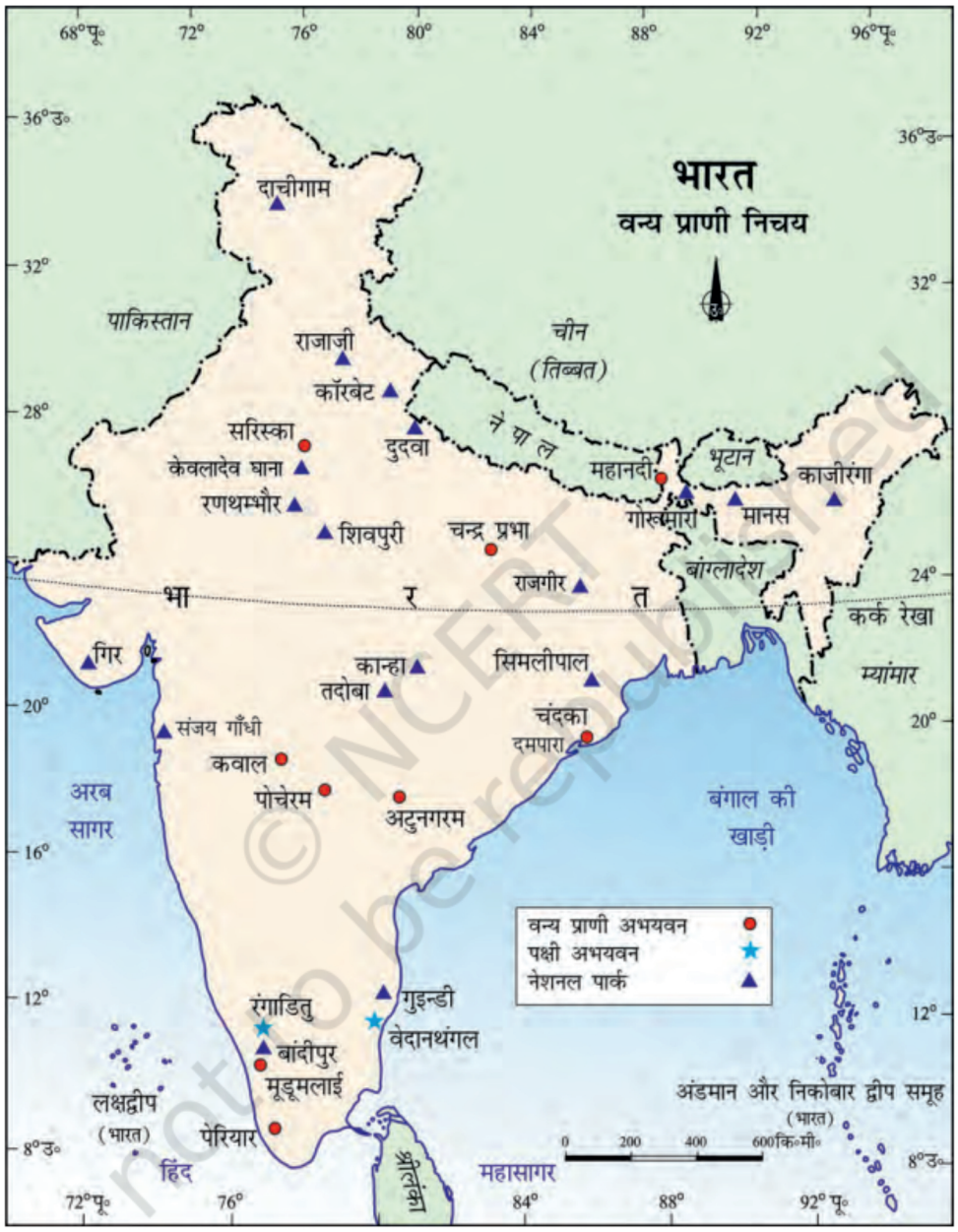

© NCERT not to be republished

- जिन नदियों में वर्ष भर पानी रहता है उन्हें **बारहमासी नदियाँ** कहते हैं ।
- किसी नदी और उसकी सहायक नदियों के समूह को **नदी तंत्र** कहते हैं ।
- सिंधु जल समझौता वर्ष (1960) के अनुसार भारत इस नदी तंत्र के कुल जल का 20% जल उपयोग कर सकता है ।
- हिमालय की नदियाँ अपने मार्ग के ऊपरी भागों में तीव्र अपरदन क्रिया करती हैं तथा अपने साथ भारी मात्रा में सिल्ट एवं वालू का सवहन करती है ।
- हिमालय की नदियों मव्य एवं निचले भागो में **विसर्प, गोखुर झील** तथा **निक्षेपण** आकृतियों का निर्माण करती है। ये पूर्ण विकसित डेल्टाओं का भी निर्माण करती हैं।
- हिमालय और प्रायद्वीपीय नदियों में अंतर

हिमालय की नदियाँ	प्रायद्वीपीय नदियाँ
1. हिमालय से निकलने वाली नदियाँ।	1. अधिकतर नदियाँ पश्चिमी घाट से निकलती है
2. इन नदियों को पर्वतों से पिघलने वाले हिम व वर्षा का जल प्राप्त होता है।	2. नदियों का प्रवाह वर्षो पर निर्भर करता है।
3. इनकी लम्बाई कम है।	3. इनकी लम्बाई अधिक है।

- गंगा की मुख्य धारा **'भागीरथी'** गंगोत्री हिमानी से निकलती है तथा **'अलकनंदा'** उत्तराखण्ड देवप्रयाग में इससे मिलती है ।
- **हरिद्वार** के पास गंगा पर्वतीय भाग को छोड़कर मैदानी भाग में प्रवेश करती है।
- ब्रह्मपुत्र नदी को तिब्बत में **'सांगपो'** एवं बाग्लादेश में **'जमुना'** कहा जाता है। तथा भारत के अरुणाचल प्रदेश में इसे **'दिहाँग'** के नाम से जाना जाता है ।
- **सुंदरवन डेल्टा** विश्व का सबसे बड़ा एवं तेजी से वृद्धि करने वाला डेल्टा है।
- **"नमामि गंगे परियोजना"** एक एकीकृत संरक्षण मिशन है जो राष्ट्रीय नदी गंगा से सम्बन्धि उद्देश्यों- प्रदूषण के प्रभाव को कम करना तथा उसके संरक्षण और कायाकल्प को पूरा का प्रयास है।

- प्रायद्वीपीय नदी **नर्मदा एवं तापी पश्चिम की तरफ** बहती है और **ज्वारनदमुख का निर्माण** करती है।
- नर्मदा नदी **धुंआधार प्रपात** का निर्माण करती है ।
- **झीलों की उपयोगिता:**

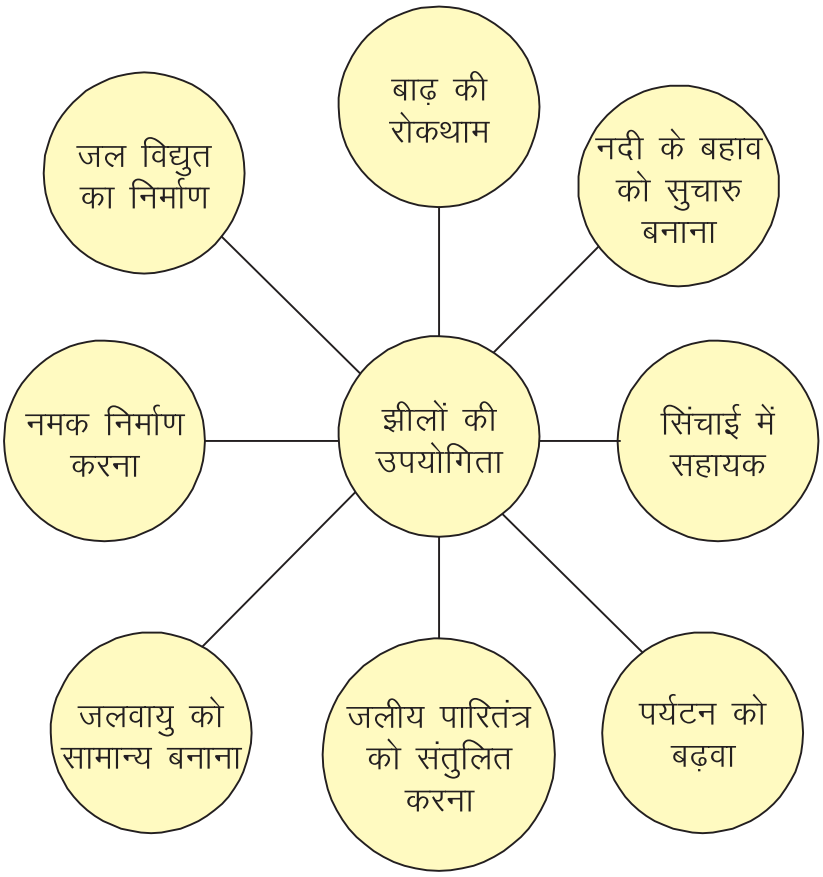

1 अंको वाले प्रश्न

1. पर्वत या उच्च भूमि जो पडोसी अपवाह द्रोणियों को एक दूसरे से अलग करती है उसे ..... कहते है ।
2. **दक्षिण गंगा किस नदी को कहते है ।**

(क) कृष्णा (ख) गोदावरी

(ग) तुंगभदा (घ) चंबल

3. निम्न में से कौन सी नदी अरब सागर में गिरती है और ज्वारनदमुख का निमार्ण करती है ।

(क) नर्मदा (ख) गंगा

(ग) सिंधु (घ) कोसी

4. धुआंधार प्रपात किस नदी के द्वारा बनाया जाता है ।

(क) व्यास (ख) कावेरी

(ग) नर्मदा (घ) ब्रह्मपुत्र

5. सबसे बड़ी मीठे पानी की झील कौन सी है ?

(क) वुलर झील (ख) साम्भर झील

(ग) दोनों सही है (घ) इनमें से कोई नहीं

6. अंतर्देशीय खारे पानी की झील कौन-सी है ?

(क) पुलिकट झील (ख) साम्भर झील

(ग) दोनों सही है (घ) इनमें से कोई नहीं

7. खारे पानी की झील जो समुद्र से बालू अवरोधों जीवओं के कारण बनती है उसे कहते है ?

8. बिहार का शोक किस नदी को कहते है ?

(क) तापी (ख) कोसी

(ग) चंबल (घ) सोन

9. हिमालय से निकलने वाली प्रमुख नदी का नाम बताइए ?

(क) कृष्णा (ख) गोदावरी

(ग) गंगा (घ) इनमें से कोई नहीं

10. सिंधु नदी का उद्‌गम स्थल क्या है ?

(क) मानसरोवर झील (ख) कंचन जंगा पर्वत

(ग) नंगा पर्वत (घ) अरावली

11. किस स्थान पर गंगा पर्वतीय भाग में मैदानी भाग में प्रवेश करती है।

(क) हरिद्वार (ख) कोटद्वार

(ग) देहरादून (घ) ऋषिकेश

12. प्रायद्वीपीय उच्चभूमि से आने वाली गंगा की सहायक नदियाँ ..... और ..... हैं ।

13. ब्रह्मपुत्र नदी किस राज्य से भारत में प्रवेश करती है ।

(क) अरूणाचल प्रदेश

(ख) हिमाचल प्रदेश

(ग) असम

(घ) पश्चिम बंगाल

3/5 अंको वाले प्रश्न

1. हिमालय की नदियों और प्रायद्वीपीय नदियों के मध्य अंतर स्पष्ट कीजिए ।
2. सिन्धु नदी तंत्र की व्याख्या करें ।
3. गंगा नदी तंत्र की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए ।
4. ब्रह्मपुत्र नदी तंत्र की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए ।
5. झीलें मानव के लिए क्यों महत्वपूर्ण है नदियों के आर्थिक महत्व की विवेचना कीजिए ? (कोई तीन बिन्दु)
6. नदियों के आर्थिक महत्व की विवेचना कीजिए ? (कोई तीन बिन्दु)
7. नदियों में प्रदूषण के कारणों की समीक्षा करें ? (कोई तीन बिन्दु)
8. लम्बी धारा होने के बावजूद तिब्बत के क्षेत्र में ब्रह्ममपुत्र में कम गाद क्यों होती है? (कोई तीन बिन्दु)
9. ज्वारनदमुख क्या होते है ?
10. सहायक नदियों और वितार्निकाओं में अंतर स्पष्ट कीजिए ?
11. नदियों के द्वारा निर्मित विभिन्न अपवाह प्रतिरुपों की व्याख्या कीजिए ?

केस अध्ययन आधारित प्रश्न (4 अंक वाला प्रश्न)

नीचे दिए गए स्रोत को पढे और निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दें :

गोदावरी सबसे बड़ी प्रायद्वीपीय नदी हैं यह महाराष्ट्र के नासिक जिले ढालों से निकलती है। इसकी लंबाई लगभग 1,500 कि.मी. है। यह खाड़ी में गिरती है। प्रायद्वीपीय नदियों में इसका अपवाह तंत्र सबसे बड़ा महाराष्ट्र (नदी द्रोणी का 50 प्रतिशत भाग) मध्य प्रदेश, ओडिशा तथा आंध्र प्रदेश में स्थित है। गोदावरी में अनेक सहायक नदियाँ मिलती हैं, जैसे- पूर्णा, वर्धा, प्रान्हिता मांज, वैनगंगा तथा पेनगंगा । इनमें से अंतिम तीनों सहायक नदियाँ बहुत बड़ी हैं। बड़े आकार और विस्तार के कारण इसे दक्षिण गंगा के नाम से भी जाना जाता है ।

सही उत्तर चुनें:

1. **निम्नलिखित में से कौन सी सबसे लम्बी नदी है ?**

   (क) महानदी (ख) तापी

   (ग) गोदावरी (घ) कावेरी

2. गोदावरी नदी की दो सहायक नदियों के नाम बताइए ?

3. **रिक्त स्थान भरें :**

   गोदावरी नदी बहकर ..... में गिरती है ।

4. गोदावरी को दक्षिण गंगा क्यों कहा जाता है ।

उत्तरमाला

1. जल विभाजक
2. गोदावरी
3. नर्मदा
4. नर्मदा
5. वुलर झील
6. साम्भर झील

7. लैगून
8. कोसी
9. गंगा
10. मानसरोवर झील
11. हरिद्वार
12. चंबल, बेतवा, सोन (कोई दो)
13. अरुणाचल प्रदेश

3/5 अंको वाले प्रश्न के उत्तर

1. हिमालय की नदियाँ:

(i) हिमालय की अधिकतर नदियाँ बारामासी होती है ।

(ii) ये नदियाँ अपनी उत्पत्ति से समुद्र तक लम्बा रास्ता पार करती है ।

(iii) ये अपने बाढ़ वाले मैदानों में बहुत सी निक्षेपण आकृतियों का निर्माण करती है। और पूर्ण विकसित डेल्टाओं का भी निर्माण करती है ।

(iv) गंगा ब्रह्मपुत्र आदि इसके उदाहरण है ।

प्रायद्विपीय नदियाँ :

(i) अधिकतर प्रायद्वीपीय नदियाँ मोसमी होती है ।

(ii) प्रायद्वीपीय नदियों की लम्बाई कम होती है और ये छिछली होती है ।

(iii) बंगाल की खाड़ी में गिरने वाली नदियाँ डेल्टा बनती है ।

(iv) महानदी, गोदावरी, कृष्णा, कावेरी इसके उदाहरण है ।

2. (i) सिन्धु नदी का उद्‌गम मानसरोवर झील के निकट तिब्बत में है ये नदी पश्चिम की ओर बहती हुई भारत में जम्मू एवं कश्मीर के लद्दाख क्षेत्र में प्रवेश करती है।

(ii) जास्कर, नुबरा, श्योक हुन्जा सतलुज, व्यास रावी. चौनाव तथा झेलन इसकी सहायक नदियाँ हैं ।

(iii) सिन्धु नदी का ढाल बहुत धीमा है ।

(iv) इसका एक तिहाई भाग ही भारत के जम्मू एवं कश्मीर, हिमाचल प्रदेश तथा पंजाब में है, शेष पाकिस्तान में है ।

(v) इस की लम्बाई 2900 कि.मी. है ।

3. (i) गंगा भारत की सबसे लम्बी नदी है. इसकी लम्बाई 2500 कि.मी. से अधिक है।

(ii) यमुना, घाघरा, गंडक कोसी, गंगा की हिमालय की इसकी सहायक नदियाँ है जबकि चंबल सोन बेतवा प्रायद्विपीय नदियों हैं ।

(iii) गंगा पूर्व दिशा में फरयका तक बहती है और फिर दो भागों में विभाजित हो जाती है एक भागीरथी हुगली जो बंगाल से होते हुए बंगाल की खाड़ी में गिरती है ।

(iv) दूसरी शाखा बांग्लादेश मे जाकर पुत्र के साथ मिल कर विश्व का सबसे बड़ा डेल्टा सुंदरवन बनाती है।

(v) गंगा नदी तंत्र उत्तर के विशाल मैदान के बहुत बड़े भाग को सींचता है।

4. (i) ब्रहमपुत्र नदी तिब्बत के निकट मानसरोवर झील के पूर्व से निकलती है और पूर्व की ओर बहती है ।

(ii) इसकी लम्बाई 2900 कि.मी. है। पर इसका अधिकतर भाग भारत से बाहर है।

(ii) नामचा बरुखा शिखर के पास पहुंच कर ये यू अक्षर जैसा मोड़ लेती है और अरुणाचल प्रदेश में एक गौर्ज के माध्यम से प्रवेश करती है ।

(iii) दिबांग, लोहित, केनुला इसकी मुख्य सहायक नदियों हैं ।

(iv) भारत में असम के मैदान को यह नदी मुख्यत: सींचती है परन्तु वर्षा ऋतु इसकी बाढ असम में अधिक नुकसान करती है ।

(v) असम में इस में गाद बहुत होती है ।

5. (i) झीलें नदी के बहाव को सुचारू बनाने में सहायक होती है ।

(ii) अत्यधिक वर्षा के समय यह बाढ़ को रोकती हैं तथा सूखे के मौसम में ये पानी के बहाव को संतुलित करने में सहायता करती है ।

(iii) झीलों का प्रयोग जल विद्युत उत्पन्न करने में भी किया जा सकता है ।

(iv) झीलें आस-पास के क्षेत्रों की जलवायु को सामान्य बनाती है ।

(v) झीले जलीय पारितंत्र को संतुलित रखती हैं ।

(vi) झीलें पर्यटन को भी बढ़ावा देती है ।

6. (i) नदियों का जल प्राकृतिक संसाधन है और अनेक मानवीय क्रिया कलापों के लिए है ।

(ii) नदियों के तट प्राचीन काल से ही निवास स्थान रहे हैं ये गाँव अब बड़े-बड़े शहर बन चुके हैं जो आर्थिक गतिविधियों का केंद्र हैं ।

(iii) सिंचाई, नौसंचालन, जलविद्युत निर्माण में नदियों महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है ।

7. (i) नदी जल की घरेलु औद्योगिक तथा कृषि में बढ़ती मांग के कारण इसकी गुणवत्ता प्रभावित हुई है ।

(ii) उद्योगों के द्वारा अपरिष्कृत कचरे को नदियों में बहा देने से प्रदूषण बढ़ा है ।

(iii) शहरीकरण के कारण भी प्रदूषण बढ़ा है ।

8. (i) तिब्बत ठंडा तथा शुष्क क्षेत्र है ।

(ii) वर्षा कम होने की वजह से इसकी सहायक नदियों में भी जल की मात्रा कम होती है ।

(iii) जल कम होने के कारण इसकी अपरदन शक्ति कम है जिसके कारण इसमें गाद की मात्रा कम होती है ।

9. जब नदी समुद्र में तीव्र दाल के साथ गिरती है तो उसकी गति भी तीव्र होती है जिसके कारण उसके मुहाने पर कोई निक्षेपण नहीं हो पाता यही मुहाने ज्वरनदमुख कहलाते है

10. सहायक नदी:

(i) वह नदी जो किसी बड़ी नदी में आकर मिल जाती है उसे सहायक नदी कहते है।

(ii) यह नदी मुख्य नदी का जल स्तर बढ़ा देती है और उस के प्रवाह को भी तेज कर देती है।

(iii) जैसे यमुना गंगा की सहायक नदी है।

वितरिका :

(i) वह नदी जो किसी नदी से अवरोध के कारण अलग हो कर बहने लगती है। वितरिका कहलाती है ।

(ii) यह नदी के जल स्तर को घटा देती है और उसके प्रवाह को भी धीमा कर देती है ।

(iii) जैसे हुगली गंगा नदी की वितरिका है ।

11. (i) द्रुमाकृतिक प्रतिरूप

(ii) जालीदार प्रतिरूप

(iii) आयताकार प्रतिरूप

(iv) आरीय प्रतिरूप

(v) अंतर्देशीय अपवाह प्रतिरूप

4 अंक वाले प्रश्न का उत्तर (केस अध्ययन आधारित प्रश्न)

1. (c) गोदावरी
2. पूर्णा नदी वर्धा नदी
3. बंगाल की खाड़ी
4. आकार व विस्तार के कारण गोदावरी को दक्षिण गंगा कहा जाता है ।

अध्याय–4

जलवायु

याद रखने योग्य बातें :

1. मानसून शब्द की उत्पत्ति अरबी भाषा के शब्द भीसिम से हुई है जिसका अर्थ है मौसम ।
2. किसी क्षेत्र की जलवायु को प्रभावित करने वाले कारक- अक्षांश, ऊँचाई, वायुदाब पवन तन्त्र, समुद्र से दूरी, महासागरीय धारायें तथा उच्चावच हैं ।
3. लू–ये धूलभरी गर्म और शुष्क पवनें होती हैं जो मई–जून में दिन के समय भारत के उत्तर एवं उत्तर पश्चिमी क्षेत्रों में चलती हैं ।
4. विश्व में सबसे अधिक वर्षा मासिनराम में होती है ।
5. भारत की जलवायु को मानसूनी जलवायु कहा जाता है ।
6. जेट धारा–ऊपरी क्षोभमंडल के संकीर्ण क्षेत्र में तीव्र वेग से बहने वाली पवन ।
7. एलनीनो एक गर्म जलधारा है । यह पेरु के तट पर उत्पन्न होती है, और पेरु की शीतलधारा को अस्थायी रूप से हटाकर उसका स्थान ले लेती है ।
8. मानसून का फटना अचानक ही कई दिनों तक वर्षा का लगातार होना और प्रचंड रूप रखना मानसून का फटना कहलाता है ।
9. वर्षा ऋतु में भारत में हवायें समुद्र से स्थल की ओर चलने लगती हैं, जिन्हें हम मानसूनी हवायें कहते हैं ।
10. मानसूनी हवाओं को दो भागों में बांटा जाता है
    (1) दक्षिणी–पश्चिमी मानसून
    (2) उत्तरी–पूर्वी मानसून ।
11. भारत में अधिकांश वर्षा दक्षिणी–पश्चिमी मानसून से होती है ।
12. भारत की ऋतुएँ - भारत में मुख्य रूप से चार ऋतुएँ पायी जाती हैं ।

(i) शीत ऋतु मध्य नवम्बर से फरवरी तक

(ii) ग्रीष्म ऋतु मार्च से मई तक

(iii) वर्षा ऋतु जून से सितम्बर तक

(iv) लौटते हुए मानसून की ऋतु अक्टूबर से नवम्बर तक

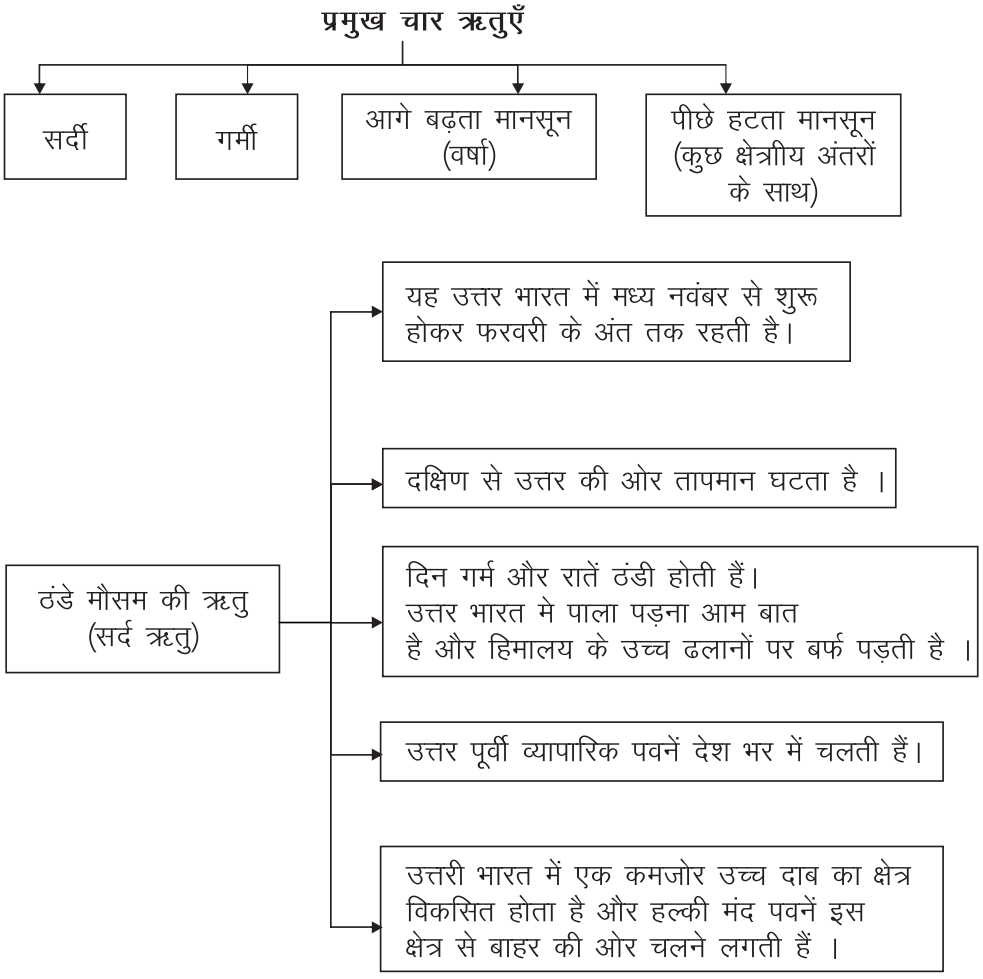

क्र.स.	भारत की जलवायु को प्रभावित करने वाले कारक	ये जलवायु को किस प्रकार प्रभावित करते हैं ?	कारण
1.	अक्षांश	जितना विषुवत रेखा से ऊपर जाएँ उतनी ही ठंडी जलवायु होगी।	पृथ्वी की वक्रता के कारण जैसे–जैसे विषुवत वृत से ध्रुवों की ओर बढ़ते ही सौर ऊर्जा की मात्रा घटती जाती है।
2.	देशांतर	जितना हम ऊंचाई की ओर जाऐगे उतनी ही ठंडी जलवायु होंगी ।	क्योंकि ऊँचाई बढ़ने के साथ वायुमंडल की सघनंता और तापमान घटते हैं
3.	समुद्र से दूरी	जितना दूर कोई भी स्थान समुद्र से होगा उतनी ही विषम जलवायु वहाँ की होगी ।	दूरी के साथ समुद्र का मध्यम प्रभाव (जल समीर) घटता है ।
4.	महासागरीय धाराएँ	किसी तटीय क्षेत्र की जलवायु दशाएँ वहाँ से गुजरने वाली गर्म और ठंडी धाराओं से प्रभावित होती हैं।	क्योंकि ठंडी या गर्म धारा अपने स्वाभाव के अनुसार तटीय पवनों की प्रकृति को बदलती हैं और जलवायु को प्रभावित करती है।
5.	पृथ्वी का धरातल व स्थलीय	स्थलीय स्वरूप जैसे कि ऊंचे पर्वत ठंडी और गर्म पवनों ठंडी और गर्म पवनों के लिए बाधक बनकर वर्षा या वर्षा छाया क्षेत्र बनने का कारण होते हैं।	अपनी ऊँचाई और आकार के कारण ये पवनों को रोककर किसी स्थान की जल वायु को प्रभावित सकते हैं।
6.	वायुदाब और पवन तंत्र	ये किसी स्थान के अक्षांश और ऊँचाई पर निर्भर है और इसी प्रकार किसी स्थान की जलवायु को प्रभावित करते हैं।	ऊॅचाई बढ़ने के साथ वायुदाब घटता जाता है । पवने उच्च वायु दाब क्षेत्र की ओर 'फेरल के नियम' के अनुसार बहती है।

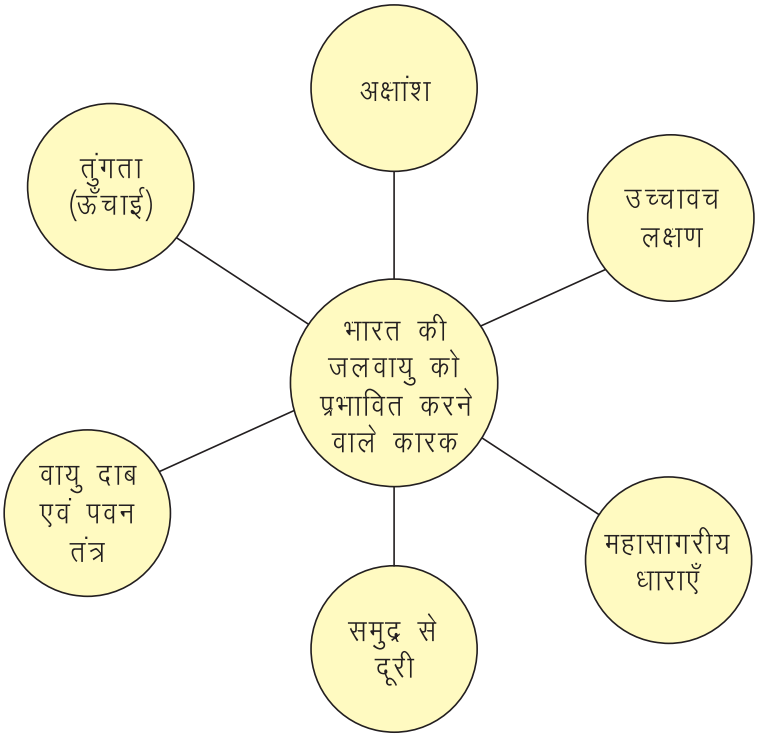

(1 अंक वाले प्रश्न)

1. **विश्व में सबसे अधिक वर्षा कहाँ होती है ?**

   (क) चेरापूंजी (ख) गॅगटाक

   (ग) मासिनराम (घ) गुवाहाटी

2. **गर्मी के मौसम में उत्तरी मैदानों में बहने वाली गर्म एवं शुष्क पवन को क्या कहा जाता है?**

   (क) काल वैशाखी (ख) लू

   (ग) चक्रवात (घ) इनमे से कोई नहीं

3. **भारत में सबसे ठंडा स्थान कौन सा है ?**

   (क) द्रास (ख) श्रीनगर

   (ग) मनाली (घ) माऊंट आबू

4. पश्चिमी बंगाल में तीव्र हवाओं के साथ होने वाली मूसलाधार वर्षा जो भारी तबाही का कारण बनती है ..... कहलाती है ।

5. निम्न में से किस प्रदेश में दिन और रात के तापमान में अधिक अंतर नही पाया जाता है ?

(क) केरल (ख) मध्य प्रदेश

(ग) जम्मू कश्मीर (घ) हरियाणा

6. भारत में मानसून का आगमन कब होता है।

(क) जून के प्रारंभ में (ख) जुलाई के प्रारंभ में

(ग) अगस्त के प्रारंभ में (घ) इनमें से कोई नहीं

7. भारत में शीतऋतु में स्थल से समुद्र की ओर बहने वाली पवनों को क्या कहा जाता है।

(क) उत्तरी-पूर्वी व्यापारिक पवनें (ख) दक्षिणी पश्चिमी मानसून पवनें

(ग) लू (घ) उपयुक्त तीनों

8. भारत मे ....., ..., ... और ....., ऋतु पाई जाती हैं ।

9. आम्रवृष्टि किसे कहते हैं ?

10. नीचे दिए गए लक्षणों के आधार पर भारत की इस प्रमुख ऋतु का नाम लिखिए।

(a) दक्षिण पश्चिम मानसून पवनों का कमजोर पड़ना और धीरे-धीरे उत्तरी मैदानों से लीटना ।

(b) स्वच्छ आकाश तापमान में वृद्धि और नम भूमि ।

(c) क्वार की उमस होना ।

(d) भारत के पूर्वी तट पर चक्रवातों का आना ।

3/5 अंको वाले प्रश्न

1. एलनीनों की व्याखा कीजिये ।

2. दक्षिणी-पश्चिमी मानसून और उत्तरी पूर्वी मानसून के बीच तीन अंतर बताइये ।

3. भारत में मानसूनी प्रकार की जलवायु क्यों है ? (कोई तीन बिन्दु)

4. भारत के किस भाग में दैनिक तापमान अधिक होता है एवं क्यों ?

5. भारत में वर्षा का वितरण असमान क्यों है ? (कोई तीन बिन्दु)
6. कोरिऑलिस बल क्या है ?
7. उष्ण कटिबंधीय अभिसरण क्षेत्र क्या है ?
8. भारत की जलवायु को प्रभावित करने वाले कारक कौन-कौन से हैं? व्याख्या कीजिये।
9. भारत में होने वाली मानसूनी वर्षा की विशेषताएँ बताइये ।
10. भारत की जलवायु अवस्थाओं की क्षेत्रीय विभिन्नताओं को उदाहरण सहित समझाइये ?
11. मौसम और जलवायु में अंतर स्पष्ट कीजिए ।
12. भारत की शीत ऋतु की विशेषतायें लिखिये । (कोई तीन बिंदु)

उत्तरमाला

1 अंक वाले प्रश्नों के उत्तर

1. मासिनराम
2. लू
3. द्रास
4. काल वैशाखी
5. केरल
6. जून के प्रारंभ में
7. उत्तरी पूर्वी व्यापारिक पवनें
8. शीत ऋतु, ग्रीष्म ऋतु, बढ़ते हुए मानसून की ऋतु (वर्षा ऋतु) और लौटते हुए मानसून की ऋतु (शरद ऋतु)
9. केरल और कर्नाटक में होने वाली मानसून पूर्व की वर्षा जो आम की फसल पकने में सहायक होती है ।
10. लौटता हुआ मानसून (शरद ऋतु)

3/5 अंको वाले प्रश्नों के उत्तर

1. एलनीनो एक गर्म जलधारा है। यह पेरु के तट पर उत्पन्न होती है और पेरु की जलधारा को अस्थायी रूप से हटाकर उसका स्थान ले लेती है। एलनिनो एक स्पै शब्द है, जिसका अर्थ होता है बच्चा, जोकि बेबी क्राइस्ट को व्यक्त करता है। क्योंकि धारा क्रिसमस के समय बहना शुरु करती है ।

2. **दक्षिणी – पश्चिमी मानसून**

(1) यह मानसून अरब सागर और बंगाल की खाड़ी से उत्तर की ओर बढ़ता है।

(2) ये मानसूनी पवने जून से सितम्बर माह में बहती हैं ।

(3) ये पवने देश व्यापी वर्षा करती हैं ।

उत्तरी – पूर्वी मानसून

(1) यह मानसून उत्तर – पूर्व से समुद्र की ओर बढ़ता है ।

(2) ये पवनें अक्टूबर – के नवम्बर माह में चलती हैं ।

(3) ये पवनें तमिलनाडु में के पूर्वी तट पर वर्षा करती हैं ।

3. (1) भारतीय जलवायु मानसूनी पवनों से नियन्त्रित रहती है ।

(2) भारत उष्ण कटिबन्धीय क्षेत्र में स्थित है। इसका आधा भाग कर्क रेखा से दक्षिण की ओर पड़ता है ।

(3) यहाँ पृथ्वी का घूर्णन सक्रिय रहता है जो उत्तरी और दक्षिणी गोलार्द्ध की पवनों को दाएं और बाएं मोडता है ।

4. (1) यह भारत का उत्तरी-पश्चिमी हिस्सा है। यहाँ का तापमान 48 डिग्री तक बढ़ जाता है ।

(2) मई जून माह में भारत के उत्तर-पश्चिमी हिस्सो में न्यून वायुदाब की दशाये तीव्र हो जाती है।

(3) भारत में दक्षिणी-पश्चिमी मानसूनी हवायें प्रवेश करती है जिससे इन भागों मे आर्द्रता एवं उमस बढ़ जाती है ।

(4) मई जनू के माह में धूल भरी गर्म और शुष्क पवनें चलती है, जिन्हें लू कहा जाता है ।

5. (1) मानसूनी वने नियमित नहीं है ।

(2) उष्ण कटिबन्धीय स्थल व समुद्रों के ऊपर प्रवाह के दौरान ये विभिन्न वायुमंडलीय अवस्थाओं से प्रभावित होती हैं ।

(3) मानसून का समय जून से लेकर सितम्बर तक होता है ।

6. पृथ्वी के घूर्णन के कारण उत्पन्न आभासी बल को कोरिऑलिस बल कहते हैं। इस बल के कारण पवने उत्तरी गोलार्द्ध में दाएं और दक्षिणी गोलार्द्ध में बोई ओर मुड़ जाती हैं। इसे फेरेल का नियम भी कहते हैं ।

7. विषुवतीय अंक्षाशों में विस्तृत गर्त एवं निम्न दाब का क्षेत्र होता है। यहीं पर उत्तर पूर्वी तथा दक्षिण-पूर्वी व्यापारिक पदने आपस में मिलती है । यह अभिसरण क्षेत्र विषुवत वृत्त के लगभग समानान्तर होता है। लेकिन सूर्य की आभासी गति के साथ-साथ यह उत्तर या दक्षिण की ओर खिसकता है ।

8. (1) अक्षांश विषुवत्त वृत्त (0 डिग्री अक्षांश) से दूरी होने पर जलवायु ठंडी होती चली जाती है ।

(2) ऊँचाई ऊँचाई के बढ़ने पर तापमान में कमी होती जाती है ।

(3) समुद्र से दूरी समुद्र तट से दूर होने पर विष जलवायु तथा निकट होने पर सम जलवायु होती है ।

(4) महासागरीय धारायें गर्म महासागरीय धाराओं के प्रभाव के कारण जलवायु सम और ठंडी धाराओं के कारण जलवायु विषम होती है ।

(5) वायुदाब – किसी भी क्षेत्र का वायुदाब उस स्थान के अक्षांश तथा ऊँचाई पर निर्भर करता है ।

9. (1) वर्षा का समय व मात्रा देश की अधिकांश वर्षा मानसूनी पवनों द्वारा गर्मी के मौसम में होती है ।

(2) असमान वितरण देश में वर्षा का वितरण समान नहीं है ।

(3) अनिश्चितता भारत में होने वाली मानसूनी वर्षा की मात्रा पूरी तरह निश्चित नहीं है ।

(4) मानसूनी विस्फोट – मानूसनी वर्षा अत्याधिक मात्रा में और कई-कई दिनों तक लगातार होती है ।

(5) शुष्क अन्तराल कई बार शुरुआत में मानसूनी वर्षा लगातार न होकर कुछ दिन या सप्ताह के अंतराल से होती है।

10. (1) गर्मी के मौसम में राजस्थान के कुछ रेगिस्तानी भागों में तापमान 50 डिग्री तक हो जाता है वहीं पहलगाम और जम्मू कश्मीर में 20 डिग्री के आस पास रहता है।

(2) स्थान विशेष पर दिन और रात के तापमानों में बड़ा अंतर होता है। थार के रेगिस्तान में दिन का तापमान 50 से हो सकता है और उसी रात यह नीचे गिरकर 15 डिग्री से तक पहुँच सकता है ।

11. एक विशाल इलाके में एक लंबी समयावधि (30 वर्ष से अधिक) में मौसम की अवस्थाओं तथा विविधताओं का कुल योग ही जलवायु है। मौसम एक विशेष समय में एक क्षेत्र के वायुमंडल की स्थिति को बताता है ।

12. (1) मध्य नवंबर से फरवरी तक ।

(2) दिन सामान्यत: गर्म और राते ठंडी होती हैं ।

(3) इस ऋतु में आसमान साफ, तापमान और आद्रता कम एवं पवनें शिथिल एवं परिवर्तित होती है ।

अध्याय–5
प्राकृतिक वनस्पति तथा वन्य प्राणी

याद रखने योग्य बातें:

1. प्राकृतिक वनस्पति – वनस्पति का वह भाग जो मनुष्य की सहायता के बिना अपने आप पैदा होता है और लंबे समय तक उस पर मानवीय प्रभाव नहीं पड़ता प्राकृतिक वनस्पति (अक्षत वनस्पति) कहलाता है ।

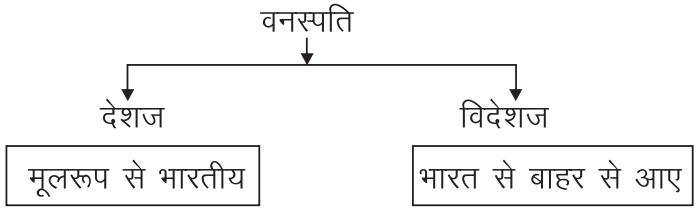

2. वनस्पति जगत : किसी विशेष क्षेत्र में, किसी समय में पौधों की उत्पत्ति ।
3. प्राणी जगत : प्राणी जगत जानवरों के विषय में बतलाता है।

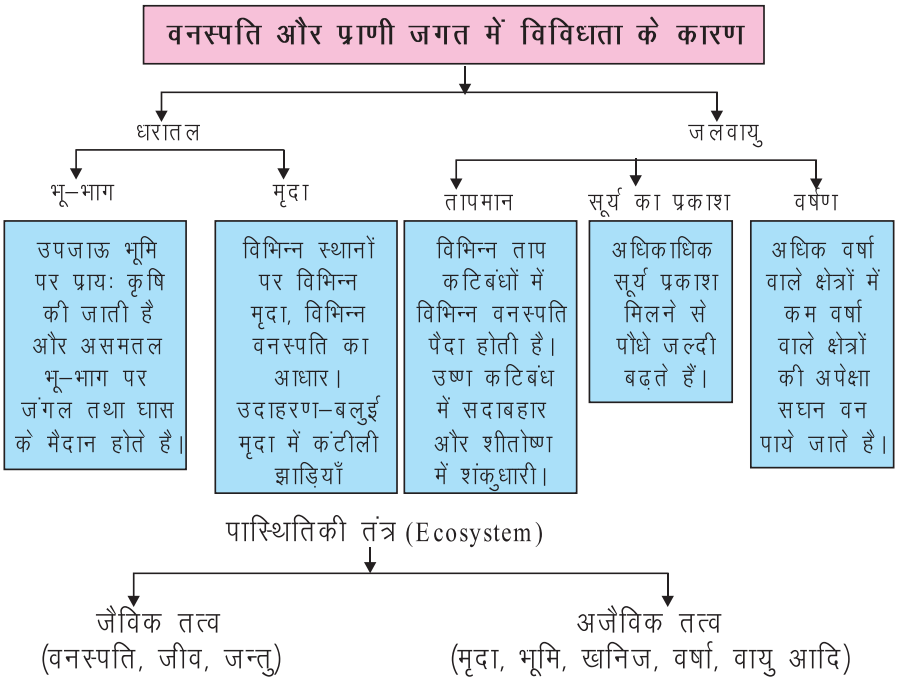

बायोम– भूमि पर स्थित एक बहुत बडा पारितन्त्र जिसमें विविध प्रकार की वनस्पतियों तथा जन्तु शमिल होते है।

वनस्पति के प्रकार

वनस्पति प्रकार	वार्षिक वर्षा	विशेषताएँ	मुख्य वनस्पति	मुख्य वन्य प्राणी	राज्य
1. उष्ण कटिबंधीय सदाबहार वन (वर्षा वन)	200 सेमी से अधिक से.मी.	1 गर्म और आर्द्र जलवायु 2 वृक्षों में पतझड़ का कोई निश्चित समय नहीं। 3 वृक्षों की ऊँचाई 60 मी. या उससे अधिक 4 अत्यधिक घने और हरे-भरे।	आबनूस (Ebony) महोगनी, रोजवुड रबड, और सिंकोना ।	हाथी, बंदर लैमूर हिरण, कई प्रकार कई प्रकार के पक्षी, चमगादड़ तथा रेंगने वाले जीव।	पश्चिमी घाट अंडमान निकोबार द्वीप समूह, लक्षद्वीप असस तमिलनाडु
2 उष्ण कटिबंधीय पर्णपाती वन (मानसूनी वन)	आर्द्र पर्णपाती 100 सेमी. 200 सेमी.	वक्ष शुष्क ग्रीष्म ऋतु में छः से आठ सप्ताह के लिए अपनी पत्तियाँ गिरा देते है।	बाँस, साल शीशम, चंदन, शहतूत। खैर, कुसुम अर्जुन सागोन	सिंह, शेर सूअर, हिरण हाथी। विविध प्रकार के पक्षी छिपकली, साँप कछुए आदि।	पूर्वी भागों, उत्तर-पूर्वी राज्यों, हिमालय के गिरिपद प्रदेशों झारखंड, पश्चिमी उड़ीसा छतीसगढ़
	शुष्क पर्णपाती 70-100 सेमी.	प्रायद्वीपीय पठार के वर्षा क्षेत्रों	सागोन, साल पीपल, नीम		बिहार उत्तर प्रदेश

3 कंटीले वन तथा झाड़ियाँ	70 सेमी. से कम	कंटीले तथा झाड़ियाँ। पेडों की लंबी जडें। पत्तियाँ छोटी और काँटेदार जिससे कम वाष्पीकरण हो।	अकासिया खजूर यूफोरबिया और नागफनी (कैक्टाई)	चूहे, खरगोश लोमड़ी भेडिए शेर, सिंह जंगली गधा घोड़े तथा ऊँट।	गुजरात राजस्थान हरियाणा मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और छत्तीसगढ़ के अर्ध शुष्क क्षेत्र।
4 पर्वतीय : (i) (आर्द्र शीतोष्ण कटिबंधीय वन)	1000 मी. 2000 मी. ऊँचाई	चौड़ी पत्ती वाले पेड।	ओक, चेस्टनट	कश्मीरी महामृग चितरा हिरण जंगली भेड़ खरगोश	जम्मू कश्मीर हिमाचल प्रदेश उत्तराखंड।
(ii) शंकुधारी वन	1500 मी. 3000 मी. ऊँचाई	शंकुधारी वृक्ष, अधिक ऊँचाई पर मैदान	चीड़ देवदार सिल्वर-फर स्प्रूस, सीडर		
(iii) शीतोषण कटिबंधीय वन	3600 मी. से अधिक टुंड्रा वनस्पति	पशुचारण के लिए ना वृक्ष ना ही घास के मैदान	जनिपर, पाईन बर्च मॉस सिल्वर लिचन घास	लाल पांडा हिम तेंदुआ। फर	
5 मैंग्रोव वन		सुंदरी पौधे की जड़ें पानी में डूबी रहती हैं। मजबूत लकड़ी प्राप्त होती है।	सुंदरी पाम (ताड़) नारियल, ऐंगार क्योड़ा	रॉयल बंगाल टाइगर, कछुए, मगरमच्छ, घड़ियाल, साँप।	महानदी डेल्टा, कावेरी, गोदावरी डेल्टा पश्चिम बंगाल

वन्य प्राणी (Wild Life)

- भारत में वन्य जीवों की लगभग 90000 प्रजातियाँ मिलती हैं । पक्षियों की 2000 से अधिक प्रजातियाँ और मछलियों की 2446 प्रजातियाँ पाई जाती हैं।
- भारत जीव सुरक्षा अधिनियम सन् 1972 में लागू किया गया था ।
- भारत विश्व का अकेला देश है जहाँ शेर तथा बाघ दोनो पाए जाते हैं ।
- भारतीय शेरो का प्राकृतिक वास स्थल गुजरात के गिर जंगल है। बाघ मध्य प्रदेश तथा झारखंड के वनों, पश्चिमी बगांल के सुदरवन तथा हिमालयी क्षेत्रों में पाए जाते हैं ।

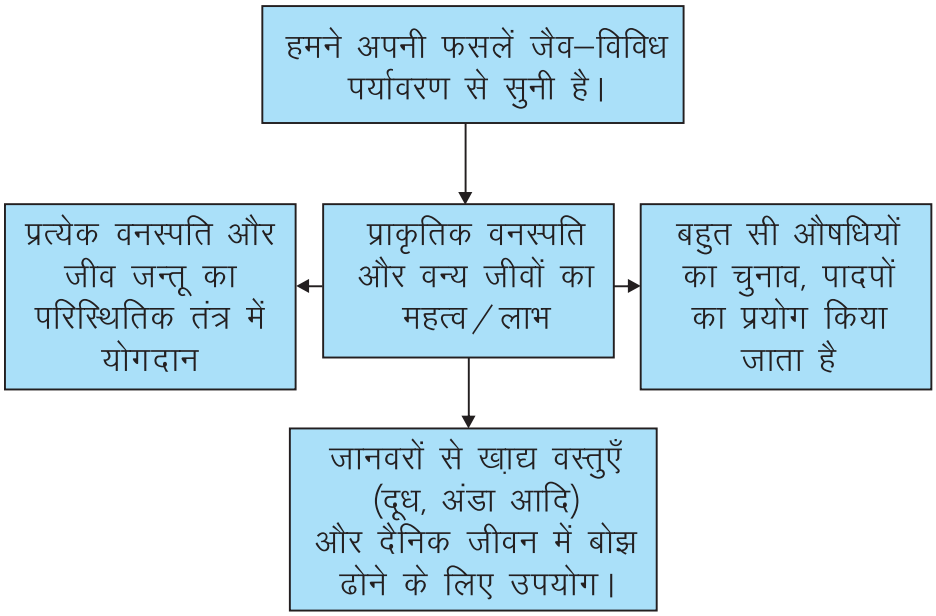

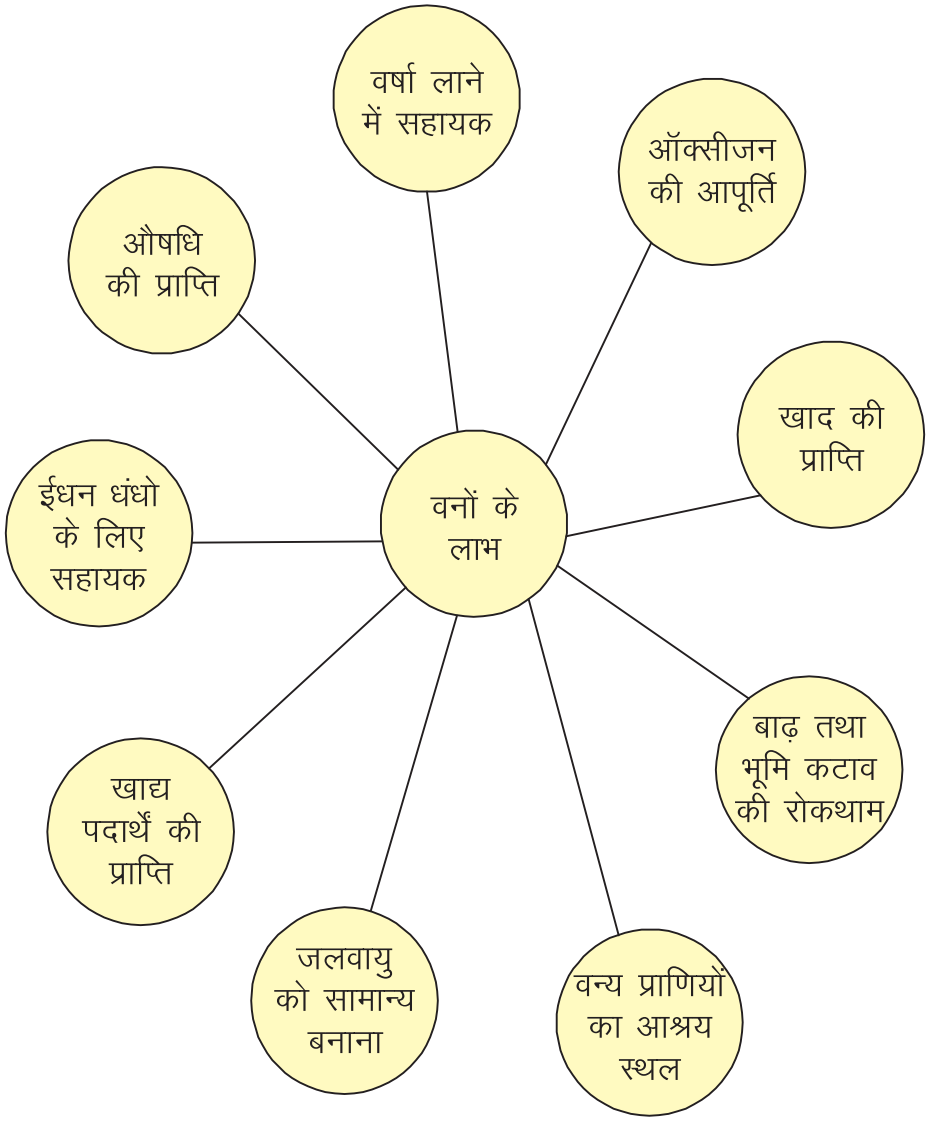
वनों के लाभ
वर्षा लाने में सहायक
ऑक्सीजन की आपूर्ति
औषधि की प्राप्ति
खाद की प्राप्ति
ईधन धंधो के लिए सहायक
बाढ़ तथा भूमि कटाव की रोकथाम
खाद्य पदार्थ की प्राप्ति
जलवायु को सामान्य बनाना
वन्य प्राणियों का आश्रय स्थल

भारत चित्र

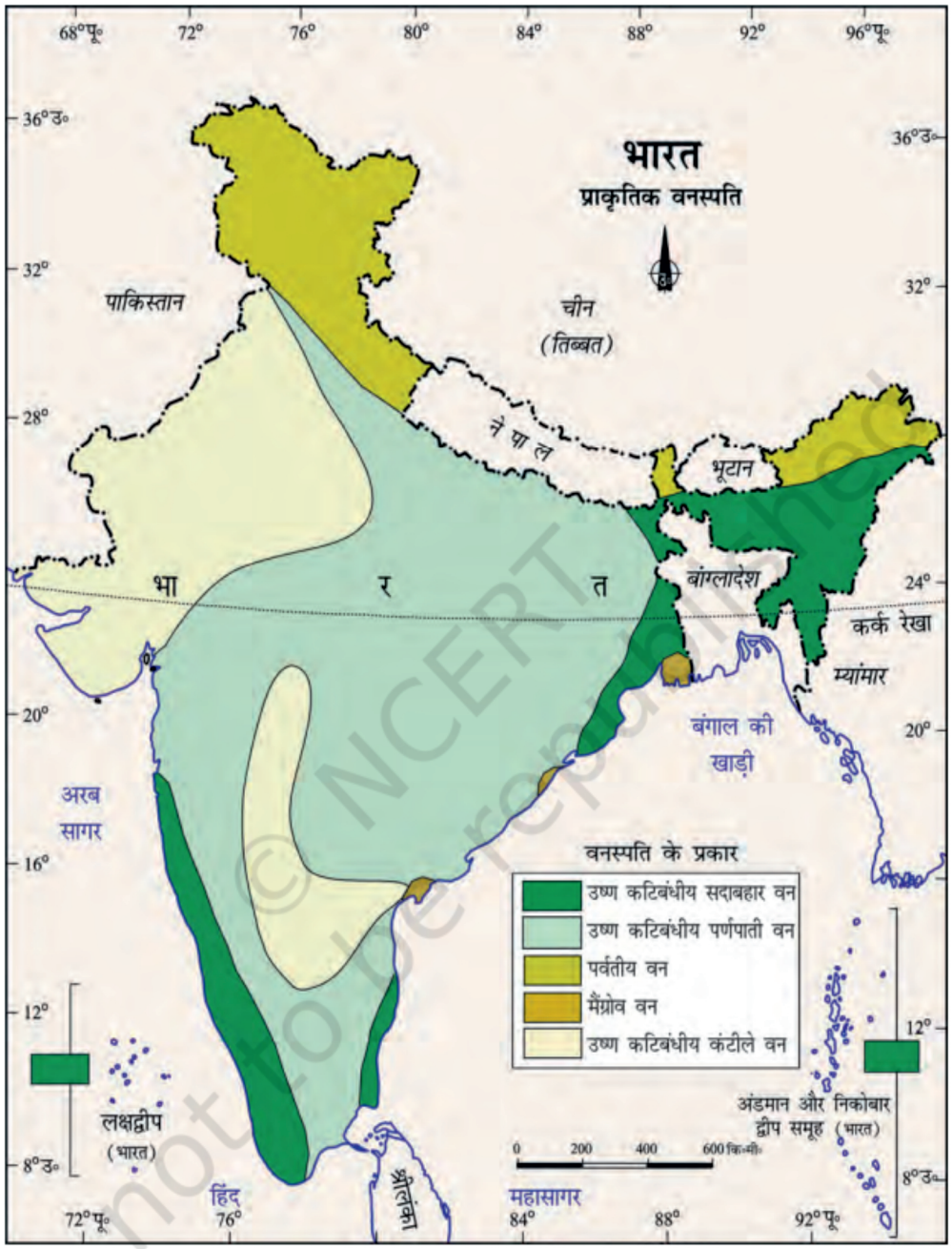

© NCERT not to be republished

भारत में पादप और जीव संपत्ति की सुरक्षा के लिए उठाए गए कदमः

- देश में उठारह (18) जीव मंडल निचय (आरक्षित क्षेत्र) स्थापित किए गए है।
- सन् 1992 से सरकार द्वारा पादप उद्यानों को वित्तीय तथा तकनीकी सहायता देने की योजना बनाई है ।
- शेर संरक्षण, गौंडा संरक्षण, भारतीय भैंसा सरंक्षण तथा परिस्थितिक तंत्र के संतुलन के लिए कई योजनाएँ बनाई गई हैं ।
- 103 नेशनल पार्क, 535 वन्य प्राणी अभयवन और कई चिड़ियाघर बनाए गए हैं ।

नेशनल पार्क, अभयवन और जीव मंडल निचय में अंतर :

नेशनल पार्क	अभयवन	जीव मंडल निचय
1. किसी विशेष पौधे या वन्य जीव का प्राकृतिक वास उदाहरण – जिम कार्बेट नेशनल पार्क बाघों के लिए है।	एक प्रकृतिक क्षेत्रों जिसे पौधों और जीवों की प्रजातियों को आरक्षित करने के लिए बनाया गया हो उदाहरण: मानव पक्षी अभयवन।	एक प्राकृतिक क्षेत्र जिसे सभी के जीवों की सुरक्षा के लिए बनाया गया है । उदाहरण : सिमलीपाल जीव मंडल निचय
2. क्षेत्रफल: 0.04 से 3162 वर्ग किमी	क्षेत्रफल: 0.61 से 7818 वर्ग किमी	क्षेत्रफल: 5670 वर्ग कि. मीत्र से अधिक
3. पर्यटन की अनुमति।	पर्यटन की अनुमति।	प्राय : पर्यटन अनुमति नहीं

भारत चित्र

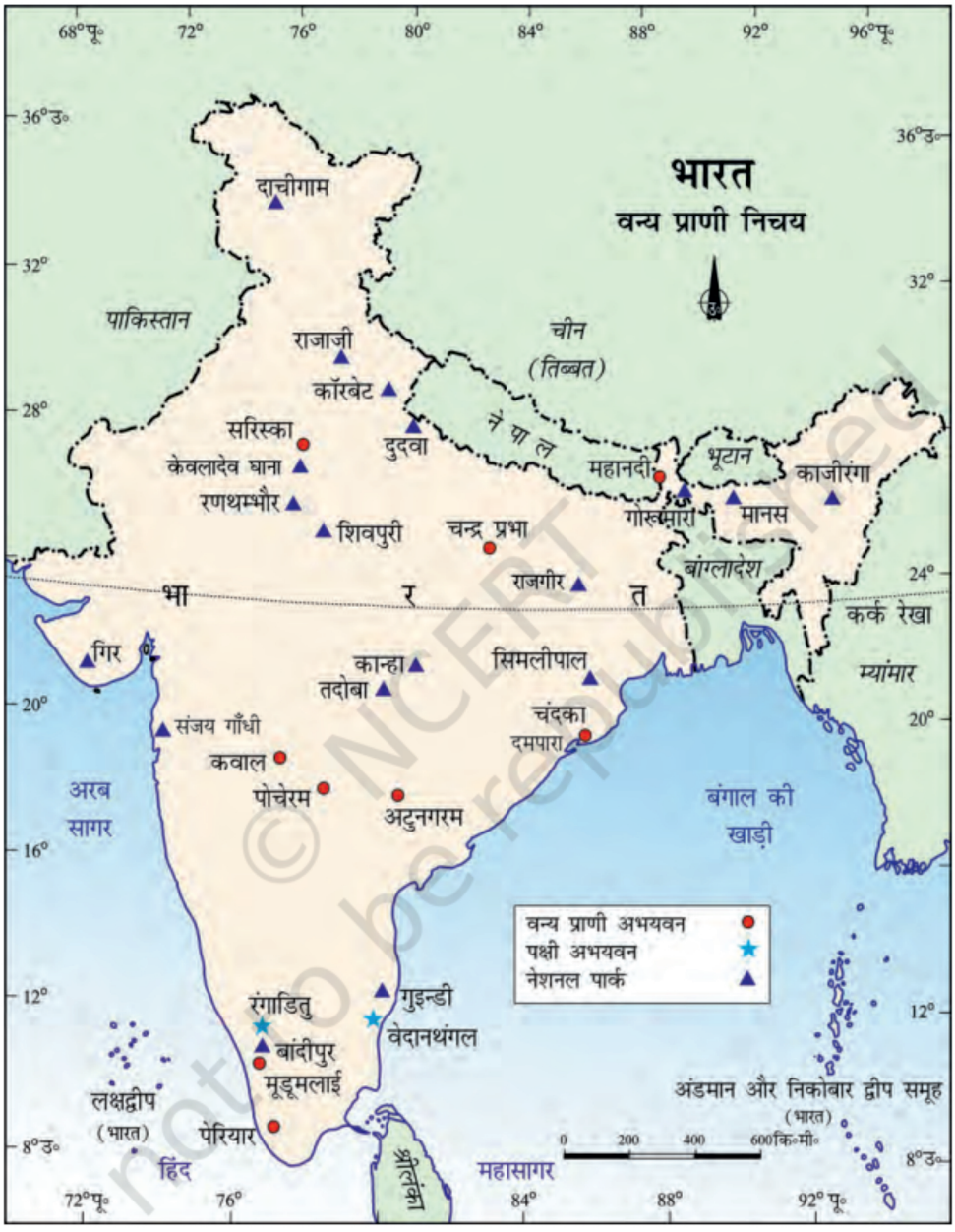

© NCERT not to be republished

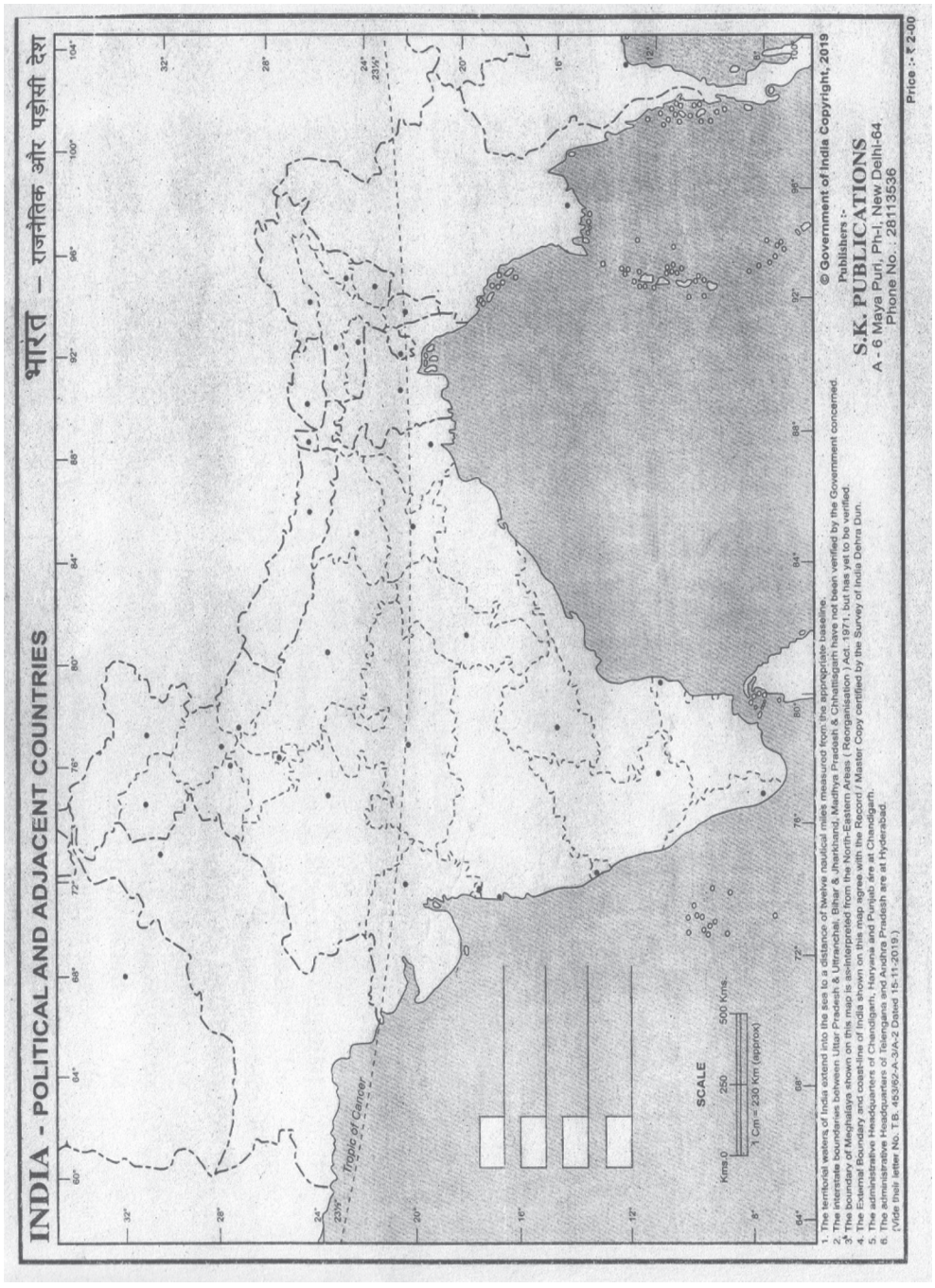

भारत चित्र

INDIA - POLITICAL AND ADJACENT COUNTRIES
भारत — राजनैतिक और पड़ोसी देश
Tropic of Cancer
SCALE
© Government of India Copyright, 2019
Publishers :-
S.K. PUBLICATIONS
A - 6 Maya Puri, Ph-I, New Delhi-64
Phone No. : 28113536
Price :- ₹ 2-00

1 अंको वाले प्रश्न

1. उष्ण कटिबंधीय वर्षा वन में पाए जाने वाले दो वृक्षो के नाम ..... और ..... है ।

2. कौन सी वनस्पति व्यापरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है ?

(क) उष्ण कटिबंधीय पर्णपाती वनस्पति

(ख) उष्ण कटिबंधीय सदाबहार वन

(ग) उपरोक्त दोनो

(घ) इनमे से कोई नहीं

3. एशियाई शेर भारत के किस राज्य में पाए जाते हैं ।

(क) महाराष्ट्र (ख) गुजरात

(ग) उत्तर प्रदेश (घ) बिहार

4. सिमलीपाल जैव मंडल निचय कौन से राज्य में स्थित है ।

(क) उड़ीसा (ख) तेलंगाना

(ग) तमिलनाडू (घ) त्रिपुरा

5. भारत में जीव जंतुओं की ..... प्रजातियाँ पाई जाती है ।

6. भारत में जैव सुरक्षा अधिनियम कब लागू किया गया है ।

(क) 1978 (ख) 1985

(ग) 1972 (घ) 1965

7. तटीय प्रदेशों में कौन से वन ज्वार से प्रभावित होते हैं ।

(क) उष्ण कटिबंधीय सदाबहार वन (ख) मैग्रोव वन

(ग) इनमें से दोनो (घ) इनमे से कोई नहीं

8. ..... और ..... औषधीय पौधों (पादप) के उदाहरण है ।

9. भारत में कितने प्रकार की वनस्पति पाई जाती है ।

(क) 1985 (ख) 4700

(ग) 50000 (घ) 60000

10. एक व्यक्ति एक ऐसे वन में गया जहाँ दोपहर में भी अंधेरा है। यह कौन-सा वन है ?

11. एक सींग वाला गैंडा किस राज्य में पाया जाता है ?

12. कौन से वन भारत में सबसे बड़े क्षेत्र में फैले हुए हैं ?

13. **वाक्य को सही कीजिए :**

उष्ण कटिबंधीय पर्णपाती वल 200 सेमी. से अधिक वर्षा वाले क्षेत्रों में पाये जाते हैं।

14. नीचे दिए गए चित्र को देखकर बन प्रकार बताइए

15. **नीचे दो वाक्य दिए गए है - एक संकल्पना (स) और दूसरा कारण (क) कथनों को पढ़िए और सही विकल्प का चयन कीजिए :**

सकल्पना (स) : उष्ण कटिबंधीय सदाबहार वन साल भर हरे भरे लगते हैं।

कारण (क) : वृक्षों में पतझड़ होने का कोई निश्चित समय नहीं होता

विकल्प :

(a) संकल्पना (स) और दूसरा कारण (क) दोनों सही हैं एवं कारण, संकल्पना की सही व्याख्या है ।

(b) व्याख्या है। संकल्पना (स) और दूसरा कारण (क) दोनों सही हैं लेकिन कारण, संकल्पना की सही व्याख्या नहीं है ।

(c) सकल्पना (स) सही है एवं कारण (क) गलत है ।

(d) संकल्पना (स) गलत है लेकिन कारण (क) सही हैं ।

3/5 अंको वाले प्रश्न

1. प्राकृतिक वनस्पति किसे कहते हैं ?
2. भारत में पादपों तथा जीवों का वितरण किन तत्वों द्वारा निर्धारित होता है ?
3. काँटेदार वन के वृक्षों की किन्हीं तीन विशेषताओं का उल्लेख कीजिए ।
4. भारत में जैब विभिन्नता के क्षरण के तीन कारण बताइये ।
5. भारत में किन्हीं तीन नेशनल पार्कों के नाम बताइये ।
6. पारिस्थितिक तन्त्र किसे कहते हैं ?
7. भारत के प्रमुख वनस्पति क्षेत्रों का वर्णन कीजिये ।
8. प्राकृतिक वनस्पति किस प्रकार के उद्योगों के लिये आधार प्रदान करती है ?
9. वनों के अप्रत्यक्ष लाभों का वर्णन कीजिये ?

स्रोत आधारित प्रश्न (4 अंक)

जिन क्षेत्रों में 70 सेमी से कम वर्षा होती है. यहाँ प्राकृतिक वनस्पति में कटीले वन तथा झाड़ियाँ पाई जाती हैं। इस प्रकार की वनस्पति देश के उत्तरी-पश्चिमी भागों में पाई जाती है इन वनों के वृक्ष बिखरे हुए होते हैं। इनकी जड़े लंबी तथा जल की तलाश में चारों ओर फैली होती हैं। पत्तियाँ प्राय: छोटी होती हैं जिनसे वाष्पीकरण कम से कम हो सके। शुष्क भागों में झाड़ियों और कटीले पादप पाए जाते हैं। इस जंगलों में प्राय: चूहे, खरगोश, लोमड़ी, भेड़िए शेर सिंह, जंगली गधा घोडे तथा ऊँट पाए जाते हैं।

1. कंटीले वन तथा झाड़ियाँ ..... सेमी से कम वर्षा वाले क्षेत्रों में पाए जाते हैं।
2. **कटीले पेड़ों की जड़े लंबी तथा फैली हुई क्यों होती हैं ।**

   (a) पानी को बचत करने के लिए (b) जल की तलाश में

   (c) वाष्पीकरण कम से कम हो (d) उपरोक्त में से कोई नहीं
3. कटीले वनों में पत्तियाँ प्राय: छोटी क्यों होती हैं ?
4. कंटीले व सूखे जंगलों में पाए जाने वाले 2 जानवरों के नाम लिखिए ।

उत्तरमाला

1 अंको वाले प्रश्न के उत्तर

1. महोगनी, रबड़
2. उष्ण कटिबंधीय पर्णपाती वनस्पति
3. गुजरात उड़ीसा
4. 90000 लगभग
6. 1972 में
7. मैंग्रोव वन
8. नीम और तुलसी
9. 47000

3/5 अंको वाले प्रश्न के उत्तर

1. जो वनस्पति मनुष्य की सहायता के बिना अपने आप पैदा होती है। लंबे समय तक उस पर मानवीय प्रभाव नहीं पड़ता। प्राकृतिक वनस्पति कहलाती है ।

2. (1) तापमान – वनस्पति की विविधता तथा विशेषतायें तापमान और वायु की नमी पर निर्भर करती है ।

   (2) सूर्य का प्रकाश - प्रकाश अधिक समय तक मिलने के कारण वृक्ष गर्मी की ऋतु में जल्दी बढ़ते है ।

   (3) वर्षण खअधिक वर्षा वाले क्षेत्रों में कम वर्षा वाले क्षेत्रों की अपेक्षा सघन वन पायें जाते है ं।

3. (1) ये वन 70 से.मी. से कम वर्षा प्राप्त करने वाले क्षेत्रों में पाये जाते हैं ।

   (2) इन पेड़ों के तनों की प्रकृति अवशोषक प्रकार ही होती है। जो संरक्षण के लिये आवश्यक है ।

   (3) इन पेड़ो की पत्तियों मोटी तथा आकार में छोटी होती है ।

4. (1) जनसंख्या बढ़ने के कारण कृषि की माँग को पूरा करने के लिये वन काटे जा रहे हैं ।

(2) मानव जाति तथा वन्य पशु अपनी आजीविका के लिये भी वनों का उपयोग करते हैं ।

(3) प्रदूषण तथा रासायनिक औद्योगिक कचरा दनों की हानि के लिये उत्तरदायी है।

5. (1) कॉरबेट राष्ट्रीय उद्यान (उत्तराखंड)

(2) गिर राष्ट्रीय उद्यान (गुजरात)

(3) कान्हा किसली राष्ट्रीय उद्यान (मध्यप्रदेश)

6. पारिस्थितिक तन्त्र आहार श्रृंखला की दृष्टि से पादप और जन्तुओं द्वारा की गई एक व्यवस्था है, जिसके द्वारा वे अपने भौतिक पर्यावरण में परस्पर अन्त निर्भरता और अन्त: सम्बन्ध बनाये रखते हैं ।

7. भारत को प्राकृतिक वनस्पति के आधार पर वनस्पति क्षेत्रों भागों में बाँटा गया है।

(1) उष्ण कटिबन्धीय वर्षा वन

(2) उष्ण कटिबन्धीय पर्णपाती वन ।

(3) कंटीले वन और झाड़ियों

(4) पर्वतीय वन

(5) मैंग्रोव वन

8. प्राकृतिक वनस्पति अनेक प्रकार के उद्योगों का आधार है ।

(1) दियासलाई उद्योग वनों से प्राप्त नरम प्रकार की लकड़ी दियासलाई बनाने के काम आती है ।

(2) लाख उद्योग लाख एक प्रकार के कीड़े से प्राप्त होती है ।

(3) कागज उद्योग कागज उद्योग में बाँस, सफेदा तथा कई प्रकार की घास प्रयोग की जाती है ।

(4) वार्निश तथा रंग वार्निश तथा रंग गंदे बिरोजे से तैयार होते हैं जो बनों से प्राप्त होता है ।

(5) औषधि निर्माण वनों से प्राप्त कुछ वृक्षों से उपयोगी औषधियाँ भी बनाई जाती है। जैसे- सिनकोना से कुनैन बनती है ।

9. वनों के अप्रत्यक्ष लाभ निम्नलिखित हैं :

(1) वर्षा लाने में सहायक वृक्ष वर्षा लाने में सहायक होते हैं ।

(2) ऑक्सीजन की आपूर्ति वृक्ष जीव जन्तुओं को ऑक्सीजन की आपूर्ति कराते हैं। तथा कार्बन डाईऑक्साइड को अपने में जज्ब कर लेते हैं ।

(3) खाद की प्राप्ति वनों से हमें उत्तम प्रकार की खाद प्राप्त होती है। पत्ती जड आदि मिट्टी में सड जाते हैं। ये सड-गल कर खाद का निर्माण करते हैं।

(4) बाढ़ तथा भूमि कटाव की रोकथाम ये अचानक बाढ़ों को आने से रोकते हैं, ये पानी के बहाव को कम कर देते हैं । वृक्षों की जडे मिट्टी के कणों को जकड़े रखती हैं ।

(5) वन्यप्राणी – वनों में कई प्रकार के पशु पक्षी पाये जाते हैं। कई लोग उनका शिकार करते हैं या उन्हें देखने को जाते हैं ।

स्रोत आधारित प्रश्न (4 अंक) के उत्तर

1. 70 सेमी
2. (b) जल की तलाश में
3. वाष्पीकरण कम से कम हो ।
4. चूहे खरगोश, लोमड़ी, शेर आदि

अध्याय-6
जनसंख्या

याद रखने योग्य बातें:

1. **जनगणना:** एक निश्चित समयांतराल में जनसंख्या की आधिकारिक गणना जनगणना कहलाती है।
2. भारत में सबसे पहले 1872 में जनगणना की गई थी। हालांकि 1881 में पहली बार एक संपूर्ण जनगणना की जा सकी। उसी समय से प्रत्येक 10 वर्ष पर जनगणना होती है। 2021 में कोविड-19 के कारण नहीं हो पाई है।
3. 2011 की जनगणना के अनुसार भारत की कुल जनसंख्या 100 करोड़ है। जो विश्व की कुल जनसंख्या का 17.5 प्रतिशत है।
4. 2011 की जनगणना के अनुसार देश का सबसे अधिक जनसंख्या वाला राज्य उत्तर प्रदेश है। जहाँ की कुल आबादी लगभग 20 करोड़ है। उत्तर प्रदेश में देश की कुल जनसंख्या का 16 प्रतिशत हिस्सा निवास करता है।
5. 2011 की जनगणना के अनुसार देश का सबसे कम जनसंख्या वाला राज्य सिक्किम है जहाँ की कुल आबादी 60 लाख है।
6. भारत की लगभग आधी आबादी पाँच राज्यों में निवास करती है। ये राज्य हैं उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, बिहार, पश्चिम बंगाल और आन्ध्र प्रदेश ।
7. 2011 की जनगणना के अनुसार सबसे अधिक जनसंख्या घनत्व वाला राज्य बिहार है। यहाँ जनसंख्या घनत्व 1102 व्यक्ति प्रति वर्ग कि.मी. है।
8. सबसे कम जनसंख्या घनत्व वाला राज्य अरुणाचल प्रदेश है, यहाँ जनसंख्या घनत्व 17 व्यक्ति प्रति वर्ग कि.मी. है।
9. 2011 की जनगणना के अनुसार केरल में लिंगानुपात 1084 है जबकि दिल्ली 9. 2011 की लिंगानुपात 866 है। है।
10. 2011 की जनगणना के अनुसार देश की साक्षरता दर 74.08 प्रतिशत है। जिस पुरुषों की साक्षरता 82.14 प्रतिशत एवं महिलाओं की 65.46 प्रतिशत है।

11. 2011 की जनगणना के अनुसार भारत में लिंगानुपात 943 है।
12. भारत में सबसे अधिक साक्षरता वाला राज्य केरल (93.9 प्रतिशत) है।
13. भारत में सबसे कम साक्षरता वाला राज्य बिहार (63.82 प्रतिशत) है।

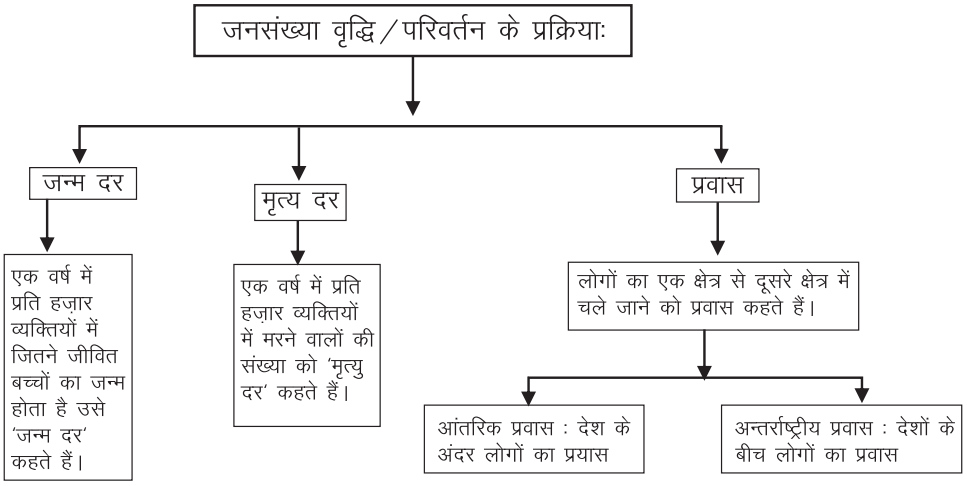

आयु संरचनाः किसी देश में, जनसंख्या की आयु संरचना वहाँ के विभिन्न आयु समूहों के लोगों की संख्या को बताता है। किसी देश की आबादी को सामान्यतः तीन वर्गों में बाँटा जाता है:

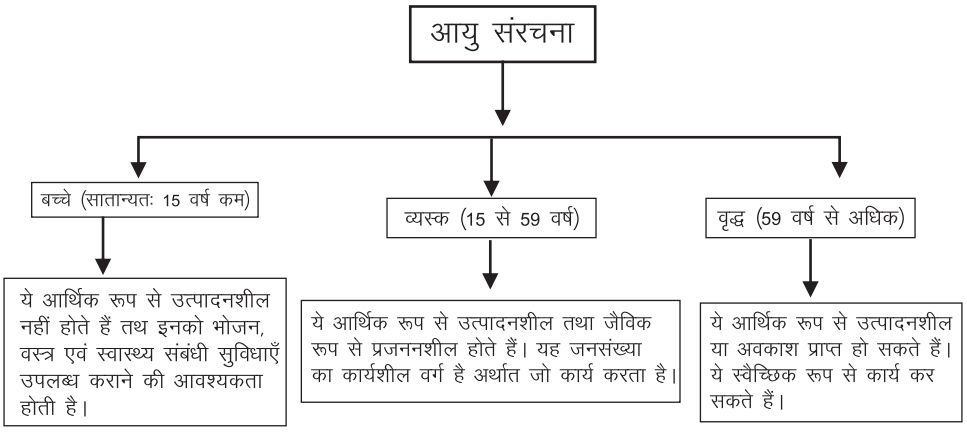

व्यावसायिक संरचना: विभिन्न प्रकार के व्यवसायों के अनुसार किए गए जनसंख्या के वितरण को व्यावसयिक संरचना कहा जाता है। सामान्यत: व्यवसायों को प्राथमिक, द्वितीयक एवं तृतीयक श्रेणियों में वर्गीकृत किया जाता है।

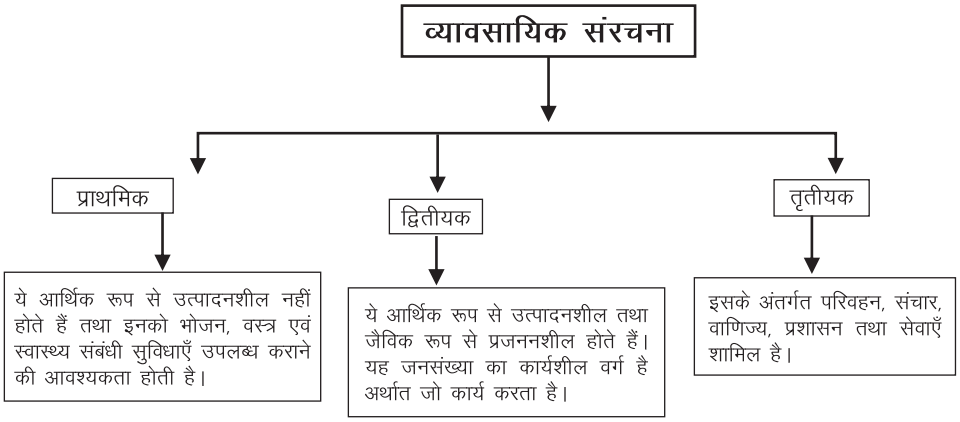

- जनसंख्या घनत्व: प्रति इकाई क्षेत्रफल में रहने वाले लोगों की संख्या को जनसंख्या घनत्व कहते हैं। 2011 की जनगणना के अनुसार भारत का जनसंख्या घनत्व 382 प्रति व्यक्ति/किलोमीटर है।
- लिंग अनुपात प्रति 1,000 पुरूषों पर महिलाओं की संख्या को लिंग अनुपात व 2011 की जनगणना के अनुसार, भारत में लिंग अनुपात 943 है।
- साक्षरता दर: 2011 की जनगणना के अनुसार, एक व्यक्ति जिसकी आयु 7 वर्ष या अधिक है, जो किसी भाषा को समझकर लिख या पढ़ सकता है, उसे साक्षर की श्रेणी में रखा जाता है। 2011 की जनगणना के अनुसार, भारत की साक्षरता दर 73 प्रतिशत है।

1 अंको वाले प्रश्न

1. एक निश्चित समय अंतराल में जनसंख्या की अधिकारिक गणना को क्या कहते है।

(क) जनसंख्या (ख) जनसंख्या

(ग) जन्मदर (घ) मृत्यु दर

2. विश्व में सबसे अधिक आबादी वाला देश कौन सा है?

(क) भारत (ख) चीन

(ग) इंडोनेशिया (घ) अमेरीका

3. वर्तमान में भारत में जनसंख्या घनत्व कितना है?

(क) 485 व्यक्ति प्रति वर्ग कि.मी. (ख) 382 व्यक्ति प्रति वर्ग कि.मी.

(ग) 400 व्यक्ति प्रति वर्ग कि.मी. (घ) 382 व्यक्ति प्रति वर्ग कि.मी

4. विश्व में दूसरा सबसे अधिक जनसंख्या वाला देश ..... है।

5. 2011 की जनगणना के अनुसार भारत का लिंग अनुपात क्या है?

(क) 750 (ख) 990

(ग) 943 (घ) 880

6. सबसे कम जनसंख्या वाला राज्य कौन सा है?

(क) त्रिपुरा (ख) सिक्किम

(ग) केरल (घ) हिमाचल प्रदेश

7. एक वर्ष में प्रति हजार व्यक्तियों में मरने वालों की संख्या को ..... कहा जाता है।

8. भारत की जनसंख्या में नगरीय जनसंख्या कितना प्रतिशत है?

(क) 31.16 (ख) 45.32

(ग) 50 (घ) 65

9. जनसंख्या वृद्धि का मुख्य कारण क्या है?

(क) जन्म दर में बढ़ोतरी (ख) मृत्यु दर में गिरावट

(ग) उपरोक्त दोनों (घ) इनमें से कोई नहीं

3/5 अंको वाले प्रश्न

1. स्वस्थ जनसंख्या कैसे लाभकारी है? (कोई तीन बिन्दु)
2. 1981 से भारत में जनसंख्या वृद्धि दर से क्यों घट रही है?
3. जनसंख्या अध्ययन के तीन प्रमुख पक्ष (पहलू) कौन-कौन से हैं?
4. राष्ट्रीय जनसंख्या नीति की मुख्य विशेषतायें क्या है? (कोई तीन)

5. जनसंख्या के असमान वितरण के लिये उत्तरदायी कारकों की विवेचना कीजिये?
6. व्यवसायों को कौन-कौन से तीन वर्गो में बाटा गया है?
7. जनसंख्या का अध्ययन प्रत्येक नागरिक के लिये क्यों आवश्यक है?
8. लिंग अनुपात क्या है? भारत में लिंग अनुपात प्रतिकूल होने के प्रमुख कारण बताइये?
9. भारत में जनसंख्या के घनत्व में इतनी अधिक विविधता क्यों पायी जाती है?
10. जनसंख्या को प्रभावित करने वाले मूल घटकों का वर्णन कीजिये?

स्रोत आधारित प्रश्न (4 अंक वाला प्रश्न)

निम्नलिखित अनुच्छेद को पढ़िए और प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

व्यवसायों को सामान्यत: प्राथमिक, द्वितीयक एवं तृतीयक श्रेणियों में वर्गीकृत किया है। प्राथमिक इनमें कृषि, पशुपालन, वृक्षारोपण एवं मछली पालन तथा खनन क्रियाएँ शामिल हैं। द्वितीयक क्रियाकलापों में उत्पादन करने वाले उद्योग भवन एवं कार्य आते हैं। तृतीयक क्रियाकलापों में परिवहन, संचार, वाणिज्य, प्रशासन तथा शामिल हैं। विकसित एवं विकासशील देशों में विभिन्न क्रियाकलापों में कार्य कर लोगों का अनुपात अलग-अलग होता है। विकासशील देशों में द्वितीयक एवं क्रियाकलापों में कार्य करने वाले लोगों की संख्या का अनुपात अधिक होता है। भारत कुल जनसंख्या का 64 प्रतिशत भाग केवल कृषि कार्य करता है। द्वितीयक एवं तृतीयक क्षेत्रों में कार्यरत लोगों की संख्या का अनुपात क्रमश 13 तथा 20 प्रतिशत है। वर्तमान समय में बढ़ते हुए औद्योगीकरण एवं शहरीकरण में वृद्धि होने के कारण द्वितीयक एवं तृतीयक क्षेत्रों में व्यवसायिक परिवर्तन हुआ है।

(i) भारत की जनसंख्या का सर्वाधिक हिस्सा ..... क्रियाकलापों में कार्यरत है।

(ii) संचार ..... क्रियाकलाप है।

(iii) द्वितीयक एवं तृतीयक क्षेत्रों में व्यावसायिक परिवर्तन होने के क्या कारण है?

(iv) विकसित देशों में सर्वाधिक लोग किन क्रियाकलापों में होते हैं?

उत्तरमाला

अंको वाले प्रश्न के उत्तर

1. जनगणना
2. चीन
3. 382 व्यक्ति प्रति वर्ग कि.मी.
4. भारत
5. 943
6. सिक्किम
7. मृत्यु दर
8. 31.16%
9. मृत्यु दर में गिरावट

3/5 अंको वाले प्रश्न के उत्तर

1. (क) एक स्वस्थ व्यक्ति अधिक घंटो तक कार्य कर सकता है। इससे उसकी आय में वृद्धि होती है।
   (ख) स्वस्थ जनसंख्या उत्पादन को बढ़ाने में मदद कर सकती है।
   (ग) अधिक सकारात्मक सोच रख सकती है।
2. (क) भारत में जन्म दर को नियन्त्रित करने के लिये कई प्रयास किये जा रहे हैं।
   (ख) शिक्षा का प्रसार।
   (ग) महिला जागरूकता ।
3. (क) जनसंख्या का आकार तथा वितरण देश में कितने लोग है और वे कहाँ बसे हुए हैं।
   (ख) जनसंख्या में वृद्धि तथा जनसंख्या के परिवर्तन की प्रक्रिया – जनसंख्या में किस प्रकार वृद्धि हुई और समय के साथ साथ उसमें क्या परिवर्तन आया।

(ग) जनसंख्या की गुणवत्ता इसमें लोगों की आयु लिंग संरचना, शिक्षा का स्तर, स्वास्थ्य संबंधी दशायें शामिल हैं।

4. (क) 14 वर्ष के सभी बच्चों को निशुल्क शिक्षा।

(ख) व्यापक स्तर पर टीकाकरण द्वारा बीमारियों से बच्चों को छुटकारा।

(ग) लड़कियों की शादी की उम्र को बढ़ाने के लिये प्रोत्साहित करना।

5. (क) भौतिक कारक: पर्वत पठार बहुत ठंडे तथा बहुत गर्म भाग विरल आबादी वाते हैं। जबकि उपजाऊ मृदा के मैदान अधिक घने बसे हैं।

(ख) सांस्कृतिक कारक: धार्मिक स्थान तथा तीर्थ स्थान अधिक धर्म बसे हैं।

(ग) मानवीय कारक: मानवीय कारक में व्यवसाय आदि भी जनसंख्या वितरण को प्रभावित करते हैं।

6. (क) प्राथमिक व्यवसाय: ये कच्चे माल से संबंधित व्यवसाय है। इनमें कृषि, पशुपालन मछली पकड़ना आदि व्यवसाय शामिल हैं।

(ख) द्वितीयक व्यवसाय: इन व्यवसायों में कच्चे माल को संसाधित करके उसे मूल्यवान वस्तु में बदला जाता है। इनमें निर्माण उद्योग भवन एवं अन्य निर्माण कार्य आते हैं।

(ग) तृतीयक व्यवसाय: इन व्यवसायों में परिवहन संचार वाणिज्य प्रशासन तथा सेवाएं शामिल हैं।

7. (क) लोगों की संख्या का सही बोध: जनगणना करके हम अपने देश में रहने वाले लोगों की संख्या आयु, संरचना, जन्म और मृत्युदर व्यवसाय के ढाँचे के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

(ख) जनसंख्या वितरण और क्षेत्र विकास की जानकारी: लोगों का एक क्षेत्र से दूसरे क्षेत्र को पलायन करने तथा आधुनिक प्रौद्योगिकी का प्रयोग करके उद्योग, व्यापार के क्षेत्रों में एक दशक के भीतर की गई प्रगति का ज्ञान कराता है।

(ग) लिंग अनुपात की स्थिति जनांकिकी के आँकड़े लिंग अनुपात को बताते हैं।

(घ) व्यवसायिक ढाँचे की जानकारी – हमारे देश में कितने लोग प्राथमिक, द्वितीयक, तृतीयक व्यवसाय में काम कर रहे हैं. इसकी जानकारी मिलती है।

(ङ) साक्षरता का स्तर:– जनांकिकी के आकड़े देश की साक्षरता दर बताते हैं।

8. जनसंख्या में प्रति एक हजार पुरुषों पर महिलाओं की संख्या को लिंग अनुपात कहते हैं।

(क) भारत में तुलनात्मक रूप से बालिका शिशु मृत्यु दर अधिक है।

(ख) भारतीय समाज में लड़कियों की अपेक्षा लड़कों का अच्छे ढंग से पालन–पोषण किया जाता है।

(ग) महिलाओं में अभी भी प्रसव काल में होने वाली मृत्युदर अधिक है।

(घ) ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं का सामाजिक आर्थिक स्तर पुरुषों की अपेक्षा नीचा है।

(ङ) गैरकानूनी भ्रूण लिंग परीक्षण, बालिका शिशु के साथ किये जाने वाले अन्यायपूर्ण व्यवहार।

9. (क) भूमि का उपजाऊपन भारत के जिन राज्यों में उपजाऊ भूमि का विस्तार अधिक है वहाँ जनसंख्या घनत्व अधिक है।

(ख) वर्षा की मात्रा अधिक वर्षा वाले भागों में जनसंख्या घनत्व अधिक होता है।

(ग) जलवायु जहाँ जलवायु स्वास्थ्य के लिये अनुकूल हो, तो वहाँ भी जनसंख्या घनत्व अधिक होता है। इसके विपरीत जहाँ जलवायु स्वास्थ्य के लिये अनुकूल नहीं है यहाँ जनसंख्या घनत्व कम होता है।

(घ) परिवहन के साधन परिवहन के साधनों के अधिक विकास के कारण व्यापार की प्रगति तीव्र हो जाती है, जिससे जनसंख्या का घनत्व भी अधिक हो जाता है।

(ङ) औद्योगिक विकास जिन स्थानों पर उद्योग स्थापित हो जाते है। वहाँ

जनसंख्या घनत्व बढ़ जाता है।

10. (क) जन्मदर एक वर्ष में प्रति हजार लोगों पर जन्म लेने वाले जीवित बच्चों की संख्या जन्मदर कहलाती हैं।

    (ख) मृत्युदर एक वर्ष में प्रति हजार लोगों पर मरने वाले व्यक्तियों की संख्या मृत्यु दर कहते हैं।

    (ग) प्रवास एक क्षेत्र की अनुकूल दशायें होने के कारण उसमें बाहर से आए लोगों के बस जाना प्रवास कहलाता है।

स्रोत आधारित प्रश्न के उत्तर

1. प्राथमिक
2. तृतीयक:
3. औद्योगीकरण एवं शहरीकरण
4. द्वितीयक एवं तृतीयक

राजनीतिक विज्ञान

अध्याय-1

लोकतंत्र क्या? लोकतंत्र क्यों?

याद रखने योग्य बातें

- डेमोक्रेसी (लोकतंत्र) यूनानी शब्द डेमोक्रेशिया से बना है।
- यूनानी में 'डेमोस' का अर्थ होता है 'लोग' और 'क्रेशिया' का अर्थ होता है 'शासन'। इस प्रकार डेमोक्रेसी अर्थात् लोकतंत्र का अर्थ है लोगों का शासन।
- **लोकतंत्र** - शासन का यह रूप है जिसमें शासकों का चुनाव जनता करती है।
- "लोकतंत्र ऐसी सरकार है जो लोगों की हो, लोगों के लिए हो और लोगों द्वारा बनाई गई हो" (अब्राहम लिंकन)
- लोकतंत्र निष्पक्ष और स्वतंत्र चुनावों पर आधारित होता है।
- लोकतंत्र में हर वयस्क नागरिक का एक वोट होता है।
- लोकतान्त्रिक सरकार संवैधानिक कानूनों और नागरिक अधिकारों के आधार पर ही काम करती है।
- चीन की संसद को 'राष्ट्रीय जनसंसद' कहा जाता है। इस संसद को देश का राष्ट्रपति नियुक्त करने का हक है।
- चुनाव लड़ने से पूर्व सभी उम्मीदवारों को चीनी कम्युनिस्ट दल से मंजूरी लेनी होती है। सरकार सदैव कम्युनिस्ट पार्टी की ही बनती है।
- पाकिस्तान में जनरल परवेज मुशर्रफ ने अक्टूबर 1999 में सैनिक तख्तापलट की। वर्तमान में यहाँ एक लोकतांत्रिक सरकार है।
- यद्यपि लोकतांत्रिक प्रकार की शासन प्रणाली सर्वोत्तम भी नहीं कही जा सकती, फिर भी यह अन्य किसी शासन प्रणाली से बेहतर है।
- लोकतंत्र मात्र एक शासन का प्रकार या कुछ प्रकार की संस्थाएँ ही नहीं है बल्कि बृहत्तर अर्थों में यह एक ऐसा सिद्धांत है जो कि जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में अपनाया जाना चाहिए।

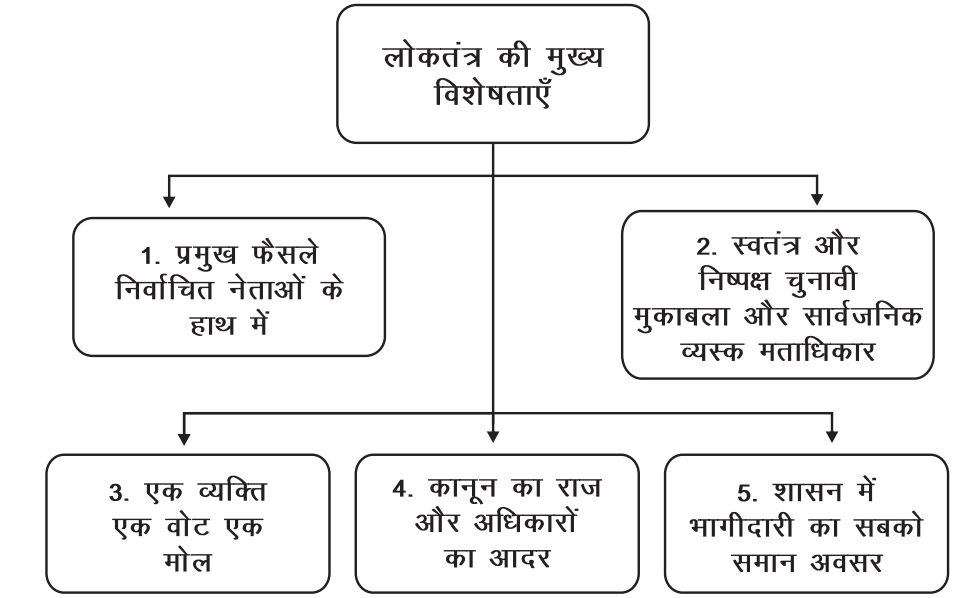
लोकतंत्र की मुख्य विशेषताएँ
1. प्रमुख फैसले निर्वाचित नेताओं के हाथ में
2. स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनावी मुकाबला और सार्वजनिक व्यस्क मताधिकार
3. एक व्यक्ति एक वोट एक मोल
4. कानून का राज और अधिकारों का आदर
5. शासन में भागीदारी का सबको समान अवसर

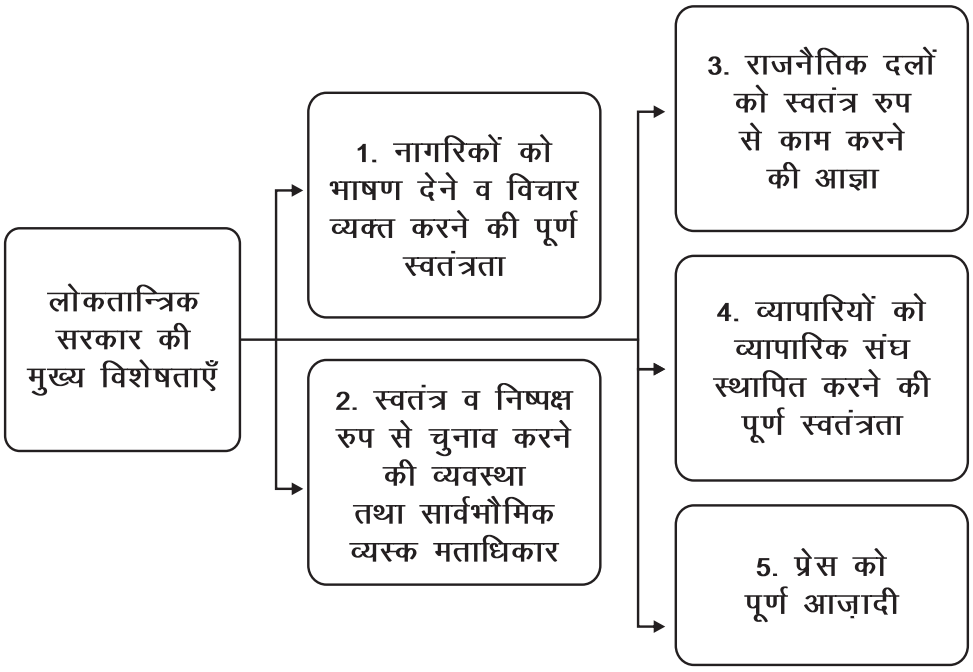
लोकतान्त्रिक सरकार की मुख्य विशेषताएँ
1. नागरिकों को भाषण देने व विचार व्यक्त करने की पूर्ण स्वतंत्रता
2. स्वतंत्र व निष्पक्ष रुप से चुनाव करने की व्यवस्था तथा सार्वभौमिक व्यस्क मताधिकार
3. राजनैतिक दलों को स्वतंत्र रुप से काम करने की आज्ञा
4. व्यापारियों को व्यापारिक संघ स्थापित करने की पूर्ण स्वतंत्रता
5. प्रेस को पूर्ण आज़ादी

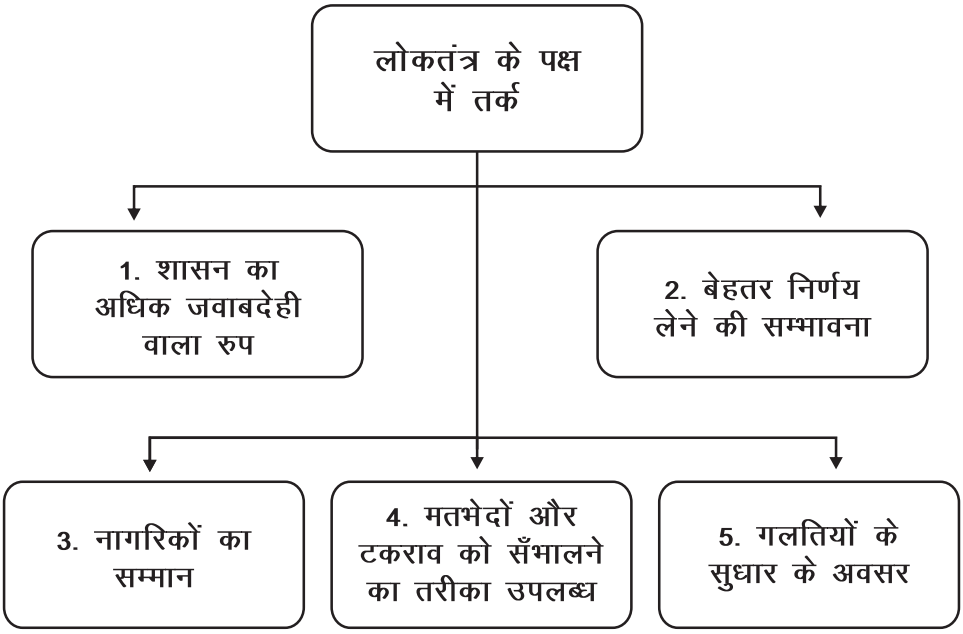
लोकतंत्र के पक्ष में तर्क
1. शासन का अधिक जवाबदेही वाला रुप
2. बेहतर निर्णय लेने की सम्भावना
3. नागरिकों का सम्मान
4. मतभेदों और टकराव को सँभालने का तरीका उपलब्ध
5. गलतियों के सुधार के अवसर

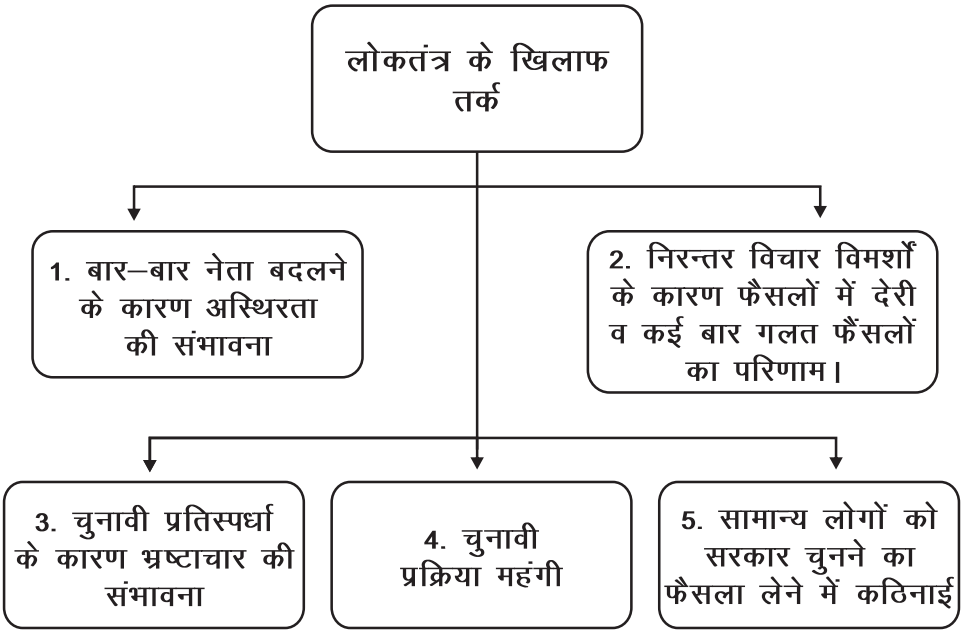
लोकतंत्र के खिलाफ तर्क
1. बार–बार नेता बदलने के कारण अस्थिरता की संभावना
2. निरन्तर विचार विमर्शों के कारण फैसलों में देरी व कई बार गलत फैंसलों का परिणाम।
3. चुनावी प्रतिस्पर्धा के कारण भ्रष्टाचार की संभावना
4. चुनावी प्रक्रिया महंगी
5. सामान्य लोगों को सरकार चुनने का फैसला लेने में कठिनाई

1 अंक वाले प्रश्न

1. किसी अलोकतांत्रिक देश का कोई एक लक्षण लिखिए।
2. उस नेता का नाम बताइए जिस ने जर्मनी में तानाशाही सरकार की स्थापना की थी?
3. किसी एक ऐसे देश का नाम बताएँ जो लोकतान्त्रिक नहीं है?
4. अब्राहम लिंकन ने लोकतंत्र को कैसे परिभाषित किया?
5. **निम्नलिखित में से किस ने अक्टूबर 1999 में पाकिस्तान में सैनिक तख्तापलट की अगुवाई की:**

   (क) आसिफ जरदारी (ख) नवाज शरीफ

   (ग) परवेज मुशर्रक (घ) शौकत अजीज
6. लोकतंत्र में अंतिम निर्णय लेने की शक्ति किस के पास होनी चाहिए?
7. **निम्नलिखित में से किस देश में केवल शासक दल ही चुनाव लड़ सकता है**

   (क) चीन (ख) नेपाल

   (ग) पाकिस्तान (घ) चिले
8. **सऊदी अरब में समाज के किस वर्ग को वोट डालने का अधिकार नहीं था**

   (क) गरीब (ख) अल्पसंख्यक

   (ग) आदिवासी (घ) महिलाएं
9. **इनमें से कौन सा/से लोकतान्त्रिक कार्य है**

   (क) स्वतंत्र न्यायपालिका (ख) समानता का अधिकार

   (ग) निष्पक्ष चुनाव (घ) ऊपर के सभी
10. **निम्नलिखित का मिलान कीजिये:**

    (क) फिजी (i) राजा ने अपने अधिकार छोड़ने पर सहमति दी

    (ख) नेपाल (ii) सैनिक तानाशाही की समाप्ति

    (ग) चीन (iii) मूल निवासियों के वोट का मूल्य अधिक

(घ) चिले (iv) बाथ पार्टी

(ङ) सीरिया (v) राष्ट्रीय जनसंसद

11. रिक्त स्थान भरिए:

लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था अन्य शासन व्यवस्थाओं से ..... मानी जाती है

12. नीचे एक कथन (A) तथा उसका कारण (R) दिए गए हैं। इन कथनों को पढ़कर उनके नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनकर लिखिए।

कथन (A)- किसी देश में महिलाओं को मताधिकार न देना अलोकतांत्रिक है।

कारण (R) लोकतंत्र नागरिकों के सम्मान में वृद्धि करता है।

(a) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

(b) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही है लेकिन कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं करता है।

(c) कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) गलत है।

(d) कारण (R) सही है लेकिन कथन (A) गलत है।

3/5 अंको वाले प्रश्न

1. क्या नेपाल 2005 तक एक लोकतांत्रिक देश था ? अपने मत के पक्ष में दलीलें दीजिये।
2. आप कैसे कह सकते हैं की म्यामार अब एक लोकतात्रिक देश नहीं है ? अपने मत के पक्ष में दलीले दीजिये।
3. क्या सऊदी अरब एक लोकतांत्रिक देश है? अपने मत के पक्ष में दलील दीजिये।
4. क्या चीन एक लोकतात्रिक देश है ? अपने मत के पक्ष में दलीलें दीजिये।
5. लोकतंत्र की मुख्य विशेषताऐं लिखिए।

6. "एक व्यक्ति-एक वोट-एक मील" से क्या अभिप्राय है ?
7. लोकतांत्रिक सरकार की मुख्य विशेषताएँ लिखिए।
8. गैर-लोकतांत्रिक सरकार के कुछ सामान्य लक्षण लिखिए।
9. लोकतंत्र के पक्ष में कोई पाँच तर्क दीजिये।
10. लोकतंत्र के विपक्ष में कोई पाँच तर्क दीजिये।

स्रोत आधारित प्रश्न (4 अंक)

नीचे दिए गए अनुच्छेद को पढ़कर उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दीजिए। लोकतंत्र की जिन विशेषताओं की चर्चा हमने की है ये लोकतंत्र की न्यूनतम शर्तें है पर इनसे यह आदर्श लोकतंत्र नहीं बनता। एक आदर्श लोकतंत्र में निर्णय लेने की प्रक्रिया लोकतांत्रिक होनी चाहिए। हर लोकतंत्र को इस आदर्श को पाने का प्रयास करना चाहिए। यह स्थिति एक बार में और एक साथ सभी के लिए हासिल नहीं की जा सकती। इसके लिए लोकतांत्रिक फैसले लेने की प्रक्रिया को बचाए रखने और मजबूत करते जाने की जरूरत होती है। नागरिक के तौर पर हम जो भी काम करते हैं वह भी हमारे देश के लोकतंत्र को अच्छा या खराब बनाने में मदद करता है। यही लोकतंत्र की ताकत है और यही कमजोरी भी। देश का भविष्य शासकों के कामकाज से भी ज्यादा नागरिकों के कामकाज पर निर्भर करता है। यही चीज लोकतंत्र को अन्य शासन व्यवस्थाओं से अलग करती है। राजशाही, तानाशाही या एक दल के शासन जैसी अन्य व्यवस्थाओं में सभी नागरिकों को राजनीति में हिस्सेदारी करने की जरूरत नहीं रहती। दरअसल, अधिकांश गैर-लोकतांत्रिक सरकारें चाहती ही नहीं कि लोग राजनीति में हिस्सा लें। लेकिन लोकतांत्रिक व्यवस्था सभी नागरिको की सक्रिय भागीदारी पर ही निर्भर करती है।

(i) आदर्श लोकतंत्र किसे कहेंगें?
(ii) वाक्य को सही करके पुन लिखिए:
राजशाही, तानाशाही या एक दल के शासन जैसी व्यवस्थाओं में सभी नागरिकों को राजनीति में हिस्सेदारी करने की जरूरत रहती है।
(iii) लोकतांत्रिक देश का भविष्य शासकों के कामकाज से भी ज्यादा किसके कामकाज पर निर्भर करता है
(iv) लोकतंत्र में नागरिकों की क्या भूमिका है?

उत्तरमाला

1 अंक वाले प्रश्न के उत्तर

1. चुनाव आयोग का स्वतंत्र ना होना (या अन्य कोई)
2. हिटलर
3. चीन
4. ऐसी सरकार जो लोगों की हो लोगों के लिए हो और लोगों द्वारा बनाई गई हो।
5. (ग) परवेज मुशर्रफ
6. जनता द्वारा चुने गए प्रतिनिधियों के पास।
7. (क) चीन
8. (घ) महिलाएँ
9. (घ) ऊपर के सभी
10. (क) फिजी — (i) मूल निवासिओं के वोट का मूल्य अधिक
    (ख) नेपाल — (ii) राजा ने अपने अधिकार छोड़ने पर सहमति दी
    (ग) चीन — (iii) राष्ट्रीय जनसंसद
    (घ) चिले — (iv) सैनिक तानाशाही की समाप्ति
    (ङ) सीरिया — (v) बाथ पार्टी
11. बेहतर
12. (b)

3/5 अंको वाले प्रश्नों के सांकेतिक उत्तर

1. नहीं।
   - नेपाल में लोगों के द्वारा चुनी हुई सरकार नहीं थी। नेपाल का राजा राज
   - घराने में पैदा होने के कारण शासक बनता था।
2. क्योंकि अब:
   - म्यांमार में लोकतांत्रिक शासन नहीं है।

– शासन के फैसलों में लोगों की भागीदारी नहीं होती है।

– पहले की तरह सैनिक अधिकारियों का दबदबा है और लोगों की आजादी पर प्रतिबंध है।

3. नहीं।

– सऊदी अरब के शाह लोगों के द्वारा नहीं चुने जाते राज परिवार में जन्म लेने के कारण यह हक पाया है।

4. नहीं।

– चीन में चुनाव लड़ने से पहले चीनी कम्युनिस्ट पार्टी से मंजूरी अवश्य लेनी पड़ती है।

– केवल कम्युनिस्ट पार्टी उससे सम्बद्ध कुछ छोटी पार्टियों के सदस्य ही चुनाव में भाग ले सकते हैं।

5. लोकतंत्र की मुख्य विशेषताएँ:

– प्रमुख फैसले निर्वाचित नेताओं के हाथ

– स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनावी मुकाबला।

– एक व्यक्ति एक वोट एक मोल

– कानून का राज और मूल अधिकारों का आदर।

– शासन में भागीदारी का सबको समान अवसर।

6. लोकतंत्र में प्रत्येक नागरिक का एक मत होना चाहिए और प्रत्येक वोट का एक समान मूल्य होना चाहिए।

7. लोकतांत्रिक सरकार की मुख्य विशेषताए।

– नागरिकों को भाषण देने और विचार व्यक्त करने की पूर्ण स्वतंत्रता।

– स्वतंत्र और निष्पक्ष रूप से काम करने की आज्ञा

– राजनैतिक दलों को स्वतंत्र रूप से काम करने की पूर्ण स्वतंत्रता।

– मजदूरों को व्यापारिक संघ स्थापित करने की पूर्ण स्वतंत्रता।

– प्रेस को पूर्ण आजादी।

8. गैर–लोकतान्त्रिक सरकार के कुछ लक्षण:

- लोग सरकार और उसकी नीतियों की आलोचना नहीं कर सकते ।
- शासनकर्ता सर्वेसर्वा होता है।
- विपक्षी दलों का कोई स्थान नहीं।
- मजूदरों को व्यापारिक संप स्थापित करने की अनुमति नहीं।
- प्रेस को पूर्ण आजादी प्राप्त नहीं।

9. लोकतंत्र के पक्ष में पाँच तर्क:
   - शासन का अधिक जवाबदेही वाला स्वरूप
   - बेहतर निर्णय लेने की संभावना।
   - नागरिकों का सम्मान।
   - मतभेदों और टकरावों को संभालने का तरीका उपलब्ध।
   - गलतियों के सुधार के अवसर।
10. लोकतंत्र के खिलाफ पाँच तर्क:
   - अस्थिरता का संभावना।
   - फैसलों में देरी।
   - भ्रष्टाचार की संभावना।
   - चुनावी प्रक्रिया महंगी।
   - सामान्य लोगों को सरकार चुनने का फैसला लेने में कठिनाई।

(स्रोत आधारित प्रश्न का उत्तर)

1. (i) जिस शासन व्यवस्था में निर्णय लेने की प्रक्रिया लोकतांत्रिक हो।
   (ii) राजशाही, तानाशाही या एक दल के शासन जैसी व्यवस्थाओं में सभी नागरिकों को राजनीति में हिस्सेदारी करने की जरूरत नहीं रहती है।
   (iii) नागरिकों को।
   (iv) नागरिक के तौर पर हम जो भी काम करते हैं वह भी हमारे देश के लोकतंत्र को अच्छा या खराब बनाने में मदद करता है। यही लोकतंत्र की ताकत है और यही कमजोरी भी।

अध्याय-2
संविधान निर्माण

याद रखने योग बातें:

दक्षिण अफ्रीका का स्वतंत्रता संग्राम :

स्थानीय काले लोगों पर यूरोपीय अल्पसंख्यक गौरों की सरकार द्वारा अत्याचार

⬇

नेल्सन मंडेला ने रंगभेद से चलने वाली शासन व्यवस्था के विरूद्ध आवाज उठायी

⬇

अफ्रीकी नेशनल कांग्रेस के नेतृत्व में गोरों के विरूद्ध मजदूर यूनियन और कम्युनिस्ट पार्टी भी शामिल हुई।

⬇

1950 से संघर्ष शुरू हुआ ओर 1994 में स्वतंत्रता प्राप्त हुई

⬇

1994 में चुनाव की घोषणा; नेलसन मंडेला दक्षिण अफ्रिका गणराज्य के राष्ट्रपति बने

⬇

एक नए संविधान का निर्माण जिसमें नागरिकों को व्यापक अधिकार दिए गए।

- नेल्सन मंडेला द्वारा लिखित आत्मकथा का नाम 'द लाँग वॉक टू फ्रीडम' है।
- रंगभेद: दक्षिण अफ्रीका में काले लागों के साथ नस्ली-अलगाव और खराब व्यवहार करने वाली शासन व्यवस्था।
- संविधान: संविधान लिखित नियमों की एक ऐसी पुस्तक या दसतावेज है, जिसे किसी देश के निवासी सामूहिक रुप से मानते हैं। संविधान सर्वोच्च कानून है जिससे किसी क्षेत्र में रहने वाले लोगों के मध्य के आपसी सम्बन्ध तय होने के साथ-साथ लोगों और सरकार के मध्य सम्बंध भी निर्धारित होते हैं।
- विशेष रूप से यह बात ध्यान रहे कि जिन देशों में संविधान है वे लोकतान्त्रिक ही हो यह आवश्यक नही है। लेकिन सभी लोकतान्त्रिक देशों में संविधान अवश्य होता है।

भारतीय संविधान निर्माण के समय ही परिस्थितियाँ:

(i) भारत ब्रिटेन का उपनिवेश था।

(ii) धार्मिक आधार पर देश के विभाजन।

(iii) बड़ी मात्रा में हिंसा; 10 लाख से अधिक लोगों की मौत।

(iv) रिफ्यूजी समस्या (शरणार्थी-आवागमन)

(v) देशी रियासतों का विलय।

- **संविधान सभा:** चुने गए प्रतिनिधियों के वह सभा जो संविधान लिखने का कार्य करती भारतीय संविधान सभा के लिए जुलाई 1946 में चुनाव हुए थे।
- संविधान सभा की पहली बैठक दिसम्बर 1946 में हुई थी।
- भारत का संविधान लिखने वाली संविधान सभा में 299 सदस्य थे। 26 नवम्बर 1949 में पूरा किया गया था।
- भारत का संविधान 26 जनवरी 1950 को लागू हुआ। इसलिए इस दिन को गणतंत्र दिवस के रूप में मनाते हैं।
- डॉ भीम राव अम्बेडकर भारतीय संविधान सभा के प्रारूप समिति के अध्यक्ष थे।
- डॉ राजेन्द्र प्रसाद भारतीय संविधान सभा के अध्यक्ष थे।
- गांधी जी ने 'यंग इंडिया' नामक पत्रिका निकाली थी।

भारत के संविधान की उद्देशिका (प्रस्तावना):

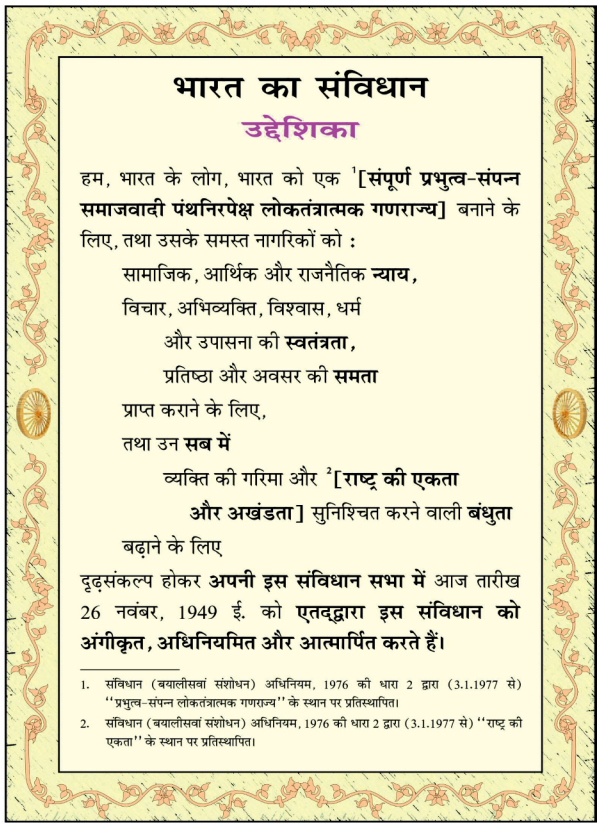

भारत का संविधान

उद्देशिका

हम, भारत के लोग, भारत को एक [1][**संपूर्ण प्रभुत्व-संपन्न समाजवादी पंथनिरपेक्ष लोकतंत्रात्मक गणराज्य**] बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को :

सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक **न्याय,**

विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की **स्वतंत्रता,**

प्रतिष्ठा और अवसर की **समता**

प्राप्त कराने के लिए,

तथा उन **सब में**

व्यक्ति की गरिमा और [2][**राष्ट्र की एकता और अखंडता**] सुनिश्चित करने वाली **बंधुता**

बढ़ाने के लिए

दृढ़संकल्प होकर **अपनी इस संविधान सभा में** आज तारीख 26 नवंबर, 1949 ई. को **एतद्द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।**

---

1. संविधान (बयालीसवां संशोधन) अधिनियम, 1976 की धारा 2 द्वारा (3.1.1977 से) "प्रभुत्व-संपन्न लोकतंत्रात्मक गणराज्य" के स्थान पर प्रतिस्थापित।
2. संविधान (बयालीसवां संशोधन) अधिनियम, 1976 की धारा 2 द्वारा (3.1.1977 से) "राष्ट्र की एकता" के स्थान पर प्रतिस्थापित।

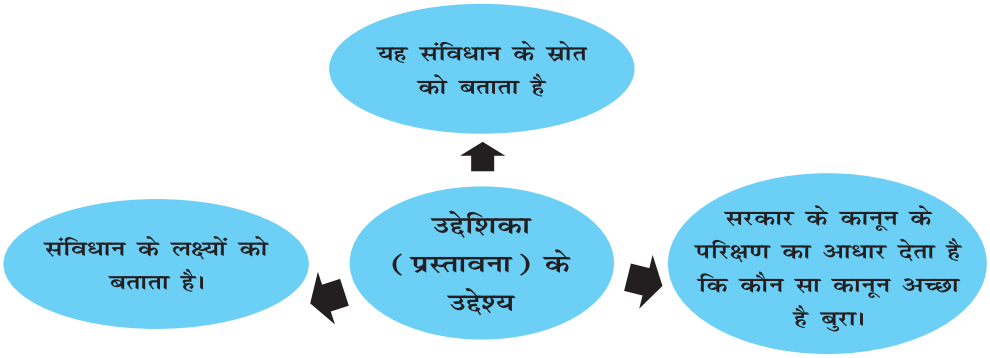

संविधान का दर्शनः

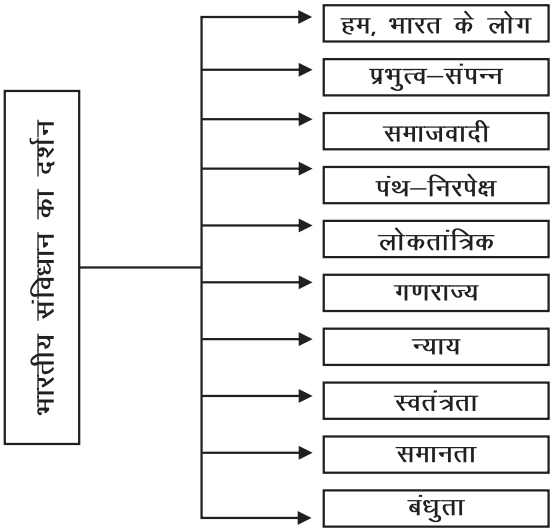

हम, भारत के लोगः इसका अर्थ यह है कि भारत के संविधान का निर्माण जनता ने अपने प्रतिनिधियों के द्वारा किया है ना कि किसी राजा या बाहरी आदमी ने उन्हें दिया है।

प्रभुत्व-सम्पन्नः लोगों को अपने से जुड़े हर फैसले को लेने का पूरा अधिकार है। भारत सरकार को कोई भी बाहरी शक्ति आदेश नहीं दे सकती है।

समाजवादीः समाज में संपत्ति सामूहिक रुप से पैदा होती है और समाज में उसका बंटवारा सामूहिक रुप से ही होना चाहिए। सरकार जमीन और संपत्ति से जुड़े कानून इस तरह बनाये कि सामाजिक और आर्थिक असमानताएं कम हों।

पंथ-निरपेक्षः लोगों को किसी भी धर्म को मानने की पूरी स्वतंत्रता है। भारत का कोई भी अधिकारिक धर्म नहीं है और राज्य सभी धर्मों को समान सम्मान देती है।

लोकतंत्रात्मकः शासन का ऐसा स्वरूप जिसमें लोगों को समान राजनैतिक अधिकार प्राप्त होते हैं। लोग अपने शासन का चुनाव करते हैं और उसे जवाबदेह बनाते हैं।

गणराज्यः शासन का प्रमुख जनता के द्वारा चुना हुआ व्यक्ति होगा न कि किसी वश या राज खानदान का।

न्यायः नागरिकों के साथ उनकी जाति, धर्म या लिंग के आधार पर कोई भेदभाव नहीं किया जा सकता।

स्वतंत्रताः लोगों को अपने विचारों की अभिव्यक्ति की पूरी आजादी है। इस पर कोई पाबन्दी नहीं लगायी जा सकती है।

समानताः कानून के समक्ष सभी लोग समान हैं। पहले से चली आ रही असमानताएं समाप्त की जायेगी। सरकार हर नागरिक को समान अवसर उपलब्ध कराने की व्यवस्था करेगी।

बंधुताः हम सभी ऐसा आचरण करें कि हम सभी एक ही परिवार के सदस्य हो कोई भी नागरिक किसी दूसरे को कमतर न समझे।

1 अंक वाले प्रश्नः

1. नेल्सन मंडेला द्वारा लिखित आत्मकथा का नाम क्या था?
2. नेल्सन मंडेला कितने वर्षों तक जेल में रहे?
3. दक्षिण अफ्रीका गणराज्य का नया झंडा कब लहराया गया?
4. दक्षिण अफ्रीका में किस नेता ने नरली भेदभाव का विरोध किया?
5. **रंगभेद की नीति से क्या तात्पर्य है?**

   (क) आर्थिक शोषण (ख) धार्मिक मतभेद

   (ग) नस्ली भेदभाव (घ) असहयोग

6. **1948 से 1994 तक रंगभेद की नीति किस देश में चलती रही?**

   (क) भारत (ख) रूस

   (ग) दक्षिण अमेरिका (घ) दक्षिण अफ्रीका

7. **किस पार्टी ने दक्षिण अफ्रीका में आजादी की लड़ाई लड़ी?**

(क) रिपब्लिकन पार्टी (ख) साम्यवादी दल

(ग) अफ्रीकी नेशनल कांग्रेस (घ) लोकतान्त्रिक दल

8. निम्नलिखित में से किस औपनिवेशक कानून से भारतीय संविधान ने बहुत से धाराओं को अपनाया?

(क) 1909 का भारत सरकार कानून

(ख) 1935 का भारत सरकार कानून

(ग) 1919 का भारत सरकार कानून

(घ) 1947 का भारत सरकार कानून

9. भारतीय संविधान निर्माण में निम्नलिखित नेताओं और उनकी भूमिका का मिलान कीजिये:

नेता	भूमिका
(क) श्री मोती लाल नेहरू	(i) अध्यक्ष-संविधान सभा
(ख) डा० भीम राव अम्बेडकर	(ii) सदस्य-संविधान सभा
(ग) डा०राजेन्द्र प्रसाद	(iii) अध्यक्ष- प्रारूप कमेटी
(घ) श्रीमति सरोजनी नायडु	(iv) वर्ष 1928 में भारत का संविधान

9. निम्नलिखित रिक्त स्थानों को भरिए:

(क) भारतीय संविधान ..... को तैयार हो गया था।

(ख) भारतीय संविधान ..... को लागू हुआ।

(ग) भारतीय संविधान लिखने वाली सभा में कुल ..... सदस्य थे।

(घ) महात्मा गाँधी जी ने 1931 में संविधान से अपनी अपेक्षा के बारे में ..... पत्रिका में लिखा।

3/5 अंको वाले प्रश्न

1. रंगभेद से क्या तात्पर्य है?
2. दक्षिण अफ्रीका के स्वतंत्रता संग्राम के बारे में लिखे।
3. संविधान के प्रमुख कार्य क्या है?

4. भारतीय संविधान को दिशा देने वाले शब्द पंथ निरपेक्ष गणराज्य लोकतंत्रात्मक बंधुता और समता का अर्थ लिखिए।
5. संविधान क्या है?
6. संविधान क्यों आवश्यक है?
7. संविधान संशोधन से क्या तात्पर्य है?
8. भारतीय संविधान की मुख्य विशेषताएँ क्या है?
9. किसी क्लब, सहकारी संगठन या राजनैतिक दल के लिए लिखित नियम या उनका संविधान होना चाहिए। स्पष्ट करें।

स्त्रोत आधारित प्रश्न

निम्नलिखित अनुच्छेद को पढ़िए और प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

जिस तरह संविधान सभी ने काम किया वह संविधान को एक तरह की पवित्रता और वैधता देता है। संविधान सभा का काम काफी व्यवस्थित खुला और सर्वसम्मति बनाने के प्रयास पर आधारित था। सबसे पहले कुछ बुनियादी सिद्धांत तय किए गए और उन पर सबकी सहमति बनाई गई। फिर प्रारूप कमेटी के प्रमुख डॉ बी आर अंबेडकर ने चर्चा के लिए एक प्रारूप संविधान बनाया। संविधान के प्रारूप की प्रत्येक धारा पर कई-कई दौर में चर्चा हुई। दो हजार से ज्यादा संशोधन पर विचार हुआ। तीन वर्षों में कुल 114 दिनों की गंभीर चर्चा हुई। सभा में पेश हर प्रस्ताव हर शब्द और वहाँ कही गई हर बात को रिकॉर्ड किया गया और संभाला गया। इन्हें 'कांस्टीट्यूएंट असेम्बली डिबेट्स' नाम से 12 मोटे-मोटे खंडो में प्रकाशित किया गया। इन्हीं बहसों से हर प्रावधान के पीछे की सोच और तर्क को समझा जा सकता है। संविधान की व्याख्या के लिए भी इस बहस के दस्तावेजों का उपयोग होता है।

1. सविधान सभा के प्रारूप कमिटी के प्रमुख कौन थे?
2. संविधान बनाने में लगभग कितने वर्ष लगे?
3. संविधान सभा में हुई चर्चा एवं प्रस्तावों को किस नाम से प्रकाशित किया गया?
4. संवैधानिक सभा की बहसों को ..... भागों में प्रकाशित किया गया।

उत्तरमाला

1 अंको वाले प्रश्न के उत्तर

1. 'द लांग वॉक टू फ्रीडम'
2. 28 वर्ष
3. 26 अप्रैल 1994
4. नेल्सन मंडेला
5. (ग) नस्ली भेदभाव
6. (घ) दक्षिण अफ्रीका
7. (ग) आफ्रीकी नेशनल कांग्रेस
8. (ख) 1935 का भारतीय सरकार कानून
9. (क) .....(iv) (ख) .....(iii) (ग) .....(i) (घ) .....(ii)
10. (क) 26 नवम्बर, 1949 (ख) 26 जनवरी, 1950
    (ग) 299 (घ) यंग इंडिया

3/5 अंको वाले प्रश्न के उत्तर

1. रंगभेद:

   रंगभेद नस्ली भेदभाव पर आधारित उस व्यवस्था का नाम है जो दक्षिण अफ्रीका में विशिष्ट तौर पर चलायी गई, दक्षिण अफ्रीका पर यह व्यवस्था यूरोप के गोरे लोगों ने लादी थी।

2. दक्षिण अफ्रीका का स्वतंत्रता संग्राम:
   - 1950 से ही स्वतंत्रता के लिए संघर्ष जारी, 1994 में स्वतंत्रता प्राप्त हुई।
   - यूरोपीय अल्पसंख्यक गोरों की सरकार स्थानीय काले लोगों पर अत्याचार करती रही।
   - दक्षिण अफ्रीकी नेता नेल्सन मंडेला ने रंगभेद से चलने वाली शासन की व्यवस्था के विरुद्ध आवाज उठाई।
   - अफ्रीकी नेशनल कांग्रेस के झंडे तले गोरों के विरुद्ध मजदूर संघटन और कम्युनिस्ट पार्टी भी शामिल।

- 1994 में चुनाव की घोषणा की गई जिसमे लोकप्रिय अफ्रीकी नेता नेल्सन मंडेला की जीत हुई. उन्हें स्वतंत्र दक्षिण अफ्रीका का पहला राष्ट्रपति चुना गया।

3. सविधान के प्रमुख कार्य:
   - विभिन्न तरह के लोगों के बीच जरूरी भरोसा और सहयोग विकसित करना।
   - स्पष्ट करना की सरकार का गठन कैसे होगा और किसे फैसले लेने का अधिकार होगा।
   - सरकार के अधिकारों की सीमा तय करना और नागरिकों के अधिकार बताना।
   - अच्छे समाज के गठन के लिए लोगों की आकांक्षाओं को व्यक्त करना ।
4. भारतीय संविधान को दिशा देने वाले शब्द:
   - **पंथ-निरपेक्ष:** नागरिकों को किसी भी धर्म को मानने की पूरी स्वतंत्रता है, लेकिन कोई धर्म अधिकारिक नहीं।
   - **गणराज्य:** शासन का प्रमुख लोगों द्वारा चुना हुआ व्यक्ति होगा। जो कि देश के नागरिको मे से कोई भी नागरिक हो सकता है।
   - **लोकतंत्रात्मक:** सरकार का एक ऐसा स्वरूप जिसमें लोगों को समान राजनैतिक अधिकार प्राप्त रहते हैं।
   - **समता:** कानून के समक्ष सभी लोग बराबर हैं।
   - **बंधुता:** हम सब ऐसा आचरण करें जैसे कि एक परिवार के सदस्य हो। कोई भी नागरिक किसी दूसरे नागरिक को अपने से कमतर न माने।
5. **संविधान:**
   - संविधान लिखित नियमों की एक ऐसी किताब है जिसे किसी देश में रहने वाले। लोग सामूहिक रूप से मानते हैं।
   - संविधान सर्वोच्च कानून है।
   - संविधान लोगों के बीच आपसी सम्बन्ध तथा लोगों और सरकार के बीच के सम्बन्ध तय करता है।

6. संविधान की आवश्यकता:
   - लोकतान्त्रिक सरकार का निर्माण और उसके कार्य तय करने के लिए।
   - सरकार के विभिन्न अंगों के अधिकार क्षेत्र तय करने के लिए।
   - सरकार को अपनी शक्तियों के दुरुपयोग से रोकने के लिए।
   - नागरिकों के अधिकार सुरक्षित करने के लिए (या अन्य कोई)।
   - अच्छे समाज के गठन के लिए (या अन्य कोई)
7. संविधान संशोधन:

   देश के सर्वोच्च विधायी संस्था द्वारा उस देश के संविधान में किए जाने वाले बदलाव को संविधान संशोधन कहते हैं।
8. भारतीय संविधान की मुख्य विशेषताएँ:
   - संघीय सरकार।
   - संसदात्मक सरकार।
   - प्रमुख संपन्न लोकतांत्रिक गणराज्य।
   - पंथ-निरपेक्ष राज्य।
   - स्वतंत्र और निष्पक्ष न्यायपालिका।
   - मूल अधिकार।
   - राज्य के नीति निर्देशक सिद्धांत।
9. लिखित नियम या संविधान होना चाहिए
   - यह लोगों में भरोसा और सहयोग विकसित करता है।
   - यह अधिकारों और जिम्मेदारियों को तय करता है।
   - सभी लोगों की मान्यता होती है।

केस अध्ययन आधारित प्रश्न

1. डॉ. बी आर अम्बेडकर
2. लगभग 3 वर्ष
3. कॉस्टीट्यूट एसेंबली डिबेट्स
4. 12

अध्याय-3
चुनावी राजनीति

याद रखने योग्य बातें:

- लोकतंत्र में जनमत की बहुत अहम भूमिका होती है उसके आधार पर सरकारों का गठन होता है।
- भारत में जनता प्रत्येक पांच वर्ष में अपने प्रतिनिधि चुनती है जो नीति निर्माण का कार्य करते हैं।
- हर पांच साल के बाद- 'आम चुनाव', निश्चित समय से पूर्व लोकसभा या विधानसभा के भंग होने पर - मध्यावधि चुनाव और किसी क्षेत्र के सदस्य की मृत्यु या इस्तीफे से खाली सीट के लिए - 'उपचुनाव' होता है।
- चुनाव के उद्देश्य से देश को अनेक क्षेत्रों में बाँट लिया गया है. इन्हें निर्वाचन क्षेत्र या सीट कहते हैं।
- लोकसभा में कुल 543 सीटें हैं। अनुसूचित जातियों के लिए 84 और अनुसूचित जनजातियों के लिए 47 सीटें आरक्षित है।
- क्षेत्र के अनुसार देश का सबसे बड़ा लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र लद्दाख और सबसे छोटा चांदनी चौक है।
- मतदान की योग्यता रखने वाले लोगों की सूची को मतदाता सूची (वोटर लिस्ट) कहते हैं। इसे चुनाव से बहुत पहले तैयार किया जाता है। और समय समय पर अद्यतन (Update) भी किया जाता है। 18 वर्ष और उससे ऊपर की आयु वाले सभी नागरिक वोट डाल सकते हैं। यानी मतदान करने की योग्यता रखते हैं। इसे **सार्वभौमिक व्यस्क मताधिकार** कहा जाता है।
- भारत में चुनाव संपन्न कराने का कार्य एक निष्पक्ष व स्वतंत्र इकाई करती है जिसे चुनाव आयोग कहते हैं।

- चुनावी नारे: गरीबी हटाओ-इंदिरा गाँधी, लोकतंत्र बचाओ जनता पार्टी जमीन जोतने वाले को-वामपंथी दल, तेलुगु-तेलुगु देशम पार्टी।

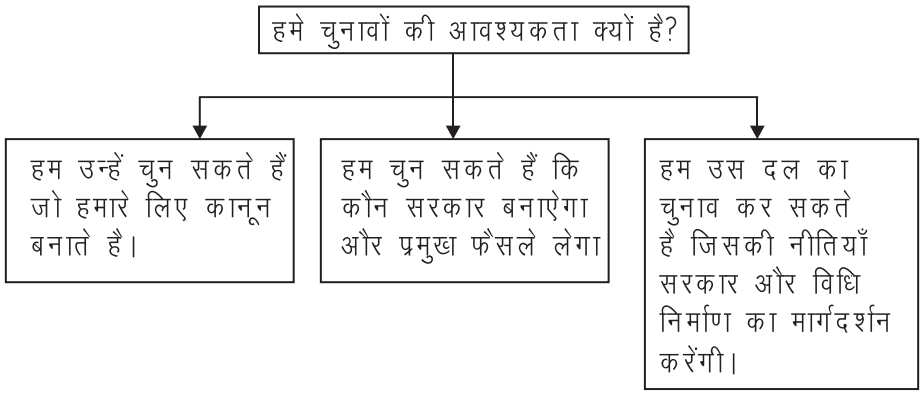

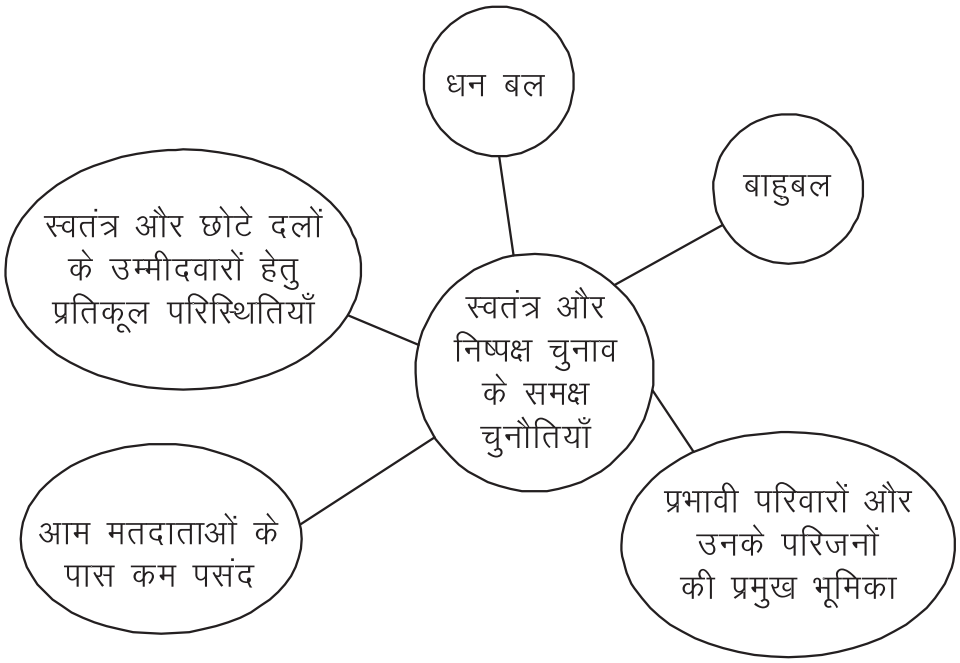

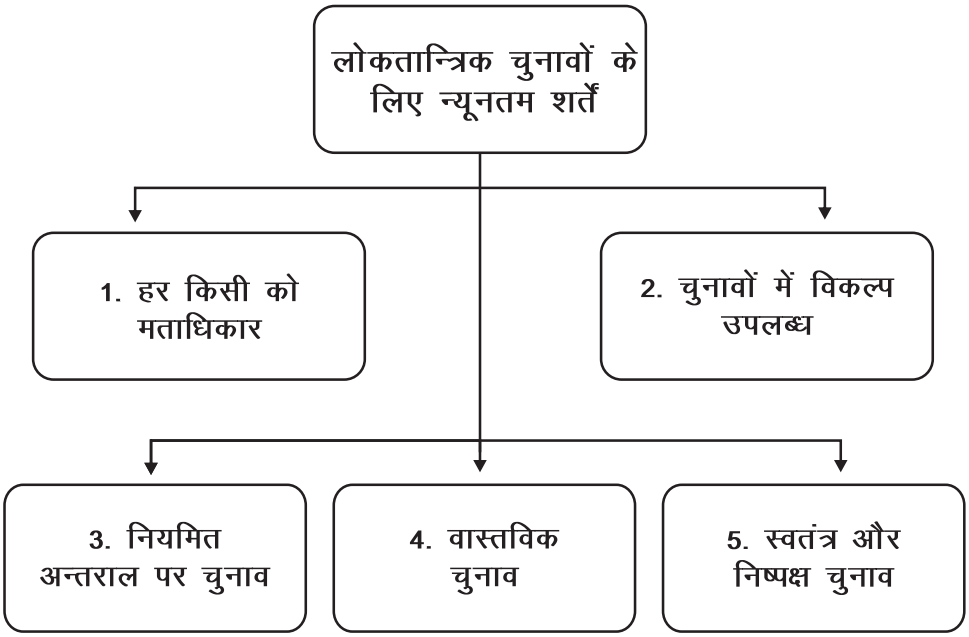
लोकतान्त्रिक चुनावों के लिए न्यूनतम शर्तें
1. हर किसी को मताधिकार
2. चुनावों में विकल्प उपलब्ध
3. नियमित अन्तराल पर चुनाव
4. वास्तविक चुनाव
5. स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव

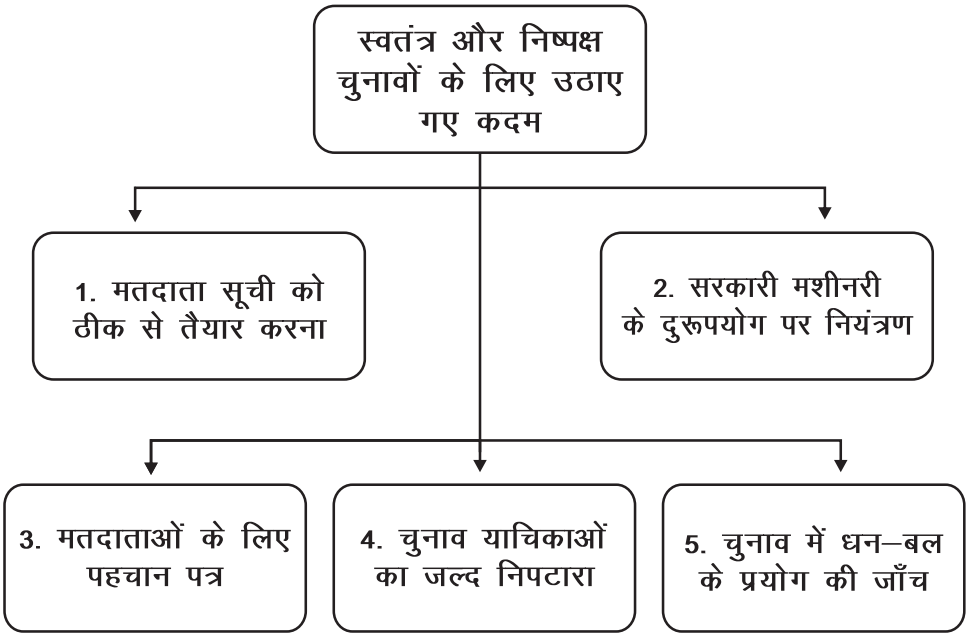
स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनावों के लिए उठाए गए कदम
1. मतदाता सूची को ठीक से तैयार करना
2. सरकारी मशीनरी के दुरूपयोग पर नियंत्रण
3. मतदाताओं के लिए पहचान पत्र
4. चुनाव याचिकाओं का जल्द निपटारा
5. चुनाव में धन–बल के प्रयोग की जाँच

चुनाव में होने वाली संभावित धांधली

- मतदाता सूची में फर्जी नाम डालने और असली नामों को गायब करने की
- शासक दल द्वारा सरकारी सुविधाओं और अधिकारियों के दुरूपयोग की
- अमीर उम्मीदवारों और बड़ी पार्टियों द्वारा बड़े पैमाने पर धन खर्च करने की
- मतदान के दिन चुनाव धांधली। मतदाताओं को डराना और फर्जी मतदान करना।

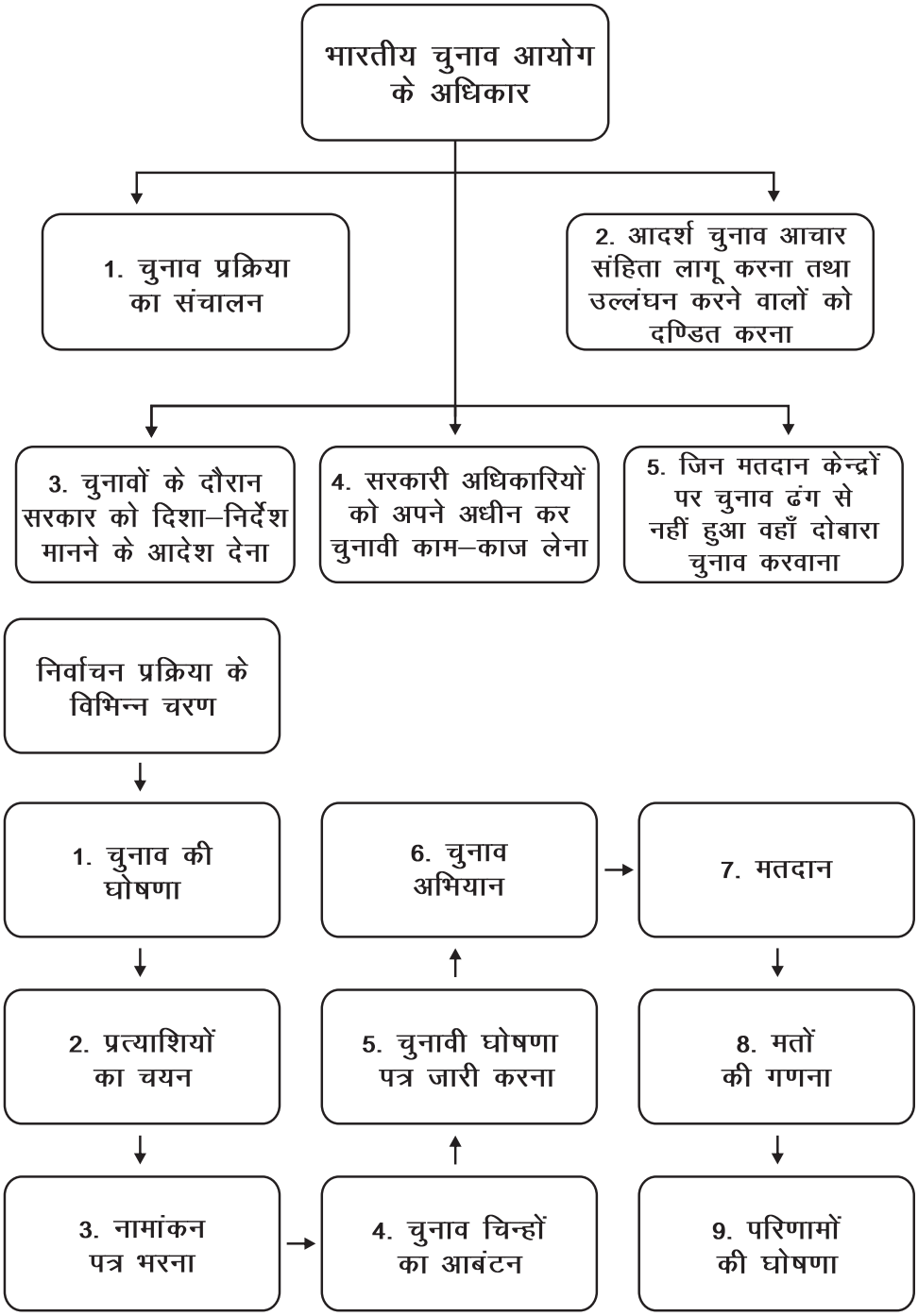
भारतीय चुनाव आयोग के अधिकार
1. चुनाव प्रक्रिया का संचालन
2. आदर्श चुनाव आचार संहिता लागू करना तथा उल्लंघन करने वालों को दण्डित करना
3. चुनावों के दौरान सरकार को दिशा–निर्देश मानने के आदेश देना
4. सरकारी अधिकारियों को अपने अधीन कर चुनावी काम–काज लेना
5. जिन मतदान केन्द्रों पर चुनाव ढंग से नहीं हुआ वहाँ दोबारा चुनाव करवाना
निर्वाचन प्रक्रिया के विभिन्न चरण
1. चुनाव की घोषणा
2. प्रत्याशियों का चयन
3. नामांकन पत्र भरना
4. चुनाव चिन्हों का आबंटन
5. चुनावी घोषणा पत्र जारी करना
6. चुनाव अभियान
7. मतदान
8. मतों की गणना
9. परिणामों की घोषणा

1 अंक वाले प्रश्न

1. निर्वाचन क्षेत्र या सीट किसे कहते हैं?
2. इस समय लोकसभा के चुनाव के लिए कितने निर्वाचन क्षेत्र हैं?
3. मतदाता सूची (वोटर लिस्ट) किसे कहते हैं?
4. मध्यावधि चुनाव से आप क्या समझते हैं?
5. **क्षेत्रफल के अनुसार देश का सबसे बड़ा लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र है।**

   (क) लद्दाख (ख) हैदराबाद

   (ग) पूर्वी मुंबई (घ) गुरदासपुर
6. **क्षेत्रफल के अनुसार देश का सबसे छोटा लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र है।**

   (क) गुरुग्राम (ख) गाजियाबाद

   (ग) चाँदनी चौक (घ) बागपत
7. **सरकारी अधिकारी चुनावों में किस के आदेश का पालन करते हैं?**

   (क) न्यायालय (ख) सरकार

   (ग) संसद (घ) चुनाव आयोग
8. **लोकसभा में अनुसूचित जातियों के लिए कितनी सीटें आरक्षित हैं?**

   (क) 49 (ख) 59

   (ग) 69 (घ) 84
9. **लोकसभा में अनुसूचित जनजातियों के लिए कितनी सीटें आरक्षित है?**

   (क) 31 (ख) 47

   (ग) 51 (घ) 61
10. **निम्नलिखित रिक्त स्थानों को भरिए**

    (क) 'गरीबी हटाओ' नारा ..... ने दिया।

    (ख) 'लोकतंत्र बचाओ' नारा ..... ने दिया।

    (ग) चौधरी देवी लाल ने ..... नामक पार्टी का गठन किया।

    (घ) भारत में आम चुनाव हर ..... साल बाद होते है।

    (ङ) भारत में मतदान के लिए मतदाता की आयु ..... साल निर्धारित है।

11. नीचे दिए गए प्रश्न में दो प्राक्कथन दिए गए हैं एक संकल्पना (स) और दूसरा कारण (क)। कथनों को पढ़िए और सही विकल्प का चयन कीजिए।

संकल्पना (स) हमारा संविधान प्रत्येक नागरिक को अपना प्रतिनिधि चुनने का अधिकार देता है।

कारण (क) कुछ चुनाव क्षेत्र अनुसूचित जाति के लोगों के लिए आरक्षित हैं।

विकल्प

(A) संकल्पना (स) एवं कारण (क) दोनों सही हैं एवं कारण संकल्पना की सही व्याख्या है।

(B) संकल्पना (स) एवं कारण (क) दोनों सही है परंतु कारण सकल्पना की सही व्याख्या नहीं है।

(C) संकल्पना (स) सही है एवं कारण क गलत है।

(D) संकल्पना (स) गलत है परंतु कारण (क) सही है।

3/5 अंको वाले प्रश्न

1. लोकतांत्रिक चुनावों के लिए जरूरी न्यूनतम शर्त क्या है?
2. आम चुनाव और उपचुनाव में क्या अंतर है?
3. राजनीतिक दलों द्वारा अपनाए जाने वाले चुनाव प्रचार की विभिन्न प्रक्रिया का वर्णन कीजिए।
4. भारत में स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं?
5. चुनाव प्रचार की आदर्श आचार संहिता क्या है? इसके मुख्य प्रावधान क्या हैं?
6. चुनावी कानूनों के अनुसार चुनावों के दौरान कोई भी उम्मीदवार या पाटी क्या काम नहीं कर सकती ?
7. भारतीय चुनाव आयोग के अधिकार क्या है?
8. भारतीय चुनाव आयोग के सामने कौन-कौन सी चुनौतियाँ हैं?
9. निर्वाचन प्रक्रिया के विभिन्न चरणों का वर्णन कीजिए।
10. भारतीय चुनावों को लोकतांत्रिक क्यों माना जाता है?

उत्तरमाला

1 अंक वाले प्रश्नों के उत्तर

1. चुनाव के उद्देश्य से देश को उनेक क्षेत्रों में बाँट दिया जाया है. हर कहलाता है।
2. 543
3. मतदान की योग्यता रखने वाले लोगों की सूची।
4. निश्चित समय से पूर्व लोकसभा के भंग होने पर पूरे देश में होने वाले चुनाव।
5. (क) लद्दाख
6. (ग) चाँदनी चौक
7. (घ) चुनाव आयोग
8. (घ) 84
9. (ख) 47
10. (क) इंदिरा गाँधी (ख) जनता पार्टी
    (ग) लोकदल (घ) 5
    (ङ)18
11. (B) संकल्पना (स) एवं कारण (क) दोनों सही है परंतु कारण सकलाना की सही व्याख्या नहीं है।

स्त्रोत आधारित प्रश्न

नीचे दिए गए अनुच्छेद को पढ़िए एवं पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

हमारे संविधान निर्माताओं ने कमजोर वर्गों के लिए आरक्षित निर्वाचन क्षेत्र की विशेष व्यवस्था सोची। इसी कारण कुछ चुनाव क्षेत्र अनुसूचित जातियों के लोगों के लिए आरक्षित हैं तो कुछ क्षेत्र अनुसूचित जनजाति के लोगों के लिए अनुसूचित जाति के लिए आरक्षीत सीट पर केवल अनुसूचित जाति का ही व्यक्ति चुनाव लड़ सकता है। इसी तरह सिर्फ अनुसूचित जनजाति के ही व्यक्ति अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित चुनाव क्षेत्र से चुनाव लड सकते हैं। अभी लोकसभा की 84 सीटें अनुसूचित जातियों के लिए और 47 सीटें अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षित हैं।

(A) आरक्षित निर्वाचन क्षेत्र की व्यवस्था किसके द्वारा की गई?

(B) अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित सीट पर कौन चुनाव लड़ सकता है?

(C) लोकसभा में कुल कितनी आरक्षित सीटें हैं

(D) निर्वाचन क्षेत्र में आरक्षण की व्यवस्था क्यों की गई?

3/5 अंकों वाले प्रश्नों के उत्तर

1. लोकतान्त्रिक चुनावों के लिए जरूरी न्यूनतम शर्त:
   - हर किसी को मताधिकार।
   - चुनावों में विकल्प उपलब्ध।
   - चुनाव का अवसर नियमित अंतराल पर।
   - वास्तविक चुनाव
   - स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव।
2. आम चुनाव और उपचुनाव में अंत:
   - पांच साल बाद सभी चुने हुए प्रतिनिधियों का कार्यकाल समाप्त हो जाता है. लोकसभा और विधानसभाएँ भंग हो जाती है, फिर सभी चुनावी क्षेत्रों में होने वाला चुनाव 'आम चुनाव' कहलाता है।
   - किसी क्षेत्र के सदस्य की मृत्यु या इस्तीफे से खाली हुई सीट के लिए चुनाव उपचुनाव कहलाता है।
3. चुनाव अभियान के विभिन्न माध्यम या साधन:
   - पोस्टर लगाना।
   - सभाएं करना।
   - भाषण देना।
   - जुलूस निकालना।
   - घर-घर जा कर मुलाकात करना।
4. स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए उठाए गए कदम
   - चुनाव से पूर्व मतदाता सूचियों को ठीक करना।
   - सरकारी मशीनरी के दुरूपयोग पर नियंत्रण।

- मतदाताओं के लिए पहचान पत्र।
- चुनाव याचिका का जल्द निपटारा।
- चुनाव में धन-बल के प्रयोग की जाँच।

5. चुनाव अभियान के समय राजनीतिक दलों द्वारा पालन किए जाने वाले नियमों को चुनाव आदर्श आचार संहिता कहा जाता है। मुख्य प्रावधान:
   - चुनाव के प्रचार के लिए किसी धार्मिक स्थल का प्रयोग नहीं किया जाएगा।
   - सरकारी वाहनों, विमानों और सरकारी अधिकारियों का चुनाव प्रचार में उपयोग नहीं किया जाएगा।
   - चुनाव की घोषणा के बाद सरकार द्वारा कोई भी नीतिगत फैसला नहीं लिया जाएगा एवं कोई योजना का शिलान्यास नहीं किया जाएगा।
6. चुनावी कानूनों के अनुसार चुनावों के दौरान कोई भी उम्मीदवार या पार्टी निम्नलिखित काम नहीं कर सकती:
   - मतदाता को प्रलोभन, घूस या धमकी।
   - जाति या धर्म के नाम पर वोट मागना।
   - चुनावी अभियान में सरकारी साधनों का इस्तेमाल।
   - लोकसभा चुनाव में एक क्षेत्र में 25 लाख या विधानसभा क्षेत्र में 10 लाख से ज्यादा खर्च।
   - चुनाव प्रचार के लिए किसी धर्मस्थल का प्रयोग।
7. भारतीय चुनाव आयोग के अधिकार:
   - चुनाव अधिसूचना जारी करने से लेकर नतीजों की घोषणा तक चुनाव प्रक्रिया का संचालन।
   - आदर्श चुनाव आचार सहिता लागू करना तथा उल्लंघन करने वाले उम्मीदवारों और दलों को दण्डित करना
   - चुनावों के दौरान सरकार को दिशा-निर्देश मानने का आदेश देना।
   - सरकारी अधिकारियों को अपने अधीन करके उनसे चुनावी काम-काज लेना।

- जिन मतदान केन्द्रों पर चुनाव ढंग से नहीं हुआ हो वहां दोबारा चुनाव करवाना।

8. भारतीय चुनाव आयोग के सामने चुनौतियाँ:
   - ज्यादा रुपये-पैसे वाले उम्मीदवारों और पार्टियों द्वारा गलत तरीके अपनाने पर रोकथाम।
   - आपराधिक पृष्ठभूमि और संबंधों वाले उम्मीदवारों पर लगाम कसना।
   - पारिवारिक संबंधों की बुनियाद पर टिकट मिलने पर रोकथाम।
   - मतदाता को चुनने के लिए ज्यादा से ज्यादा विकल्प उपलब्ध कराना।
   - छोटे दलों और निर्दलीय उम्मीदवारों की परेशानियों का निपटारा।

9. निर्वाचन प्रक्रिया के विभिन्न चरण:
   - चुनाव की घोषणा।
   - प्रत्याशियों का चयन
   - नामांकन पत्र भरना।
   - चुनाव चिन्हों का आवंटन।
   - राजनीतिक दलों द्वारा चुनावी घोषणा पत्र जारी करना।
   - चुनाव अभियान
   - मतदान
   - मतों की गणना
   - परिणामों की घोषणा।

10. भारतीय चुनावों को लोकतांत्रिक मानने के करण:
    - स्वतंत्र चुनाव आयोग
    - चुनाव में लोगों की बढ़ती भागीदारी
    - चुनाव नतीजों को स्वीकार करना

स्रोत आधारित प्रश्नों के उत्तर

(A) संविधान निर्माताओं द्वारा

(B) अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवार

(C) 131 सीटें

(D) कमजोर वर्गों को प्रतिनिधित्व देने के लिए।

अध्याय-4
संस्थाओं का कामकाज

लोकतांत्रिक देश में सरकार को विभिन्न कार्य करने के लिए विभिन्न व्यवस्थाएं करनी होती हैं। इन व्यवस्थाओं के लिए अलग-अलग संस्थाएं बनाई जाती हैं। संविधान में प्रत्येक संस्था के अधिकारों और कर्तव्यों के बारें में बुनियादी नियमों का वर्णन होता है।

हमारे देश में तीन प्रमुख संस्थाएं हैं- विधायिका, कार्यपालिका, न्यायपालिका

विधायिका: संसद: सभी महत्वपूर्ण नीतिगत फैसलें लेने का कार्य

संसद के तीन अंग हैं:

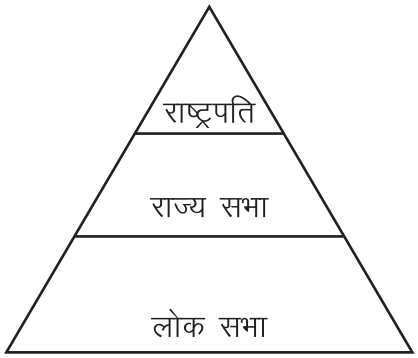

3

- राष्ट्रपति राष्ट्राध्यक्ष होता है और औपचारिक रुप से देश का सबसे बड़ा अधिकारी होता हैं।
- प्रधानमंत्री सरकार का प्रमुख होता है। सरकार की ओर से अधिकांश अधि कारों का इस्तेमाल वही करता है।

  प्रधानमंत्री को लोकसभा के सदस्यों को बहुमत का समर्थन प्राप्त होना जरुरी है।

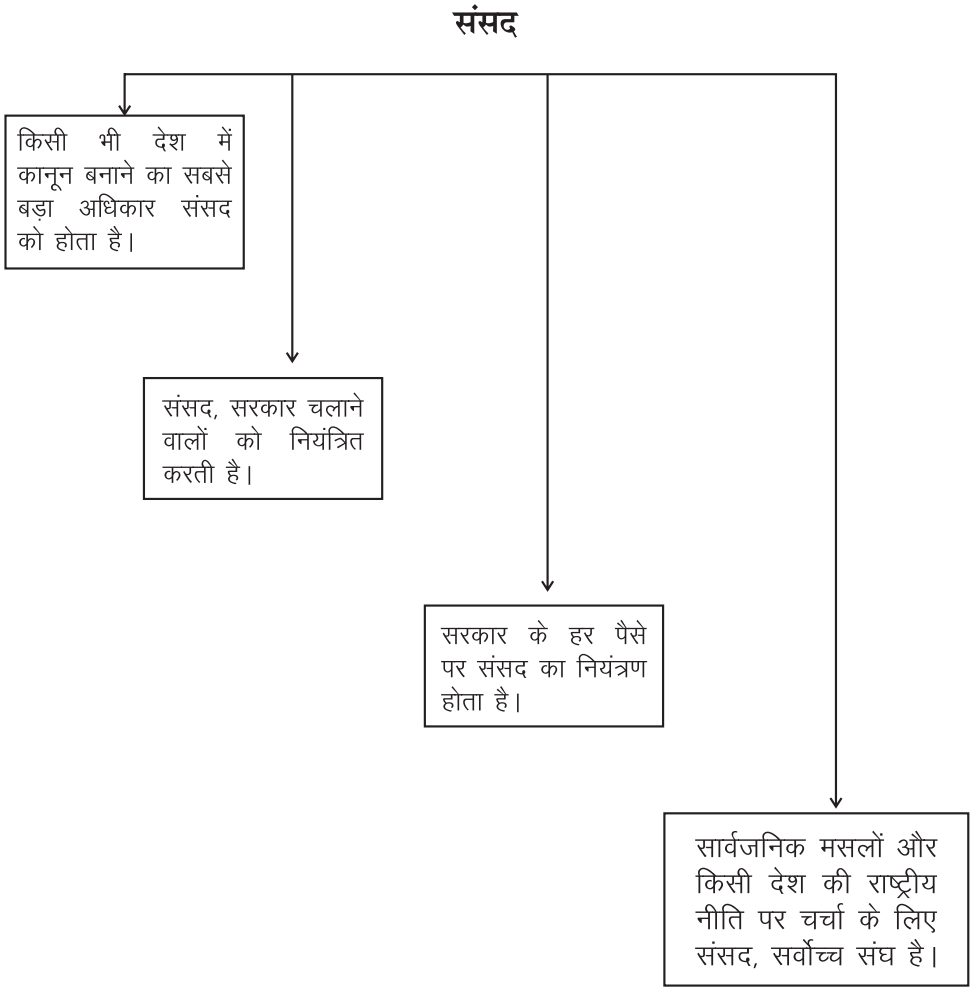

संसद

- किसी भी देश में कानून बनाने का सबसे बड़ा अधिकार संसद को होता है।
- संसद, सरकार चलाने वालों को नियंत्रित करती है।
- सरकार के हर पैसे पर संसद का नियंत्रण होता है।
- सार्वजनिक मसलों और किसी देश की राष्ट्रीय नीति पर चर्चा के लिए संसद, सर्वोच्च संघ है।

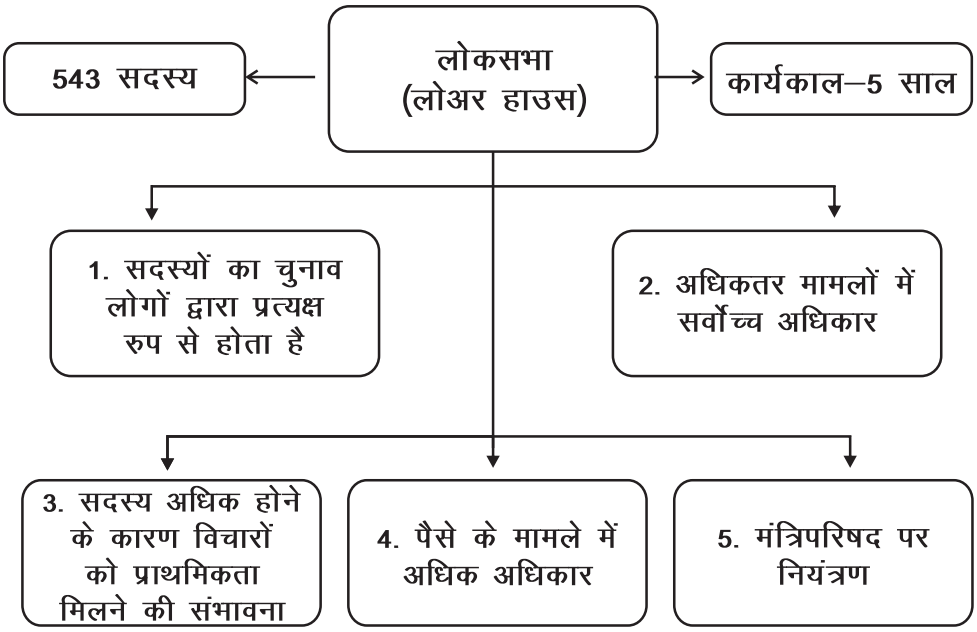
लोकसभा
(लोअर हाउस)
543 सदस्य
कार्यकाल–5 साल
1. सदस्यों का चुनाव लोगों द्वारा प्रत्यक्ष रुप से होता है
2. अधिकतर मामलों में सर्वोच्च अधिकार
3. सदस्य अधिक होने के कारण विचारों को प्राथमिकता मिलने की संभावना
4. पैसे के मामले में अधिक अधिकार
5. मंत्रिपरिषद पर नियंत्रण

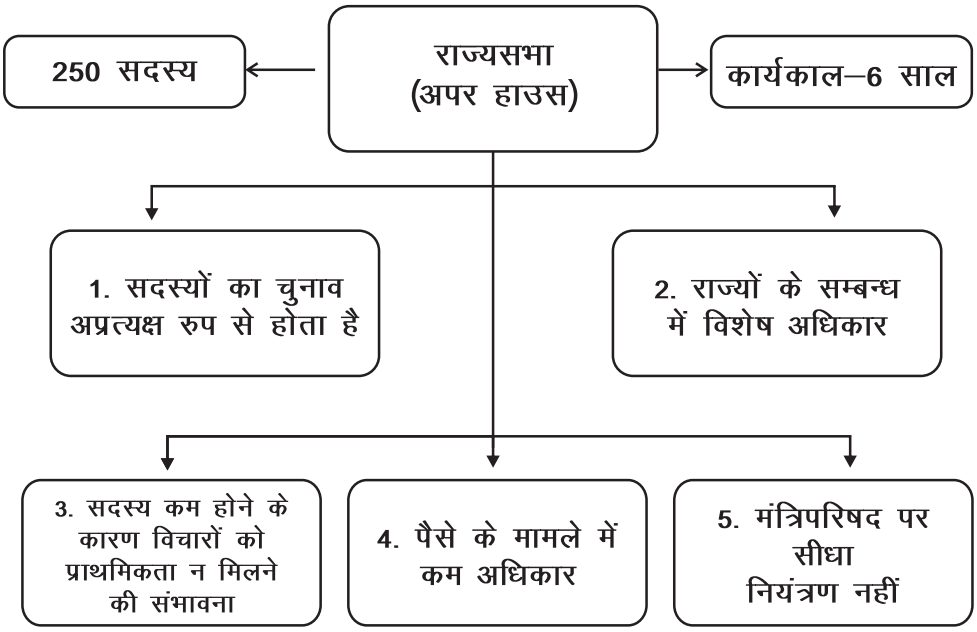
राज्यसभा
(अपर हाउस)
250 सदस्य
कार्यकाल–6 साल
1. सदस्यों का चुनाव अप्रत्यक्ष रुप से होता है
2. राज्यों के सम्बन्ध में विशेष अधिकार
3. सदस्य कम होने के कारण विचारों को प्राथमिकता न मिलने की संभावना
4. पैसे के मामले में कम अधिकार
5. मंत्रिपरिषद पर सीधा नियंत्रण नहीं

कार्यपालिका

किसी भी सरकार के विभिन्न स्तरों पर हमें ऐसे अधिकारी मिलते हैं जो रोजमर्रा के फैसले करते हैं। सभी अधिकारियों को सामूहिक रुप से कार्यपालिका कहते हैं।

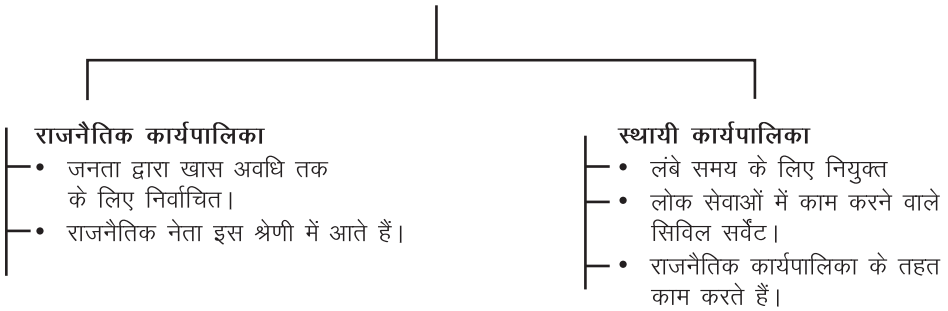

प्रधानमंत्री और मंत्री परिषद

- प्रधानमंत्री सबसे महत्वपूर्ण राजनैतिक पद है।
- राष्ट्रपति लोकसभा में बहुमत वाली पार्टी या पार्टियों के गठबंधन के नेता को ही प्रधानमंत्री नियुक्त करता है।
- राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री की सलाह पर दूसरे मंत्रियों को नियुक्त करते हैं।
- मंत्रि परिषद उस निकाय का सरकारी नाम है जिसमें सारे मंत्री होते हैं।

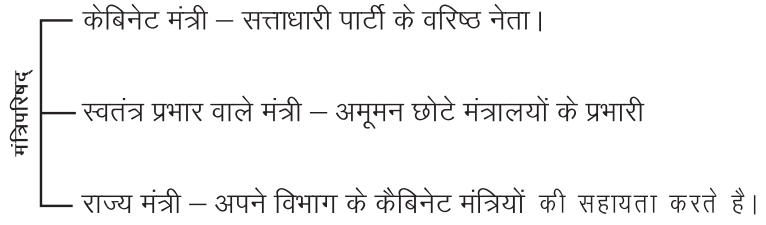

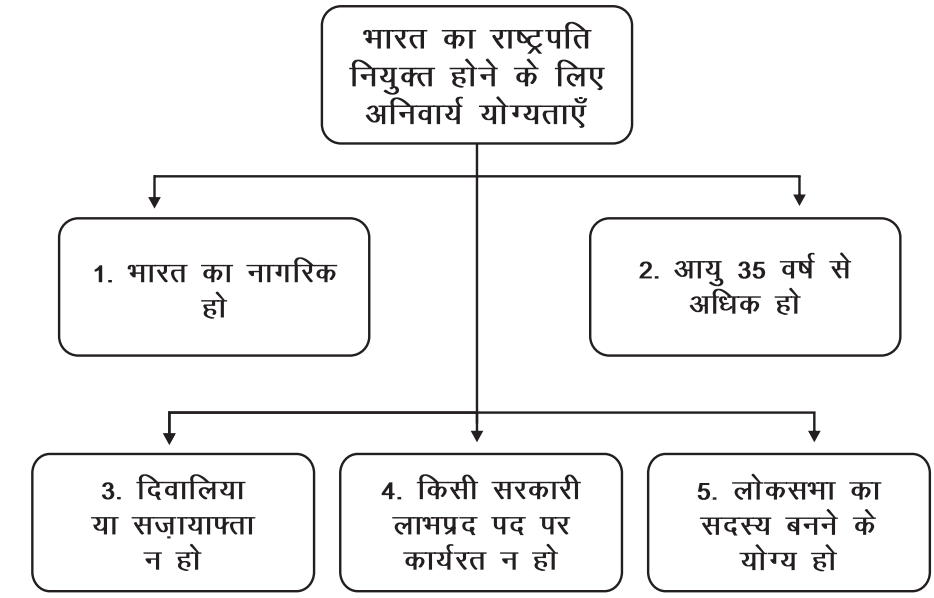
भारत का राष्ट्रपति नियुक्त होने के लिए अनिवार्य योग्यताएँ
1. भारत का नागरिक हो
2. आयु 35 वर्ष से अधिक हो
3. दिवालिया या सज़ायाफ्ता न हो
4. किसी सरकारी लाभप्रद पद पर कार्यरत न हो
5. लोकसभा का सदस्य बनने के योग्य हो

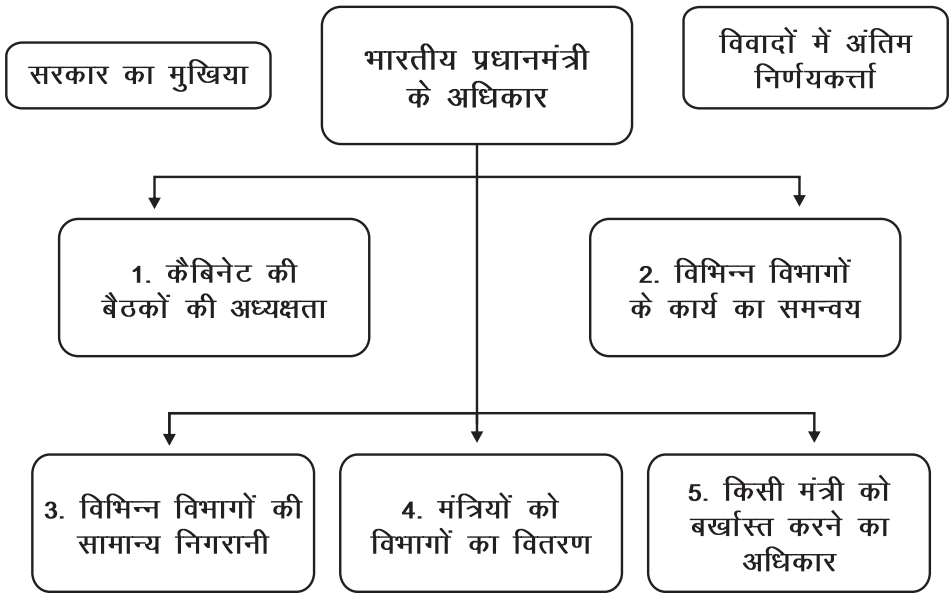
सरकार का मुखिया
भारतीय प्रधानमंत्री के अधिकार
विवादों में अंतिम निर्णयकर्त्ता
1. कैबिनेट की बैठकों की अध्यक्षता
2. विभिन्न विभागों के कार्य का समन्वय
3. विभिन्न विभागों की सामान्य निगरानी
4. मंत्रियों को विभागों का वितरण
5. किसी मंत्री को बर्खास्त करने का अधिकार

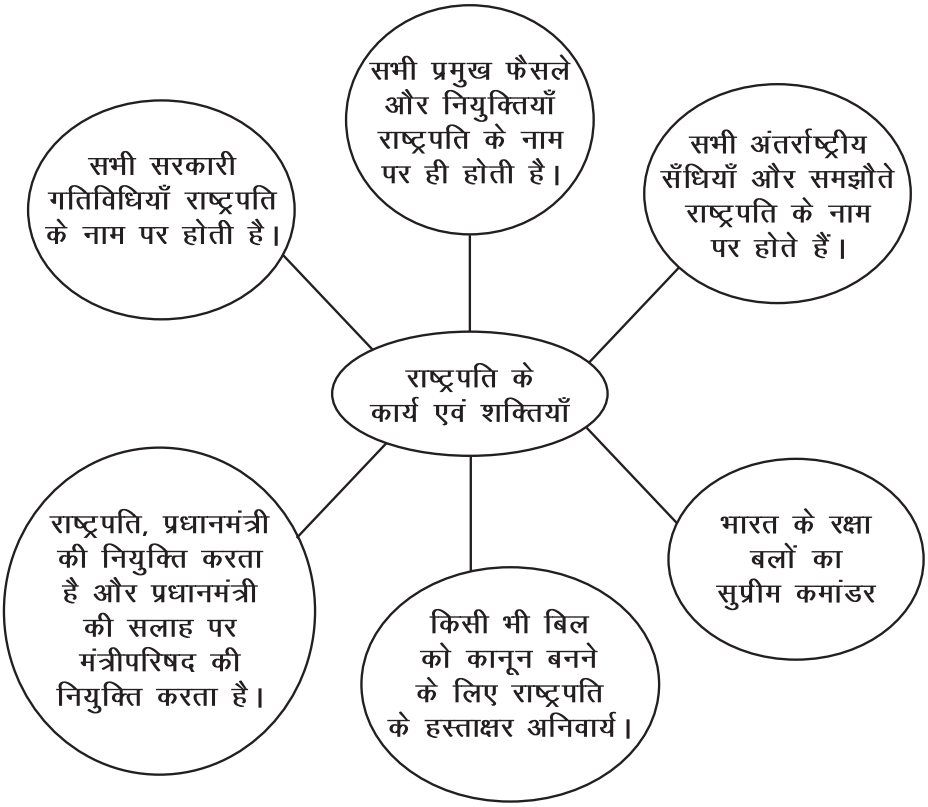

राष्ट्रपति की नियुक्ति प्रत्यक्ष रुप से नहीं होती। संसद सदस्य और राज्य की विधानसभाओं के ससदस्य उसे चुनते हैं।

न्यायपालिका

- भारत में न्यायपालिका एकीकृत है। इसका अर्थ है कि सर्वोच्च न्यायालय देश में न्यायिक प्रशासन को नियंत्रित करता है।

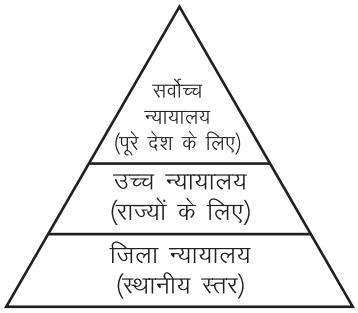

न्यायपालिका की स्वतंत्रता

- न्यायपालिका, विधायिका और कार्यपालिका के नियंत्रण में नहीं है।
- सर्वोच्च और उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा की जाती है। परन्तु नियुक्ति के बाद उसे उसके पद से हटाना लगभग असंभव हो जाता है।
- सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालयों को देश के संविधान की व्याख्या का अधिकार है।
- भारतीय न्यायपालिका के अधिकार और स्वतंत्रता उसे मौलिक अधिकारों के रक्षक के रूप में काम करने की क्षमता प्रदान करते हैं।

न्यायिक समीक्षा: सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालय को देश के संविधान की व्याख्या का अधिकार है। यदि विधायिका का कोई कानून या कार्यपालिका का कोई कार्रवाई सविधान के खिलाफ है तो वे केन्द्र और राज्य के ऐसे कानून को अमान्य घोषित कर सकते हैं।

1 अंको वाले प्रश्न

1. भारत में संसद किसे कहते हैं?
2. राज्य स्तर पर विधायिका को क्या कहते हैं? सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश को किस प्रकार हटाया जा सकता है?
4. गठबंधन सरकार क्या होती है?
5. **राज्य सभा में राष्ट्रपति कितने सदस्य मनोनीत कर सकता है?**

   (क) 6 (ख) 12

   (ग) 18 (घ) 24
6. **भारतीय सेनाओं का मुख्य कमांडर कौन होता है?**

   (क) राष्ट्रपति (ख) प्रधानमंत्री

   (ग) मुख्य सेना अध्यक्ष (घ) गृह मंत्री
7. **राष्ट्रपति मंत्रियों को किस की सिफारिश पर नियुक्त करता है?**

   (क) उपराष्ट्रति (ख) गृह मंत्री

(ग) प्रधान मंत्री (घ) संसद

8. प्रधानमंत्री की नियुक्ति कौन करता है?

(क) राष्ट्रपति (ख) उपराष्ट्रपति

(ग) लोकसभा का अध्यक्ष (घ) गवर्नर

9. देश के वर्तमान संविधान में संशोधन कौन कर सकता है?

(क) राष्ट्रपति (ख) उपराष्ट्रपति

(ग) प्रधानमंत्री (घ) संसद

10. रिक्त स्थानों को भरिए:

(क) भारतीय संसद के निम्न (लोअर) सदन की ..... कहते हैं।

(ख) भारतीय संसद के उच्च (अपर) सदन को ..... कहते हैं।

(ग) भारतीय संसद के निम्न (लोअर) सदन की वर्तमान सीटों की संख्या ..... हैं।

(घ) भारतीय संसद के उच्च (अपर) सदन की वर्तमान सीटों की संख्या ..... हैं।

11. ..... राष्ट्राध्यक्ष होता है और प्रधानमंत्री ..... का प्रमुख होता है।

12. लोकतंत्र, में निर्णय ..... द्वारा लिए जाते हैं, ... द्वारा लागू किये जाते हैं और ..... द्वारा विवादों का निपटारा द्वारा किया जाता है।

13. वाक्य को सही कीजिए:

स्वतंत्र प्रभार राज्य मंत्री, सताधारी पार्टी के वरिष्ठ नेता होते हैं।

14. नीचे दो वाक्य दिए गए हैं- एक संकल्पना (स) और दूसरा कारण (क) कथनों को पढ़िए और सही विकल्प का चयन कीजिए:

संकल्पना (स) सर्वोच्च न्यायालय न्यायिक प्रशासन को नियंत्रित करता है।

कारण (क) यह उच्च न्यायालयों के फैसलों के खिलाफ सुनवाई कर सकता है।

विकल्प:

(a) सकल्पना (स) और दूसरा कारण (क) दोनों सही हैं एवं कारण, संकल्पना की सही व्याख्या है।

(b) सकल्पना (स) और दूसरा कारण (क) दोनों सही हैं लेकिन कारण संकल्पना की सही व्याख्या नहीं है।

(c) संकल्पना (स) सही है एवं कारण (क) गलत है।

(d) संकल्पना (स) गलत है लेकिन कारण (क) सही है।

3/5 अंको वाले प्रश्न

1. अन्य पिछड़ी जाति आयोग किस की अध्यक्षता में और कब गठित हुआ? यह पूरी तरह कब लागू हुआ?
2. कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र प्रभार राज्यमंत्री और राज्यमंत्री में क्या अंतर है?
3. राजनैतिक व स्थायी कार्यपालिका में अंतर स्पष्ट कीजिये।
4. न्यायपालिका किसे कहते हैं? इसके क्या अधिकार हैं?
5. भारत के विभिन्न स्तर के न्यायालयों के नाम लिखिए?
6. संसद का सदस्य चुने जाने के लिए कौन- कौन सी योग्यताए अनिवार्य है?
7. भारत का राष्ट्रपति नियुक्त होने के लिए कौन-कौन सी योग्यताएं अनिवार्य है?
8. संसद के राजनैतिक अधिकार क्या है?
9. भारतीय प्रधानमंत्री के क्या अधिकार है?
10. लोकसभा और राज्यसभा में क्या अंतर है?

स्रोत आधारित प्रश्न (4 अंक)

लोकतंत्र में संसद बड़ी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती है। हमारे देश में संसद के दो सदन है। दोनों सदनों में एक को राज्यसभा (काउंसिल ऑफ स्टेट्स) और दूसरे को लोकसभा (हाउस ऑफ पीपल) के नाम से जाना जाता है। भारत का राष्ट्रपति संसद का हिस्सा होता है। हालांकि यह दोनों में से किसी भी सदन का सदस्य नहीं होता। इसलिए संसद के फैसले राष्ट्रपति की मंजूरी के बाद भी लागू होते हैं।

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

1. हमारे देश में संसद के ..... सदन हैं।
2. लोक सभा को कहा जाता है:
   (a) अपर हाउस
   (b) काउंसिल ऑफ स्टेट्स
   (c) हाउस ऑफ पीपल
   (d) उपरोक्त में से कोई नहीं
3. लोकसभा और राज्यसभा के अलावा, ... भी संसद का हिस्सा होता है।
4. संसद के फैसले किसकी मंजूरी के बाद ही लागू होते हैं?

उत्तरमाला

1 अंक वाले प्रश्नों के उत्तर

1. भारत में निर्वाचित सदस्यों की राष्ट्रीय सभा को संसद कहते हैं।
2. विधान सभा।
3. दोनों सदनों में अलग-अलग दो तिहाई बहुमत से अविश्वास प्रस्ताव पारित करके।
4. दो या दो से अधिक राजनैतिक दलों द्वारा मिल कर बनायी गई सरकार।
5. (ख) 12
6. (क) राष्ट्रपति
7. (ग) प्रधानमंत्री
8. (क) राष्ट्रपति
9. (घ) संसद
10. (क) लोकसभा
    (ख) राज्य सभा
    (ग) 543
    (घ) 250

11. राष्ट्रीय, सरकार
12. विधायिका, कार्यपालिका, न्यायपालिका
13. कैबिनेट मंत्री सत्ताधारी पार्टी के वरिष्ठ नेता होते हैं।
14. (a)

3/5 अंको वाले प्रश्न के उत्तर

1. अन्य पिछड़ी जाति आयोग:
   - 1979 में गठित।
   - अध्यक्ष बी. पी. मंडल।
   - 8 सितम्बर 1993 में पूरी तरह लागू।
2. कैबिनेट मंत्री, स्वतंत्र प्रभार राज्यमंत्री और राज्यमंत्री में अंतर:
   - प्रमुख मंत्रालयों के प्रभारी कैबिनेट मंत्री।
   - छोटे मंत्रालयों के प्रभारी स्वतंत्र प्रभार राज्य मंत्री
   - अपने विभाग के कैबिनेट मंत्रियों से जुड़े सहायक मंत्री राज्य मंत्री
3. राजनैतिक व स्थायी कार्यपालिका में अंतर:
   - जनता द्वारा खास अवधि के लिए निर्वाचित लोगों को राजनैतिक कार्यपालिका कहते हैं।
   - विभिन्न प्रक्रियाओं द्वारा लम्बे समय के लिए नियुक्त लोगों को स्थायी कार्यपालिका कहते हैं। उदाहरण सिविल सर्वेंट
   - यह अधिकारी राजनैतिक कार्यपालिका के तहत काम करते है।
4. न्यायपालिका और इसके अधिकार:
   - न्यायपालिका सवैधानिक संत्वा होती है।
   - इसके पास न्याय करने का अधिकार और
   - कानूनी विवादों के निपटारे का अधिकार होता है।
   - न्यायिक समीक्षा का अधिकार।
5. भारत के विभिन्न स्तर के न्यायालयों के नाम:
   - पूरे देश के लिए सर्वोच्च न्यायालय ।
   - राज्यों में उच्च न्यायालय ।

- जिला न्यायालय और स्थायी स्तर के न्यायालय।

6. संसद का सदस्य चुने जाने के लिए अनिवार्य योग्यताएं:
   - भारत का नागरिक हो।
   - सरकार के अंतर्गत किसी लाभप्रद पद पर कार्यरत न हो।
   - दिवालिया या सजायाफ्ता न हो।
7. भारत का राष्ट्रपति नियुक्त होने के लिए अनिवार्य योग्यताएं
   - भारत का नागरिक हो।
   - चुनाव के वक्त आयु 35 वर्ष से अधिक।
   - दिवालिया या सजायाफ्ता न हो।
   - सरकार के अंतर्गत किसी लाभप्रद पद पर कार्यरत न हो।
   - लोकसभा का सदस्य बनने के योग्य हो।
8. संसद के राजनैतिक अधिकार:
   - कानून बनाने, संशोधन करने तथा पुराने कानून के स्थान पर नये कानून बनाने का अधिकार।
   - सरकार चलाने वालों को नियंत्रित करने का अधिकार ।
   - सरकार के हर पैसे पर नियंत्रण का अधिकार।
   - सार्वजनिक मामलों व राष्ट्रीय नीति पर चर्चा का अधिकारं
9. भारतीय प्रधानमंत्री के अधिकार:
   - कैबिनेट की बैठकों की अध्यक्षता।
   - विभिन्न विभागों के कार्य का समन्वय।
   - विभिन्न विभागों की सामान्य निगरानी।
   - मंत्रियों के कामों का वितरण।
   - किसी मंत्री को बर्खास्त करने का अधिकार
10. लोकसभा और राज्यसभा में अंतर:
    - लोकसभा के सदस्यों का चुनाव लोगों द्वारा प्रत्यक्ष के रूप से होता है।
    - राज्यों के संबंध में राज्यसभा को कुछ विशेष अधिकार दिए गए हैं लेकिन अधिकतर मसलों पर सर्वोच्च अधिकार लोकसभा के पास ही है।

- संयुक्त अधिवेशन में लोकसभा के सदस्य अधिक होने के कारण लोकसभा के विचार को प्राथमिकता मिलने की संभावना रहती है।
- लोकसभा पैसे के मामले में अधिक अधिकारों का प्रयोग करती है।
- लोकसभा मंत्रिपरिषद् को नियंत्रित करती है। राज्यसभा को यह अधिकार नहीं।

स्रोत आधारित प्रश्न (4 अंक)

1. दो
2 (c) हाउस ऑफ पीपल
3. राष्ट्रपति
4. राष्ट्रपति

अध्याय-5
लोकतान्त्रिक अधिकार

याद रखने योग्य बातें:

- अधिकार लोगों को प्रदान किए जाने वाले ये तार्किक दायें हैं जिन्हें समाज से स्वीकृति और अदालतों द्वारा मान्यता मिली होती है। लोकतंत्र की स्थापना के लिए अधिकारों का होना जरूरी है।

मौलिक अधिकार

समानता का अधिकार

अनुच्छेद 14: विधि के समक्ष समानता यानि सभी व्यक्तियों के लिए कानून समान रूप से लागू होता है।

अनुच्छेद 15: सरकार द्वारा व्यक्तियों से किसी भी आधार पर भेदभाव नहीं करना।

अनुच्छेद 16 अवसर की समानता यानि सरकारी रोजगारों को प्राप्त करने में समान अवसर मिलना।

अनुच्छेद 17: अस्पृश्यता का अंत यानि समाज में छुआछूत को समाप्त करना।

अनुच्छेद 18: उपाधियों का अंत सेना या विद्या सबधी सम्मान के अलावा अन्य उपाधियाँ प्रदान करना।

स्वतंत्रता का अधिकार

अनुच्छेद19: वाक् स्वतन्त्र्य आदि कुछ अधिकारो का संरक्षण

- अभिव्यक्ति
- शांतिपूर्ण ढंग से एकत्र होना
- संगठन और संघ बनाना
- देश में कहीं भी आना-जाना
- व्यवसाय की स्वतंत्रता

- देश में कहीं भी रहना या बसना

अनुच्छेद 20: अपराधों के लिए दोषसिद्धि के सम्बन्ध में संरक्षण

- एक अपराध के लिए सिर्फ एक बार लजा
- स्वयं के विरूद्ध गवाही देने के लिए बाध्य नहीं करना।

अनुच्छेद 21: प्राण और दैहिक स्वतंत्रता का संरक्षण प्रदान करना।

अनुच्छेद 21: (क) शिक्षा का अधिकार 6 से 14 वर्ष के सभी बच्चों को मुफ्त व अनिवार्य शिक्षा प्रदान करना।

अनुच्छेद 22: कुछ दशाओं में गिरफ्तारी और निरोध से संरक्षण।

- अधिकारों के बिना जीवन से सम्बन्धित कुछ वास्तविक

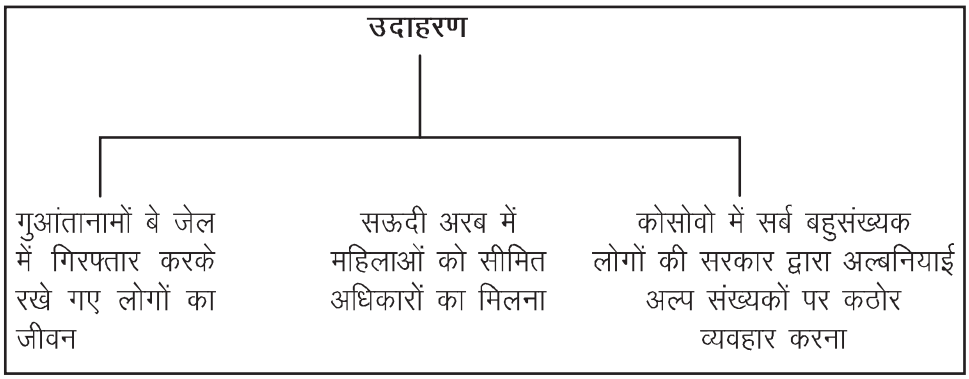

लोकतंत्र में अधिकारों की आवश्यकता

- बहुसंख्यकों के दमन से अल्पसंख्यकों की रक्षा
- सरकार के अनुचित कानूनों पर प्रतिबंध रखना।
- लोकतांत्रिक चुनाव प्रक्रिया को मजबूत करने के लिए।

शोषण के विरुद्ध अधिकार

अनुच्छेद 23: मानव के खरीदने व बेचने पर रोक लगाना और किसी भी तरह की बेगार थ जबरन काम कराने पर रोक

अनुच्छेद 24: बाल मजदूरी पर रोक लगाना यानि किसी भी कारखाने, खदान बंदरगाह या अन्य किसी भी खतरनाक काम में 14 वर्ष से कम उम्र के बच्चों से काम नहीं कराया जा सकता

धर्म की स्वतंत्रता का अधिकार

अनुच्छेद 25: अपना धर्म मानने उस पर आचरण करने और उसका प्रचार करने की स्वतंत्रता।

अनुच्छेद 26 धार्मिक संस्थाओं की स्थापना व पोषण करने व उनके स्वामित्व और प्रशासन की स्वतंत्रता।

अनुच्छेद 27: किसी विशिष्ट धर्म की अभिवृद्धि के लिए कर नहीं लगाया जा सकता।

अनुच्छेद 28: राज्य द्वारा संचालित शिक्षा संस्थाओं में धार्मिक शिक्षा या धार्मिक उपासना में उपस्थित होने के बारे में स्वतंत्रता

संस्कृति और शिक्षा सम्बन्धी अधिकार

अनुच्छेद 29: अल्पसंख्यक वर्ग की अपनी भाषा लिपि और संस्कृति को सुरक्षित रखने का अधिकार

अनुच्छेद 30: अपनी पसंद के शैक्षणिक संस्थाओं की स्थापना व उनके प्रशासन का अधिकार

भारतीय संविधान में अधिकार

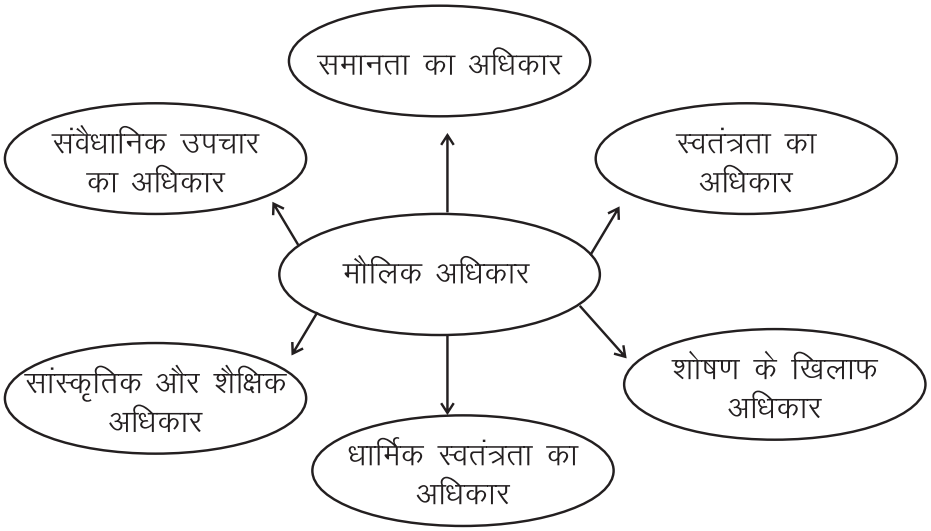

- **संवैधानिक उपचारों का अधिकार:** सर्वोच्च न्यायालय या उच्च न्यायालय को मौलिक अधिकारों को लागू कराने के मामले में निर्देश देने, आदेश या रिट जारी करने का अधिकार है जो निम्नलिखित है:
  1. **बंदी प्रत्यक्षीकरण:** बंदी बनाए गए व्यक्ति को न्यायालय के सामने प्रस्तुत करना और उसकी बेगुनाही की जाँच करवाना
  2. **परमादेश:** पदाधिकार को कर्तव्य पालन करवाने के लिए आदेश देना।
  3. **प्रतिषेध लेख:** अधिनस्थ न्यायालयों को उच्च-न्यायालयों सम्बंधित न्यायिक कार्यों को करने से रोकना।
  4. **उत्प्रेक्षण लेख:** अधीनस्थ न्यायालयें को अपनी अधिकारिता का उल्लंघन करने से रोकना।
  5. **अधिकार पृच्छा लेख:** असंवैधानिक रुप से पद ग्रहण करने पर यह आदेश जारी होता है।
- डॉ. भीमराव अम्बेडकर ने इस संवैधानिक उपचार के अधिकार को भारतीय संविान की आत्मा और हृदय कहा है।
- राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग का गठन 12 अक्टूबर 1993 को हुआ था। यह आयोग, मानव अधिकारों के संरक्षण एवं संवर्द्धन के प्रति भारत की प्रतिबद्धता की प्रतीक है।

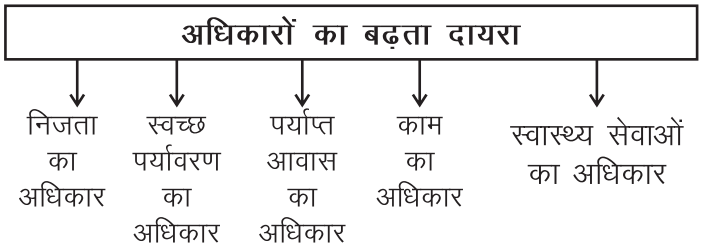

1 अंकों वाले प्रश्न

1. अधिकार शब्द का क्या अर्थ है?
2. धर्मनिरपेक्ष शासन से क्या तात्पर्य है?
3. समानता के अधिकार से आप क्या समझते हैं?

4. शिक्षा के अधिकार से क्या अभिप्राय है?

5. नागरिकों के मौलिक अधिकारों की रक्षा कौन करता है?

(क) नागरिक स्वयं (ख) गृह मंत्रालय

(ग) रक्षा मंत्रालय (घ) न्यायालय

6. सूचना का अधिकार क्या है?

(क) सरकार को कोई सूचना देने का अधिकार

(ख) सरकारी दफ्तरों से सूचना पाने का अधिकार

(ग) निजी दफ्तरों को कोई सूचना देने का अधिकार

(घ) निजी दफ्तरों से सूचना पाने का अधिकार

7. वह कौन-सा देश है जहाँ अगर कोई व्यक्ति या उस पर आश्रित व्यक्ति अपने आप को पाल नहीं सकता तो सरकार उसको आर्थिक सहायता देगी?

(क) मिस्र (ख) पाकिस्तान

(ग) डेनमार्क (घ) स्पेन

8. मानव अधिकार दिवस कब मनाया जाता है?

(क) 19 अक्टूबर (ख) 10 दिसम्बर

(ग) 26 जनवरी (घ) 15 अगस्त

स्रोत आधारित प्रश्न

नीचे दिए गए स्रोत को पढ़े और निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दें

लोकतंत्र की स्थापना के लिए अधिकारों का होना जरूरी है। लोकतंत्र में हर नागरिक को चोट देने और चुनाव लड़कर प्रतिनिधि चुने जाने का अधिकार है। लोकतात्रिक चुनाव हो इसके लिए लोगों को अपने विचारों को व्यक्त करने की राजनैतिक पार्टी बनाने और राजनैतिक गतिविधियों की आजादी का होना जरूरी है। लोकतंत्र में अधि कारों की एक खास भूमिका भी है। अधिकार बहुसंख्यकों के दमन से अल्पसंख्यकों की रक्षा करते हैं। ये इस बात की व्यवस्था करते हैं कि बहुसंख्यक किसी लोकतांत्रिक व्यवस्था में मनमानी न करें। अधिकार स्थितियों के बिगड़ने पर एक तरह की गारंटी जैसे हैं। अगर कुछ नागरिक दूसरों के अधिकारों को हड़पना चाहें तो स्थिति बिगड़ सकती है। यह स्थिति आम तौर पर तब आती है जब बहुमत के लोग अल्पमत में आ

गए लोगों पर प्रभुत्व कायम करना चाहते हैं। ऐसी स्थिति में सरकार को नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करनी चाहिए। लेकिन कई बार चुनी हुई सरकार भी अपने ही नागरिकों के अधिकारों पर हमला करती है। या संभव है, वह नागरिक के अधिकारों की रक्षा न करे। इसलिए कुछ अधिकारों को सरकार से भी ऊँचा दर्जा दिए जाने की जरूरत है ताकि सरकार भी उनका उल्लंघन न कर सके। अधिकांश लोकतांत्रिक शासन व्यवस्थाओं में नागरिक के अधिकार संविधान में लिखित रूप से दर्ज होते हैं।

सही विकल्प का चयन करें

1. किसी शासन की स्थापना के लिए अधिकारों का होना जरूरी है?
   (a) राजतंत्र (b) सैनिक सत्र
   (c) साम्यवाद (d) लोकतंत्र
2. अधिकार क्यों आवश्यक है?
3. रिक्त स्थान भरें:
   सरकार को ..... के अधिकारों की रक्षा करनी चाहिए।
4. किन्हीं दो अधिकारों को बताएँ।

निम्नलिखित का मिलान कीजिए:

(i) अपने धर्म का प्रचार करने की स्वतंत्रता	(क) संवैधानिक उपचार का अधिकार
(ii) छुआछूत की समाप्ति	(ख) स्वतंत्रता का अधिकार
(iii) बेगार पर प्रतिबन्ध	(ग) समानता का अधिकार
(iv) देश में कहीं भी आने जाने की आजादी	(घ) धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार
(v) अपनी भाषा और संस्कृति बचाने का	(ङ) शोषण के विरूद्ध का अधिकार
(vi) मौलिक अधिकारों के उल्लंघन होने पर अदालत से अधिकारों की मांग करना	(च) सांस्कृतिक और शैक्षिक अधिकार

लघु/दीर्घ प्रश्न (3/5 अंक)

1. भारत में हर नागरिक को कौन-से मौलिक अधिकार हासिल हैं?
2. समानता के अधिकार को स्पष्ट कीजिए।
3. स्वतंत्रता के अधिकार के अंतर्गत कौन-कौन सी स्वतंत्रताएँ आती है?
4. शोषण के खिलाफ अधिकार का वर्णन कीजिए।
5. धार्मिक स्वतंत्रता के अधिकार का संक्षिप्त वर्णन कीजिए।
6. सांस्कृतिक और शैक्षिक अधिकार को स्पष्ट कीजिये।
7. संवैधनिक उपचार के अधिकार का क्या अर्थ है। 8
8. दक्षिण अफ्रीका के संविधान में नागरिकों को कौन-से नए अधिकार मिले हैं?
9. निम्नलिखित उदाहरणों में किस मौलिक अधिकार का हनन हो रहा है.

(क) 14 साल से कम उम्र के बच्चों से कारखाने में काम करवाना।

(ख) रमेश के गाँव में लोगों को वोट देने से रोकना ।

(ग) राहुल के गाँव में लोगों को वोट देने से रोकना।

(घ) बिहार से मुम्बई गये वरुण को वहां घर बनाने से रोकना।

(ड) तमिलनाडु के एक गाँव में एक महिला को गाँव के तालाब से पानी भरने से रोकना।

10. भारत के संविधान में मौलिक अधिकारों को किस तरह से सुरक्षित किया गया है?

अथवा

न्यायपालिका मौलिक अधिकारों की किस तरह से रक्षा करती है?

1 अंक वाले प्रश्नों के उत्तर

1. अधिकार लोगों के तार्किक दावे हैं, इन्हें समाज से स्वीकृति और आदलतों से मान्यता मिली होती है।
2. सरकार किसी धर्म को अधिकारिक धर्म की मान्यता नहीं देती।

3. धर्म, मूलवंश, जाति, लिंग या जन्मस्थान के आधार पर किसी से भेदभाव न करना।
4. 6 से 14 साल तक सभी बच्चों को मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा प्रदान करना सरकार का उत्तरदायित्व है।
5. (घ) न्यायालय
6. (ख) सरकारी दफ्तरों से सूचना पाने का अधिकार
7. (ग) डेनमार्क
8. (ख) 10 दिसम्बर
9. (i) (घ) (ii) (ग) (iii) (ङ) (iv) (ख) (v) (च) (vi) (क)

3/5 अंक वाले प्रश्नों के उत्तर

1. भारत में हर नागरिक को हासिल मौलिक अधिकार :
   (क) समानता का अधिकार ।
   (ख) स्वतंत्रता का अधिकार ।
   (ग) धार्मिक स्वतन्त्रता का अधिकार।
   (घ) शैक्षिक व सांस्कृतिक अधिकार ।
   (ङ) शोषण के खिलाफ अधिकार।
   (च) संवैधानिक उपचारों का अधिकार
2. समानता का अधिकार:
   - सरकार किसी से भी उसके धर्म, जाति, समुदाय, लिंग और जन्म स्थल के आधार पर भेदभाव नहीं कर सकती।
   - दुकान, होटल और सिनेमा घरों जैसे सार्वजनिक स्थलों में किसी के प्रवेश को रोका नहीं जा सकता।
   - सरकार में किसी पद पर नियुक्ति के मामले में सभी नागरिकों के लिए अवसर की समानता।
   - किसी व्यक्ति का दर्जा या पद चाहे जो हो सब पर कानून समान रूप से लागू होता है।

- कोई भी व्यक्ति कानूनी रूप से अपने पद या जन्म के आधार पर विशेष अधिकार का दावा नहीं कर सकता।

3. स्वतंत्रता के अधिकार के अंतर्गत स्वतंत्रताएं:
   - अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता
   - शांतिपूर्ण ढंग से जमा होने की स्वतंत्रता।
   - देश में कहीं भी आने जाने की स्वतंत्रता।
   - देश के किसी भी भाग में रहने-बसने की स्वतंत्रता।
   - कोई भी काम करने धंधा करने या पेशा करने की स्वतंत्रता।
4. शोषण के खिलाफ अधिकार:
   - संविधान मनुष्य जाति के अवैध व्यापार को मना करता है।
   - संविधान किसी किस्म के बेगार या जबरन काम लेने को मना करता है।
   - संविधान बाल मजदूरी को मना करता है।
5. धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार:
   - हर किसी को अपना धर्म मानने उस पर आचरण करने और उसका प्रचार करने का अधिकार।
   - हर धार्मिक समूह को अपने धार्मिक कामकाज के प्रबंधन की आजादी हैं।
   - अपने धर्म का प्रचार करने के अधिकार का मतलब किसीको झाँसा या लालच दे कर उसका धर्म परिवर्तन कराना नहीं है।
6. सांस्कृतिक और शैक्षिक अधिकार:
   - नागरिकों में विशिष्ट भाषा या संस्कृति वाले किसी भी समूह को अपनी भाषा और संस्कृति बचाने का अधिकार है।
   - किसी भी सरकारी या सरकारी अनुदान पाने वाले शैक्षिक संस्थान में किसी नागरिक को धर्म या भाषा के आधार पर दाखिला लेने से रोका नहीं जा सकता।

- सभी अल्पसंख्यकों को अपनी पसंद का शैक्षिक संस्थान स्थापित करने और चलाने का अधिकार है।

7. संवैधानिक उपचार का अधिकार
   - संवैधानिक उपचार के अधिकार के अंतर्गत हम संविधान में दिए गए मौलिक अधिकारों के उल्लंघन की सूरत में अदालत से इन अधिकारों की मांग कर सकते है।

8. दक्षिण अफ्रीका के संविधान में नागरिकों को मिले नए अधिकार
   (क) निजता का अधिकार
   (ख) पर्यावरण का अधिकार
   (ग) पर्याप्त आवास पाने का अधिकार।
   (घ) स्वास्थ्य सेवाओं, पर्याप्त भोजन और उन तक पहुँच का अधिकार।

9. (क) शोषण के विरुद्ध अधिकार
   (ख) शोषण के विरुद्ध अधिकार
   (ग) स्वतंत्रता का अधिकार
   (घ) स्वतंत्रता का अधिकार
   (ड) समता का अधिकार

10. (i) सवैधानिक उपचारों के अधिकार के द्वारा हम मौलिक अधिकारों की रक्षा के लिए सीधे हाई कोर्ट या सुप्रीम कोर्ट जा सकते हैं।
    (ii) विधायिका या कार्यपालिका के किसी भी फैसले या काम से मौलिक अधिकारों का हनन हो या उनमें कोई कमी हो तो वह फैसला या काम अवैध हो जाएगा।
    (iii) अदालतें गड़बड़ी का शिकार होने वाले को हर्जाना दिलवा सकती है और गड़बड़ी करने वालों को दंडित कर सकती हैं।
    (iv) भारत में स्वतंत्र न्यायपालिका होने के कारण भारतीय अदालतें मौलिक अधिकारों का संरक्षण करने में सक्षम है।

स्रोत आधारित प्रश्न के उत्तर

1. (क) लोकतंत्र
2. व्यक्ति के विकास का अवसर प्रदान करने में अधिकार सहायक है।
3. नागरिकों
4. (a) समानता का अधिकार
   (b) स्वतंत्रता का अधिकार

अर्थशास्त्र

अध्याय-1

पालमपुर गाँव की कहानी

गावँ की क्रियाएँ
- मुख्य क्रिया कृषि।
- गैर कृषि क्रियाएँ।

1.डेयरी
2.लघुस्तरीय निर्माण
3.दुकानदारी
4.परिवहन

आधारभूत संरचना
- एक हाई स्कूल, दो प्राथमिक विद्यालय।
- एक स्वास्थ्य केन्द्र और एक निजी अस्पताल।
- आस पड़ोस के गाँवों, कस्बों से सड़कों द्वारा जुड़ा है ।

भूमि वितरण
- कुल 450 परिवार
- 150 परिवार भूमिहीन
- 240 परिवारों के पास छोटे भूमि के टुकड़े ।
- 60 परिवार (मध्यम व बड़े किसान)

श्रम
- बड़े किसान अपने लाभ में से छोटे और भूमिहीन मज़दूरो को ऋण देते हैं ।
- भूमिहीन मज़दूर दैनिक वेतन पर काम करते हैं

उत्पादन का संगठन
- भूमि
- श्रम
- पूँजी — स्थायी, कार्यशील
- मानव पूँजी

हरित क्राँति

आधुनिक कृषि
- अधिक उपज वाले बीज।
- कीटनाशक प्रयोग।
- उर्वरक का प्रयोग।
- सिंचाई व्यवस्था।

उत्पादन की बिक्री
- कुछ उत्पाद रायगंज की मंडी में बेंचा जाता है ।
- कुछ उत्पाद अपने प्रयोग के लिए रखा जाता है ।
- अर्जित आय को पुनः कृषि में प्रयोग किया जाता है ।

बहुविधि फसल प्रणाली
- खरीपफ और रबी पफसल ।
- विकसित सिंचाई ।
- बिजली से चलने वाले टयूबवैल 1
- प्रति वर्ष 3 फसलें ।

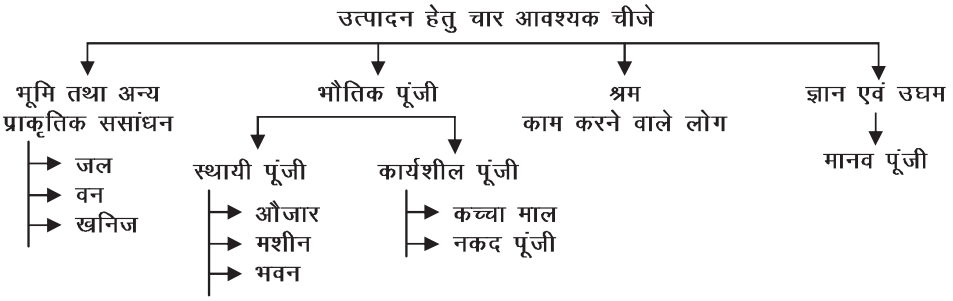

5. जमीन मापने की ईकाई -हेक्टेयर, (1 हेक्टेयर = 10,000 वर्ग मी.)

6. **पालम पुर में कृषि**

कृषि ऋतु को मुख्यत: तीन भागों में बाँटा गया है :

	ऋतु	**अवधि**	**फसल**
(i)	वर्षा ऋतु (खरीफ़)	जुलाई–अक्टूबर	ज्वार, बाजरा, चावल कपास, गन्ना तम्बाकु आदि।
(ii)	शरद् ऋतु (रबी)	अक्टूबर–मार्च	गेहूँ, सरसों, दालें आलू आदि।
(iii)	ग्रीष्म ऋतु (जायद)	मार्च–जून	तरबूज, खीरा, फलियाँ, सब्जियाँ फूल इत्यादि

7. बिजली के विस्तार से सिंचाई व्यवस्था में सुधार हुआ परिणाम स्वरूप किसान खरीफ (Kharif) और रबी (Rabi) दोनों ऋतुओं की फसल उगाने में सफल हो सके हैं ।

8. **बहुविध फसल प्रणाली :** एक ही भूमि के टुकड़े से उत्पादन बढ़ाने का तरीका (एक साल में किसी भूमि पर एक से अधिक फसल पैदा करना) । पालमपुर के किसान कम से कम दो मुख्य फसल उगाते हैं, तीसरी फसल के रूप में आलू पैदा कर रहे हैं ।

9. खेती करने के तरीके :

आधार		पारम्परिक कृषि	आधुनिक कृषि
1.	श्रम	स्वयं तथा परिवार के सदस्यों द्वारा	खेतीहर मज़दूरों द्वारा
2.	बीज	पारंपरिक बीज	अति उपज, प्रजातियों वाले बीज (HYVS)
3.	उर्वरक	गाय का गोबर तथा अन्य प्राकृतिक खाद	रसायनिक उर्वरक व कीट नाशकों का प्रयोग
4.	जुताई	पारंपरिक हल व बैल का प्रयोग	ट्रैक्टर, थ्रेसर
5.	सिंचाई के स्त्रोत	कुएँ, रहट, तालाब नदियों व वर्षा के पानी द्वारा	बिजली चालित नलकूपों या डीजल से चलने वाले यंत्र
6.	पूँजी	कम पूँजी द्वारा संभव।	अधिक पूँजी की आवश्यकता

10. **हरित क्रांति**–1960 के दशक के अंत में भारतीय किसानों को आधुनिक कृषि के तरीकों से गेहूँ और चावल की खेती सिखाई गई ।

हरित क्रांति (आधुनिक कृषि)

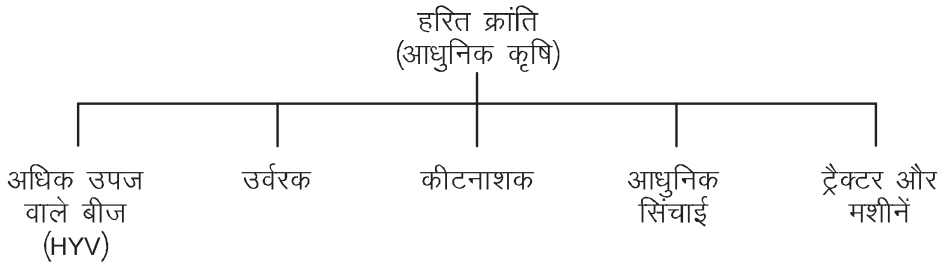

लाभ (हरित क्रांति)

- अधिक मात्रा में अनाज उत्पादन
- कृषि और उद्योग के सुदृढ़ संबंध ।

- रोजगार में वृद्धि
- किसानों की स्थिति में सुधार

11. हरित क्रांति (हानियाँ)
    - मिट्टी की उर्वरता कम ।
    - निम्न भौम जल स्तर ।
    - बढ़ता प्रदूषण
    - क्षेत्रीय असमानता बढ़ना ।

1 अंक वाले प्रश्न :

1. पालम पुर गाँव के लोगों की मुख्य आर्थिक क्रिया क्या है ?
   (1) दुकानदारी
   (2) कृषि
   (3) दोनों
   (4) इनमें से कोई नहीं
2. उत्पादन की प्रथम आवश्यकता क्या है ?
   (1) भूमि
   (2) श्रम
   (3) पूंजी
   (4) बाजार
3. पालमपुर के कृषक तीसरी फसल के रूप में कौन सी फसल बो रहे हैं ?
   (1) बाजरा
   (2) आलू
   (3) गन्ना
   (4) इनमें से कोई नहीं
4. आधुनिक कृषि में ..... बीजों का प्रयोग किया जाता है ।

5. एक साल में किसी भूमि पर एक से ज्यादा फसल उगाने की विधि को .... कहते हैं ।
6. कृषि के आधुनिक तरीकों का सबसे पहले प्रयोग भारत के किन दो राज्यों में किया गया ?
7. छोटे किसान खेती के लिए आवश्यक पूंजी का प्रबंध किस प्रकार करते हैं ?
8. पालमपुर में लगभग कितने प्रतिशत लोग गैर कृषि व्यवसायों में लगे हुए हैं ?
9. भूमि मापने की मानक इंकाई क्या है ?
10. अधिशेष कृषि उत्पादों का किसान क्या करते हैं ?
11. नीचे दो वाक्य दिए गए हैं – एक संकल्पना (स) और दूसरा कारण (क), कथनों को पढ़िए और सही विकल्प का चयन कीजिए :

    संकल्पना (स) : उत्पादन, भूमि, श्रम और पूँजी को संयोजित करके संगठित होता है ।

    कारण (क) : औजार, मशीनें और भवन को स्थायी पूँजी कहा जाता है ।

    विकल्प :

    (a) संकलपना (स) और कारण (क) दोनों सही हैं एवं कारण, संकल्पना की सही व्याख्या है ।

    (b) संकल्पना (स) और दूसरा कारण (क) दानों सही हैं लेकिन कारण, संकल्पना की सही व्याख्या नहीं है।

    (c) संकल्पना (स) सही है एवं कारण (क) गलत है ।

    (d) संकल्पना (स) गलत है लेकिन कारण (क) सही है ।

लघु/दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (3/5 अंक)

1. पालमपुर गाँव की किन्हीं तीन गैर-कृषि क्रियाओं का वर्णन कीजिए ?
2. 1960 के दशक के अन्त में आई हरित क्रान्ति ने भारतीय कृषि पर क्या प्रभाव डाला? (कोई पाँच बिन्दू)
3. परम्परागत खेती व आधुनिक कृषि में अन्तर स्पष्ट कीजिए (कोई पाँच)

4. पालमपुर में लघुस्तरीय विनिर्माण उद्योग की विशेषताएँ लिखिए (कोई पाँच)
5. आपके क्षेत्र में कौन-कौन सी गैर कृषि क्रियाएँ होती है ? (किन्हीं पाँच)
6. पालम पुर गांव में भूमिहीन किसानों को किस प्रकार का संघर्ष करना पड़ रहा है ?
7. वस्तुओं और सेवाओं के उत्पादन के लिए आवश्यक चीजों का वर्णन कीजिए?
8. "कृषि उत्पादन में वृद्धि के लिए सिंचित क्षेत्र को बढ़ाना आवश्यक है" कोई तीन कारण लिखिए ।
9. पालमपुर में भूमि कृषकों में किसी प्रकार वितरित है ?
10. पालमपुर के दुकानदार किस प्रकार व्यापार करते हैं ?
11. "हरित क्रान्ति" के कारण मिट्टी की उर्वरक क्षमता कम हुई है", क्या आप इससे सहमत हैं। अपने विचार व्यक्त कीजिए ।
12. ऐसे कौन-कौन से गैर-कृषि कार्य हैं जो पालमपुर जैसे गाँवो में प्रारम्भ किये जा सकते हैं ।

स्रोत आधारित प्रश्न (4 अंक)

A. पालमपुर में एक वर्ष में किसान तीन अलग-अलग फसलें इसलिए पैदा कर पाते हैं, क्योंकि वहाँ सिंचाई की सुविकसित व्यवस्था है। एक वर्ष में किसी भूमि पर एक से ज्यादा फसल पैदा करने को बहुविध फसल प्रणाली कहते हैं। पालमपुर में सभी किसान कम से कम दो मुख्य फसलें पैदा करते हैं। कई किसान पिछले पद्रंह बीस वर्षो से तीसरी फसल के रुप में आलू पैदा कर रहे हैं।

1. पालमपुर में एक वर्ष में किसान ..... फसलें पैदा कर पाते हैं।
2. बहुविध फसल प्रणाली क्या है ?
3. वाक्य को ठीक कीजिए :

   सभी किसान पाँच मुख्य फसलें पैदा करते हैं।
4. ..... की फसल, तीसरी फसल के रुप में पैदा की जाती हैं ।

B. (स्रोत आधारित प्रश्न नही दिया गया)

स्रोत आधारित प्रश्न

B. किशोर एक खेतिहर मज़दूर है । अन्य ऐसे ही श्रमिकों की भाँति किशोर को अपनी मज़दूरी से अपने घर–परिवार की आवश्यकताएँ पूरी करने में कठिनाई होती थी। कुछ वर्ष पहले किशोर ने बैंक से कर्ज लिया था। यह एक सरकारी कार्यक्रम के अंतर्गत था, जिसमें भूमिहीन निर्धन परिवारों को सस्ते कर्ज दिए जा रहे थे । किशोर ने इस पैसे से एक भैंस खरीदी । अब वह भैंस का दूध बेचता है । अब उसने अपनी भैंसागाड़ी भी बना ली है, जिसमें वह कई प्रकार के सामान ले जाता है। कभी कभी वह गुड़ अथवा अन्य वस्तुओं को लेकर शाहपुर जाता है। कभी कभी वह गुड़ अथवा अन्य वस्तुओं को लेकर शाहपुर जाता है। हर महीने उसे परिवहन संबधित कोई न कोई काम मिल ही जाता है। किशोर पिछले कुछ वर्षों की तुलना में अब अधिक कमाने लगा है।

उत्तर दीजिए :

1. किशोर की स्थाई पूंजी क्या है ?
2. किशोर कितनी उत्पादन क्रियाओं में लगा हुआ है ?
3. क्या आप कह सकते हैं कि किशोर को पालमपुर की अच्छी सड़कों से लाभ हुआ है ?

1 अंक वाले प्रश्नों के उत्तर :

1. कृषि
2. भूमि
3. आलू
4. HYV
5. बहुविध फसल प्रणाली
6. पंजाब और हरियाणा
7. बड़े किसानों से या गाँव के साहूकारों से आवश्यक पूंजी लेते हैं।
8. लगभग 25 प्रतिशत

9. एक हेक्टेयर, जो 100 मी. वाली भुजा वाले वर्ग के क्षेत्रफल के बराबर है।

10. बाजार में बेचते हैं ।

11. (b)

लघु/दीर्घ प्रश्नों के उत्तर (3/5 अंक)

1. (i) लघु स्तरीय विनिर्माण

(ii) डेयरी

(iii) परिवहन

(iv) दुकानदारी (कोई भी तीन)

2. (i) हरित क्रान्ति ने भारतीय कृषकों को ज्यादा उपज वाले बीज HYV के द्वारा चावल और गेहूँ की कृषि करने के तरीके सिखाये।

(ii) परम्परागत बीजों की तुलना में भ्ल्ॅ अधिक उपज वाले बीज सिद्ध हुए ।

(iii) किसानों ने कृषि में ट्रेक्टर और फसल काटने की मशीनों का उपयोग करना प्रारम्भ कर दिया ।

(iv) रसायनिक खादों का प्रयोग करना शुरू किया ।

(v) प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग किया गया ।

3.

परम्परागत कृषि	**आधुनिक कृषि**
(i) कृषि में पारम्परिक बीजों का प्रयोग	(i) कृषि में अधिक उपज देने वाले बीज HYV का प्रयोग
(ii) कम सिचांई की आवश्यकता	(ii) अधिक सिंचाई की आवश्यकता
(iii) उर्वरकों के रूप में गाय के गोबर अथवा दूसरी प्राकृतिक खाद का प्रयोग	(iii) रासयनिक खाद और कीटनाशकों का प्रयोग ।
(iv) पारम्परिक हल का प्रयोग	(iv) मशीनों का प्रयोग
(v) कुओं नदी, रहट तालाब से सिंचाई	(v) नलकूपों और पम्पिंग सेट के द्वारा सिंचाई

4. (i) सरल उत्पादन विधियों का इस्तेमाल ।

(ii) पारिवारिक श्रम द्वारा घरों पर काम करना ।

(iii) श्रमिकों को भी कई बार किराए पर रखा जाता है ।

(iv) कम लागत पूंजी

(v) कम समय में तैयार माल

5. (i) दुकानदारी

(ii) परिवहन संबंधित कार्य जैसे ई. रिक्शा, ट्रक का उपयोग आदि ।

(iii) सिलाई, कढ़ाई प्रशिक्षण केन्द्र तथा निजी पाठशालाएँ ।

(iv) कम्प्यूटर का प्रशिक्षण देना । (या कोई अन्य)

(v) फर्नीचर बनाना ।

6. (i) भूमिहीन किसान दैनिक मजदूरी पर काम करने के लिये मजबूर है ।

(ii) उन्हें अपने लिए प्रतिदिन काम ढूंढते रहना पड़ रहा है ।

(iii) सरकार द्वारा मजदूर की दैनिक दिहाड़ी न्यूनतम रूप में 60 रू0 निर्धारित की गई है। परन्तु केवल 35-40 रुपये ही मिलते है ।

(iv) खेतिहर श्रमिकों में अधिक स्पर्धा के कारण ये लोग कम वेतन में भी कार्य करने के लिए तैयार हो जाते हैं।

(v) खेतीहर श्रमिक कर्ज के कारण अत्याधिक कष्ट झेल रहे हैं ।

7. (i) पहली आवश्यकता है भूमि तथा अन्य प्राकृतिक संसाधन जैसे जल, वन खनिज की भी आवश्यकता है ।

(ii) श्रम अर्थात् जो लोग काम करेगें । कुछ उत्पादन क्रियाओं में शिक्षित कर्मियों की भी आवश्यकता है

(iii) भौतिक पूंजी : उत्पादन के समय प्रत्येक स्तर पर काम आने वाली आगतें जैसे इमारतें, मशीनें औजार आदि। इसमें स्थायीं और कार्यशील पूंजी दोनों शामिल हैं ।

(iv) मानव पूंजी : उत्पादन करने के लिए – भूमि श्रम और भौतिक पूंजी को एक साथ करने योग्य बनाने के लिए ज्ञान और उद्यम की आवश्यकता है जिसे मानव पूंजी कहा जाता है ।

(v) बाजार : उत्पादित वस्तुओं के अन्तिम उपभोग हेतु प्रतिस्पर्धा के लिए बाजार भी एक आवश्यक तत्व है ।

8. (i) कृषि की व्यवस्था सिंचित क्षेत्र पर निर्भर करती है ।

(ii) भारत के कुछ क्षेत्रों में (जैसे–पंजाब, राजस्थान, दक्कनी भाग तथा मध्य भारत) वर्षा अनियमित व अनिश्चित है। ऐसे क्षेत्रों में कृत्रिम सिंचाई की अधिक आवश्यकता है ।

(iii) कुछ फसलें ऐसी हैं जिसके लिये नियमित से जलापूर्ति आवश्यक है जैसे – चावल, गेहूँ, गन्ना आदि।

(iv) जिन क्षेत्रों में आधुनिक बीजों का प्रयोग किया जाता है वहां भी जल की अधिक आवश्यकता पाई जाती है। (या कोई अन्य)

(v) भूमि का बहुत छोटा भाग भी सिंचाई के अंतर्गत है ।

9.पालमपुर में भूमि का वितरण :

(i) पालमपुर में 450 परिवारों में से लगभग एक तिहाई अर्थात् 150 परिवारों के पास खेती के लिए भूमि नहीं हैं जो अधिकाशत: दलित है ।

(ii) 240 परिवारों जिनके पास भूमि हैं 2 हेक्टेयर से भी कम क्षेत्रफल वाले टुकड़ों पर खेती करते हैं ।

(iii) भूमि के ऐसे टुकड़ों पर खेती करने से किसानों के परिवार को पर्याप्त आमदनी नहीं होती ।

(iv) पालमपुर में मझोले किसान और बड़े किसानों के 60 परिवार हैं जो 2 हेक्टेयर से अधिक भूमि पर खेती करते है ।

(v) कुछ बड़े किसानों के पास 10 हेक्टेयर या इससे अधिक भूमि है।

10.पालमपुर के दुकानदार :

(i) दुकानदार प्रतिदिन की वस्तुओं के थोक रेट पर खरीदते है और गाँव में बेचते है ।

(ii) पालमपुर में ज्यादा लोग व्यापार (वस्तु विनियम) नहीं करते ।

(iii) गाँव में छोटे जनरल स्टोरो में चावल, गेहूँ चाय, तेल बिस्कुट साबुन, टुथ पेस्ट बेट्री, मोमबत्ती, कापियां पैन पेंसिल तथा कुछ कपड़े भी बेचे जाते हैं।

(v) वस्तुओं के साथ-साथ खाने की चीजे भी बेचते है।

11. हरित क्रांति :

(i) रासायनिक उर्वरकों के कारण मृदा की उर्वरता नष्ट होने लगी ।

(ii) भू–जल के अति प्रयोग से भौमजल स्तर (भूमि जलस्तर) गिरने लगा ।

(iii) रासायनिक उवर्रक आसानी से पानी में घुलकर मिट्टी से नीचे चले जाते हैं और जल को दूषित करते हैं ।

(iv) कुछ परिवारों ने जिनके घर बस स्टैंड के निकट हैं अपने घर के एक भाग में ही छोटी दुकान खोल ली है ।

12.पालमपुर में गैर कृषि कार्य प्रारम्भ किए जा सकते हैं :

(i) लकड़ी से फर्नीचर बनाना

(ii) घेरलू बर्तनों का निर्माण

(iii) सिलाई, कढ़ाई बुनाई से तैयार कपड़े

(iv) टोकरियाँ बुनना

(v) ईटे बनाना

स्त्रोत आधारित प्रश्न के उत्तर :

A. 1. तीन

2. एक वर्ष में किसी भूमि पर एक से ज्यादा फसल पैदा करना ।

3. सभी किसान तीन मुख्य फसलें पैदा करते हैं ।

4. आलू

B. 1. भैंसागाड़ी

2. पशुपालन, परिवहन और श्रम।

3. भैंसागाड़ी में काम मिलता है । इसिलिए किशोर को अच्छी सड़कों से लाभ हुआ है ।

अध्याय-2
संसाधन के रूप में लोग

पाठ्य बिन्दु : जब शिक्षा, प्रशिक्षण और चिकित्सा सेवाओं में निवेश करने से सामान्य जनसंख्या को मानव पूँजी में बदला जाता है तो यह जनसंख्या मानव संसाधन के रूप में जानी जाती हैं ।

1. **मानव पूंजी** :- मानव पूंजी कौशल और उनमें निहित उत्पादन के ज्ञान का स्टॉक है अथवा भौतिक पूंजी पर लगने वाले श्रम को मानव पूंजी कहते हैं।
2. **मानव पूंजी निर्माण** :- मानव संसाधनों का अधिक शिक्षा कौशल तथा स्वास्थ्य द्वारा और विकसित किया जाना ।
5. जापान के पास कोई प्राकृतिक संसाधन नही थे लेकिन मानव संसाधन पर निवेश करने से वह विकसित और धनी देश बना
6. विभिन्न क्रियाकलापों को अर्थव्यवस्था के तीन प्रमुख क्षेत्रकों में बाँटा गया है

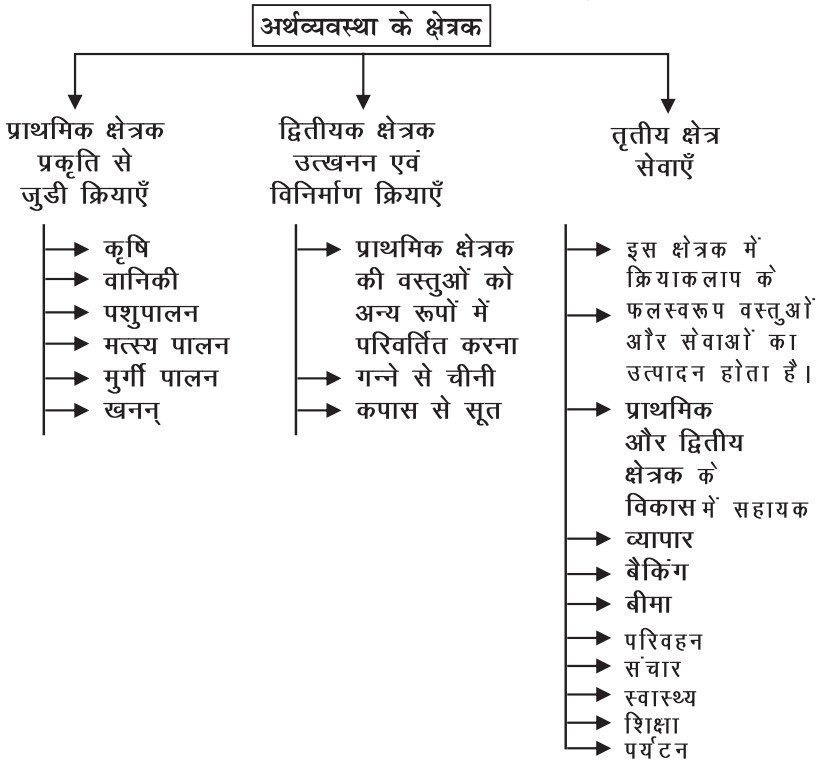

• शिक्षा और कौशल बाजार में किसी व्यक्ति की आय के प्रमुख निर्धारक तत्व हैं ।

महिलाओं की श्रम बाजार में स्थिति

असंगठित क्षेत्रक	**संगठित क्षेत्रक**
• निम्न शिक्षा प्राप्त व निम्न कौशल स्तर	• शिक्षा व कौशल कार्य के अनुसार
• अनियमित रोजगार।	• नियमित रोजगार।
• निम्न आय और असमान वेतन।	• सरकारी नियमों के अनुसार वेतन और समान वेतन।
• इस क्षेत्रक में प्रसूति अवकाश, शिशु देखभाल और अन्य सामाजिक सुरक्षा तंत्र जैसी सुविधाएँ उपलब्ध नहीं होती ।	• इस क्षेत्रक मे प्रसूति अवकाश, शिशु जैसी सुविधाएं और अन्य सामाजिक सुरक्षा तंत्र जैसी सुविधाएँ उपलब्ध।

शिक्षा का महत्व

- ज्ञान और कौशल में वृद्धि
- नए अवसर प्रदान कराना
- आय मे वृद्धि करना
- नई आकांक्षाएं प्रदान करना
- राष्ट्रीय आय मे वृद्धि
- सांस्कृतिक सवृद्धि में वृद्धि
- प्रशासन की कार्य क्षमता को बढ़ाना
- जीवन स्तर में सुधार

7. वह सभी क्रियाएँ जो राष्ट्रीय आय में मूल्यवर्धन करती हैं – आर्थिक क्रियाएँ कहलाती है ।
8. आर्थिक क्रियाएँ दो प्रकार की है :
   (i) बाजार क्रियाएँ (ii) गैर बाजार क्रियाएँ

(क) • **बाजार क्रियाएँ** :- वेतन या लाभ के उद्देश्य से की गई क्रियाओं के लिए पारिश्रमिक का भुगतान किया जाता है। इनमें सरकारी सेवा सहित वस्तुओं या सेवाओं का उत्पादन शामिल है ।

(ख) • **गैर बाजार क्रियाएँ** :- स्व उपभोग के लिए उत्पादन है इनमें प्राथमिक उत्पादों का उपभोग तथा अचल संपत्तियों का स्वलेखा उत्पादन आता है उदाहरण–बागवानी

9. **जनसंख्या की गुणवत्ता** :- जनसंख्या की गुणवत्ता निर्धारित करने वाले कारक-साक्षरता दर जीवन प्रत्याशा से निरूपित स्वास्थ्य कौशल स्तर

10. सर्वशिक्षा अभियान प्रारम्भिक शिक्षा प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

11. **मृत्यु दर** :- अभिप्राय एक विशेष अवधि में प्रति एक हजार व्यक्तियों की कुल संख्या में से मरने वाले लोगों की संख्या से है ।

12. **जन्मदर** :- एक विशेष अवधि में प्रति एक हजार व्यक्तियों की कुल संख्या में से जन्म लेने वाले शिशुओं की संख्या से है ।

13. **शिशु मृत्यु दर** :- अभिप्राय प्रति हजार जन्म लेने वाले शिशुओं में एक वर्ष से कम आयु के शिशुओं की मृत्यु से है ।

14. **बेरोजगारी** :- वह दशा या वह स्थिति है जब प्रचलित मजदूरी दर पर काम करने के लिए इच्छुक लोगों को रोजगार प्राप्त नहीं हो पाता ।

15. **बेरोजगारी के प्रकार :**

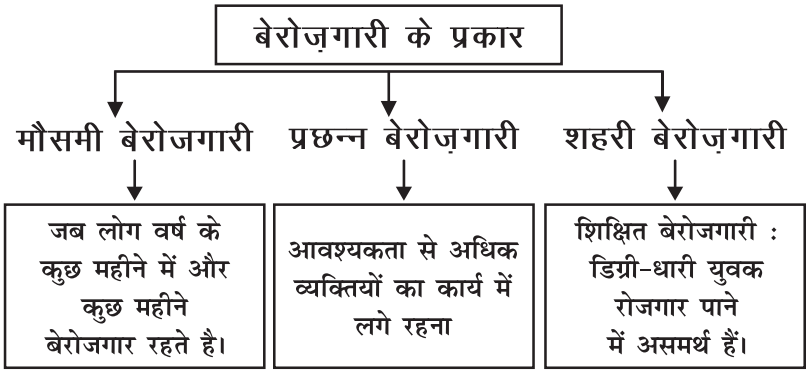

16. **राष्ट्रीय नीति का लक्ष्य :-** जनसंख्या के अल्प सुविधा प्राप्त वर्गों पर विशेष ध्यान देते हुए स्वास्थ्य सेवाओं, परिवार कल्याण और पौष्टिक सेवा तक इनकी पहुँच को बेहतर बनाना है ।

बेरोजगारी के परिणाम

- बेरोजगार जनसंख्या पर किया गया धन का अपत्यय
- जनसंख्या दायित्व ही बनी रहती है
- शेष और आक्रोश की भावना का विकास
- देश के आर्थिक भार में वृद्धि
- परिवार के स्वस्थ्य मे स्तर में कमी
- परिवार शिक्षा स्तर व कौशल विकास के स्तर मे कमी

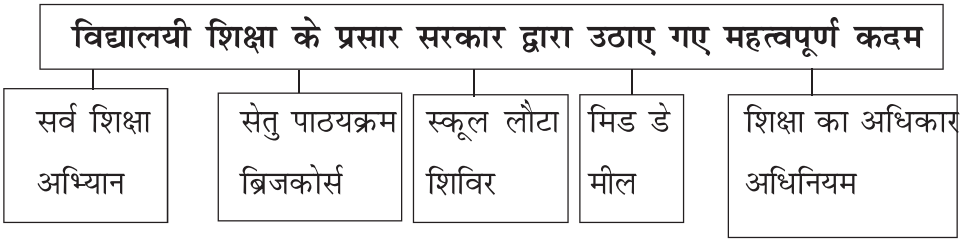

1 अंक वाले प्रश्न

1. सर्व शिक्षा अभियान किस आयु वर्ग के बच्चों के लिए चलाया गया है ?

   (क) 7 – 15 वर्ष (ख) 6 – 14 वर्ष

   (ग) 8 – 13 वर्ष (घ) 9 – 16 वर्ष

2. शिक्षित बेरोजगार कौन है ?

   (क) वह व्यक्ति जिसके पास डिग्री है रोजगार नहीं

   (ख) शहर में रहने वाला निरक्षर बेरोजगार

   (ग) दैनिक मजदूरी पर काम करने वाला मजदूर

   (घ) इनमें से कोई नहीं

3. प्राथमिक क्षेत्रक में सम्पन्न की जाने वाली क्रियाएँ कौन सी हैं ?

4. जापान का ..... संसाधन में अधिक निवेश है

5. जनसख्या की गुणवत्ता ..... और ..... कारकों पर निर्भर करती है ।

6. प्राथमिक शिक्षा प्रदान करने में राज्य और स्थानीय सरकारों ने कौन सा महत्वपूर्ण कदम उठाया है ?

7. प्राथमिक शिक्षा में नामांकन बढ़ाने हेतु सरकार द्वारा कार्यान्वित की गई एक योजना ..... है ।

8. मिड. डे. मील या श्दोपहर का भोजन योजना का लक्ष्य क्या है ?

9. गैर बाजार क्रियाकलाप क्या है ?

10. जी. एन. पी. का अर्थ, सकल ..... उत्पाद है ।

11. निम्नलिखित क्रियाओं में से कौन सी क्रिया सेवा क्षेत्रक क्रिया नहीं है ।

(a) बैंकिग (b) कृषि

(c) परिवहन (d) संचार

12. वाक्य/कथन को सही कीजिए ।

भारत में कर्नाटक राज्य की सर्वाधिक साक्षरता दर है ।

13. शिक्षित बेरोजगारी मुख्यत: कहाँ होती है

(a) ग्रामीण क्षेत्र (b) शहरी क्षेत्र

(c) तटीय क्षेत्र (d) इनमें से कोई नहीं

14. नीचे दो वाक्य दिए गए हैं – एक संकल्पना (स) और दूसरा कारण (क), कथनों की पढ़िए और सही विकल्प का चयन कीजिए:

संकल्पना (स) : साक्षर और स्वस्थ जनसंख्या परिसंपत्तियाँ होती हैं ।

कारण (क) : जनसंख्या की गुणवत्ता अंतत: देश की संवृद्धि दर निर्धारित करती है ।

विकल्प:

(a) संकलपना (स) और कारण (क) दोनों सही हैं एवं कारण, संकल्पना की सही व्याख्या है ।

(b) संकल्पना (स) और दूसरा कारण (क) दानों सही हैं लेकिन कारण, संकल्पना की सही व्याख्या नहीं है ।

(c) संकल्पना (स) सही है एवं कारण (क) गलत है ।

(d) संकल्पना (स) गलत है लेकिन कारण (क) सही है।

लघु दीर्घ प्रश्न (3/5 अंक)

1. प्राथमिक क्षेत्रक, द्वितीयक क्षेत्रक से किस प्रकार भिन्न हैं ?
2. मानव पूंजी निर्माण में शिक्षा किस प्रकार सहायता करती हैं ?
3. क्या शिक्षा की भांति स्वास्थ्य भी मानव पूंजी के निर्माण को प्रभावित करता है ? स्पष्ट कीजिए ।
4. सर्वशिक्षा अभियान से आप का क्या अभिप्राय है ?
5. मानव पूंजी निर्माण से क्या अभिप्राय है ?
6. राष्ट्रीय नीति का क्या लक्ष्य है ?
7. बाजार क्रियाकलाप और गैर बाजार क्रिया कलाप में क्या अन्तर है ?
8. बेरोजगार कौन है ? अर्थव्यवस्था पर उसका क्या प्रभाव पड़ता है ?
9. बेरोजगारी से अर्थव्यवस्था पर उसका क्या प्रभाव पड़ता है ?
10. बेरोजगारी के विभिन्न प्रकार कौन-कौन से हैं ?
11. मानव पूंजी अन्य संसाधनों जैसे भूमि, श्रम, भौतिक पूंजी से किस प्रकार श्रेष्ठ है ?
12. अर्थव्यवस्था के कितने क्षेत्रक हैं ? प्रत्येक के विषय में उदाहरण सहित संक्षेप में लिखिए ।
13. 'शिक्षा' शब्द से आप क्या समझते हैं ? तथा शिक्षा के प्रसार में लिए सरकार ने क्या प्रयास किए है ।
14. शिक्षित बेरोजगारी भारत के लिये किस प्रकार एक चुनौती बन गई है ? क्या आप कोई समाधान सुझा सकते है ?

15. भारत में बेरोजगारी के कारण लिखिए । बेरोजगारी दूर करने के लिए कुछ उपाय लिखिए ।

केस स्टेडी

स्रोत आधारित प्रश्न (4 अंक)

A. जापान जैसे देशों ने मानव संसाधन पर निवेश किया है। उनके पास कोई प्राकृतिक संसाधन नहीं था। यह विकसित धनी देश है। यह अपने देश के लिए आवश्यक प्राकृतिक संसाधनों का आयात करता है। उन्होनें लोगों में विशेष रुप से शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में निवेश किया। उन लोगों ने भूमि और पूँजी जैसे अन्य संसाधनों का कुशल उपयोग किया है ।

1. उपरोक्त पंद्याश में जापान का संदर्भ क्यों लिया गया है?
2. जापान आवश्यक प्राकृतिक संसाधनों का आयात किस लिए करता है?
3. संसाधनों का कुशल उपयोग क्यो आवश्यक है ?
4. निम्नलिखित में से किस में निवेश किया जाना अत्यधिक आवश्यक है ?

   (क) भूमि और पूँजी (ख) शिक्षा और स्वास्थ्य

   (ग) प्राकृतिक संसाधन (घ) इनमें से कोई नहीं

B. 6 से 14 वर्ष आयु वर्ग के सभी स्कूली बच्चों को वर्ष 2010 तक प्राथमिक शिक्षा प्रदान करने की दिशा में सर्वशिक्षा अभियान एक महत्त्वपूर्ण कदम है। राज्यों, स्थानीय सरकारों और प्राथमिक शिक्षा सार्वभौमिक लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए समुदाय की सहभागिता के साथ केंद्रीय सरकार की यह एक समयबद्ध पहल है। इसके साथ ही, प्राथमिक शिक्षा में नामांकन बढ़ाने के लिए 'सेतु-पाठ्यक्रम' और 'स्कूल लौटो शिविर' एवं 'दोपहर के भोजन' जैसी योजनाएँ कार्यान्वित की जा रही है ।

1. उपरोक्त उद्धरण किस अभियान के बारे में है ?

2. सर्व शिक्षा अभियान किसकी समयबद्ध पहल है?

(क) राज्य सरकार (ख) पंचायती राज

(ग) केन्द्र सरकार (घ) अभिभावक

3. प्राथमिक शिक्षा सार्वभौमिक लक्ष्य, निम्नलिखित में से किस वर्ग के लिए है।

(क) 2-5 वर्ष के बच्चों के लिए

(ख) 6-14 वर्ष के बच्चों के लिए

(ग) 10-18 वर्ष के बच्चों के लिए

(घ) उपरोक्त सभी

4. प्राथमिक शिक्षा में नामांकन बढ़ाने के लिए, किन योजनाओं को कार्यान्वित किया गया ?

उत्तरमाला

1 अंक वाले प्रश्नों के उत्तर

1. (ख) 6 से 14 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों के लिए
2. (क) जो युवक मैट्रिक, स्नातक, स्नातकोतर होने के बावजूद रोजगार प्राप्त नहीं कर पाते हैं, वे शिक्षित बेराजगार है ।
3. कृषि, वानिकी, पशुपालन, मत्स्यपालन, मुर्गीपालन, खनन । (कोई दो)
4. मानव संसाधन ।
5. साक्षरता दर एंव जीवन प्रत्याशा ।
6. सर्वशिक्षा अभियान ।
7. सेतु पाठ्यक्रम या स्कूल लौटोशिविर ।
8. विद्यालयों में बच्चों की उपस्थिति को बढ़ावा और उनके पोषण स्थिति में सुधार।
9. स्वयं उपभोग के लिए उत्पादन करना ।
10. राष्ट्रीय

11. (क) कृषि

12. भारत में केरल राज्य की सर्वाधिक साक्षरता दर है ।

13. (ख) शहरों में

14. (क) संकल्पना और कारण दानों सही है एवं कारण, सकल्पना की सही वाक्य है।

लघु/दीर्घ प्रश्नों के उत्तर (3/5 अंक वाले) :

1.

प्राथमिक क्षेत्रक	द्वितीयक क्षेत्रक
(i) क्रियाएँ सीधे भूमि और जल से संबंधित हैं।	(i) क्रियाएँ वस्तुओं के निर्माण से जुड़ी हुई हैं ।
(ii) प्रकृति द्वारा प्रदान की गई वस्तुओं पर माल पर आधारित होती है।	(ii) प्राथमिक क्षेत्रक से प्राप्त कच्चे
(iii) उदाहरण : कृषि, पशुपालन खनिज तैयार मत्स्य पालन ।	(iii) उदाहरण : उद्योग जैसे कागज करना, कपड़ा तैयार करना आदि।

2. (i) शिक्षा के माध्यम से व्यक्ति का स्वांगीण विकास होता है। जिसके द्वारा वह ज्ञान और कौशल में निपुण हो जाता है।

(ii) शिक्षा मानव को इस योग्य बनाती है कि वह अच्छी नौकरी या पेशा तथा अच्छी आय प्राप्त कर सके।

(iii) शिक्षा मानव के लिये क्षेत्रों का विस्तार करती है तथा नई दिशाएँ दती है।

3. (i) स्वास्थ्य अपना कल्याण करने का एक आवश्यक आधार है । अस्वस्थ लोग किसी भी संगठन के लिए बोझ बन जाते है

(ii) स्वस्थ व्यक्ति अधिक काम, अधिक उत्पादन और अधिक आय का सृजन करता है ।

(iii) स्वस्थ व्यक्ति ही अच्छा उत्पादक होता है और अर्थव्यवस्था के विकास में सहायक होता है ।

4. सर्वशिक्षा अभियान 6 से 14 वर्ष आयुवर्ग के सभी स्कूल बच्चों को प्रारम्भिक शिक्षा प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है ।

5. (i) स्जब विद्यमान मानव संसाधन को और अधिक शिक्षा तथा स्वास्थ्य द्वारा विकसित किया जाता है ।

(ii) भौतिक पूंजी निर्माण की भांति देश की उत्पादक शक्ति में वृद्धि करता है।

6. **राष्ट्रीय जनसंख्या नीति का लक्ष्य :-** जनसंख्या के अल्प सुविधा प्राप्त वर्गों पर विशेष ध्यान देते हुए स्वास्थ्य सेवाओं, परिवार कल्याण और पौष्टिक आहार तक इनकी पहुँच को बेहतर बनाना है ।

- बाल विकास योजनाओं का कार्यान्वयन
- ग्रामीण क्षेत्रों में नवोदय विद्यालय खोले जाना ।
- स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार
- प्राथमिक शिक्षा का सार्वभौमिकरण करना ।
- मध्यान्ह भोजन योजना
- व्यवसायिक और तकनीकी शिक्षा द्वारा जनसंख्या को कुशल बनाना ।

7.

बाजार क्रिया कलाप	**गैर बाजार क्रिया कलाप**
(i) वेतन या लाभ के उद्देश्य से की गई क्रियाएँ करना गौर बाजार क्रिया है	(i) स्वउपयोग के लिए उत्पादन
(ii) इनमें वस्तुओं और सेवाओं का उत्पादन करके स्वंय उपभोग किया जाता है।	(ii) प्राथमिक वस्तुओं का समायोजन किया जाता हैं ।
(iii) उदाहरण - जैसे डॉक्टर, इंजीनियर का उपयोग तथा	(iii) उदाहरण : शिक्षिक का अपने बच्चों को पढाना।

8. बेरोजगार वह व्यक्ति है जो कि शारीरिक और मानसिक दृष्टि से स्वस्थ हो और प्रचलित मजदूरी की दर पर कार्य करने के लिए इच्छुक है। परन्तु उसे रोजगार प्राप्त न हो पाए

9. बेराजगारी के प्रभावः

1. बेरोजगारी में वृद्धि मंदीग्रस्त अर्थयवस्था का सूचक है ।
2. बेराजगारी में वृद्धि के कारण समाज के जीवन की गुणवत्ता पर भी बुरा प्रभाव पड़ता है ।

10. बेरोजगारी तीन प्रकार की होती है ।
    1. प्रछन्न बेराजगारी
    2. मौसमी बेरोजगारी
    3. शिक्षित बेरोजगारी

11. 1. अन्य संसाधन अपना स्वयं का उपयोग नहीं कर सकतें मानव विकास के लिये प्राकृतिक संसाधनों जैसे भूमि मृदा, जल, पेड़-पौधों का प्रयोग करता है ।
    2. खनिज और मूल्यवान संसाधन भूमि के नीचे ही दबे रहेगें यदि मानव उन्हें खोद कर न निकाले ।
    3. मानव अपने ज्ञान और कौशल से प्राकृतिक संसाधन को मूल्यवान वस्तुओं में परिवर्तन करता है ।
    4. शिक्षा, प्रशिक्षण, स्वास्थ्य आदि के द्वारा मानवपूंजी में निवेश अर्थव्यवस्था की प्रगति में योगदान देता है।
    5. उदाहरण – जापान ने मानव पूंजी में निवेश कर विशेषतौर पर शिक्षा और स्वास्थ्य में – कुशलता एवं तकनीक द्वारा अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाया और देश अमीर हो गया ।

12. विभिन्न प्रकार की क्रियाकलापों को तीन प्रकार के प्रमुख क्षेत्रकों में बाँटा जा सकता है :
    1. प्राथमिक क्षेत्रक – उदाहरण, कृषि, वानिकी, पशुपालन, मत्स्य पालन, मुर्गी पालन और खनिज ।

2. द्वितीयक क्षेत्रक - उदाहरण, लकड़ी चीरने का काम, कागज बनाना कपड़ा तैयार करना ।

3. तृतीयक क्षेत्रक - उदाहरण, व्यापार, संचार, परिवहन, बैंकिंग, बीमा, शिक्षा, स्वास्थ्य पर्यटन आदि सेवाएँ।

13. शिक्षा प्रत्येक नागरिक का न केवल अधिकार है बल्कि यह नागरिकों द्वारा अपने कर्तव्यों व अधिकारों का पालन करने व लाभ उठाने का माध्यम भी हैं। जनगणना 2011 के अनुसार भारत की कुल साक्षरता दर 74.04 प्रतिशत हो गई है जिसमें पुरूषों की साक्षरता दर 82.14 प्रतिशत तथा महिलाओं की साक्षरता दर 65.46 प्रतिशत हो गई है ।

सरकार द्वारा उठाए गए कदम :

1. प्राथमिक शिक्षा प्रदान करने की दिशा में सर्वशिक्षा अभियान एक महत्वपूर्ण कदम है ।
2. प्राथमिक शिक्षा में नामांकन बढ़ाने के लिए 'सेतु पाठ्यक्रम' और स्कूल लौटो शिविर प्रारम्भ किए गए।
3. विद्यालयों में 'दोपहर के भोजन' (मिड-डे-मील) की व्यवस्था की गई ।

14. प्राथमिक और द्वितीयक क्षेत्र में विकास की गुजाइश है। अधिकाशत: शिक्षित लोग तृतीयक क्षेत्रक की क्रियाओं की ओर आकर्षित होते हैं जहाँ नौकरियाँ सीमित हैं अत: शिक्षित युवक डिग्रियाँ होते हुए भी बेरोजगार हैं। विदेशों में नौकरी पाने वाले इच्छुक युवकों के पास इतनी सुविधाएँ नहीं है कि वह विदेश जा सकें । अत: यह समस्या भारत के लिये जटिल होती जा रही है।

उपाय:

1. स्कूल और कालेजो में व्यवसायिक विषयों को पढ़ाने लिखने की व्यवस्था शुरू की जा सकती है ताकि वह अपना काई काम शुरू कर सकें ।
2. औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र (आई.आई.टी) खोले जाएँ ताकि पढ़े लिखे विद्यार्थियों को वहाँ किसी व्यवासाय संबंधी ट्रेनिंग दी जा सके। फिर वह चाहें नौकरी प्राप्त करे या न करें अपना काम शुरू कर सकते हैं

15. भारत में बेरोजगारी के कारण

1. बढ़ती जनसंख्या
2. कृषि क्षेत्र में विकास की धीमी गति
3. औद्योगिक और सेवा क्षेत्रक सीमित है।
4. शिक्षा पद्धति व्यवहारिक नहीं है ।
5. तकनीकी विकास अव्यवस्थित हैं
6. ग्रामीण लोगों का शहरों की ओर प्रस्थान (कोई पाँच लिखें)

स्रोत आधारित प्रश्न (4 अंक)

A. 1. जापान एशिया महाद्वीप का देश है जो द्वितीय विश्व युद्ध के बाद विकास की राह पर चलते हुऐ तेजी से विकसित हुआ

2. जापान देश आवश्यक प्राकृतिक संसाधनों का आयात करता है क्योंकि जापान में द्वितीयक क्षेत्रक की क्रियाए बड़े पैमाने पर होती है

3. संसाधनों के कुशल उपयोग से भविषय के लिए भी संसाधनों का स्टॉक बना रहता है तथा धन के अपत्यय को कम करना

4. (ख) शिक्षा और स्वास्थ्य

B. 1. सर्व शिक्षा अभियान

2. (ग) केन्द्र सरकार

3. (ख) 6-14 वर्ष के बच्चों के लिए

4. सेतू पाठ्यक्रम, स्कूल लौटे शिविर और दोपहर भोजन ।

		1991	2001	2011*
POPULATION	Million	846	1029	1210
Males	,,	439	532	624
Females	,,	407	497	586
Below 14 years	%		35	
Males	,,		36	
Females	,,		35	
Above 60 years	,,		8	
Males	,,		7	
Females	,,		8	
Dependency Ratio	,,		0.09	
Urban population	,,	26	28	
Sex ratio females/ 1000 males		927	933	940
Highest sex ratio(Kerala)				1084
Lowestt sex ratio(Daman & Diu)				618
		1981-91	1991-01	2001-11
Decadal Population	%	23.86	21.54	17.64
Maximum decadal growth rate(D&N Haveli)				25.50
Minimum decadal growth rate(Nagaland)				-0.47
		2007	2008	2009
Birth rate	(per 000)	23.1	22.8	22.5
Death rate	,,	7.4	7.4	7.3
Infant Mortality Rate	,,	55	53	50
Density of population	per Sq. Km	# 273	325	382
Highest population density(NCT of Delhi)				11297
Lowest population density(Arunachal Pradesh)				17
		1999-03	2000-04	2002-06
Expectation of life at birth(years)	Male	61.8	62.1	62.6
	Female	63.5	63.7	64.2

* : figures are provisional

#: excluding Jammu & Kashmir

अध्याय-3

निर्धनता : एक चुनौती

याद रखने योग्य बातें :

1. निर्धनता से अभिप्राय जीवन के लिए न्यूनतम उपयोगी आवश्यकताओं की प्राप्ति के न होने से है। निर्धनों (गरीबों) की आमदनी इतनी कम होती है कि वे उससे अपनी सामान्य जरूरतों को भी पूरा नहीं कर सकते हैं ।
2. भारत में हर चौथा व्यक्ति निर्धन है (विश्व बैंक के नवीनतम आंकड़े)। दुनिया में सबसे अधिक गरीब भारत में ही हैं ।
3. **शहरी निर्धनता** - शहरी क्षेत्रों में निर्धन लोगों में रिक्शा चालक, मोची, फेरी वाले, निम्न मजदूरी पाने वाले श्रमिक इत्यादि आते हैं। इनके पास भौतिक परिसंपत्ति नहीं होती है और ये अक्सर झुग्गी व मलिन बस्तियों में रहते हैं ।
4. ग्रामीण निर्धनता ख्र ग्रामीण क्षेत्रों में भूमिहीन किसान, खेतिहर मजदूर, लघु एवं सीमान्त किसान आदि आते हैं ।
5. सामाजिक वैज्ञानिकों की दृष्टि में निर्धनता :

   (क) सामान्यत: निर्धनता का सम्बन्ध आय अथवा उपभोग के स्तर से है ।

   (ख) उपभोग के स्तर के अलावा निर्धनता को निरक्षरता स्तर, कुपोषण के कारण रोग प्रतिरोधी क्षमता की कमी, स्वास्थ्य सेवाओं की कमी, रोजगार के अवसरों की कमी, सुरक्षित पेयजल एवं स्वच्छता तक पहुँच की कमी आदि अन्य सामाजिक सूचकों के माध्यम से भी निर्धनता को देखा जाता है।
6. **निर्धनता रेखा :** आय अथवा उपभोग के न्यूनतम स्तर को निर्धनता रेखा कहा जाता है ।
7. भारत में निर्धनता रेखा का निर्धारण :- भारत में निर्धनता रेखा का निर्धारण निम्नलिखित दो आधारों पर किया जाता है :

(क) कैलोरी आवश्यकता : ग्रामीण क्षेत्रों में 2400 कैलोरी प्रतिव्यक्ति प्रतिदिन तथा शहरी क्षेत्रों में 2100 कैलोरी प्रतिव्यक्ति प्रतिदिन।

(ख) आय : ग्रामीण क्षेत्रों में 816 रुपये प्रतिव्यक्ति प्रतिमाह तथा शहरी क्षेत्रों में 1000 रुपये प्रतिव्यक्ति प्रतिमाह (2011-12 के आंकड़े)। ये आंकड़े सुरेश तेंदुलकर कमिटी द्वारा दिए गए थे । इसके बाद गरीबी के आकलन के लिए सी. रंगराजन के नेतृत्व में एक और कमिटी बनायी गयी थी जिसने अपनी रिपोर्ट जून 2014 में दी। इसके अन्तर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में 972 रूपये प्रतिव्यक्ति प्रतिमाह तथा शहरी क्षेत्रों में 1407 रुपये प्रतिव्यक्ति प्रतिमाह निर्धारित किया गया है ।

8. **असुरक्षित समूह** – अनुसूचित जातियाँ एवं अनुसूचित जनजातियाँ, ग्रामीण श्रमिकों के परिवार, नगरीय अनियमित मजदूर परिवार आदि निर्धनता के प्रति सर्वाधिक असुरक्षित हैं ।

9. **अंतरराज्यीय असमानताएं** - प्रत्येक राज्य में निर्धन लोगों का अनुपात एक समान नहीं है। बिहार और ओडिशा सर्वाधिक निर्धन राज्य हैं ।

10. वैश्विक निर्धनता परिदृश्य- विश्व बैंक की परिभाषा के अनुसार प्रतिदिन 1.90 डॉलर से कम पर जीवन निर्वाह करने वाले निर्धन हैं ।

11. निर्धनता के कारण -

(क) ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन के दौरान आर्थिक विकास का निम्न स्तर ।

(ख) उच्च जनसंख्या वृद्धि ।

(ग) भूमि और अन्य संसाधनों का असमान वितरण ।

(घ) सामाजिक और सांस्कृतिक कारण ।

12. राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण संगठन - (नेशनल सैंपल सर्वे आर्गेनाईजेशन): वह संस्था जो भारत में निर्धनता रेखा का समय-समय पर आकलन करती है । (हर पांच साल में)

13. गरीबी कम हुई है :

(क) पंजाब और हरियाणा में उच्च कृषि वृद्धि दर से ।

(ख) केरल ने मानव संसाधनों पर ज्यादा ध्यान देकर निर्धनता को कम किया है ।

(ग) आन्ध्र प्रदेश तथा तमिलनाडु ने अनाज के सार्वजनिक वितरण के द्वारा निर्धनता को कम किया है।

(घ) पश्चिम बंगाल में भूमि सुधारों के माध्यम से ।

निर्धनता उन्मूलन हेतु
दो रणनीतियां

आर्थिक संवृद्धि को प्रोत्साहन	**लक्षित निर्धनता निरोधी कार्यक्रम**
आर्थिक संवृद्धि और निर्धनता उन्मूलन में गहरा संम्बन्ध है। आर्थिक संवृद्धि अवसरों को व्यापक बना देती है जिससे मानव विकास में निवेश के लिए आवश्यक संसाधन उपलब्ध हो पाते हैं । लेकिन, ऐसा संभव है आर्थिक संवृद्धि से निर्धन लोग प्रत्यक्ष लाभ नहीं उठा पायें इसिलिए लक्षित निर्धनता निरोधी कार्यक्रमों की आवश्यकता होती है ।	(क) महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम । (ख) प्रधानमंत्री रोजगार योजना । (ग) स्वर्ण जयंती ग्राम स्व–रोजगार योजना । (घ) प्रधानमंत्री ग्रामोदय योजना । (ड़) अन्त्योदय अन्न योजना ।
इसलिए, इन दोनों रणनीतियों को पूरक भी माना जाता है ।	

14. महात्मा गाँधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम, 2005

(क) उद्देश्य–ग्रामीण क्षेत्रों में आजीविका सुरक्षित करना ।

(ख) साल में कम से कम 100 दिनों के रोजगार की गारंटी ।

(ग) एक तिहाई रोजगार महिलाओं के लिए सुरक्षित ।

(घ) आवेदक को 15 दिन के अंदर अगर रोजगार नहीं उपलब्ध कराया जाता तो वह बेरोजगारी भत्ते का हकदार होगा ।

(च) न्यूनतम मजदूरी अधिनियम के अंतर्गत मजदूरी का प्रावधान ।

15. प्रधानमंत्री रोजगार योजना :

(क) 1993 में प्रारंभ ।

(ख) उद्देश्य-ग्रामीण और छोटे शहरों में शिक्षित बेरोजगार युवाओं के लिए स्वरोजगार के अवसरों का सृजन

(ग) लघु व्यवसाय तथा उद्योग स्थापित करने में सहायता करना ।

16.

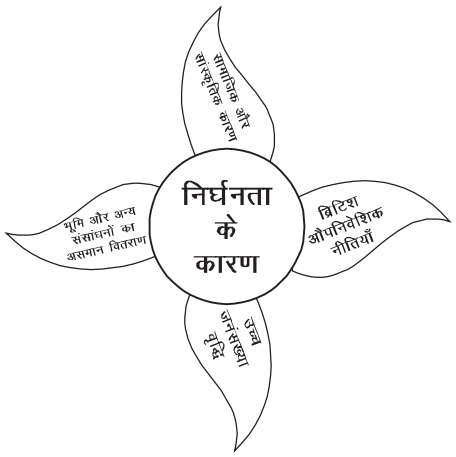

17.

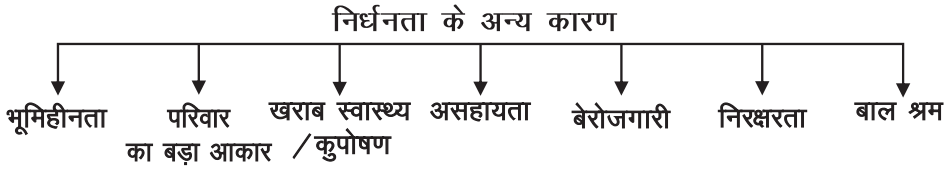

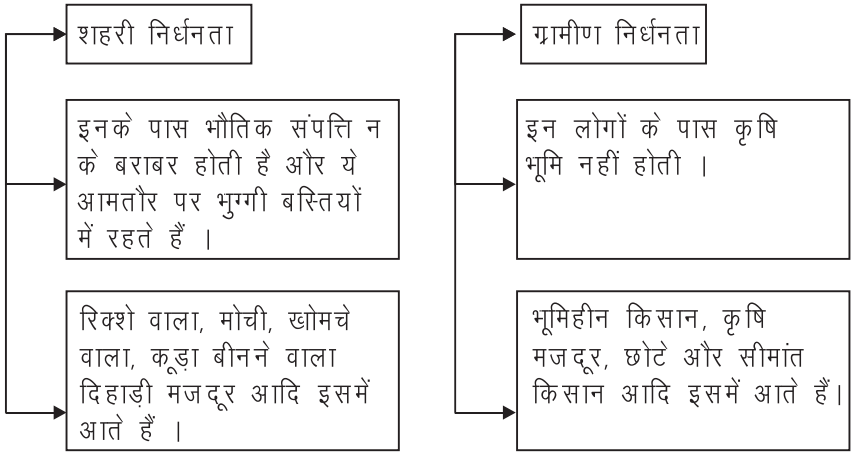

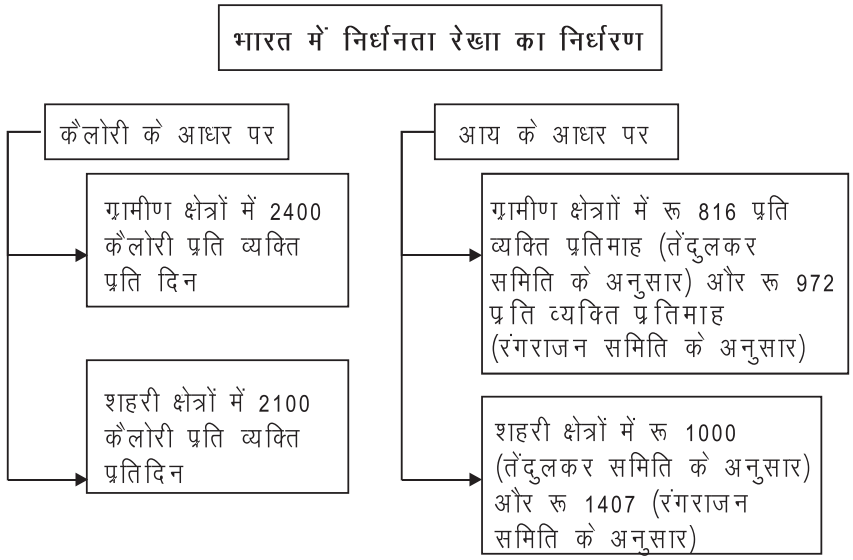

1 अंक वाले प्रश्न

1. निर्धनता से अभिप्राय है :

(a) जीवन की मूल आवश्यकताओं की पूर्ति न होना

(b) सुख-सुविधाओं का अभाव होना

(c) उपरोक्त दोनों

(d) इनमें से कोई नहीं

2. भारत में ग्रामीण क्षेत्रों और शहरी क्षेत्रों की स्वीकृत कैलौरी आवश्यकताएँ कितनी है ?

(a) 2100 तथा 1800 कैलोरी (b) 2200 तथा 2100 कैलोरी

(c) 2400 तथा 2000 कैलोरी (d) 2400 तथा 2100 कैलोरी

3. विश्व बैंक ने निर्धनता रेखा के लिए कौन-सा मानक प्रयोग किया है?

(a) प्रतिदिन 1.90 डालर से कम पाने वाले लोग

(b) प्रतिदिन 1.90 डालर से अधिक पाने वाले लोग

(c) प्रतिमाह 1.90 डालर से अधिक पाने वाले लोग

(d) इनमें से कोई नहीं

4. भारत में कौन-सा वर्ग निर्धनता के प्रति सर्वाधिक असुरक्षित है ?

(a) अनुसूचित जातियाँ (b) अनुसूचित जन-जातियाँ

(c) दोनों सही हैं । (d) इनमें से कोई भी नहीं

5. भारत में कौन से दो राज्य सर्वाधिक निर्धन हैं ?

(a) बिहार और ओडिशा (b) बिहार और उत्तर प्रदेश

(c) उत्तर प्रदेश और अरूणाचल प्रदेश (d) तमिलनाडु और हरियाणा

6. पजाब और हरियाणा में निर्धनता में कमी आने का क्या मुख्य कारण हैं ?

7. अमेरिका में वह व्यक्ति गरीब है जिसके पास ..... नहीं है ।

8. निर्धनता रेखा का आकलन सामान्यत: ..... वर्ष के बाद होता है ।

9. किस रोजगार योजना में ग्रामीण परिवार को 100 दिन के सुनिश्चित रोजगार का प्रावधान है ?

10. ग्रामीण और छोटे शहरों में शिक्षित बेरोजगार युवाओं हेतु स्वरोजगार किस योजना का लक्ष्य है ?

11. नगरीय क्षेत्रों की अपेक्षा ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों की कैलोरी आवश्यकता अधिक क्यों हैं ?

12. भारत में निर्धनता रेखा का आकलन किस संस्था के द्वारा किया जाता है ?

13. भारत में निर्धनता का ऐतिहासिक कारण क्या है ?

14. निम्नलिखित में कौन-सा निर्धनता का कारण नहीं है ?

(a) भूमिहीनता (b) बेरोजगारी

(c) आर्थिक संवृद्धि (d) निरक्षरता

15. निर्धनता रेखा का निर्धारक होता है

(a) आय (b) उपभोग

(c) उपर्युक्त दोनों (d) साक्षरता

16. निम्नलिखित में कौन एक असुरक्षित समूह है ?

(a) शहरी धनी वर्ग (b) ग्रामीण कृषि मजदूर परिवार

(c) ग्रामीण संपन्न वर्ग (d) सरकारी कर्मचारी

17. निम्नलिखित में कौन-सा निर्धनता उन्मूलन की रणनीति है ?

(a) आर्थिक संवृहि को प्रोत्साहन

(b) लक्षित-निर्धनता निरोधी कार्यक्रम

(c) उपर्युक्त दोनों

(d) इनमें से कोई नहीं

18. निम्नलिखित में से कौन महात्मा गाँधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम-2005 की विशेषता है ?

(a) कम से कम 100 दिनों का प्रतिवर्ष रोजगार

(b) रोजगार न मिलने की स्थिति में बेरोजगारी भत्ता

(c) एक-तिहाई रोजगार महिलाओं के लिए आरक्षित

(d) उपर्युक्त सभी

3 अंक वाले प्रश्न :

1. भारत में निर्धनता रेखा का आकलन कैसे किया जाता है ?
2. पंजाब, हरियाणा, केरल, पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में निर्धनता में कमी होने के कारणों को लिखिए ।

3. सामाजिक वैज्ञानिक निर्धनता को किन सूचकों के माध्यम से देखते हैं ?
4. निर्धनता के किन्हीं तीन कारणे को लिखिए ।
5. निर्धनता के संदर्भ में सामाजिक एवं आर्थिक रूप से असुरक्षित समूहों की व्याख्या कीजिए ।
6. भारत में निर्धनता संबंधी चुनौतियों का उल्लेख कीजिए ?
7. किसी व्यक्ति को गरीब कब माना जाता है ?
8. भारत में निर्धनता रेखा का निर्धारण करते समय जीवन निर्वाह के लिए किन जरुरतों पर विचार किया जाता है ?
9. प्रधानमंत्री रोजगार योजना और स्वर्ण जयंती ग्रामीण स्वरोजगार योजना के विषय में लिखिए ।
10. भारत में निर्धनता दूर करने के तीन उपाय बताइए ?

5 अंक वाले प्रश्न :

1. निर्धनता के प्रमुख कारणों को लिखिए ।
2. सिंचाई और हरित क्रांन्ति के क्षेत्र विस्तार से कृषि क्षेत्र में रोजगार के कई अवसर सृजित हुए लेकिन इनका असर भारत में कुछ भागों तक ही सीमित क्यों रहा? उदाहरण द्वारा स्पष्ट कीजिए ?
3. क्या आपको लगता है कि अगले 10 या 15 वर्षों में निर्धनता उन्मूलन कार्यक्रमों द्वारा निर्धनता दर को नियंत्रित कर सकेंगे – इस संदर्भ में अपने विचार व्यक्त कीजिए ?
4. वैश्विक निर्धनता परिदृश्य पर चर्चा कीजिए ?
5. भारत में निर्धनता के कारणों का वर्णन कीजिए ?
6. भारत सरकार द्वारा लक्षित निर्धनता निरोधी कार्यक्रमों का वर्णन कीजिए ?

स्रोत आधारित प्रश्न

निम्नलिखित अनुच्छेद को पढ़िए और प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

विकासशील देशों में अत्यंत आर्थिक निर्धनता (विश्व बैंक की परिभाषा के अनुसार प्रतिदिन 1.90 डॉलर से कम पर जीवन निर्वाह करना) में रहने वाले लोगों का अनुपात

1990 के 45 प्रतिशत से गिर कर 2008 में 22 प्रतिशत हो गया है। यद्यपि वैश्विक निर्धनता में उल्लेखनीय गिरावट आई है, लेकिन इसमें बृहत क्षेत्रीय भिन्नताएँ पाई जाती हैं। तीव्र आर्थिक प्रगति और मानव संसाधन विकास में बृहत निवेश के कारण चीन और दक्षिण–पूर्व एशिया के दशों में निर्धनता में विशेष कमी आई है। चीन में निर्धनों की संख्या 1981 के 85 प्रतिशत से घट कर 2008 में 14 प्रतिशत और वर्ष 2011 में 6 प्रतिशत रह गई है। दक्षिण एशिया के देशों (भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका, नेपाल, बाँग्ला देश, भूटान) में निर्धनों की संख्या में थोड़ी ही कमी आई जो 1981 में 61 प्रतिशत से घट कर 2008 में 36 प्रतिशत रह गई है। भिन्न निर्धनता रेखा परिभाषा के कारण भारत में भी निर्धनता राष्ट्रीय अनुमान से अधिक है ।

1. विश्व बैंक की परिभाषा के अनुसार ..... से कम पर जीवन निर्वाह करने वाले निर्धन हैं ।
2. चीन एवं दक्षिण–पूर्व एशिया के देशों में निर्धनता कम होने के क्या कारण हैं?
3. सत्य या असत्य बताइए :

   'सपूर्ण विश्व में निर्धनता गिरावट एक समान रही है ।
4. चीन में 2008 में निर्धनों का प्रतिशत ..... है ।

उत्तरमाला

1 अंक वाले प्रश्नों के उत्तर :

1. (a) निर्धनता से अभिप्राय जीवन की मूल आवश्यकताओं की पूर्ति न होना ।

2. (d) 2400 तथा 2100 कैलोरी
3. (a) प्रतिदिन 1.90 डालर से कम पाने वाले लोग
4. (c) दोनों सही हैं
5. (a) बिहार और ओडिशा
6. पंजाब और हरियाणा जैसे राज्य उच्च, कृषि वृद्धि दर से निर्धनता कम करने से सफल रहे हैं ।
7. जिसके पास कार नहीं है ।

8. हर पाँच

9. महात्मा गाँधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम । (MGNREGA)

10. प्रधानमंत्री रोजगार योजना ।

11. क्योंकि, ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोग अधिक शारीरिक कार्य करते हैं ।

12. राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण संगठन (नेशनल सैंपल सर्वे ऑर्गनाइजेशन) (NSSO)

13. ब्रिटिश काल के दौरान निम्न आर्थिक विकास

14. (c) आर्थिक संवृद्धि

15. (c) उपर्युक्त दोनों

16. (b) ग्रामीण कृषि मजदूर परिवार

17. (c) उपर्युक्त दोनों ।

18. (d) उपर्युक्त सभी ।

लघु प्रश्नों के उत्तर (3 अंक वाले प्रश्नों के उत्तर)

1. (1) भारत में निर्धनता रेखा का निर्धारण करते समय जीवन निर्वाह के लिए खाद्य, शौक्षिक एवं चिकित्सा संबंधी आवश्यकताओं पर विचार किया जाता है।

   (2) खाद्य आवश्यकता के आधार पर निर्धनता रेखा के आकलन का वर्तमान सूत्र वांछित कैलोरी आवश्यकताओं पर आधारित है ।

   (3) 2011-12 में किसी व्यक्ति के लिए निर्धनता रेखा का निर्धारण ग्रामीण क्षेत्रों में रूपये 816 और शहरी क्षेत्रों में रूपये 1000 रूपये प्रतिमाह किया गया था ।

2. (1) पंजाब और हरियाणा जैसे राज्य कृषि वृद्धि दर से निर्धनता कम करने में सफल रहे ।

   (2) केरल ने मानव संसाधन विकास पर अधिक ध्यान दिया है ।

(3) पश्चिम बंगाल में भूमि सुधार उपायों से निर्धनता कम करने में सहायता मिली है ।

3. (1) निरक्षरता स्तर

(2) कुपोषण के कारण रोग प्रतिरोधी क्षमता की कमी ।

(3) स्वास्थ्य के अवसरों की कमी

(4) रोजगार के अवसरों की कमी

(5) सुरक्षित पेयजल एवं स्वच्छता (कोई तीन)

4. (1) भूमिहीनता

(2) परिवार का आकार

(3) बेरोजगारी

(4) निरक्षरता (कोई तीन)

5. (1) सामाजिक समूहों में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के परिवार।

(2) आर्थिक समूहों में सर्वाधिक असुरक्षित समूह ग्रामीण, कृषि श्रमिक, परिवार और नगरीय अनियत मजदूर परिवार है ।

(3) परिवार में भी महिलाओं, वृद्ध लोगों और बच्चियों को परिवार के उपलब्ध साधनों से वंचित किया जाता हैं ।

6. (1) न्यूनतम आवश्यक आय की उपलब्धता ।

(2) सभी को स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध कराना ।

(3) शिक्षा, रोजगार व सुरक्षा उपलब्ध कराना ।

7. किसी व्यक्ति को गरीब माना जाता है :

(1) जब उसकी आमदनी उसकी पूरी आवश्यकताओं की पूर्ति न कर पाए ।

(2) उपभोग का स्तर कम हो ।

(3) जब भुखमरी के साथ उसके पास आश्रय भी न हो ।

8. (1) खाद्य जरूरतों, कपड़ों, जूतों इत्यादि पर ।

(2) ईंधन और प्रकाश पर ।

(3) शैक्षिक एवं चिकित्सा संबंधी जरूरतों पर ।

9. **प्रधानमंत्री रोजगार योजना :**

(1) यह योजना 1993 में शुरू हुई थी ।

(2) प्रयोजन - ग्रामीण और छोटे शहरो में शिक्षित बेरोजगार युवाओं हेतु स्वरोजगार के अवसर सृजित करना

(3) लघु व्यवसाय और उद्योग स्थापित करने में सहायता करना ।

ग्रामीण स्वरोजगार : स्वर्ण जयंती

(1) यह योजना 1995 में आरम्भ हुई थी ।

(2) प्रयोजन – ग्रामीण क्षेत्रों कस्बो और छोटे नगरों में स्वरोजगार के अवसर सृजित करना ।

(3) दसवीं पंचवर्षीय योजना में इस कार्यक्रम के तहत 25 लाख नए रोजगार के अवसर सृजित करने का लक्ष्य रखा गया था ।

10. (1) औद्योगीकरण पर अधिक ज़ोर

(2) शिक्षा के द्वारा - कौशल ज्ञान बढ़ाकर

(3) कृषि क्षेत्र में प्रगति द्वारा

(4) जनसंख्या को भी सीमित करना अति आवश्यक

5 अंको वाले प्रश्नों के उत्तर :

1. (1) भूमिहीनता (2) परिवार का आकार

(3) खराब स्वास्थ्य (4) बालश्रम

(5) बेरोजगारी (6) निरक्षरता (कोई पाँच)

2. (1) भूमि संसाधनों की कमी

(2) छोटे किसानों को बीज, खाद, कीटनाशकों जैसे कृषि आगतों की खरीदारी के लिए पूँजी की कमी।

(3) साहुकार और महाजनों का बढ़ता कर्ज भूमिहीन किसानों के लिए अभिशाप था।

(4) संसाधनों का असमान वितरण ।

(5) ग्रामीण क्षेत्रों में परिसंपत्तियों का पुनर्वितरण कर संक्षिप्त भूमि सुधार जैसी मुख्य नीति पहल को अधिकतर राज्य सरकारों ने प्रभावी ढंग से कार्यान्वित नहीं किया ।

3. गरीबी उन्नमूलन हमेशा चलने वाली एक गतिशील प्रक्रिया है अत: विकास के साथ-साथ निर्धनता की परिभाषा अवश्य बदलेगी ।

(1) आय के संदर्भ में न्यूनतम आवश्यक आय उपलब्ध हो जाएंगी ।

(2) सभी को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएँ प्राप्त होंगी ।

(3) शिक्षा के क्षेत्र में प्रगति होगी ।

(4) रोजगार सुरक्षा सुलभ होगी ।

(5) लैंगिक समता तथा गरीबों को मान सम्मान भी प्राप्त होगा ।

4. (1) विकासशील देशों में अत्यंत निर्धनता में रहने वाले लोगों का अनुपात 1990 के 28 प्रतिशत से गिरकर 2001 में 21 प्रतिशत हो गया है ।

(2) चीन और दक्षिण पूर्वी एशिया के देशों में तीव्र आर्थिक प्रगति और मानव संसाधन विकास में बहुत निवेश के कारण निर्धनता में विशेष कमी आई है।

(3) दक्षिण एशिया के देशों में भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका, नेपाल, बांग्लादेश, भूटान में निर्धनों की संख्या में गिरावट इतनी तीव्र नहीं है ।

(4) सब-सहारा अफ्रीका में निर्धनता 1981 के 41 प्रतिशत से बढ़कर 2001 में 46 प्रतिशत हो गई है।

(5) लैटिन अमेरिका में निर्धनता का अनुपात वही रहा है ।

5. (1) निर्धनता के कारणों में एक ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन के दौरान आर्थिक विकास का निम्न स्तर रहा

(2) गाँवों में रोजगार न पाने के कारण,ग्रामीण क्षेत्रों के लोग शहरों में गए। परंतु वहाँ नौकरी न पाने पर यह लोग अनियमित मजदूर बन गए इनका जीवन निर्धनता से भरपूर था ।

(3) निर्धनता का एक कारण आय में असमानता है जिसके लिए भूमि और अन्य संसाधनों का असमान वितरण उत्तरदायी है ।

(4) सामाजिक-सांस्कृतिक कारण ।

(5) भूमि और अन्य संसाधनों का असीमित वितरण ।

6. (1) प्रधानमंत्री रोजगार योजना 1993 ख इस कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों और छोटे शहरों में शिक्षित बेरोजगार युवाओं के लिए स्वरोजगार के अवसर सृजित करना है ।

(2) ग्रामीण रोजगार सृजन कार्यक्रम 1995 – इसका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों व छोटे शहरों में स्वरोजगार के अवसर सृजित करना है ।

(3) स्वर्ण जयंती ग्रामोदय योजना 1999 – इस कार्यक्रम का उद्देश्य सहायता प्राप्त निर्धन परिवारों को स्वसहायता समूहों से संगठित कर बैंक ऋण और सरकारी सहायकी के संयोजन द्वारा निर्धनता रेखा से ऊपर लाना है ।

(4) प्रधानमंत्री ग्रामोदय योजना 2000 – इसके अंतर्गत प्राथमिक स्वास्थ्य, प्राथमिक शिक्षा, ग्रामीण आश्रय, ग्रामीण पेयजल और ग्रामीण विद्युतीकरण जैसी मूल सुविधाओं के लिए राज्यों को अतिरिक्त केंद्रीय सहायता प्रदान की जाती है ।

(5) महात्मा गाँधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम 2005 में प्रारंभ की गई इस योजना में ग्रामीण क्षेत्रों में एक वर्ष में कम से कम 100 दिनों के रोजगार की गारंटी दी गई है। एक तिहाई रोजगार महिलाओं के लिए सुरक्षित हैं ।

स्रोत आधारित प्रश्न के उत्तर

1. डॉलर 1.90
2. अर्थिक प्रगति एवं मानव विकास संसाधन में निवेश
3. असत्य
4. 14

अध्याय-4
भारत में खाद्य सुरक्षा

याद रखने योग्य बातें :

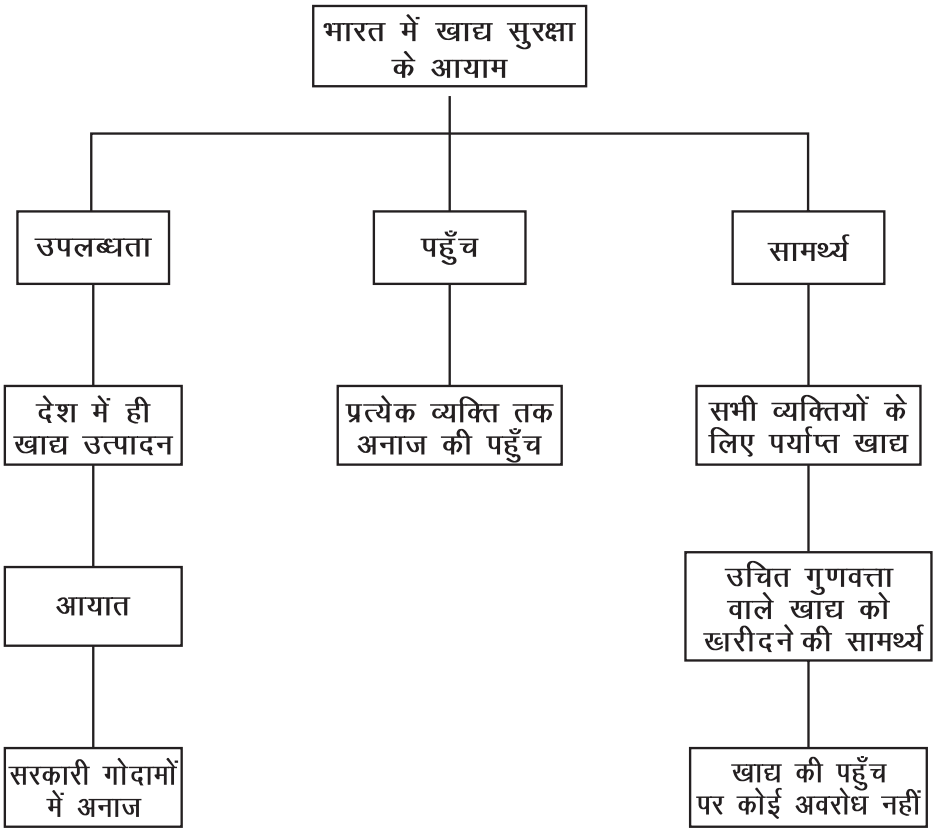

- सहकारी समितियों की खाद्य सुरक्षा में भूमिका – भारत में सहकारी समितियाँ भी खाद्य सुरक्षा, में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है ।
- तमिलनाडु में राशन की दुकानें, दिल्ली में मदर डेयरी और गुजरात में अमूल सफल सहकारी समितियों के उदाहरण हैं ।
- मौसमी भुखमरी – जब खेतों में फसल पकने और फसल कटने के चार महीने तक कोई काम नहीं होता तो मौसमी भुखमरी की स्थिति पैदा हो जाती है।

- दीर्घकालिक भुखमरी ख्र जब आहार की मात्रा निरंतर कम हो या गुणवत्ता के आधार पर कम हो ।

1 अंक वाले प्रश्नः

1. खाद्य सुरक्षा से क्या अभिप्राय है ?
2. भारत में सबसे भयानक अकाल कब और कहाँ पड़ा था ?
3. सर्वाधिक खाद्य असुरक्षित 2 राज्यों के नाम लिखिए ?

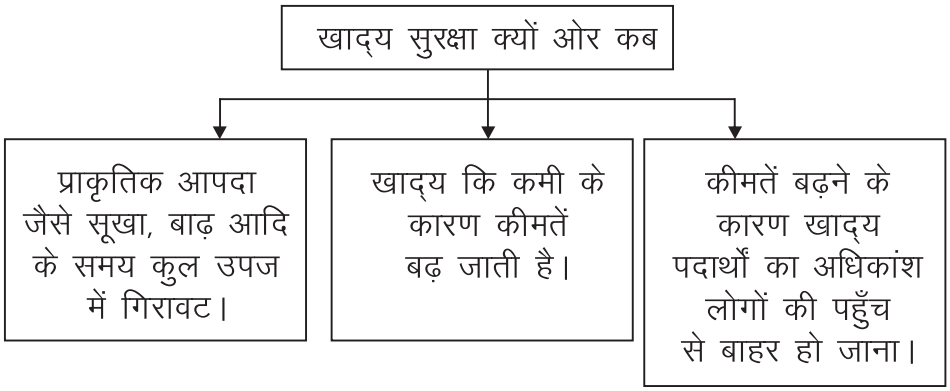

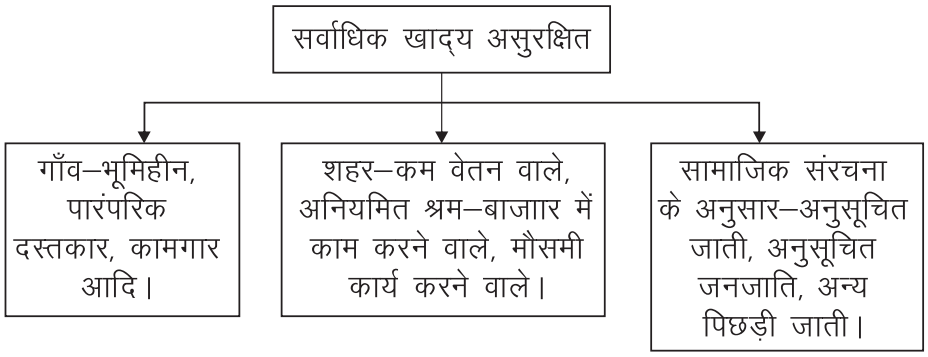

<u>भारत में खाद्य सुरक्षा व्यवस्था</u>

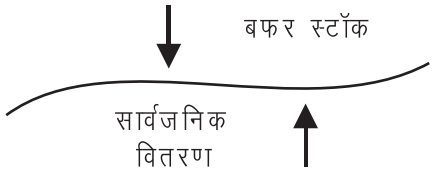

बफर स्टॉक :

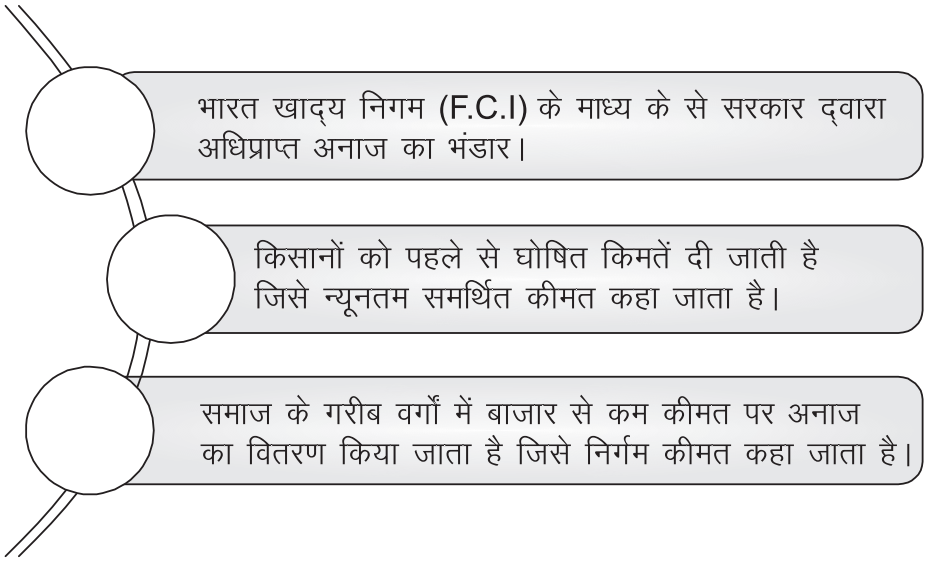

सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पी. डी. एस)

भारत खाद्य निगम (F.C.I) द्वारा अधिप्राप्त अनाज को विनियमित राशन दुकानों (उचित दर वाली दुकान) के माध्य से समाज की गरीब वर्गों में वितरित करती है।

राशन कार्ड के प्रकार

- अंत्योदय कार्ड–निर्धनों में भी निर्धन लोगों के लिए।
- बी. पी. एल. कार्ड–निर्धनता रेखा के नीचे के लोगों के लिए।
- ए. पी. एल–अन्य लोगों के लिए।

योजना का काम	आरंभ का	लक्षित समूह	अद्यतन मात्रा	निर्गम कीमत (रू. प्र. कि.)
सार्वजनिक वितरण प्रणाली	1992 तक	सर्वजनीन	–	गेहू – 2.34 चावल – 2.89
संशोधित सार्वजनिक	1992	पिछड़े ब्लॉक	20 कि. खाद्यान	गेंहूँ – 2.80 चावल – 3.77
वितरण प्रणाली लक्षित सार्वजनिक	1997	निर्धन और गैर –निर्धन बी पी एल	35 कि.	बी पी एल–गेहूँ 4.15 चावल–5.65
विवरण प्रणाली		बी. पी. एल. ए. एल.	पी.	खाद्यान एपीएल–गेंहूँ– 6.10 चावल –8.30
अंत्योदय अन्न	2002	निर्धनों में सबसे	निर्धन	35 कि. गेंहूँ – 2.00
योजना अन्नपूर्णा योजना	2000	खाद्यान दीन वरिष्ठ नागरिक		चावल – 3.00 10 कि. नि:शुल्क
राष्ट्रीय खाद्य	2013	योग्य परिवार	5 कि. प्रति	गेंहूँ – 2.00 चावल
सुरक्षा अधिनियम	व्यक्ति प्रति	माह		3.00 अनाज – 1.00

नोट : बी पी एल : निर्धनता रेखा से नीचे, ए पी एल : निर्धनता रेखा से ऊपर।

स्त्रोत : आर्थिक सर्वेक्षण

4. भुखमरी के प्रकार कौन-कौन से हैं ?

5. भारत में खाद्य सुरक्षा के दो घटक कौन-कौन से हैं ?

(1) बफर स्टॉक (2) सार्वजनिक वितरण प्रणाली

(3) दोनों (4) इनमें से कोई नहीं

6. **भारत में राशन व्यवस्था की शुरूआत किस दशक वर्ष में हुई ?**

(1) 1940 (2) 1950

(3) 1960 (4) 1970

7. **निर्गम मूल्य का अर्थ है :- खाधान्नों का बाजार कीमत से**

(1) कम होना (2) अधिक होना

(3) बराबर होना (4) इनमें से कोई नहीं

8. बफर स्टॉक भारतीय खाद्य निगम के माध्यम से सरकार द्वारा अधिप्राप्त .... हैं ।

9. निर्धनता रेखा से नीचे के लोगों को ..... कार्ड दिया जाता है ।

10. आपदा के समय खाद्य आपूर्ति ..... हो जाती है ।

11. **नीचे एक कथन (A) तथा उसका कारण (R) दिए गए हैं। इन कथनों को पढ़कर उनके नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनकर लिखिए**

कथन (A) भारतीय खाद्य निगम द्वारा सरकार से अधिप्राप्त अनाज के भंडार को बफर स्टॉक कहते हैं ।

कारण (A) आपदा के समय तथा गरीबों में वितरण हेतु इसकी आवश्यकता होती है ।

(a) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है ।

(b) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं लेकिन कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं करता है ।

(c) कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) गलत है ।

(d) कारण (R) सही है लेकिन कथन (A) गलत है ।

3 अंकों वाले प्रश्न

1. भारत में खाद्य सुरक्षा कैसे सुनिश्चित की जाती है ?
2. न्यूनतम समर्थित कीमत किसे कहते हैं ?
3. हरित क्रांति का खाद्य सुरक्षा पर क्या प्रभाव पड़ा? व्याख्या कीजिए ?
4. मौसमी भुखमरी और दीर्घकालिक भुखमरी में अन्तर कीजिए ?
5. सार्वजनिक वितरण प्रणाली की कोई तीन विशेषताएँ लिखिए ।
6. भारतीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2013 की विशेषताएँ बताएँ ।
7. अंत्योदय अन्न योजना की विशेषताएँ लिखें ।

5 अंकों वाले प्रश्न

1. आपदा के समय खाद्य सुरक्षा कैसे प्रभावित होती है ? व्याख्या कीजिए ।
2. सार्वजनिक वितरण प्रणाली के लाभों का वर्णन कीजिए ।
3. राशन की दुकानों को चलाने में कौन-कौन सी समस्याएँ आती हैं
4. गरीबों को खाद्य सुरक्षा देने के लिए सरकार ने कौन-कौन सी योजनाएं लागू की हैं?
5. खाद्य सुरक्षा उपलब्ध कराने में सहकारी समितियों की क्या भूमिका रही है ?
6. स्वतंत्रता के पश्चात् भारतीय नीति निर्माताओं ने खाद्यान्नों में आत्मनिर्भता प्राप्त करने के लिए क्या-क्या उपाय किए ?

1 अंक वाले प्रश्नों के उत्तर

1. खाद्य सुरक्षा से अभिप्राय है, सभी लोगों के लिए सदैव भोजन की उपलब्ध ता, पहुँच और उसे प्राप्त करने का सामार्थ्य ।
2. भारत में सबसे भयानक अकाल 1943 में बंगाल में पड़ा था। इसमें 30 लाख लोग मारे गए थे ।

3. बिहार, झारखंड, ओडिशा, पश्चिम बंगाल (कोई दो)
4. दीर्घकालिक भुखमरी तथा मौसमी भुखमरी
5. (3) दोनों
6. (1) 1940
7. (1) कम होना
8. बफर स्टॉक भारतीय खाद्य निगम के माध्यम से सरकार द्वारा अधिप्राप्त अनाज गेहूँ और चावल का भंडार है।
9. BPL/अन्तोदय
10. प्रभावित/बाधित
11. (a)

3 अंकों वाले प्रश्नों के उत्तर :

1. भारत में खाद्य सुरक्षा निम्नलिखित प्रकार से सुनिश्चित की जाती है

(1) खाद्य उपलब्धता

(2) खाद्य पाने का सामर्थ

(3) खाद्य तक पहुँच

2. न्यूनतम समर्थित कीमत :

(1) भारतीय खाद्य निगम अधिशेष उत्पादन करने वाले राज्यों में किसानों से गेहूँ और चावल खरीदता है।

(2) किसानों को अपनी फसलों के लिए बुआई के मौसम से पहले से घोषित कीमतें दी जाती है ।

(3) फसलों के उत्पादन के प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से सरकार न्युनतम समर्थन मूल्य की घोषणा करती हैं ।

3. हरित क्रांति का खाद्य सुरक्षा पर प्रभाव :

(1) हरित क्रांति ने भारत को खाद्यान्न में आत्मनिर्भर बना दिया ।

(2) हरित क्रांति के आने के बाद से मौसम की विपरीत दशाओं के दौरान भी देश में अकाल नहीं पड़ा।

(3) अनाज का उत्पादन बढ़ाने के परिणाम स्वरूप अनाज की उपलब्धता सुनिश्चित हो गई ।

4. (1) मौसमी भुखमरी फसल उपजाने और काटने के चक्र से संबंधित है । दीर्घकालिक भुखमरी अपर्याप्त आहार ग्रहण करने के कारण होती है ।

(2) मौसमी भुखमरी कृषि क्रियाओं की मौसमी प्रकृति के कारण होती है। दीर्घकालिक भुखमरी खाद्य पदार्थ खरीदने में अक्षमता के कारण होती है।

5. सार्वजनिक वितरण प्रणाली की विशेषताएँ :

(1) भारतीय खाद्य निगम द्वारा अधिप्राप्त अनाज को सरकार विनियमित राशन दुकानों के माध्यम से समाज के गरीब वर्गों में वितरित करती है ।

(2) अधिकांश क्षेत्रों, गाँवों, कस्बों और शहरों में राशन की दुकानें हैं। देशभर में लगभग 5.5 लाख राशन की दुकानें हैं ।

(3) राशन कार्ड रखने वाला कोई भी परिवार प्रतिमाह इनकी एक अनुबंधित मात्रा (जैसे 35 किलोग्राम अनाज 5 लीटर तेल आदि खरीद सकता है ।

6. (1) उद्देश्य – मानव का गरिमामय जीवन निर्वाह ।

(2) इसके तहत खाद्य एवं पोषण संबंधी सुरक्षा सस्ती कीमतों पर उपलब्ध कराना ।

(3) इस अधिनियम के तरत 75 प्रतिशत ग्रामीण जनसंख्या एवं 50 प्रतिशत शहरी जनसंख्या को लाभान्वित परिवारों में शामिल किया गया है ।

7. (1) दिसंबर 2000 में प्रारंभ ।

(2) निर्धनता रेखा के नीचे वाले परिवार शामिल हैं ।

(3) 2 रू. प्रति किलोग्राम गेहूँ और 3 रू. प्रति किलोग्राम की दर से चावल प्रत्येक परिवार को 35 किलोग्राम अनाज ।

(4) सर्वाजनिक वितरण प्रणाली (पी. डी. एस.) के द्वारा अनाजों का वितरण।

5 अंकों वाले प्रश्नों के सांकेतिक उत्तर :

1. (1) प्राकृतिक आपदा जैसे सूखे के कारण खाद्यान्न की कुल उपज में गिरावट आती है जिससे प्रभावित क्षेत्र में अनाज की कमी हो जाती है ।

   (2) खाद्यान्न की कमी से कीमतों में वृद्धि हो जाती है ।

   (3) कुछ लोग ऊँची कीमतों पर खाद्य पदार्थ नहीं खरीद सकते क्योंकि वे आर्थिक रूप से कमजोर होते हैं ।

   (4) अगर आपदा अधिक देर तक रहे तो भुखमरी की स्थिति बन जाती है और अकाल पड़ सकता है।

   (5) अकाल के कारण भुखमरी, महामारी फैलने से असंख्य लोगों की मृत्यु होती है ।

2. (1) मूल्यों को स्थिर रखने में सहायता ।

   (2) सामर्थ्य अनुसार कीमतों पर उपभोक्ताओं को खाद्यान्न उपलब्ध कराने में सफलता ।

   (3) कमी वाले क्षेत्रों में खाद्य पूर्ति में महत्वपूर्ण भूमिका ।

   (4) अकाल और भुखमरी की व्यापकता को रोकने में सहायता ।

   (5) निर्धन परिवारों के पक्ष में कीमतों का संशोधन ।

3. (1) राशन की दुकान चलाने वाले लोग अनाज को अधिक लाभ कमाने के लिए खुले बाजार में बेचते हैं।

   (2) राशन की दुकानों पर घटिया अनाज की बिक्री ।

   (3) राशन की दुकानें कभी-कभी उचित समय पर न खुलकर कभी कभार खुलती हैं ।

   (4) घटिया अनाज की बिक्री नहीं होती है तो भारतीय खाद्य निगम के गोदामों में विशाल स्टॉक जमा हो जाता है।

   (5) निर्धनता रेखा से ऊपर वाले परिवार खाद्यान्न की कीमत में बहुत कम छूट के कारण इन चीजों की खरीदारी नहीं करते ।

4. (1) रोजगार गारंटी योजना । (मनरेगा)

(2) दोपहर का भोजन ।

(3) संपूर्ण ग्रामीण रोजगार योजना ।

(4) एकीकृत बाल विकास योजना ।

(5) गरीबी उन्मूलन कार्यक्रम ।

(6) अंत्योदय अन्न योजना (ए. ए. वाई)

(7) अन्नपूर्णा योजना (ए. पी. एस.)

5. (1) सहकारी समितियाँ निर्धन लोगों को खाद्यान्न की बिक्री हेतु कम कीमत वाली दुकानें खोलती हैं ।

(2) समाज के अलग-अलग वर्गों के लिए खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करती हैं ।

(3) अनाज बैंको की स्थापना हेतु गैर-सरकारी संगठनों के नेटवर्क मद्द करती है।

(4) ए.डी.एस गैर– सरकारी संगठनों हेतु खाद्यान्न सुरक्षा के विषय में प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण कार्यक्रम संचालित करती है। (ए.डी.एस.-एकेडमी ऑफ डेवलपमेंट साईस)

(5) उदाहरण :

- तमिलनाडु में राशन की दुकानें ।
- दिल्ली में मदर डेयरी, दिल्ली सरकार द्वारा निर्धारित दरों दूध व सब्जियाँ उपलब्ध कराती है ।
- गुजरात में अमूल दूध ने श्वेत क्रांति ला दी है ।
- महाराष्ट्र में खोले गए अनाज बैंक ।

6. भारत सरकार ने कृषि की स्थिति सुधारने के लिए विभिन्न प्रौद्योगिकीय और संस्थापन सुधार किए ।

(1) प्रथम पंच वर्षीय योजना में कृषि को महत्व दिया गया ।

(2) कम उपजाऊ भूमि को भी खेती योग्य बनाने के लिए कदम उठाए गए।

(3) नए और अधिक उपज देने वाले नए बीज तैयार किए गए ।

(4) सिंचाई सुविधाएँ उपलब्ध कराई गईं ।

(5) मशीनों द्वारा खेती की गई।

अभ्यास प्रश्न पत्र-1

सामाजिक विज्ञान (विषय कोड-087)

कक्षा-नवीं (सत्र: 2022-23)

अवधि: 3 घंटे **अधिकतम अंक: 80**

सामान्य निर्देश:

(i) यह प्रश्न पत्र छह खण्डों में विभाजित है– खण्ड क, खण्ड ख, खण्ड ग, खण्ड घ, खण्ड ड एवं खण्ड च। इस प्रश्न पत्र में कुल 37 प्रश्न हैं।

(i) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। यद्यपि कुछ प्रश्नों में आंतरिक चयन उपलब्ध है। उनमें में से किसी एक प्रश्न को ही कीजिए।

(iii) प्रश्नों के सामने उनके निर्धारित अंक लिखे हुए है।

(iv) खण्ड 'क' (प्रश्न संख्या 1 से 20 तक) 1 अंक वाले बहुवैल्पिक प्रकार के प्रश्न हैं।

(v) खण्ड 'ख' (प्रश्न संख्या 21 से 24 तक) में 2 अंक वाले अतिलघु उत्तरीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर 40 शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

(vi) खण्ड 'ग' (प्रश्न संख्या 25 से 29 तक) में 3 अंक वाले लघु उत्तरीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर 60 शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

(vii) खण्ड 'घ' (प्रश्न संख्या 30 से 35 तक) में 5 अंक वाले दीर्घ उत्तरीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर 120 शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

(viii) खण्ड 'ड' (प्रश्न संख्या 34 से 36 तक) में 4 अंक वाले केस आधारित प्रश्न है।

(ix) खण्ड 'च' (प्रश्न संख्या 37) एक मानचित्र आधारित प्रश्न है जो 5 अंकों का जिसमें 37a इतिहास से सम्बंधित 2 अंकों का मानचित्र कार्य और 37b भूगोल से सम्बंधित 3 अंकों का मानचित्र कार्य है।

(x) मानचित्र आधारित प्रश्न संख्या 37 के स्थान पर दृष्टिबाधित विद्यार्थियों के लिए अलग से प्रश्न दिए गए हैं।

1. फ्रांस की क्रांति के समय फ्रांस का सम्राट कौन था?

(क) रूसो (ख) आबे सिए

(ग) लुई XVI (घ) लुई XIV

2. खूनी रविवार का संबंध रूस की किस क्रांति से है?

(a) 1905 की क्रांति (b) फरवरी 1917 की क्रांति

(c) अक्टूबर 1917 की क्रांति (d) 1807 की जनवरी क्रांति

3. रूस के शासकों को क्या कहा जाता था?

(a) राजा (b) सम्राट

(c) जार (d) चांलसर

4. साम्यवादी विचार के संस्थापक कौन थे?

(a) कार्ल मार्क्स (b) रूसो

(c) मांटेस्क्यू (d) जॉन लॉक

5. बांग्लादेश की सीमा से जुड़े किसी एक राज्य का नाम बताइए?

(a) गुजरात (b) तमिलनाडु

(c) असम (d) बिहार

6. राज्यसभा में राष्ट्रपति कितने सदस्य मनोनीत कर सकता है?

(a) 6 (b) 15

(c) 12 (d) 24

7. प्रधानमंत्री की नियुक्ति कौन करता है?

(a) राष्ट्रपति (b) उपराष्ट्रपति

(c) गवर्नर (d) लोकसभा अध्यक्ष

8. भारतीय सेनाओं का मुख्य कमांडर कौन होता है?

(a) प्रधानमंत्री (b) राष्ट्रपति

(c) गृहमंत्री (d) मुख्यमंत्री

9. निम्नलिखित में से किस देश में केवल शासक दल ही चुनाव लड़ सकता है?

(a) चीन (b) भारत

(c) नेपाल (d) संयुक्त राज्य अमेरिका

10. निम्नलिखित में से कौन–सा कथन लोकतंत्र के विषय में सही नहीं है?

(a) अंतिम निर्णय लेने की शक्ति लोगों द्वारा चुने हुए प्रतिनिधियों के पास होती है।

(b) लोकतंत्र निष्पक्ष और स्वतंत्र चुनावों पर आधारित होता है।

(c) लोकतंत्र में कुछ विशेष व्यक्तियों के पास एक से ज्यादा वोट डालने का अधिकार होता है।

(d) लोकतान्त्रिक सरकार संवैधानिक कानूनों के अनुसार कार्य करती है।

11. मानव अधिकार दिवस कब मनाया जाता है?

(a) 10 दिसंबर (b) 19 अक्टूबर

(c) 15 अगस्त (d) 26 जनवरी

12. राशन व्यवस्था की शुरूआत कब हुई?

(a) 1950 के दशक से (b) 1940 के दशक से

(c) 1947 से (d) 2001 से

13. अन्नपूर्णा योजना कब शुरू की गई?

(a) सन् 2014 (b) सन् 1998

(c) सन् 2000 (d) सन् 1857

14. निम्नलिखित में से कौन–सा निर्धनता का कारण नहीं है?

(a) भूमिहीनता (b) बेरोजगारी

(c) आर्थिक संवृद्धि (d) निरक्षरता

15. पालमपुर गाँव में किसान बरसात के मौसम में कौन-सी फसल उगाते हैं?

(a) गन्ना (b) गेहूँ

(c) आलू (d) बाजरा

16. निम्नलिखित में से कौन कार्यशील पूंजी का उदाहरण है?

(a) कच्चा माल (b) औजार

(c) मशीन (d) भवन

17. हरित क्रांति की शुरुआत कब हुई?

(a) 2010 के दशक में (b) 1890 के दशक में

(c) 1960 के दशक में (d) 1970 के दशक में

18. भारत में निम्न में से कौन आधुनिक कृषि को सबसे पहले अपनाने वाला राज्य नहीं था।

(a) पंजाब (b) हरियाणा

(c) उत्तर प्रदेश (d) कर्नाटक

19. उत्पादन की प्रथम आवश्यकता क्या है?

(a) भूमि (b) श्रम

(c) पूंजी (d) बाजार

20. पालमपुर के किसान तीसरी फसल के रूप में कौन–सी फसल उगाते हैं?

(a) गन्ना (b) ज्वार

(c) बाजरा (d) गेहूँ

खण्ड (ख)

21. अठ्ठारवही शताब्दी में फ्रांस में जीविका संकट कब उत्पन्न हो जाता था?

22. लंबी धारा होने के बावजूद तिब्बत के क्षेत्रों में ब्रहमपुत्र में गाद कम क्यों है?

23. जीव मण्डल निचय से क्या अभिप्राय है? कोई दो उदाहरण दीजिए?

24. "एक व्यक्ति–एक वोट–एक मोल" से क्या अभिप्राय है?

खण्ड (ग)

25. नात्सी सोच के पहलू कौन–से थे?

26. स्वस्थ जनता कैसे लाभकारी है?

27. भारत में प्रत्येक नागरिक को कौन–से मौलिक अधिकार प्राप्त हैं?

28. कौन लोग खाद्य असुरक्षा से अधिक ग्रस्त हो सकते हैं?

29. मानव पूंजी निर्माण में शिक्षा किस प्रकार सहायता करती है?

खण्ड (घ)

30. आधुनिक विश्व ने भारत और पूर्वी अफ्रीकी चरवाहा समुदायों के जीवन में जिन परिवर्तनों को जन्म दिया उनमें क्या समानताएँ थी?

31. हिमालय की नदियों और प्रायद्वीपीय नदियों में अन्तर कीजिए।

32. भारतीय संविधान को दिशा देने वाले शब्द पंथ-निरपेक्ष, गणराज्य, लोकतंत्रात्मक, बंधुता और समता का अर्थ लिखिए?

33. भारत में निर्धनता के कारणों का वर्णन कीजिए?

खण्ड (ड़)

34. दिए गए स्रोत को पढ़ें और निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दें:

हिन्दुस्तान में वन-उत्पादों का व्यापार कोई अनोखी बात नहीं थी। मध्यकाल से ही आदिवासी समुदायों द्वारा बंजारा आदि घुमंतू समुदायों के माध्यम से हाथियों और दूसरे सामान जैसे खाल, सींग, रेशम के कोये, हाथी-दाँत, बाँस, मसाले, रेशे, घास, गोंद और राल के व्यापार के सबूत मिलते हैं। लेकिन अंग्रेजों के आने के बाद व्यापार पूरी तरह सरकारी नियंत्रण में चला गया। ब्रिटिश सरकार ने कई बड़ी यूरोपीय व्यापारिक कंपनियों को विशेष इलाकों में वन उत्पादों के व्यापार की इजारेदारी सौंप दी। स्थानीय लोगों द्वारा शिकार करने और पशुओं को चराने पर बंदिशें लगा दी गई। इस प्रक्रिया में मद्रास प्रेसीडेंसी के कोरावा, कराचा व येरूकुला जैसे अनेक चरवाहे और घुमंतू समुदाय अपनी जीविका से हाथ धो बैठे। इनमें से कुछ को अपराधी कबीले कहा जाने लगा और ये सरकार की निगरानी में फैक्ट्रियों, खदानों व बगानों में काम करने को मजबूर हो गए।

1. हिंदुस्तान में आदिवासी समुदायों द्वारा किन वन्य उत्पादों का व्यापार किया जाता था?
2. ब्रिटिश सरकार ने विशेष इलाकों की इजारेदारी किसे सौंप दी?
3. अनेक चरवाहे और घुमंतू समुदाय फैक्ट्रियों, खदानों व बगानों में काम करने को मजबूर हो क्यों हो गए?

35. नीचे दिए गए अनुच्छेद को बढ़कर पूछे गए प्रश्नों का उत्तर दीजिए।

प्रायद्वीपीय पठार की एक विशेषता यहाँ पाई जाने वाली काली मृदा है। जिसे दक्कन ट्रैप के नाम से भी जाना जाता है। इसकी उत्पत्ति ज्वालामुखी से हुई है, इसलिए इसके शैल आग्नेय है। वास्तव में इन शैलों का समय के साथ अपरदन हुआ है, जिनमें काली मृदा का निर्माण हुआ है। अरावली की पहाड़ियों प्रायद्वीपीय पठार के पश्चिमी एवं उत्तर पश्चिमी किनारे पर स्थित है। ये बहुत अधिक अपरदित एवं खण्डित पहाड़ियाँ है। ये गुजरात से लेकर दिल्ली तक दक्षिण पश्चिम एवं उत्तर पूर्व दिशा में फैली है।

1. काली मृदा को किस नाम से भी जाना जाता है?
2. प्रायद्वीपीय पठार के शैल आग्नेय क्यों है?
3. काली मृदा का निर्माण कैसे हुआ है?

36. नीचे दिए गए स्रोत को पढ़ें और निम्न प्रश्नों के उत्तर दें

भारत के पश्चिम में अरब सागर तथा पूर्व में बंगाल की खाड़ी स्थित है। अक्षांश और देशांतर का विस्तार लगभग 30^0 है। परंतु फिर भी पूर्व-पश्चिम का विस्तार उत्तर-दक्षिण के विस्तार की अपेक्षा कम प्रतीत होता है। गुजरात से अरुणाचल प्रदेश के स्थानीय समय में दो घंटे का अंतर है अत: $82^0 30'$ पूर्व देशांतर रेखा को भारत की मानक याम्योत्तर माना गया है जो कि उत्तर प्रदेश में मिर्जापुर से गुजरती है। अक्षांश का प्रभाव दक्षिण से उत्तर की ओर, दिन और रात की अवधि पर पड़ता है।

1. अरब सागर भारत से किस दिशा में स्थित है?
2. भारत का अक्षांशीय विस्तार कितना है?
3. गुजरात से अरुणाचल प्रदेश के स्थानीय समय में दो घंटे का अंतर क्यों है?

खण्ड (च)

37. (a) विश्व मानचित्र पर चिन्हित स्थानों को पहचानिए:

(i) शहर जहाँ 14 जुलाई 1789 को क्रुद्ध भीड़ ने बास्तील पर धावा बोलकर नेस्तेनाबूद कर दिया

(ii) प्रथम विश्वयुद्ध में शामिल एक मित्र राष्ट्र

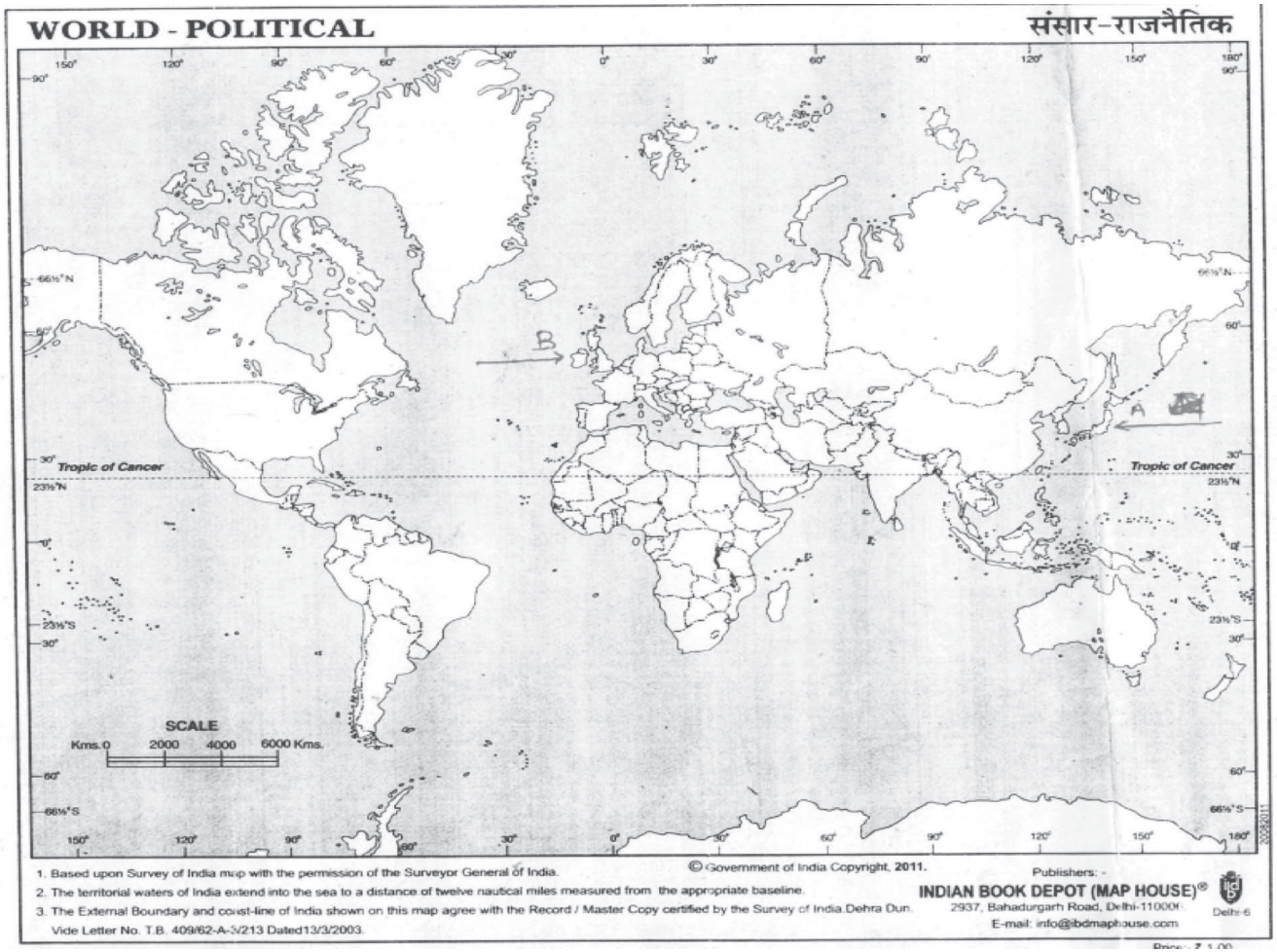

WORLD - POLITICAL
संसार-राजनैतिक
Tropic of Cancer
SCALE
Kms. 0 2000 4000 6000 Kms.
A
B
1. Based upon Survey of India map with the permission of the Surveyor General of India.
2. The territorial waters of India extend into the sea to a distance of twelve nautical miles measured from the appropriate baseline.
3. The External Boundary and coast-line of India shown on this map agree with the Record / Master Copy certified by the Survey of India Dehra Dun.
Vide Letter No. T.B. 409/62-A-3/213 Dated13/3/2003.
© Government of India Copyright, 2011.
Publishers :-
INDIAN BOOK DEPOT (MAP HOUSE)®
2937, Bahadurgarh Road, Delhi-110006.
E-mail: info@ibdmaphouse.com

37. (b) भारत के मानचित्र पर चिन्हित स्थानों को पहचानिए:

(i) क्षेत्रफल के आधार पर सबसे बड़ा राज्य

(ii) वूलर झील

(iii) सरिस्का वन्य प्राणी अभयारण्य

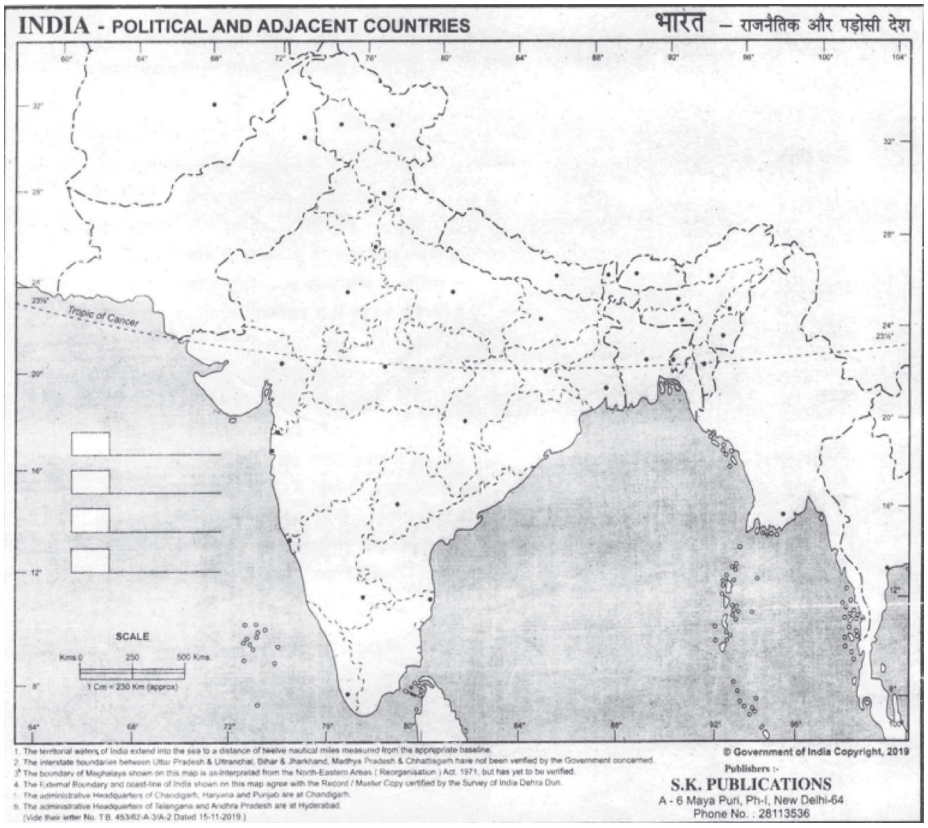

नोट: निम्नलिखित प्रश्न दृष्टिबाधित विधयार्थियों के लिए प्रश्न संख्या 37 के स्थान पर दिए गए हैं

(i) शहर का नाम बताइए जहाँ 14 जुलाई 1789 को क्रुद्ध भीड़ ने बास्तील पर धावा बोलकर नेस्तेनाबूद कर दिया?

(ii) प्रथम विश्वयुद्ध में शामिल एक मित्र राष्ट्र का नाम बताइए?

(iii) क्षेत्रफल के आधार पर सबसे बड़ा राज्य का नाम बताइए?

(iv) भारत की मीठे पानी की सबसे बड़ी प्राकृतिक झील का नाम बताइए?

(v) गुजरात स्थित नेशनल पार्क का नाम बताइए?

अभ्यास प्रश्न पत्र-2

सामाजिक विज्ञान (विषय कोड-087)

कक्षा-नवीं (सत्र: 2022-23)

अवधि: 3 घंटे **अधिकतम अंक: 80**

सामान्य निर्देश:

(i) यह प्रश्न पत्र छह खण्डों में विभाजित है- खण्ड क, खण्ड ख, खण्ड ग, खण्ड घ, खण्ड ड एवं खण्ड च। इस प्रश्न पत्र में कुल 37 प्रश्न हैं।

(i) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। यद्यपि कुछ प्रश्नों में आंतरिक चयन उपलब्ध है। उनमें में से किसी एक प्रश्न को ही कीजिए।

(iii) प्रश्नों के सामने उनके निर्धारित अंक लिखे हुए है।

(iv) खण्ड 'क' (प्रश्न संख्या 1 से 20 तक) 1 अंक वाले बहुवैल्पिक प्रकार के प्रश्न हैं।

(v) खण्ड 'ख' (प्रश्न संख्या 21 से 24 तक) में 2 अंक वाले अतिलघु उत्तरीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर 40 शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

(vi) खण्ड 'ग' (प्रश्न संख्या 25 से 29 तक) में 3 अंक वाले लघु उत्तरीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर 60 शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

(vii) खण्ड 'घ' (प्रश्न संख्या 30 से 35 तक) में 5 अंक वाले दीर्घ उत्तरीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर 120 शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

(viii) खण्ड 'ड' (प्रश्न संख्या 34 से 36 तक) में 4 अंक वाले केस आधारित प्रश्न है।

(ix) खण्ड 'च' (प्रश्न संख्या 37) एक मानचित्र आधारित प्रश्न है जो 5 अंकों का जिसमें 37a इतिहास से सम्बंधित 2 अंकों का मानचित्र कार्य और 37b भूगोल से सम्बंधित 3 अंकों का मानचित्र कार्य है।

(x) मानचित्र आधारित प्रश्न संख्या 37 के स्थान पर दृष्टिबाधित विद्यार्थियों के लिए अलग से प्रश्न दिए गए हैं।

1. वाइमर संविधान का कौन–सा अनुच्छेद राष्ट्रपति को आपातकाल लगाने और नागरिक अधिकार निलंबित करने की शक्ति देता था? 1

(क) अनुच्छेद– 46 (ख) अनुच्छेद– 47

(ग) अनुच्छेद– 48 (घ) अनुच्छेद– 49

2. निम्नलिखित में उस समुदाय की पहचान कीजिए जो बस्तर से सम्बन्धि नहीं था? 1

(क) गोंड (ख) मारिया

(ग) धुरूवा (घ) राइका

3. निम्नलिखित में से कौन से चरवाहे पर्वतीय क्षेत्र से सम्बन्धित हैं? 1

(क) भोटिया (ख) शेरपा

(ग) किन्नौरी (घ) उपरोक्त सभी

4. मसाई समाज किन दो सामाजिक श्रेणियो में विभाजित थे? 1

(क) शहरी और ग्रामीण में (ख) वरिष्ठजन और यौद्धाओं में

(ग) चरवाहो और गडरियो में (घ) उच्च वर्ग और निम्न वर्ग में

5. निम्नलिखित देशों को उनके क्षेत्रफल के अनुसार क्रम के लगाइए। 1

(क) चीन (ख) ब्राजील

(ग) भारत (घ) आस्ट्रेलिया

विकल्प :

(i) I, II, III, IV (ii) IV, III, II, I

(iii) III, IV, I, II (iv) I, II, IV, III

6. मिलान करे:

भौतिक स्वरूप	**प्रकार**
i हिमालय की श्रृखंला	A ब्रहम्पुत्र की क्षेत्र
ii उत्तरी मैदान	B बघेलखंड
iii मध्य भूमि पठार	C लक्षद्वीप
iv द्वीपीय समूह	D हिमाचल

7. निम्नलिखित मे से कौन सी मीठे पानी की झील नहीं है? 1

(क) चिल्का झील (ख) डल झील

(ग) वूलर झील (घ) भीमताल

8. सुन्दरी वृक्ष कहां पाए जाते है? 1

(क) ज्वारीय वन (ख) उष्ण कटिवंधीय पर्णपाती वन

(ग) पर्वतीय वन (घ) उष्ण कटिबंधीय वर्षा वन

9. निम्नलिखित में से कौन–सा युग्म सही नहीं है? 1

(क) जामुन– रक्तचाप का निदान

(ख) बबूल– आंख की फुंसी मे लाभदायाक

(ग) नीम– जीवाणु प्रतिरोधक

(घ) कचनार– दमा रोग के निदान में

10. निम्नलिखित में से कौन जनसंख्या में परिवर्तन लाने वाले घटक हैं? 1

(क) जन्मदर (ख) मृत्यु दर

(ग) प्रवास (घ) उपरोक्त सभी

11. निम्नलिखित में से कौन–सा बिन्दु लोकतंत्र से संम्बन्धित है? 1

(क) धर्म के आधार पर वोट का का अधिकार देना

(ख) पिछले दो चुनावों में शासक दल की पराज्य होना

(ग) स्वतंत्रत चुनाव आयोग हा न होना

(घ) नियमित अन्तराल पर चुनाव न होना

12. ए. एन. सी. का पूर्ण रूप क्या है? 1

(क) अफ्रीकी न्यू कमिशन (ख) अफ्रीकी नेशनल कमिशन

(ग) अमेरिकन न्यूट्रल कमिशन (घ) अफ्रीकी नेशनल कांग्रेस

13. निम्नलिखित में से कौन सा कार्य संसद करती है? 1

(क) मौजूदा कानूनों में परिवर्तन करना

(ख) मौजूदा कानूनों को समाप्त करना

(ग) नए कानून बनाना (घ) उपरोक्त सभी

14. पालमपुर की गैर–कृषि क्रिया कौन–सी नहीं है? 1

(क) परिवहन (ख) डेयरी

(ग) भूमि बेचना (घ) दुकानदारी

15. निम्नलिखित में से कौन **हरित क्रांति** से सम्बन्धित है? 1

(क) गेहूं और चावल के उत्पादन में वृद्धि

(ख) पारम्परिक उर्वरकों का उपयोग

(ग) सामान्य बीजो का उपयोग

(घ) परिवार के भोजन के लिए कृषि

16. निम्नलिखित में से कौन सा प्राथमिक गतिविधि का उदाहरण नही है? 1

(क) मछली पकड़ना (ख) खनन

(ग) पशुपालन (घ) बीमा

17. रिक्त स्थान की पूर्ति करे। 1

क्षेत्रक	उदाहरण
द्वितीयक	वस्तु निर्माण
तृतीयक	?

(क) खेती (ख) परिवहन

(ग) वानिकी (घ) उत्खनन

18. निम्नलिखित में से कौन–सा गरीबी के लिए चुनौती है? 1

(क) बेरोजगारी (ख) बालश्रम

(ग) निरक्षता (घ) उपरोक्त सभी

19. निम्नलिखित में से कौन–सा राशन कार्ड का प्रकार नही है? 1

(क) बी. पी. एल. कार्ड (ख) ए. पी. एल. कार्ड

(ग) पी. डी. एस. कार्ड (घ) अंत्योदय कार्ड

20. राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम कब बना? 1

(क) वर्ष 2012 (ख) वर्ष 2013

(ग) वर्ष 2014 (घ) वर्ष 2011

(खण्ड ख)

21. रोबेस्प्यीर के शासन काल को 'आतंक का युग' क्यों कहा गया? 2

22. भारत के लिए लम्बी समुद्र रेखा किस तरह लाभदायक है? 2

23. लोकतंत्र की कोई दो विशेषताएं बताइए। 2

अथवा

लोकतंत्र की कोई दो कमियां बताइए।

24. हरित क्रांति की मुख्य विशेषताएँ बताइए (कोई भी दो)। 2

बहुविध फसल प्रणाली की कोई दो विशेषताएँ लिखिए?

(खण्ड ग)

25. "अप्रैल थीसिस" की प्रमुख माँगों की व्याख्या कीजिए। 3

अथवा

रूसी क्रांति के लिए उत्तरदायी किन्ही तीन परिस्थितियों (कारणों) का वर्णन कीजिए। 1

26. 'संविधान' किसे कहते है? संविधान के दो मुख्य कार्यों को बताइए। 3

27. 'राज्यसभा की तुलना में लोकसभा अत्याधिक शक्तिशाली है' व्याख्या करें।

28. शिक्षा के स्तर में सुधार के लिए सरकार द्वारा उठाए गए विभिन्न कदम का वर्णन कीजिए। 3

29. भारतीय खाद्य निगम की भूमिका की व्याख्या कीजिए? 3

(खण्ड घ)

30. डायट्रिच ब्रैंडिस कौन थे? डायट्रिच ब्रैंडिस ने जंगलों के सुधार के लिए क्या सुझाव दिया? 5

अथवा

बस्तर के अदिवासियों के आवास और जीवन शैली का वर्णन करे।

31. जलवायु के मुख्य नियंत्रकों का वर्णन कीजिए। 5

अथवा

भारतीय मानसूनी वर्षा की किन्हीं पाँच विशिष्टताओं का वर्णन कीजिए।

32. मौलिक अधिकार किसे कहते हैं? भारतीय संविधान में वर्णित स्वतंत्रता के अधिकार का वर्णन करें। 5

अथवा

"हाल के दिनों में अधिकारों के क्षेत्र का विस्तार हुआ" उदाहरण के साथ कथन की व्याख्या करें।

33. "गरीबी मानवता के लिए एक अभिशाप है" उदाहरण द्वारा कथन की पुष्टि करें। 5

अथवा

भारत में गरीबी कम करने के लिए कोई पाँच उपाय सुझाइए।

(खण्ड ङ)

34. दिए गए स्त्रोत को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

प्रायद्वीपीय पठार क्रिस्टलीय, आग्नेय तथा रूपांतरित शैली से बना है। यह गोंडवान भूमि के टूटने एंव अपवाह के कारण बना था। इस पठारी भाग में चौड़ी तथा छिछली घाटियाँ एंव गोलाकार हैं। इस पठार के दो मुख्य भाग हैं 'मध्य उच्चभूमि' तथा दक्कन का पठार नर्मदा नदी के उत्तर में प्रायद्वीपीय पठार का वह भाग जो कि मालवा के पठार के अधिकतर भागों पर फैला है जिसे मध्य उच्च भूमि से जाना जाता है। बिध्य श्रृखंला दक्षिण में सतपुड़ा श्रृखंला तथा उत्तर–पश्चिम में अरावली से घिरी है। इसके क्षेत्र मे बहने वाली नदियाँ चबंल, सिंघ, बेतवा तथा केन दक्षिण–पश्चिम से उत्तर–पूर्व की तरफ बहती हैं। इस पठार को पूर्वी विस्तार को स्थानीय रूप से बुंदेलखण्ड तथा बघेलखंड के नाम से जाना जाता है।

34. 1 प्रायद्वीपीय पठार के बनने का कारण बताइए? 1

34. 2 मध्य उच्चभूमि कहां पर अवस्थित है? 1

34. 3 प्रायद्वीपीय पठार के पूर्वी विस्तार को स्थानीय रूप से किन दो नामो से जाना जाता है? 1

35. दिए गए स्त्रोत को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

साम्राज्यवादी जर्मनी की पराज्य और सम्राट के पद त्याग ने वहां की संसदीय पार्टियों को जर्मन राजनीतिक व्यवस्था को एक नए साँचे में ढालने का अच्छा मौका उपलब्ध कराया। इसी सिलसिले में वाइमर में एक राष्ट्रीय सभा की बैठक बुलाई गई और संघीय आधार पर एक लोकतांत्रिक संविधान पारित किया गया। नई व्यवस्था में जर्मन संसद यानी राइख्स्टाग के लिए जनपतिनिधियों का चुनाव किया जाने लगा। प्रतिनिधियों के लिए औरतों सहित सभी व्यस्क नागरिको को समान और सार्वभौमिक मताधिकार प्रदान किया गया। लेकिन यह नया गणराज्य खुद जर्मनी के ही बहुत सारे लोगों को रास नहीं आ रहा था।

35. 1 जर्मनी को साम्राज्यवादी क्यों कहा गया? 1

35. 2 वाइमर में राष्ट्रीय सभा की बैठक किस उद्देशय से बुलाई गई? 1

35. 3 राइखस्टॉग के प्रतिनिधियों का चुनाव किस तरह हुआ? 2

36. दिए गए स्रोत को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए: 4

हमारे यहां लोकसभा और विधानसभाओं के चुनाव हर पाँच साल बाद होते हैं। पाँच साल के बाद सभी चुने हुए प्रतिनिधियों का कार्यकाल समाप्त हो जाता है। लोकसभा और विधानसभाओं 'भंग' हो जाती हैं। फिर सभी चुनाव क्षेत्रों में एक ही दिन या एक छोटे अंतराल में अलग–अलग दिन चुनाव होते है जो किसी सदस्य की मृत्यु या इस्तीफे से खाली हुआ होता है। इसे उपचुनाव कहते हैं।

36. 1 हमारे देश में चुनाव कौन करवाता है? 1

36. 2 पाँच वर्ष बाद विधानसभाएँ क्यों भंग हो जाती है? 1

36. 3 आमचुनाव और उपचुनाव में अन्तर कीजिए। 2

विश्व के मानचित्र पर निम्नलिखित स्थानों को दर्शाइए:

(खण्ड–च)

37. मानचित्र आधारित प्रश्न

37.b भारत के राजनीतिक मानचित्र पर निम्नलिखित में किन्हीं तीन को पहचानें और चिन्हित करे:

A प्रथम विश्व युद्ध में शामिल केन्द्रीय शक्ति का एक राष्ट्र

B प्रथम विश्व युद्ध का एक मित्र राष्ट्र देश।

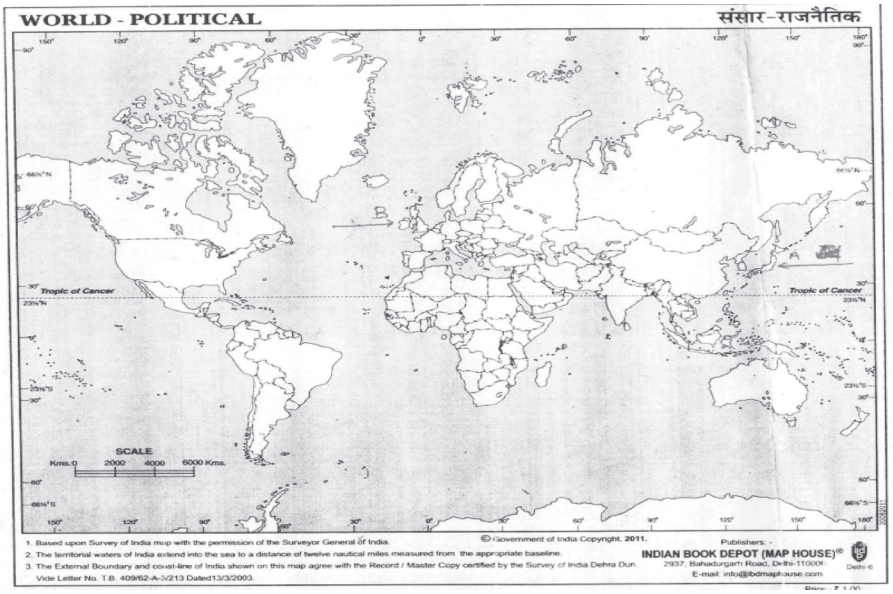

A. सरिस्का वन्यजीव अभ्यारण

B. चिल्का झील

C. सबसे अधिक जनसंख्या धनत्व वाला राज्य

D. रंगडितु पक्षी अभ्यारण

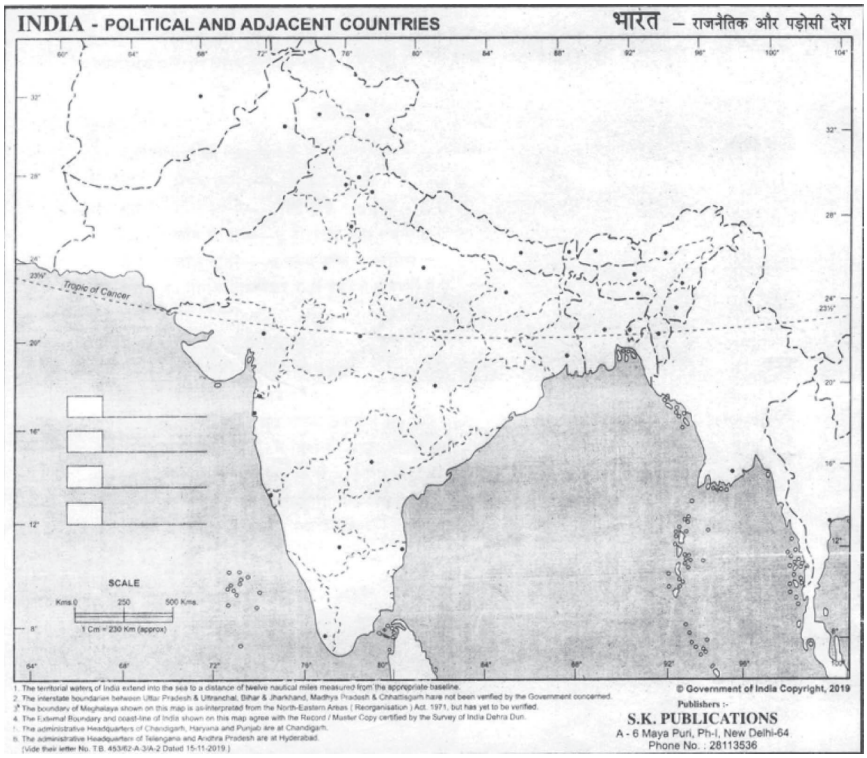

नोट: निम्नलिखित प्रश्न दृष्टिबाधित विधार्थियों के लिए प्रश्न संख्या 37 के स्थान पर दिए गए हैं किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

37. 1 बास्तील किला कहां पर स्थित था। 1

37. 2 मित्र राष्ट्रों में से वह कौन सा देश था जो वर्ष 1917 में युद्ध में शामिल हुआ?

37. 3 सरिस्का वन्य जीव अभ्यारण कहां पर स्थित है?

37. 4 चिल्का झील किस राज्य में है?

37. 5 सबसे अधिक जनसंख्या घनत्व वाले राज्य का नाम बताइए?

37. 6 रंगडितु पक्षी अभ्यारण किस राज्य में स्थित हैं?

टिप्पणी